



वनस्पति अन्वेषण Plant Discoveries 2018

नये वंश, जातियाँ एवं नये अभिलेख
NEW GENERA, SPECIES AND NEW RECORDS

5 जून • June-2019



पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय
Ministry of Environment, Forest & Climate Change

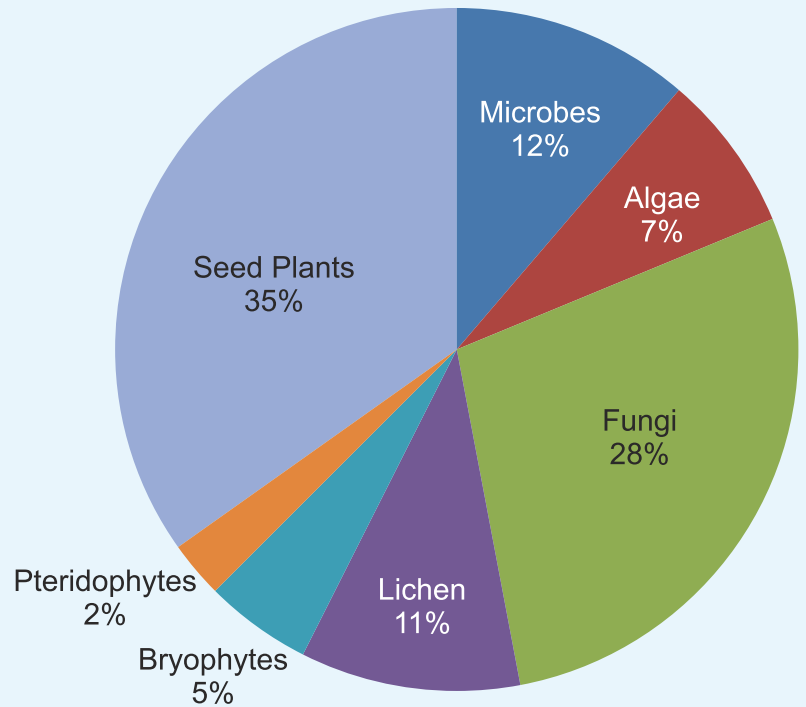


भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण
BOTANICAL SURVEY OF INDIA
भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण
Botanical Survey of India

भारत से विगत 10 वर्षों में किये गये वनस्पतियों के अन्वेषण का विवरण PLANT DISCOVERIES MADE DURING LAST 10 YEARS FROM INDIA

समूह Groups	2009	2010	2011	2012	2013	2014	2015	2016	2017	2018	कुल योग / Total
जीवाणु / Microbes	43	38	38	19	45	35	49	50	30	27	374
शैवाल / Algae	5	2	8	53	40	25	22	26	39	15	235
कवक / Fungi	84	29	87	59	127	53	117	62	108	173	899
शैवाक / Lichen	39	24	42	57	11	33	45	32	17	53	353
हरितोद्भिद / Bryophytes	20	12	17	25	19	8	17	20	6	26	170
पर्णांग / Pteridophytes	2	26	4	3	1	6	16	1	4	9	72
बीजीय पौधे / Seed Plants	75	101	88	110	118	118	101	128	148	135	1122
कुल योग / Total	268	232	284	326	361	278	367	319	352	438	3225

विगत दशक में भारत से वनस्पतियों के विभिन्न समूहों के कुल 3225 अन्वेषण किये गये हैं। इन अन्वेषणों में सर्वाधिक अन्वेषण बीजीय पौधों में 1122 (35 प्रतिशत), इसके बाद कवकों में 899 (28 प्रतिशत) दर्ज किये गये हैं। जीवाणुओं और शैवाकों का प्रतिशत क्रमशः 12 एवं 11 प्रतिशत रहा है, जबकि शैवालों ने इसमें 7 प्रतिशत का योगदान किया है, हरितोद्भिदों का 5 प्रतिशत एवं पर्णांगों का कुल अन्वेषण में योगदान केवल 2 प्रतिशत दर्ज किया गया है। कुल अन्वेषणों में 37 प्रतिशत संवहनीय पादपों का एवं 63 प्रतिशत असंवहनीय पादपों का योगदान रहा है। विगत 10 वर्षों के आंकड़ों का विश्लेषण करने पर पता चलता है कि 321 जातियाँ प्रति वर्ष की औसत से विज्ञान के लिये नयी जातियाँ अथवा भारत के लिये नये वितरणपरक अभिलेख दर्ज किये गये हैं।



Percentage of Different plant groups discovered during last 10 Years

During the last decade a total number of 3225 taxa of plants from different plant group have been discovered from India. Maximum discoveries have been made from seed plants with 1122 (35%) taxa, followed by fungi 899 (28%). Microbes and Lichen contributes 12% and 11% respectively, while Algae contributes 7%, Bryophytes 5% and the Pteridophytes contribute the least 2% of the total discoveries. Vascular plants contribute 37% while non-vascular contributes 63% in total discoveries. The analyses of last 10 years data revealed that in an average 321 new discoveries either new to science or new records to Indian flora were made.



1890 ई० में स्थापित, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण अपने सर्वेक्षण, वस्तुसूची, प्रलेखन, वर्गीकी शोध एवं पर्यावरण के प्रति जागरूकता द्वारा वन्य पादप विविधता के संरक्षण एवं सतत उपयोग हेतु वैज्ञानिक आधार प्रदान करते हुये राष्ट्र की सेवा में कार्यरत है।

1954 ई० में भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण के पुनर्गठन के बाद से विभाग के वैज्ञानिकों ने

- 01 नया कुल,
- 43 नवीन वंश,
- 1666 नयी जाति, उपजाति एवं प्रभेदों का अन्वेषण किया।

वर्ष 2018 के दौरान भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण एवं अन्य संस्थानों के पादप वर्गीकरण वैज्ञानिकों ने

- 07 वंश
- 224 जातियाँ
- 10 अवजातीय विशिष्ट वनस्पतिजात का भारत से विज्ञान हेतु नवीन अन्वेषण एवं
- 01 कुल
- 03 वंश
- 183 जातियाँ
- 10 अवजातीय विशिष्ट वनस्पतिजात के नवीन अभिलेखों का भारतीय वनस्पति हेतु अन्वेषण किया।

वर्ष 2018 के दौरान भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण के पादप वर्गीकरण वैज्ञानिकों ने वनस्पतियों के 02 नए वंश, 65 नयी जातियाँ एवं 03 नये प्रभेदों को विज्ञान के लिये सर्वथा नये अन्वेषणों के तौर पर प्रकाशित किया है तथा 1 कुल, 2 वंश, 39 जातियाँ, 3 प्रभेदों एवं 1 रूप की खोज करके भारतीय वनस्पतिजात के लिए नया अभिलेख बनाया है। वर्ष 2018 के रोचक आंकड़ों में बागवानी, कृषि, औषधीय एवं सजावटी महत्व की वनस्पतियों जैसे अमोम (जंगली इलायची), साइकस, रूबस (रसभरी), सिजाईजियम (जंगली जामुन), टर्मिनेलिया, बालसम, जिजिबर्स आदि की वन्य किस्मों के साथ 7 वृक्ष जातियों एवं 10 आर्किड की जातियों का अन्वेषण किया गया है।

Botanical Survey of India (BSI), established in 1890, serves the nation by providing scientific basis for conservation and sustainable utilization of wild plants through survey, inventory, documentation, taxonomic research and creating environmental awareness.

Since reorganization of BSI in 1954, the scientists of BSI have discovered

- 01 new family
- 43 new genera
- 1666 new species, subspecies and varieties and records

During 2018, the Plant Taxonomists of BSI and other institutes have discovered

- 07 genera
- 224 species
- 10 infra specific taxa as new to science from India and
- 01 family
- 03 genera
- 183 species
- 04 infra specific taxa as new records for Indian Flora

During the year 2018 the scientists of BSI published 02 new genera, 65 new species and 03 new infra specific taxa of plants as new to science and discovered 01 family, 02 genus, 39 species, 3 varieties and one forma as new records for India. Interestingly, this year's discoveries include wild relatives of many potential horticulture, agriculture, medicinal and ornamental plants such as Amomum (wild cardamom), Cycads, Rubus (raspberry), Syzygium (Wild Jamun), Terminalia, Balsams, Zingibers and also 7 trees and 10 orchids..

वनस्पति अन्वेषण 2018

© भारत सरकार

आई.एस.बी.एन : 978-81-941140-3-1

प्रकाशित : 5 जून, 2019

संपादन

ए.ए. माओ एवं एस.एस. दाश

संकलन

एस.एस. दाश एवं संजय कुमार

सहयोग

देबस्मिता दत्ता प्रमाणिक

टी.एम.एम. जगदीश

मनोज ई. हेम्ब्रम

हिन्दी अनुवाद

संजय कुमार, श्याम किशोर महतो एवं कैलाश प्रसाद कुशवाहा

सर्वाधिकार सुरक्षित । इस प्रकाशन का कोई भी अंश कॉपीराइट धारकों की अनुमति के बिना पुनर्प्रवर्तित रिटिवल पद्धति से भंडारण, किसी भी साधन या प्रणाली जैसे इलैक्ट्रॉनिक, यांत्रिक, रिकार्डिंग या अन्यथा संचारित नहीं किया जा सकता है।

मुख्य पृष्ठ/छायाचित्र

1. हैंकिया पाठकाई – गोपाल कृष्णा
2. माइक्रोलेपिया शुभांगीआई – सचिन शर्मा
3. उडेरिया लेमेलीकॉउलिस – डी.के.सिंह
4. इंडोपोरस शोरियाई – अरविंद परिहार
5. ट्रायपेथेलियम जानथोप्लेटिसटोमम – जी. स्वर्णलता

प्रकाशक

भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, सी. जी. ओ. कॉम्प्लेक्स

सॉल्ट लेक सिटी, कोलकाता- 700064

वेबसाइट : <http://bsi.gov.in> ई.मेल: nelumbo.bsi@gmail.com

मुद्रक

आरसी प्रैस, नई दिल्ली

: 09871196002

Plant Discoveries 2018

© Government of India

ISBN : 978-81-941140-3-1

Published: 5th June, 2019

Edited by

A.A. Mao & S.S. Dash

Compiled by

S.S. Dash & Sanjay Kumar

Assistance

Debasmita Dutta Pramanick

T.A.M. Jagadeesh

Manoj E. Hembrom

Hindi Translation

Sanjay Kumar, Shyam Kishore Mahato & Kailash Prasad Kushwaha

All rights reserved. No part of this publication may be reproduced, stored in retrieval system, or transmitted in any form or by any means, electronic, mechanical, photocopying, recording, or otherwise, without the permission of the copyright owners.

Cover Page/ Photo

1

2

4

3

5

1. *Henckelia pathakii* – Gopal Krishna

2. *Microlepidia shubhangiae* – Sachin Sharma

3. *Udaria lamellicaulis* – D. K. Singh

4. *Indoporus shoreae* – Arvind Parihar

5. *Trypethelium xanthoplatystomum* – G. Swanalata

Published by

Botanical Survey of India, CGO Complex

Salt Lake City, Kolkata- 700 064

website: <http://bsi.gov.in> email: nelumbo.bsi@gmail.com

Printed by

Arcee Press, New Delhi



सी. के. मिश्रा
C.K. Mishra



सचिव
भारत सरकार
पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय
SECRETARY
GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF ENVIRONMENT, FOREST AND CLIMATE CHANGE




प्राक्कथन

130 वर्ष पुराना भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण हमारे देश के विविध पारितंत्रों के सर्वेक्षण और अन्वेषण में कार्यरत एक प्रमुख शोध संस्थान है। इस संस्थान के वैज्ञानिकों ने विभिन्न जैव-भौगोलिक क्षेत्रों से 3 मिलियन से अधिक पौधों के मूल प्ररूप और प्रतिरूप एकत्रित किए हैं। इन संग्रहों में प्राप्ति, उपयोगिता और वितरण संबंधी असीम जानकारीयां मौजूद हैं, जिनमें जैव-पूर्वक्षण सहित अनगिनत शोध लक्ष्यों के लिए अद्वितीय अवसर प्रदान करने की प्रबल संभावनाएं हैं। हाल के वर्षों में, जैव विविधता विज्ञान पर अधिक ध्यान दिया गया है जिससे समजीवजात (बायोटा) और विकास के संरक्षण संबंधी एक समग्र दृष्टिकोण सुनिश्चित हो। इसके लिए, सही और सटीक जानकारी अत्यावश्यक है, जिसके लिए भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण ने जैव विविधता की स्थिति के बारे में अद्यतन सूचना प्रदान कर अपनी विश्वसनीयता स्थापित की है।

अब तक, हमने वनस्पतियों के विभिन्न समूहों की 49441 जातियों को अन्वेषण और वर्णित किया है, फिर भी अभी भी कई ऐसी जातियां हैं, जो विज्ञान और हमारे लिए अज्ञात हैं। सर्वेक्षण के दौरान किए गए अथक प्रयासों की बदौलत, विशेष रूप से भारत के विभिन्न राज्यों के दूरदराज के इलाकों में, हमने कई नवीन पादप जातियां अन्वेषित की हैं। भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण के वैज्ञानिक इन जातियों का सही वैज्ञानिक नामकरण करके तथा इन्हें पादपालयों में संग्रहित करके व्यवस्थित रूप से प्रलेखित करते हैं। मुझे यह जानकर प्रसन्नता है कि वर्ष 2018 में विज्ञान के लिए सर्वथा नई 241 जातियों को प्रकाशित किया गया तथा अन्यत्र ज्ञात 197 जातियों के अभिलेखों को हमारे राष्ट्रीय सीमा के अंदर पहली बार प्रलेखित कर नये वितरणपरक अभिलेख के तौर पर प्रकाशित किया गया है। मुझे खुशी है कि भारतीय वनस्पति विविधता की वर्तमान स्थिति को अद्यतन करके भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण "वनस्पति अन्वेषण 2018" प्रकाशित कर रहा है। इस अंक में 135 बीजीय पौधों, 09 पर्णांग, 26 हरितोद्भिद, 53 शैवाक, 15 शैवाल, 173 कवक और 27 जीवाणुओं को अन्वेषित एवं वर्णित किया गया है, जो विज्ञान के लिए नये अथवा भारत के लिए नए वितरणपरक अभिलेख हैं।

मैं, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण के निदेशक और उनके समर्पित वैज्ञानिकों के दल को वनस्पति अन्वेषण के 12वें संस्करण को समय पर प्रकाशित करने के लिए बधाई देता हूं। मुझे पूर्ण विश्वास है कि पूर्व वर्षों की भांति "वनस्पति अन्वेषण 2018" को हर वर्ग के पाठकगण सराहेंगे और विशेषकर वनस्पति विज्ञान से सम्बद्ध शोधार्थी और छात्र इसे एक उपयोगी संदर्भ पुस्तक के रूप में अपनाएंगे।


(सी. के. मिश्रा)

दिनांक : 29 मई 2019

स्थान : नई दिल्ली

इंदिरा पर्यावरण भवन, जोर बाग रोड़, नई दिल्ली-110 003 फोन : 011-24695262, 24695265 फैक्स : 011-24695270

INDIRA PARYAVARAN BHAWAN, JOR BAGH ROAD, NEW DELHI-110 003 Ph. : 011-24695262, 24695265 Fax : 011-24695270

E-mail : secy-moef@nic.in, Website : moef.gov.in



सी. के. मिश्रा
C.K. Mishra



सचिव
भारत सरकार
पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय
SECRETARY
GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF ENVIRONMENT, FOREST AND CLIMATE CHANGE



FOREWORD

Botanical Survey of India (BSI), the 130 year old premier research organisation has been engaged in survey and exploration of diverse ecosystems of our country. Scientists of this organization have collected more than 3 million plant specimens from different phyto-geographical region. These collections contain enormous information on occurrence, usefulness and distribution, which has a potential role for providing unique opportunities for multiple research goals including bio-prospecting. In recent years, more and more attention has been paid to the science of biodiversity to ensure a holistic approach on conservation of biota and development. In this regard, correct information is vital for which BSI has established its credentials by providing updated knowledge on the status of biodiversity.

Till date, we have discovered, documented and described 49441 plant species and many are still unknown to us. Survey efforts, particularly in remote areas of different states, have discovered many new species. The scientists of BSI systematically document, providing the correct scientific name along with the herbarium where the specimens are deposited. I am delighted to know that, in 2018 alone 241 species have been published as new to science and 197 species have been recorded for the first time from our national boundary. I am happy that, BSI is publishing "Plant Discoveries 2018" in updating the current status of Indian plant diversity. The present volume reports 135 Seed plants, 09 Pteridophytes, 26 Bryophytes, 53 Lichens, 15 Algae, 173 Fungi and 27 Microbes either new to science or a new distributional record for India.

I congratulate the efforts of Director, BSI and his dedicated team of scientists for bringing out twelfth volume of the series on time. I am sure like previous year, "Plant Discoveries 2018" will be appreciated by a wide range of audience in general and the botanical fraternity in particular.


(C.K. Mishra)

Dated : 29th May 2019

Place : New Delhi

इंदिरा पर्यावरण भवन, जोर बाग रोड़, नई दिल्ली-110 003 फोन : 011-24695262, 24695265 फैक्स : 011-24695270

INDIRA PARYAVARAN BHAWAN, JOR BAGH ROAD, NEW DELHI-110 003 Ph. : 011-24695262, 24695265 Fax : 011-24695270
E-mail : secy-moef@nic.in, Website : moef.gov.in



अपर सचिव
भारत सरकार
पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय
Additional Secretary
Government of India
Ministry of Environment, Forest and Climate Change

रवि अग्रवाल
Ravi Agrawal



संदेश

हमें पारितंत्र से मिलने वाली सुविधाओं और इसकी परिमाणात्मक संधारणीयता के सभी स्तरों को समझने के लिए जैव विविधता के संदर्भ में जानकारी होना आवश्यक है। भारत में पिछले दशकों में जैव विविधता पर शोध विशेष रूप से वनस्पतियों पर अध्ययन और नवीन अन्वेषणों में उत्तरोत्तर सराहनीय वृद्धि हुई है। ज्यादा से ज्यादा संस्थान और संगठन जैव विविधता की परतों को उजागर करने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं। हमारे मंत्रालय के अधीन एक प्रमुख शोध संस्थान के रूप में, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, वार्षिक आधार पर वनस्पतियों के सभी समूहों की विविधता की वर्तमान स्थिति को सामने लाने के लिए इन सभी सूचनाओं के प्रलेखीकरण, संकलन और अद्यतन में अग्रणी भूमिका निभा रहा है।

मुझे यह जानकर प्रसन्नता हुई कि पिछले संस्करणों की तरह, विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण लगातार बारहवें वर्ष "वनस्पति अन्वेषण-2018" प्रकाशित कर रहा है। वर्ष 2018 के दौरान, हमारे देश की सीमा के अंदर भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण और अन्य शोध संस्थानों के वैज्ञानिकों ने बीजीय पौधों, शैवालों, कवकों, शैवाकों, हरितोद्भिदों और जीवाणुओं की 400 जातियों से अधिक को अन्वेषित किया है। दिलचस्प यह है कि भारत से इस बार 2 *अमोमम* (जंगली इलायची), *साइकस*, *रुबस* (शहतूत), 2 *सिजाईजियम* (जंगली खाद्य जामुन), 3 *टर्मिनेलिया* और 5 *बालसम*, 4 *जिंजिबर्स* एवं 7 वृक्ष की जातियों के अभिलेख को प्रकाश में लाया गया। इन नवीन अन्वेषणों में से कुछ जैसे कि *ब्रैचिस्टेलमा अनंतापुरामेन्से* (नवीन खाद्य कंद जाति), *स्टेपलेटोनिया रिगोनेस* (नवीन बांस की जातियाँ), 10 आर्किड जातियाँ, समुद्री कवक, शैवाक भविष्य में बागवानी, कृषि और औषधीय महत्व के हो सकते हैं।

मैं, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण के समस्त वैज्ञानिकों को साधुवाद देता हूँ जिनके समर्पित प्रयास की बदौलत "वनस्पति अन्वेषण-2018" का उचित समय पर प्रकाशन संभव हुआ है। मैं आशा करता हूँ कि भारत में जैव विविधता की स्थिति को अद्यतन करने वाले इस महत्वपूर्ण प्रकाशन को वनस्पति विज्ञान से संबंधित सारे व्यक्ति पढ़ेंगे और लाभान्वित होंगे। मुझे आशा है कि हमारे देशवासियों को हमारी वनस्पतियों के परिवर्तनशील प्रालेख के बारे में शिक्षित करने में इसका महत्वपूर्ण योगदान होगा।

(रवि अग्रवाल)

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : 24 मई 2019



रवि अग्रवाल
Ravi Agrawal



अपर सचिव
भारत सरकार
पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय
Additional Secretary
Government of India
Ministry of Environment, Forest and Climate Change



MESSAGE

Information on biodiversity is prerequisite to understand all levels of the ecosystem services and its quantitative sustainability. Research on biodiversity particularly in floristic studies and discovering novelties has commendably grown during the last decades in India. More and more institutes and organizations are trying hard to unfold the layers of biodiversity. Botanical Survey of India, the premier organization of our ministry is playing the lead role in documenting, compiling and updating of all these information to generate the current status of Plant diversity of all groups of plants on annual basis.

I am happy to know that, like previous issues, Botanical Survey of India is publishing the 'Plant Discoveries-2018' for the twelfth consecutive year on the occasion of World Environment Day. During the year 2018, Scientists of BSI and other research institutions within our country have discovered more than 400 taxa of plants, algae, fungi, lichens, bryophytes and microbes. Interestingly, 2 *Amomum* (wild cardamom), *Cycas*, *Rubus* (raspberry/blackberry), 2 *Syzygium* (Wild edible Jamun), 3 *Terminalia* and 5 Balsams, 4 Zingibers and 7 tree species recorded for the first time from India. Some of these new discoveries such as *Brachystelma ananthapuramense* (new edible tuber species); *Stapletonia rigoense* (New Bamboo species); 10 orchid species, marine fungus, lichens can be of horticulture, agriculture and medicinal value in future.

I congratulate the entire team of BSI scientists for their dedicated effort to bring out "Plant Discoveries 2018" in time. I am sure, that botanical fraternity to go through this important publication updating the Indian plant biodiversity status. I hope it would contribute significantly in educating the people of our country about the changing profile of our flora.

(Ravi Agrawal)

Place : New Delhi

Dated : 24th May 2019

डॉ. ए. ए. माओ
निदेशक

Dr. A. A. Mao
Director



भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण
BOTANICAL SURVEY OF INDIA
E-mail : nelumbo.bsi@gmail.com



प्रस्तावना/PREFACE

मुझे वनस्पति अन्वेषण के बारहवें अंक को प्रस्तुत करते हुए प्रसन्नता हो रही है, जिसे भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण (भावस) के द्वारा प्रत्येक वर्ष विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर प्रकाशित किया जाता है। इस प्रकाशन की परिकल्पना वर्ष 2007 में देश में बिते वर्ष में विज्ञान के लिये खोजे गए पौधों के विभिन्न समूहों की जातियों के सभी अभिलेखों को व्यापक रूप से एक ही प्रकाशन में उपलब्ध कराने के लिए की गई थी, क्योंकि यह जानकारियां विश्व भर के वैज्ञानिक शोध पत्रिकाओं में बिखरी रहती हैं, जो आमतौर पर विशेषज्ञों के एक विशेष समूह अथवा सामान्य वैज्ञानिक समुदाय एवं जनसामान्य हेतु अनुपलब्ध होती है। हमारे इस प्रकाशन में राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय वानस्पतिक समुदाय के द्वारा अत्यधिक रुचि एवं अपार समर्थन दिखाया गया है, मुझे गर्व है कि देश की वर्तमान वनस्पति विविधता की अवस्थिति को अद्यतन करने के लिए भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण सफलतापूर्वक राष्ट्रीय आकांक्षा को पूरा कर रहा है।

पिछले एक दशक से वानस्पतिक अन्वेषणों के साथ काम करते हुए, हमने इन अन्वेषणों में क्रमिक रूप बढ़ती प्रवृत्ति का अवलोकन किया है, विशेषकर निम्न पादप समूहों में यह अपेक्षाकृत तेजी से बढ़ी है। यहां तक कि, पूर्वी घाट और तटीय क्षेत्रों एवं डेक्कन पठार जैसे जैव-भौगोलिक क्षेत्रों में, जहाँ इससे पहले भी वनस्पतियों पर अच्छे से कार्य किया जा चुका था, आज प्राकृतिक वातावरण में विभिन्न मानवजनित हस्तक्षेपों और प्रभावों के बावजूद, वहाँ से पुष्पीय पौधों की कई रोचक नई जातियों की खोज हो रही है। भारत से प्रति वर्ष आर्थिक महत्व के पौधों की कई नवीन जातियों जैसे केला, हल्दी कुल, बालसम, जामुन, ताड़, रसबेरी एवं ब्लैकबेरी की खोज की जा रही है। अतएव, इस प्रकाशन में दी गई कई वैज्ञानिक जानकारियों के सार्वजनिक अनुक्षेत्र में आ जाने से न केवल शोधकर्ताओं और नीति निर्माताओं के लिए भारत की जैव विविधता की वर्तमान स्थिति पर

I am happy to present the twelve editions of Plant Discoveries, which Botanical Survey of India (BSI) has been publishing every year on the occasion of World Environment Day (WED). The conception of this publication was conceived in 2007 to make widely available all records of plant species discovered from India in the preceding year because this information remain scattered in a wide array of scientific journals which are usually restricted to a particular group of specialists or inaccessible to common scientific community. With the overwhelming interest in this information from national and international botanical fraternity, I feel proud that Botanical Survey of India have been successfully accomplishing the national aspiration on updating the status on plant diversity.

Working with plant discoveries for last one decade, we observed an increasing trend in discoveries, particularly in the lower plant group. Even, in spite of various anthropogenic influences in the natural environment some of the well explored phytogeographic regions like Eastern Ghats and Coastal regions, Deccan plateau are witnessing interesting new discoveries of flowering plants. Several new species of wild relative of economic importance plant species such as Musa, Gingers, Balsams, Syzygium, Palms, Raspberry and Blackberry are still being discovered every year from India. Therefore, the scientific data provided in this publication on public domain not only enriches our knowledge about the current status of biodiversity

स्थिति स्पष्ट होती है और हमारा ज्ञान बढ़ता है अपितु हमारा यह प्रयास कृषि, आण्विक जीव विज्ञान, भेषज गुणविज्ञान (फार्माकोग्नॉसी) और पादप प्रजनन (प्लांट ब्रीडिंग) आदि क्षेत्रों में प्रगतिशील अनुसंधान के लिए संभावनाओं का विस्तृत क्षेत्र खोलता है।

वर्ष 2018 के दौरान, हमारे देश से पुष्पीय पौधों, पर्णांगों, हरितोद्भिदों, कवकों, शैवाकों, शैवालों एवं जीवाणुओं की 400 से अधिक जातियों एवं अवजातिय विशिष्ट जातियों को भारतीय वनस्पतिजात (फ्लोरा) में समाहित किया गया है। गत वर्ष में देश से बीजीय पौधों में 103 जातियों को विज्ञान के लिये नई जातियों और 32 जातियों को नये अभिलेख के रूप में अन्वेषित किया गया है, जो कुल अन्वेषणों का 31 प्रतिशत है। सर्वाधिक अन्वेषण कवकों में हुआ है जो 39 प्रतिशत है, इसके बाद शैवाक 12 प्रतिशत, हरितोद्भिद एवं जीवाणुओं में प्रत्येक का 6 प्रतिशत योगदान है। शैवालों की मात्र 15 जातियों का ही अन्वेषण विज्ञान के लिये नई अथवा भारत के लिये नवीन अभिलेखों के रूप में हुआ है। पिछले वर्ष की भांति, सर्वाधिक अन्वेषण तीन जैव विविधता हॉट स्पॉट्स जिनमें पश्चिमी हिमालय, पश्चिमी घाट एवं पूर्वी हिमालय से प्राप्त हुये हैं। कई पारम्परिक फसलों की संबद्ध जातियों के पौधों, उत्पाद निर्माण की क्षमता वाली जातियों, वैकल्पिक खाद्य जातियों जैसे कंद, जामुन, केला, मशरूम एवं शैवालों का भी इन क्षेत्रों से अन्वेषण हुआ है।

हमने फिर से जैव विविधता अधिनियम 2002 की धारा 39 उपधारा (3) के घोर उल्लंघनों पर ध्यान दिया है, जिसके अनुसार "किसी भी व्यक्ति द्वारा यदि कोई भी अन्वेषण प्रकाशित किया जाता है, तो उसे इसे संबंधित प्राधिकृत पादपालय अथवा संस्थान में अधिसूचित करवाकर अन्वेषणकर्ता द्वारा वाउचर नमूने को संग्रहित करवाना अनिवार्य होगा"। वर्ष 2018 के अन्वेषणों को संकलित करते हुए, हमने पाया है कि नई वर्णित पौधों की जातियों के टाईप (प्ररूप) को निर्दिष्ट रिपॉजिटरी (परिशिष्ट दो) में संग्रहित नहीं किया गया है। 2 मिलियन से अधिक पादप नमूनों के संरक्षक और प्राधिकृत पादपालय (परिशिष्ट -1) में सम्मिलित होने के रूप में, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण आधुनिक बुनियादी ढांचे और प्ररूपों को संरक्षित रखने की बुनियादी सुविधाओं से सुसज्जित है। हम आशा करते हैं कि नई प्रजातियों के अन्वेषक राष्ट्रीय जैव विविधता अधिनियम के दिशानिर्देशों के अनुसार कार्य करेंगे और स्वैच्छिक रूप से अपने नमूनों को प्राधिकृत पादपालयों विशेषकर भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण के पादपालयों में जमा करेंगे।

पूर्व प्रकाशित अंकों की भांति "वनस्पति अन्वेषण 2016" वर्ष 2016 में अन्वेषित और प्रकाशित नये भारतीय वनस्पति पर विभिन्न स्रोतों से प्राप्त आंकड़ों का संकलन है (विगत वर्षों के कुछ आंकड़े भी हमें अभी उपलब्ध हुए हैं)। इसमें

of India for researchers and policy makers, but opens an arena of possibilities for progressive researches in the field of agriculture, molecular biology, Pharmacognosy and plant breeding.

During the year 2018 more than about 400 species and infra-specific categories of flowering plants, pteridophytes, bryophytes, fungi, lichens, algae and microbes have been added to the Indian flora. Seed plants contributed 103 species new to science and 32 species with new distributional record; which is 31 per cent of total discovery. Maximum discoveries have been made from fungi which accounts to 39 per cent followed by Lichens 12 percent, Bryophyte and Microbes 6 percent each. Only 15 species of Algae were discovered as new to science or newly reported from India. Like the previous years, maximum number of discoveries was made from three biodiversity hot-spots i.e. Western Himalaya, Western Ghats and Eastern Himalaya. Many close relatives of crop plants, potential plants for product development, alternative foods such as: Aroids, Syzygium, Musa, Mushrooms and Algae have also been discovered from these regions.

We have again noticed gross violations of section 39 subsection (3), of Biodiversity Act 2002, which stipulates that "Any new taxon discovered by any person shall be notified to the repositories or institutions designated for this purpose and he shall deposit the voucher specimens with such repository or institution". While compiling this year's plant discoveries, we again noticed that, type specimens of many of these newly described plant species have not been deposited in the designated repositories (Appendix I). Being custodians of more than 2 million plant specimens and as one of the designated repository, BSI is equipped with modern infrastructure and protracted storage facilities of type material. We sincerely hope and expect that the authors of the new species will act upon as per the guidelines of National Biodiversity act and voluntarily deposit the type specimens in the designated repositories, preferable at BSI

Information and some of the photographs included here have been sourced from the papers published in Acta Botanica Hungarica, Annales Botanici Fennici, Antonie van Leeuwenhoek, Asian

सम्मिलित की गई वानस्पतिक सूचनाएं तथा कुछ छायाचित्र एकटा बॉटनिका हंगरिका, एनल्स बॉट. फेनीसी, एंटोनी वॉन ल्यूवेनहॉक, एशियन ज. कर्न्जरवेशन बायोल., बालसम आफ ईस्टर्न हिमालया –ए रिजिनल रिविजन, बांग्लादेश ज. प्लांट टैक्सान., ब्लूमिया, बॉटनिका मैरिना, बॉटनी लेट्सर्स, क्रिप्टोगैमी बायोल., क्रिप्टोगैमी माइकोलॉजी, करंट रिसर्च इनवॉयर. एप्लाइड माइकोलॉजी, करंट साइंस, ईडनबर्ग ज. बॉट., यूफोर्बिया वर्ल्ड, यूरोपियन जर्नल ऑफ टैक्सोनॉमी, फोलिया जियोबॉट., गार्ड. बुलेटिन. सिंगापुर, हावर्ड पेपर्स इन बॉटनी, इंडियन फॉरेस्टर, इंडियन ज. फॉरेस्ट्री, इंटर. ज. एडवा. रिसर्च, इंटर. ज. सिस्ट. इवोल. माइक्रोबायोलॉजी, जर्नल ऑफ बॉटनिकल रिसर्च इंस्टीट्यूट टैक्सान, जर्नल ऑफ इकोनॉमिक एंड टैक्सोनॉमिक बॉटनी, जर्नल ऑफ जैपनीज बॉटनी, जार्डन जर्नल ऑफ बायोलॉजिकल साइंस, जर्नल ऑफ एशिया पैसिफिक बायोडावर्सिटी, जर्नल ऑफ थ्रिटेन्ड टैक्सा, कवक, क्यू बुलेटिन, माइकोकिज, माइकोलॉजिकल प्रोग्रेस, माइकोस्फीयर, माइकोटैक्सॉन, प्लांट साइंस टूडे, प्लियोनी, प्लोस वन, रिडिया, रोडोडेन्ड्रॉन (मेलबर्न), द एमआईओएस जर्नल, तर्कजननोविया, तुर्किश जर्नल ऑफ बॉटनी एवं बेब्बिया इत्यादि में प्रकाशित शोध पत्रों से साभार ली गई हैं। मैं व्यक्तिगत तौर पर उपरोक्त सभी शोध पत्रों का शुक्रगुजार हूँ जिन्होंने अपने प्रकाशनों को हमारे साथ साझा किया है। साथ ही, मुझे पूरा विश्वास है कि भविष्य में भी हमें उनका सहयोग मिलता रहेगा। वनस्पति अन्वेषण 2018 के प्रकाशन हेतु हमें मिले वानस्पतिक शोध समुदाय के सहयोग एवं पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के प्रति हम कृतज्ञता व्यक्त करते हैं।

ए. ए. माओ
निदेशक
भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण

J. Conservation Biol., Balsam of Eastern Himalaya –A Regional Revision, Bangladesh J. Plant Taxon., Blumea, Botanica Marina, Botany Letters, Cryptogamie Bryol., Cryptogamie Mycologie, Curr. Res. Environ. App. Mycol., Current Science, Edinburgh J. Bot., Euphorbia World, European Journal of Taxonomy, Folia Geobot., Gard. Bull. Singapore, Harvard Papers in Botany, Indian Forester, Indian J. Forestry, Int. J. Adv. Res., Int. J. Sys. Evol. Microbiol., J. Bot. Res. Inst. Texas, J. Eco. Tax. Bot., J. Jap. Bot., Jordan J. Biol. Sci., Journal of Asia-Pacific Biodiversity, Journal of Threatened Taxa, KAVAKA, Kew Bulletin, MycoKeys, Mycological Progress, Mycosphere, Mycotaxon, Natl. Acad. Sci. Lett. Nelumbo, Nordic J. Bot., Nova Hedwigia, Phytos, Phytotaxa, Plant Science Today, Pleione, PLoS ONE, Rheedea, Rhododendron (Melbourne), Richardiana, Sci. Res. Reporter, Species, Studies in Fungi, Taiwania, The MIOS Journal, Turczaninowia, Turkish Journal of Botany, Webbia etc. I personally acknowledge them all for sharing these published works and hope they will continue to do so in future. The support of the entire botanical fraternity and Ministry of Environment, Forest and Climate Change in bringing out the Plant Discoveries 2018 is highly acknowledged.

A. A Mao
Director
Botanical Survey of India

परिचय/PREAMBLE

बुद्धिमत्ता सभी जीवित, मनुष्य सहित और निर्जीव चीजों को उनके नाम से सम्बोधित करने से प्रारम्भ होती है। सत्ताईस साल पहले, इस मंत्रालय के तत्कालीन सचिव पद्म भूषण डॉ. टी. एन. खोशू ने उपरोक्त कथन वर्गिकी पर तैयारियों की राष्ट्रीय स्तर की समीक्षा के दौरान कही थी। भारत में वर्गिकी कौशलता बहुत हद तक इस विषय पर हमारी समझ, प्रशिक्षित मानव शक्ति की उपलब्धता या वर्गिकी विशेषज्ञता और बुनियादी ढांचे पर निर्भर करती है। "वर्गिकी में उत्पन्न यह अवरोध" आनुवांशिक संसाधनों से प्राप्त लाभों के संरक्षण, सतत उपयोग और साझाकरण पर ठोस निर्णय लेने की हमारी क्षमता में बाधा डालती है। जैव विविधता की गिरावट के वर्तमान युग में, वर्गिकी एवं पादप विविधता के प्रलेखन एवं नयी जातियों के अन्वेषण एवं वर्णन का विज्ञान आज विकट अवस्था में है।

भारत, जो बृहद विविधता वाले देशों में एक है और जैव विविधता के चार वैश्विक हॉट स्पॉट्स में से एक है, जिनमें पश्चिमी घाट, हिमालय, इंडो-बर्मा एवं सुंडालैंड; का एक हिस्सा है, और 49,000 जातियों से सुशोभित है।

विगत चार दशकों में हमारे देश में वनस्पति विविधता पर जागरूकता और इससे संबद्ध ज्ञान ने गति प्राप्त की है। पौधों के प्रलेखन और संरक्षण का विज्ञान जीवों, उनकी उपयोगिता और परंपराओं, संस्कृति, धर्म और लोककथाओं के विभिन्न पहलुओं के बीच अन्तर संबंधों पर केंद्रित है। जैव विविधता को अक्षुण्ण एवं सुरक्षित रखने और इसके सतत उपयोग के लिए न केवल वैज्ञानिक, आर्थिक और सामाजिक-राजनीतिक प्रासंगिकता की आवश्यकता है, अपितु यह हमारा नैतिक दायित्व भी है। भारत में जातियों की विशाल विविधता लाखों वर्षों की विकासवादी जैविक प्रक्रियाओं का परिणाम है, जिसने अपने निर्वहन के लिये विभिन्न पारिस्थितिक आवासों को आकार दिया है।

हमारे वर्तमान ज्ञान के आधार पर भारत में पौधों (आवृतबीजीय, अनावृतबीजीय, पर्णांग, हरितोदभिद्, शैवाक, कवक, शैवाल आदि सम्मिलित हैं) की 49000 से अधिक जातियों की पहचान और वर्गीकरण किया जा चुका है, इसके बाद भी बहुत सी जातियों की पहचान और वर्णन किए जाने शेष हैं।

देश की पादप जातियों के प्रलेखन और सूचीकरण में योगदान करने के लिए हमारी प्रतिबद्धता बहुत बड़ी है और इसमें वर्गिकी के क्षेत्र में प्रशिक्षित श्रमशक्ति की कमी से अवरोध उत्पन्न हो रहा है। प्रगतिशील अनुप्रयुक्त अनुसंधान क्षेत्र में आई गति और जैवभौगोलिकी, पारिस्थितिकी, आणविक विज्ञान, लोक-वानस्पतिक विज्ञान और फार्माकोग्नॉसी जैसे विषयों के आंकड़ों को इसमें सम्मिलित करने से ये आर्थिक और पारिस्थितिक क्षमता की तलाश में एक अंतःविषय विषय बन गये हैं। भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण पिछले छः दशकों से देश की वानस्पतिक

All wisdom begins by calling all living (including humans) and non-living things by their proper names. Twenty seven years ago, the then Secretary to this Ministry Padma Bhushan Dr T.N. Khoshoo, said this while reviewing the country level of preparedness on taxonomy. India's taxonomic ingenuities depend largely on our understanding of taxonomy, availability of trained manpower or taxonomic expertise and infrastructure. This "taxonomic impediment" hinders our ability to make informed decisions about conservation, sustainable use and sharing of the benefits derived from genetic resources. Today, in the era of declining biodiversity, taxonomy, the science of discovering and describing and documenting the plant diversity is in a critical state.

India, one of the mega diverse countries and part of four global hotspots of biodiversity; the Western Ghats, the Himalayas, Indo-Burma and Sundaland; endowed with more than 49000 species of plants.

Awareness and detailed knowledge on plant diversity gained momentum in our country in the last four decades or so. The science of plant documentation and conservation focuses on the relationships between living organisms, their usefulness and different facets of traditions, culture, religion and folklore. Safeguarding and sustainable use of biodiversity not only necessitate a scientific, economic and socio-political relevance, but it is also our ethical obligation. India's immense diversity of species is the fascinating result of millions of years of evolutionary biological processes that have shaped varied ecological habitats for its subsistence. In the present state of our knowledge India has more than 49000 species of plants (Angiosperm, Gymnosperm, Pteridophytes, Bryophytes, Lichens, Fungi, Algae, etc.) already identified and classified, but there are still many yet to be identified and described.

Our commitment towards contributing to the complete inventory of plant species of the country is huge and greatly hindered by shortage of trained manpower in the field of taxonomy. With gaining momentum of progressive applied research and inclusion of data from biogeography, ecology, molecular sciences, ethnobotany and Pharmacognosy became an interdisciplinary subject in quest of economic and ecological potentials. Botanical Survey of India has been working dedicatedly for last six decades in

समूह Group	भारत में पाई जाने वाली जातियों की संख्या No of species in India	भारतीय वनस्पति में प्रतिशत Percentage of Indian flora
जीवाणु/विषाणु/Virus/Bacteria	1223	2.47
शैवाल/Algae	7411	14.98
कवक/Fungi	15396	31.14
शैवाक/Lichens	2581	5.22
हरितोदभिद्/Bryophytes	2780	5.62
पर्णांग/ Pteridophytes	1302	2.63
अनावृतबीजी/Gymnosperms	82	0.16
आवृतबीजी/Angiosperms	18666	37.78
योग/Total	49441	100

विविधता के दस्तावेजीकरण का कार्य समर्पित भाव से करता आ रहा है। वनस्पति अन्वेषण के बारहवें संस्करण का संकलन करते हुये हमने पाया कि समकालीन वनस्पति वर्गिकी पुराने बाह्याकार लक्षणों से अब नये आणविक तकनीकों का उपयोग करते हुए जातिवृत्तीय अध्ययनों विशेष रूप से कवक और शैवालों के मामले में बदल गई है।

वर्तमान आंकलन में अनुसार भारत में आवृतबीजीय पौधों की कुल 18,666 जातियाँ, अनावृतबीजीयों की 82 जातियाँ, पर्णांग की 1302 जातियाँ, कवक की 15,396 जातियाँ, शैवाल की 7411 जातियाँ, हरितोदभिद् की 2780 जातियाँ, लाइकेन की 2581 जातियाँ और जीवाणुओं की 1223 जातियाँ हैं जो विश्व की कुल पादप प्रजातियों का अनुमानित 11.5 प्रतिशत है। भारत से नवीन अन्वेषित एवं अभिलेखित की गई पादप जातियों का समूहवार विवरण सारणी में दिया गया है।

वर्ष 2018 के दौरान, वैज्ञानिकों के द्वारा वनस्पतियों के 7 नवीन वंश, 224 नवीन जातियाँ, 10 उपजातियाँ एवं प्रभेदों को भारत से विज्ञान हेतु अन्वेषित किया गया है जबकि नये वितरणपरक अभिलेख के तौर पर 1 कुल, 3 वंशों, 183 जातियों, 10 अर्तजातियों को भारत से प्रथम बार अभिलेखित किया गया है। वर्ष 2018 के दौरान देश भर से किये गये कुल अन्वेषणों में 26 प्रतिशत अन्वेषण भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण के वैज्ञानिकों के द्वारा प्रकाशित की गई हैं, 74 प्रतिशत अन्य संस्थानों के वैज्ञानिकों एवं वर्गिकी शिक्षा विदों के द्वारा प्रकाशित की गई हैं।

वर्ष 2018 के दौरान असंवहनीय पादपों का 67 प्रतिशत जबकि संवहनीय पादपों का 33 प्रतिशत योगदान रहा है। असंवहनीय पादपों में सर्वाधिक 59 प्रतिशत योगदान कवकों का इसके बाद शैवाकों का (18 प्रतिशत), जीवाणुओं एवं हरितोदभिदों में प्रत्येक का क्रमशः 9 प्रतिशत योगदान रहा है। कुल अन्वेषणों में 39 प्रतिशत कवकों का, बीजीय पौधों का (31 प्रतिशत), शैवाक (12 प्रतिशत), जीवाणुओं एवं हरितोदभिदों में प्रत्येक का क्रमशः 6 प्रतिशत शैवालों का (4 प्रतिशत) एवं पर्णांगों का (2 प्रतिशत) योगदान है।

documenting the plant wealth of the country. While compiling the twelve volume "Plant discoveries-2018" we observed that, the contemporary taxonomy has been changed from morphological based to studying phylogenetic relationships using new molecular techniques especially in fungi and algae.

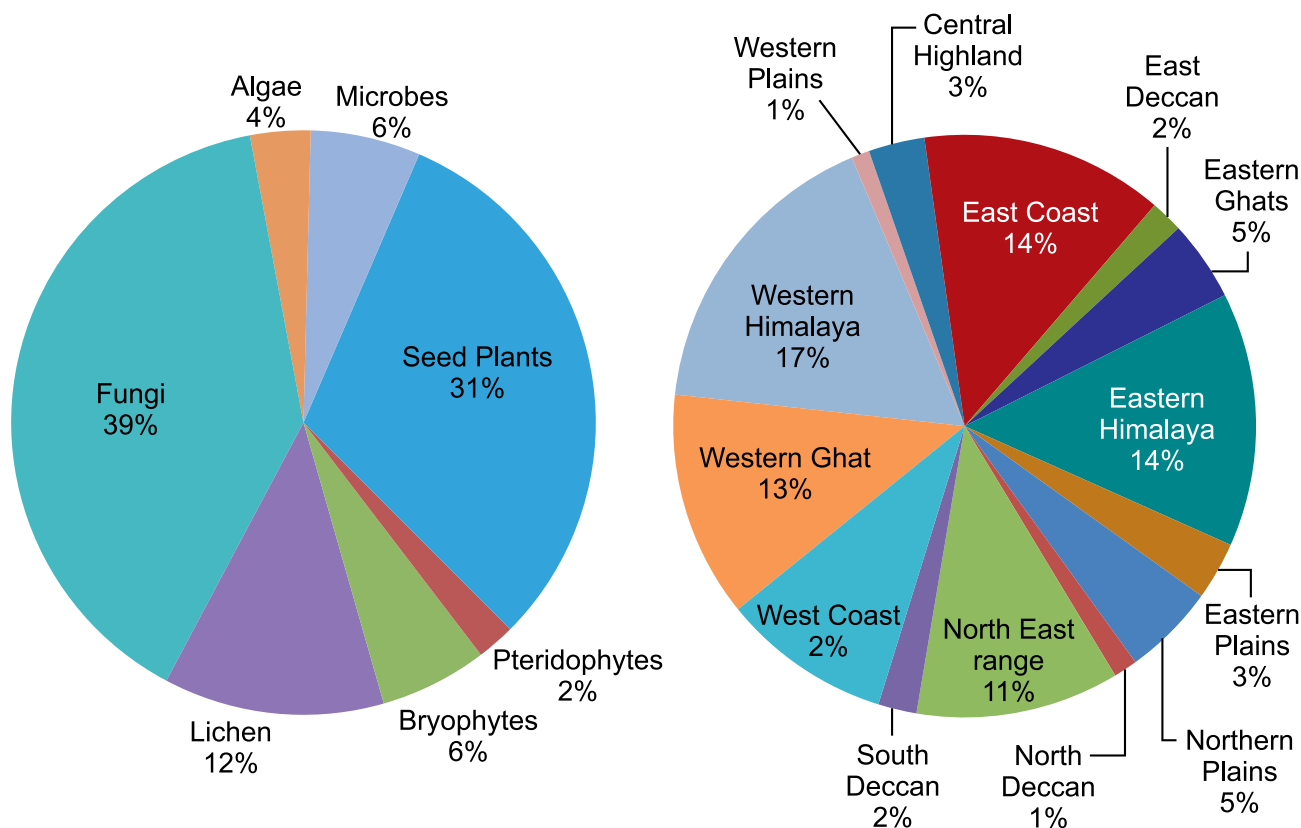
Current estimation revealed that a total of 18,666 species of angiosperms, 82 species of Gymnosperms, 1302 species of Pteridophytes, 15396 species of Fungi, 7411 species of Algae, 2780 species of Bryophytes, 2581 species of Lichens in India and 1223 species of microbes which is approximated 11.5 per cent of total recorded plant species of the world. The group wise current status of number of species known from India is given in the table below.

During the year 2018, scientists discovered 7 new genera, 224 new species, 10 subspecies and varieties from India while new distributional records of one family, 3 genera, 183 species, 10 intraspecific taxa were reported for the first time from India. 26% of novelties were published alone by scientists of BSI while, 74% were published by Scientists and academicians from institutes other than BSI during the year 2018.

Non-vascular plants contributed maximum with 67% while vascular plant is 33%. Among non-vascular plants 59% is Fungi followed by Lichens (18%) and Microbes and Bryophytes contributes equally 9% each. As compared to total discovery, Fungi accounts 39% of total discoveries, followed by Seed Plants (31%), lichens (12%), Microbes and Bryophytes 6% each, Algae (4%) and Pteridophytes (2%).

वर्ष 2018 के दौरान, देश के लगभग सभी क्षेत्रों से अन्वेषण दर्ज किये गये हैं। विभिन्न जैव-भौगोलिक क्षेत्रों पर आधारित विश्लेषण से पता चला है कि अधिकतम अन्वेषण हिमालय (31 प्रतिशत) से हुये हैं, जिनमें से पश्चिमी हिमालय और पूर्वी हिमालय क्रमशः 17 प्रतिशत और 14 प्रतिशत योगदान है। पूर्वी तट 14 प्रतिशत योगदान है, जबकि पश्चिमी घाट जैसे हॉटस्पॉट क्षेत्र का 13 प्रतिशत और पूर्वोत्तर क्षेत्रों का 11 प्रतिशत योगदान है। पश्चिमी तट 9 प्रतिशत योगदान करता है, तत्पश्चात् पूर्वी घाट और उत्तरी मैदानी क्षेत्र का 5 प्रतिशत, पूर्वी मैदानी और मध्य भूक्षेत्र का 3 प्रतिशत, पूर्वी और दक्षिणी दक्कन में प्रत्येक का 2 प्रतिशत उत्तरी दक्कन और पश्चिमी मैदानी क्षेत्र कुल मिलाकर 1 प्रतिशत योगदान करते हैं। यह दिलचस्प है कि, 2018 के कुल अन्वेषणों में भारत के हॉटस्पॉट क्षेत्रों ने कुल मिलाकर 38 प्रतिशत का योगदान दिया है, जबकि गैर-हॉटस्पॉट क्षेत्रों का अन्वेषण में 62 प्रतिशत योगदान है। विगत वर्षों की तरह, बीजीय पौधों में इस वर्ष भी केरल (31) और अरुणाचल प्रदेश (21) से भी अधिकतम अन्वेषण हुये हैं इसके बाद तमिलनाडु (9) और कर्नाटक (8) राज्यों का स्थान है।

During 2018, discoveries have been reported from almost all regions of the country. Analysis based on the different geographic zones revealed that, maximum discoveries were made from Himalayas (31%), out of which Western Himalaya and Eastern Himalaya contributes 17% and 14% respectively. East Coast contributes 14%, while the hotspots region such as Western Ghats contributes 13% and North-Eastern Ranges contribute 11%. The West Coast contribute 9%, followed by Eastern Ghats and Northern plains contributes 5% each, Eastern plain and Central highlands 3%, East and South Deccan by 2% each and North Deccan and Western Plains by 1% each of the total discoveries made during 2018. It is interesting to note that, the hotspot regions of India together contribute 38 per cent of novelties while the non-hotspot region contributes rest 62 per cent of total discoveries during 2018. Among Seed Plants, like the previous years, this year also maximum discoveries were reported from Kerala (31) and Arunachal Pradesh (21); followed by Tamil Nadu (9) and Karnataka (8).



Plant Discoveries made in different groups and different physiogeographic zones during 2018



बीजीय पौधे/SEED PLANTS

Swertia bimaculata (Siebold & Zucc.) Hook. f. & Thomson ex C.B. Clarke (Gentianaceae)

Courtesy : Sanjay Kumar

बीजीय पौधे/SEED PLANTS

बीजीय पौधे (स्पर्मेटोफाइट्स) पृथ्वी के सबसे विकसित स्थलीय पौधे हैं तथा पम्परागत रूप में आवृतबीजी और अनावृतबीजी पुष्पीय पादपों में विभाजित है। हमारे वर्तमान ज्ञान के अनुसार भारत में आवृतबीजी जातियों की संख्या लगभग 18,666 है, जबकि अनावृतबीजी जातियों की संख्या लगभग 82 है। भारतीय वनस्पतिजात में बीजीय पौधों का लगभग 37.78 प्रतिशत हिस्सा है।

इस प्रकार अनेकानेक जातियों का अन्वेषण एवं वर्णन अभी बाकी है। इस क्रमवार सूचना में वर्ष 2018 के दौरान भारत से 96 नयी जातियां, जिनमें (केरल से 27, अरुणाचल प्रदेश से 15, तमिलनाडु से 08, कर्नाटक, अंडमान एवं निकोबार में प्रत्येक राज्य से 05, तेलंगाना एवं आंध्र प्रदेश राज्यों में प्रत्येक से 04, सिक्किम, नागालैंड, मिजोरम, मणिपुर, मेघालय एवं महाराष्ट्र में प्रत्येक से 03, जम्मू एवं कश्मीर, गुजरात एवं असम में प्रत्येक राज्य से 02 एवं छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, गोवा एवं उत्तराखंड राज्यों में प्रत्येक राज्य से 1 नवीन जाति) एवं

07 नवीन अवजातीय प्रभेद एवं उपजातियां अन्वेषित किये गये हैं एवं भारत के लिये 32 नए वितरणपरक अभिलेख, जिनमें 1 नवीन कुल अभिलेख, 2 वंश अभिलेख, 1 प्रभेद अभिलेख एवं 2 उप जातिय अभिलेख सम्मिलित हैं।

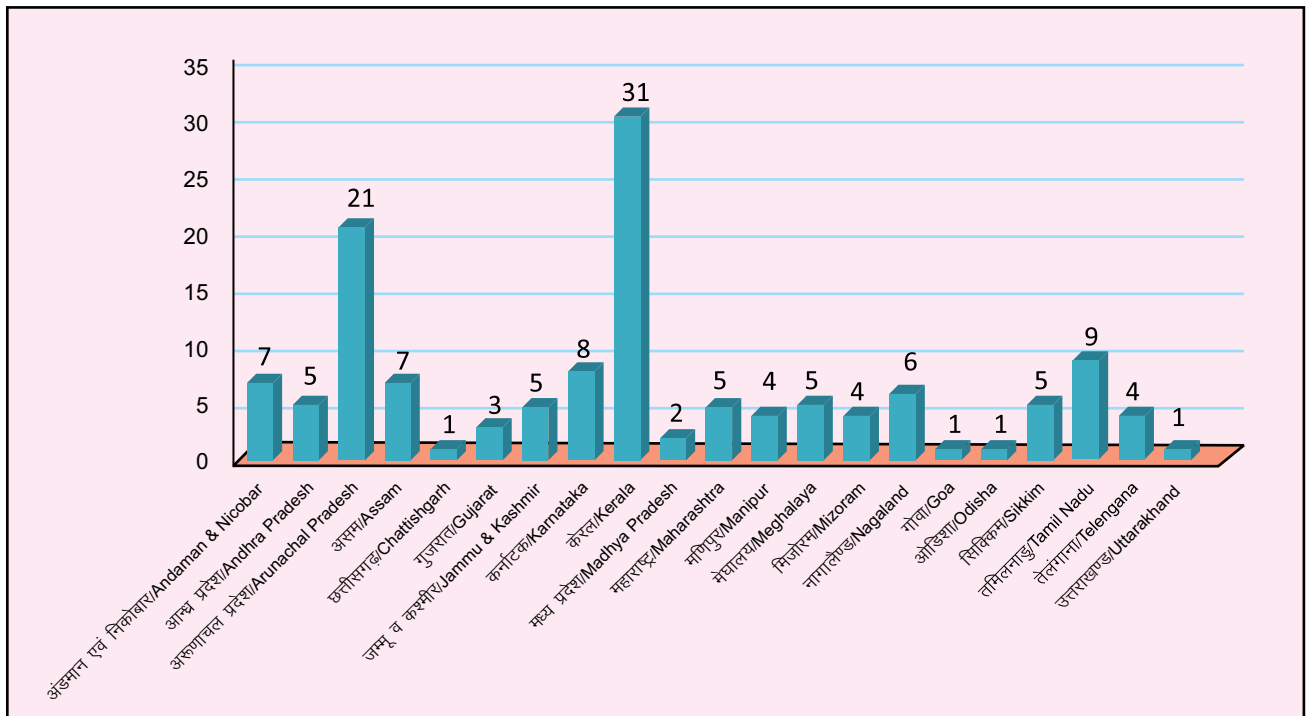
Seed plants (Spermatophytes) are the most evolved land plants on earth and are traditionally divided into flowering plants (or angiosperms) and gymnosperms. In the present state of our knowledge India has about 18,666 species of angiosperms and 82 species of gymnosperms. The seed plant account for about 37.78 per cent of the total Indian flora.

Many more are yet to be identified and described. The collated information presented here for year 2018 includes 96 new species

(27 from Kerala, 15 from Arunachal Pradesh, 08 from Tamil Nadu, 05 each from Karnataka and Andaman & Nicobar, 04 each from Telangana and Andhra Pradesh, 03 each from Sikkim, Nagaland, Mizoram, Manipur, Meghalaya and Maharashtra, 02 each from Jammu & Kashmir, Gujarat and Assam, and 01 each from Chhattisgarh, Madhya Pradesh, Goa and Uttarakhand. 07 new infra specific taxa (varieties and subspecies)

and

32 new distributional records for India, which includes 1 family and 2 genera records, 1 varietal record and 2 sub-species record.



भारतीय राज्यों से अन्वेषित बीजीय पौधों की संख्या

NUMBER OF SEED PLANTS DISCOVERED FROM INDIAN STATES

नवीन जाति • NEW SPECIES

एग्लाओनेमा तस्साई एच. ताग एवं ए. नांगकर, प्लियोनी 12(2):310.2018(ऐरेसी)



इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन अरुणाचल प्रदेश राज्य के ईस्ट सिंयाग जनपद में 656मी. की ऊंचाई से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर किया गया है। इस जाति का मूलप्ररूप पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, पूर्वी क्षेत्रीय केंद्र, शिलांग (एएसएसएएम) में संग्रहित किया गया है। जाति का नामकरण प्रथम लेखक हूइ ताग के पिता स्व. ह्यू तासा के सम्मान में किया गया है। इस जाति को आईयूसीएन 2001 के अनुसार 'आंकड़े अपूर्ण' (डीडी) श्रेणी में मूल्यांकित किया गया है।

Aglaonema tassai H.Tag & A.Nangkar, Pleione 12(2): 310. 2018 (ARACEAE)

This new species has been discovered and described based on the collection made from East Siang district of Arunachal Pradesh at 656m altitude. The holotype is deposited in herbarium of Botanical Survey of India, Eastern Regional Centre, Shillong (ASSAM). The species is named in memory of Late Hui Tassa, father of first author Hui Tag. The species is assessed as 'Data Deficient (DD)' category following the criteria of IUCN 2001.

अमोमम निमकिऐन्से एम. साबू, हरीश, टाटूम एवं ए. के. दास, फायटोटैक्सा 340(2):197.2018 (जिजिबेरेसी)

इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन अरुणाचल प्रदेश राज्य के लोहित जनपद में तेजू से हायूलियांग मार्ग, टिडिंग से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर किया गया है। इस जाति का मूलप्ररूप पादपालय, वनस्पति विज्ञान विभाग, कालीकट विश्वविद्यालय, केरल (सीएएलआई) एवं समप्ररूप सीएएल में संग्रहित किया गया है। जाति का नामकरण लोहित जनपद की मिजू मिशमी जनजाति के पवित्र स्थल 'निमके' पर आधारित है। इस जाति को 'आंकड़े अपूर्ण' (डीडी) श्रेणी में मूल्यांकित किया गया है।

Amomum nimkeyense M.Sabu, Hareesh, Tatum & A.K.Das, Phytotaxa 340 (2): 197. 2018 (ZINGIBERACEAE)



This new species has been discovered and described based on the collection made from way to Hayuliang from Tezu, Tidding of Lohit district of Arunachal Pradesh. The holotype is deposited in herbarium, Department of Botany, University of Calicut, Kerala (CALI) and isotypes are in CAL. The species name refer to 'Nimke' a sacred place of Miju Mishmi tribe of Lohit district. The species is assessed as 'Data Deficient (DD)' category.

अमोमम रिवातचाई एम. साबू एवं हरीश, बॉटनी लेटरर्स 165(2):223.2018 (जिजिबेरेसी)



इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन अरुणाचल प्रदेश राज्य के लोअर दिबांग जनपद में रोइंग से मायोडिया दर्रे मार्ग पर 2102मी. की ऊंचाई से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर किया गया है। इस जाति का मूलप्ररूप पादपालय, वनस्पति विज्ञान विभाग, कालीकट विश्वविद्यालय, केरल (सीएएलआई) एवं समप्ररूप सीएएल में संग्रहित किया गया है। जाति का नामकरण रोइंग अरुणाचल प्रदेश स्थित वर्ल्ड एन्सीएन्ट ट्रेडिशनस कल्चर एंड हेरिटेज अनुसंधान संस्थान के नाम पर आधारित है। इस जाति को आईयूसीएन 2017 के अनुसार 'आंकड़े अपूर्ण' (डीडी) श्रेणी में मूल्यांकित किया गया है।

Amomum riwatchii M.Sabu & Hareesh, Botany Letters 165(2):223.2018 (ZINGIBERACEAE)

This new species has been discovered and described based on the collection made from Roing towards Mayodia Pass, Lower Dibang Valley of Arunachal Pradesh at 2102m altitude. The holotype is deposited in herbarium, Department of Botany, University of Calicut, Kerala (CALI) and isotypes are in CAL. The species named after (Research Institute of the World's Ancient Traditions Cultures and Heritage) RIWATCH, located at Roing,

Arunachal Pradesh, for its commitment towards biodiversity conservation. The species is assessed as 'Data Deficient (DD)' category IUCN 2017.

एनिसोचिलस कन्याकुमारिऐंसीस शिनोज एवं सुनोज, फायटोटैक्स 333(1):100.2018 (लेमिऐसी)

इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन तमिलनाडु राज्य के कन्याकुमारी जनपद में 70–90मी. की ऊंचाई पर मारुथवामाला से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर किया गया है। इस जाति का मूल प्ररूप पादपालय, वनस्पति विज्ञान विभाग, कालीकट विश्वविद्यालय, केरल (सीएएलआई) एवं समप्ररूप एमएच में संग्रहित किया गया है। जाति का नामकरण इसकी प्राप्ति जिले कन्याकुमारी पर आधारित है। इस जाति को आईयूसीएन 2012 के अनुसार 'संकटग्रस्त' (ईएन) श्रेणी में मूल्यांकित करने का प्रस्ताव दिया गया है।



Anisochilus kanyakumariensis Shinoj & Sunojk, Phytotaxa 333 (1): 100. 2018 (LAMIACEAE)

This new species has been discovered and described based on the collection made from Maruthwamala, Kanyakumari district of Tamil Nadu at 70-90m altitude. The holotype is deposited in herbarium, Department of Botany, University of Calicut, Kerala (CALI) and isotypes are in MH. The species is named after its occurrence from district 'Kanyakumari'. The species is suggested to be classified as endangered species (E) according to the criteria B1b of IUCN (2012)

एरिसेमा एनाटिनम ब्रूग., ब्लूमिया 63.147.2018 (ऐरेसी)



इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन अरुणाचल प्रदेश के लोअर दिबांग जनपद में मायोडिया से 2690मी. की ऊंचाई पर प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर किया गया है। इस जाति का मूल प्ररूप पादपालय, केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा (सीएएल) में संग्रहित किया गया है। जाति का नामकरण लैटिन शब्द *एनाटिनस* पर आधारित है, जो इसे बत्तख सदृश संरचना की घोंसलेनुमा स्पैथे ब्लेड पर आधारित है।

Arisaema anatinum Brugg., Blumea 63.147.2018 (ARACEAE)

This new species has been discovered and described based on the collection made from Mayodia, Lower Dibang district of Arunachal Pradesh at 2690m altitude. The holotype is deposited in Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah (CAL). The species named, is an, Latin adjective of *anatinus*, resembling a duck and refers its bill-shaped spathe blade.

बेगोनिया डम्पाई ओड्यूओ, सिन्हा, मूरुगेशन एवं उद्दीन, प्लीयोनी 12 (1):99.2018 (बिग्नोनिएसी)



इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन मिजोरम राज्य के डम्पा बाघ आरक्षित क्षेत्र से 450मी. की ऊंचाई से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर किया गया है। इस जाति का मूल प्ररूप पादपालय, पूर्वी क्षेत्रीय केंद्र, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, शिलांग (एएसएसएसएम) में संग्रहित किया गया है। जाति का नामकरण इसके प्ररूप की प्राप्ति स्थल डम्पा बाघ आरक्षित क्षेत्र पर आधारित है। इसे आईयूसीएन 2012 के 3.1 संस्करण के अनुसार 'आंकड़े अपूर्ण' श्रेणी में मूल्यांकित किया गया है।

Begonia dampae Odyuo, Sinha, Murugesan & Uddin, Pleione 12(1):99.2018 (BEGONIACEAE)

This new species has been discovered and described based on the collection made from Dampa Tiger Reserve, Mizoram at 450m altitude. The holotype is deposited in herbarium of Eastern Regional Centre, Botanical Survey of India, Shillong (ASSAM) and isotypes are in CAL. The species is named after the type locality, Dampa Tiger Reserve. The species is assessed as "Data Deficient" as per IUCN 2012 Categories and Criteria version 3.1.

बेगोनिया कोल्जाई आर. कैमफिल्ड, यूरोपियन जर्नल ऑफ टैक्सोनोंमी, 396:51.2018 (बेग्नोनिएसी)



इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन नागालैंड के ताकूबामा से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर किया गया है। इस जाति का मूल प्ररूप पादपालय, मिचिगन विश्वविद्यालय, मिचिगन, यू.एस.ए. (एमआईसीएच) में संग्रहित किया गया है। जाति का नामकरण इसके प्ररूप संग्रहक अमेरिकी जंतु वैज्ञानिक वाल्टर, एन. कोल्ज, के सम्मान में किय गया है। इसे आईयूसीएन के अनुसार 'आंकड़े अपूर्ण' श्रेणी में मूल्यांकित किया गया है।

Begonia koelzii R. Camfield, European Journal of Taxonomy, 396:51.2018 (BEGONIACEAE)

This new species has been discovered and described based on the collection made from Takubama, Nagaland. The holotype is deposited in University of Michigan Herbarium, Michigan, USA (MICH). The species is named to honor its type collector and American zoologist, Walter N. Koelz. The species is assessed as "Data Deficient" as per IUCN Categories and Criteria.

बेगोनिया नागा निखिल एवं प्रदीप, फायटोटैक्सा 381(1):007..2018 (बेग्नोनिएसी)

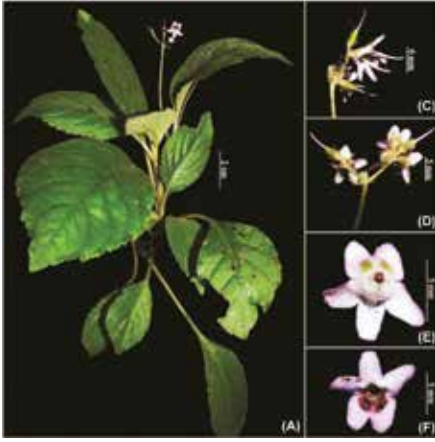


इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन नागालैंड के मोकोकचुंग में 800–1000मी. की ऊंचाई से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर किया गया है। इस जाति का मूल प्ररूप केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा (सीएएल), समप्ररूप एमएच एवं सीएएलआई में संग्रहित किये गये हैं। जाति का नामकरण नागालैंड के स्थानिक 'नागा' जनजाति समुदाय के नाम पर आधारित है।

Begonia naga Nikhil & Pradeep, Phytotaxa 381 (1): 006.2018 (BEGONIACEAE)

This new species has been discovered and described based on the collection made from Mokokchung, Nagaland at 800-1000m altitude. The holotype is deposited in Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah (CAL), and isotypes are in MH and CALI. The species is named after the inhabitants 'Naga' tribe of the state of Nagaland.

बोइका क्लार्की हरीश, एल. व्यू. ए. जोए एवं एम. साबू, नॉर्डिक ज. बॉटनी 36(4)–इ01551.2.2018 (जेसनेरिएसी)



इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन अरुणाचल प्रदेश के ऊपरी सियांग जनपद में हाकोंग, जेंगिंग से येंकियोग मार्ग पर प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर किया गया है। इस जाति का मूल प्ररूप पादपालय, वनस्पति विज्ञान विभाग, कालीकट विश्वविद्यालय, केरल (सीएएलआई) समप्ररूप एआरयूएन, सीएएल एवं सीएएलआई में संग्रहित किये गये हैं। इस जाति का नामकरण वंश *बोइका* का प्रथम बार वर्णन करने वाले ब्रिटिश वनस्पतिज्ञ, सी. बी. क्लार्क के सम्मान में किया गया है। इस जाति को आईयूसीएन 2013 के अनुसार अति संकटग्रस्त श्रेणी में मूल्यांकित किया गया है।

Boeica clarkei Hareesh, L.Wu, A. Joe & M.Sabu, Nordic J. Bot. 36(4)-e01551: 2. 2018 (GESNERIACEAE)

This new species has been discovered and described based on the collection made from Hakong, along the way to Jengging from Yingkiong, Upper Siang district of Arunachal Pradesh at 800-1000m altitude. The holotype is deposited

in herbarium of Department of Botany, Calicut University, Kerala (CALI) and isotypes are in ARUN, CAL and CALI.

The species is named to honor British botanist, C. B. Clarke, who described the genus *Boeica*. The species is assessed as 'Critically Endangered' (CR) B1a,b(i,ii) + B2b(ii,iv) IUCN 2013.

ब्राचिस्टीलमा अनंतपुरामेन्से के. प्रसाद, ए. नाराय., मेवे, क्यू बुलेटिन 73:16.2018 (एपोसायनेसी)

इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन आंध्र प्रदेश के अनंतपुरमू जनपद में गोरंतला हिल्स से 800मी. की ऊंचाई से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर किया गया है। इस जाति का मूल प्ररूप केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा (सीएएल) एवं समप्ररूप एसकेयू में संग्रहित किये गये हैं। इस जाति का नामकरण इसके प्ररूप प्राप्ति जनपद अनंतपुरमू के नाम पर आधारित है। इस जाति को आईयूसीएन 2012 के अनुसार आंकड़े अपूर्ण श्रेणी में मूल्यांकित किया गया है।



Brachystelma ananthapuramense K. Prasad, A. Naray., & Meve, Kew Bulletin73:16.2018 (APOCYNACEAE)

This new species has been discovered and described based on the collection made from Gorantla hills, Ananthapuramu district of Andhra Pradesh at 800m altitude. The holotype is deposited in Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah (CAL) and isotypes are in SKU. The species is named after the district Ananthapuramu, where the type locality is situated. The species is currently categorised as Data Deficient (DD) as per IUCN 2012.

ब्राचिस्टीलमा वेमानाई ए. मधुसूदन रेड्डी, एम. वी. सुरेश बाबू एवं के. प्रसाद, नॉर्डिक जे. बॉटनी 36(10)—इ02067.2.2018 (ऐपोसायनेसी)



इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन आंध्र प्रदेश के नेल्लोर जनपद में वेलिगोंडा पर्वत, सीतारामपुरम से 280मी. की ऊंचाई से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर किया गया है। इस जाति का मूल प्ररूप पादपालय, वनस्पति विज्ञान विभाग कालीकट विश्वविद्यालय, केरल (सीएएलआई) समप्ररूप बीएसआईडी, एवं योगी वेमाना विश्वविद्यालय में संग्रहित किये गये हैं। इस जाति का नामकरण तेलगू भाषा के प्रख्यात कवि एवं दार्शनिक योगी वेमाना (गोना वेमा रेड्डी 1652–1730) के सम्मान में किया गया है। इस जाति को आईयूसीएन 2017 के अनुसार आंकड़े अपूर्ण श्रेणी में मूल्यांकित किया गया है।

Brachystelma vemanae A. Madhusudhana Reddy, M.V. Suresh Babu & K. Prasad, Nordic J. Bot. 36(10)-e02067: 2. 2018 (APOCYNACEAE)

This new species has been discovered and described based on the collection made from Veligonda hills, Seetharamapuram, Nellore district of Andhra Pradesh at 280m altitude. The holotype is deposited in herbarium of Department of Botany, Calicut University, Kerala (CALI) and isotypes are in BSID and Yogi Vemana University, Hyderabad. The species is named in honor of Telugu poet and philosopher Yogi Vemana (Gona Vema Reddy; 1652–1730). The species is currently categorised as Data Deficient (DD) as per IUCN 2017.

कैन्सकोरा श्रीरंगीयाना काम्बले, कोल्टे एवं ए. देशप्रे., क्यू बुलेटिन 73:34.2018 (जेन्थेनिऐसी)



इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन गोवा राज्य के नार्थ गोवा जिले में प्रस्तावित एयरपोर्ट परिक्षेत्र मोपा से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर किया गया है। इस जाति का मूल प्ररूप केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा (सीएएल) एवं समप्ररूप बीएसआई, के, एसयूके, गोवा विश्वविद्यालय के पादपालय में संग्रहित किये गये हैं। इस जाति का नामकरण प्रो. श्रीरंग रामचंद्र यादव, सेवानिवृत्त प्रोफेसर, वनस्पति विज्ञान विभाग, शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर के सम्मान में उनके द्वारा आवृतबीजीय पौधों की वर्गिकी पर दिये उल्लेखनीय योगदान पर आधारित है। इस जाति को आईयूसीएन 2012 के अनुसार अति संकटग्रस्त श्रेणी में मूल्यांकित करने का प्रस्ताव दिया गया है।

Canscora shrirangiana Kambale, Kolte & A. Deshp., Kew Bulletin 73:34.2018 (GENTIANACEAE)

This new species has been discovered and described based on the collection made from Mopa a proposed airport site at North Goa district of Goa. The holotype is deposited in Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah (CAL) and isotypes are in BSI, K, SUK and Goa University Herbarium. The species is named in honor of Dr. Shrirang Ramchandra Yadav, Retd. Professor; Department of Botany, Shivaji University, Kolhapur for his contributions in the field of Angiosperm Taxonomy. The species is proposed as Critically Endangered CR under B1 ab (i-v) (IUCN 2012).

सिरोपिजिया मिजोरामेंसिस राम. कुमार एवं एस. शर्मा, ताईवानिया 63 (2):164.2018 (एस्कलेपिडिऐसी)

इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन मिजोरम राज्य के चम्पाई जनपद में मुरलेन राष्ट्रीय उद्यान से 100 मी. की ऊंचाई पर किये गये संग्रहों के आधार पर किया गया है। इस जाति का मूल प्ररूप पूर्वी क्षेत्रीय केंद्र, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, शिलांग (एसएसएसएम) एवं समप्ररूप सीएएल में संग्रहित किये गये हैं। इस जाति का नामकरण इसके प्राप्ति राज्य मिजोरम के नाम पर आधारित है।



Ceropogia mizoramensis Ram. Kumar & S. Sharma, Taiwania 63(2): 164.2018 (ASCLEPIADACEAE)

This new species has been discovered and described based on the collection made from Murlen National Park, Champhai district of Mizoram at 1100m altitude. The holotype is deposited in Eastern Regional Centre, Botanical Survey of India, Shillong (ASSAM) and isotypes are in CAL. The species is named after the state Mizoram, from where it collected.

सिरोपिजिया मुरलेंसिस राम. कुमार एवं एस. शर्मा, ताईवानिया 63(2):166.2018 (एस्कलेपिडिऐसी)



इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन मिजोरम राज्य के चम्फाई जिले मुरलेन राष्ट्रीय उद्यान में 1100 मी. की ऊंचाई से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर किया गया है। इस जाति का मूल प्ररूप पूर्वी क्षेत्रीय केंद्र, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, शिलांग (एएसएसएएम) एवं समप्ररूप सीएएल में संग्रहित किये गये हैं। इस जाति का नामकरण इसके प्राप्ति राज्य मिजोरम के मुरलेन राष्ट्रीय उद्यान से होने पर आधारित है।

Ceropogia murlensis Ram. Kumar & S. Sharma, Taiwania 63(2): 166.2018 (ASCLEPIADACEAE)

This new species has been discovered and described based on the collection made Murlen National Park, Champhai district of Mizoram at

1100m altitude. The holotype is deposited in Eastern Regional Centre, Botanical Survey of India, Shillong (ASSAM) and isotypes are in CAL. The species is named after its type locality, Murlen National Park, Mizoram.

कोम्मिलिना रुपेस्ट्रीस नंदीकर एवं गुरव, बेब्बिया 73 (2):233.2018 (फैबेसी)



इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन कर्नाटक राज्य के बेलगाम जिले में सुतागट्टी पहाड़ी के निकट 650मी. की ऊंचाई से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर किया गया है। इस जाति का मूल प्ररूप केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा (सीएएल) एवं समप्ररूप बीएसआई, एनजीसीपीआर एवं एसयूके में संग्रहित किये गये हैं। इस जाति का नामकरण "रुपेस्ट्रीस" चट्टानी वासस्थलों से इसकी प्राप्ति पर आधारित है। इस जाति को जियोकैट (मोट 2007) के ईओओ एवं एओओ अनुसार संकटग्रस्त जाति में मूल्यांकित करने का प्रस्ताव दिया गया है।

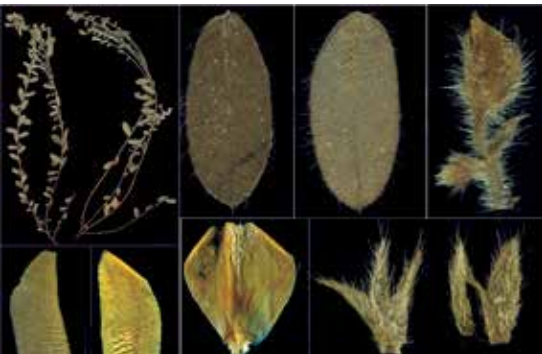
Commelina rupestris Nandikar & Gurav, Webbia 73(2): 233. 2018 (FABACEAE)

This new species has been discovered and described based on the collection made from Sutagatti Hills, Belgaum district of Karnataka at 650m altitude. The holotype is deposited in Central National Herbarium,

Botanical Survey of India, Howrah (CAL) and isotypes are in BSI, NGCPR and SUK respectively. The species epithet 'rupestris' denotes rocky habitat of the species. The species is assessed as Endangered (EN) as per EOO and AOO using GeoCat (Moat 2007).

क्रोटेलारिया मल्टिब्रैक्टेटा एस. ए. राथर एवं ए. के. पांडे, प्लोस वन 13(2):12 ई0192226.2018 (लेग्यूमिनोसी : क्रोटालारी)

इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन महाराष्ट्र राज्य के कोल्हापुर जिले के पानहाला में 875मी. की ऊंचाई से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर किया गया है। इस जाति का मूल प्ररूप पादपालय, वनस्पति विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, नई दिल्ली (डीयूएच) एवं समप्ररूप डीयूएच एवं बीएसडी में संग्रहित किये गये हैं। इस जाति का नामकरण इसमें बहु-सहपत्रों (4 से अधिक) होने पर आधारित है। इस जाति को आईयूसीएन अनुसार संकटग्रस्त जाति में मूल्यांकित किया गया है।



Crotalaria multibracteata S.A. Rather & A.K. Pandey, PLoS ONE 13(2):12. e0192226.2018 (LEGUMINOSAE : CROTALARIEAE)

This new species has been discovered and described based on the collection made near Panhala, Kolhapur district of Maharashtra at 875m altitude. The holotype is deposited in herbarium of Department of Botany, University of Delhi, New Delhi (DUH) and isotypes are in DUH and BSD respectively. The species is named for the multiple bracts (more than 4) present on the peduncle. The species is assessed as Endangered (EN) as per A-E of section V of IUCN categories and criteria.

क्रोटेलेरिया नल्लामलयाना रासिंगम एवं जे. स्वामी, फाइटोटैक्सा 345 (2):159.2018 (फेबेसी)



इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन तेलंगाना राज्य के महबूबनगर जिले में मल्लायालोधी, अमराबाद बाघ आरक्षित क्षेत्र से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर किया गया है। इस जाति का मूल प्ररूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, दक्कन क्षेत्रीय केंद्र, हैदराबाद (बीएसआईडी) एवं समप्ररूप सीएएल में संग्रहित किये गये हैं। इस जाति का नामकरण पूर्वी घाट तेलंगाना राज्य में स्थित इसके प्ररूप प्राप्ति स्थल नल्लामाला वन क्षेत्र के नाम पर आधारित है।

Crotalaria nallamalayana Rasingam & J. Swamy, Phytotaxa 345 (2):159.2018 (FABACEAE)

This new species has been discovered and described based on the collection made near Mallayalodhi, Amrabad Tiger Reserve at Mahabubnagar district of Telangana. The holotype is deposited in Botanical Survey of India, Deccan Regional Centre, Hyderabad (BSID) and isotypes are in CAL. The species is named after the type locality Nallamala forest, which is a part of the Eastern Ghats of Telangana state.

क्रोटेलेरिया सफ्रूटिकोसा एस. सुब्रह्मनियम एवं ए. के. पांडे, प्लोस वन 13(2):9. ई0192226.2018 (लेग्यूमिनोसी : क्रोटालारी)



इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन महाराष्ट्र राज्य के कोल्हापुर जिले के वैभववाड़ी तालुका में कारुल घाट के निकट मार्ग से 960मी. की ऊंचाई से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर किया गया है। इस जाति का मूल प्ररूप पादपालय, वनस्पति विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, नई दिल्ली (डीयूएच) एवं समप्ररूप डीयूएच एवं बीएसडी में संग्रहित किये गये हैं। इस जाति का नामकरण इसके सफ्रूटिकोस (अधोकाष्ठीय शाकीय अपरोही) स्वभाव होने के कारण किया गया है। इस जाति को आईयूसीएन अनुसार संकटग्रस्त जाति में मूल्यांकित किया गया है।

Crotalaria suffruticosa S. Subramaniam & A.K. Pandey, PLoS ONE 13(2):9. e0192226.2018 (LEGUMINOSAE : CROTALARIEAE)

This new species has been discovered and described based on the collection made near Vaibhawwadi taluka, Karul Ghat, road side of Kolhapur district of Maharashtra at 960m altitude. The holotype is deposited in herbarium of Department of Botany, University of Delhi, New Delhi (DUH) and isotypes are in DUH and BSD respectively. The species is named after its suffruticose type of habit. The species is assessed as Endangered (EN) as per IUCN categories and criteria.

क्रूसिलिगो जर्नाथनामाई आर. डी. गौर एवं एस. पी. गायकवाड़, फायटोटैक्सा 357(2):072.2018 (हायपॉक्सिडेसी)

इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन महाराष्ट्र राज्य के ओसमानाबाद जिले के अपसिंगा में 561मी. की ऊंचाई से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर किया गया है। इस जाति का मूल प्ररूप केन्द्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा



(सीएएल) एवं समप्ररूप बीएसआई, बीएएमयू, एवं डब्ल्यूसीएस में संग्रहित किये गये हैं। इस जाति का नामकरण गोवा विश्वविद्यालय के प्रो. एम. के. जनार्थनम के सम्मान में उनके द्वारा भारतीय पुष्पीय पादप वर्गिकी में दिये गये योगदान पर आधारित है।

Curculigo janarthanamii R.D.Gore & S.P.Gaikwad, Phytotaxa 357 (1): 072.2018 (HYPOXIDACEAE)

This new species has been discovered and described based on the collection made near Apsinga, Osmanabad district of Maharashtra at 561m altitude. The holotype is deposited in Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah (CAL) and isotypes are in BSI, BAMU and WCAS respectively. The species is named in honor to Prof. M.K. Janarthanam, Goa University Goa, in recognition of his valuable contribution to the taxonomy of flowering plants of India.



साइकस सेसाचलामेंसिस पी. वी. चलापति राव, एन. वी. शिवाराम प्रसाद, पी. मधु बाबू, के प्रसाद एवं पी. वी. प्रसन्ना, एशियन ज. कर्नरवेशन बायोल. 5(1):55.2016 (सायकेडेसी)



इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन आन्ध्र प्रदेश के चित्तूर जिले के सेसाचलम पहाड़ी की चामाला रेंज, बकरापेट वन प्रभाग, मयूरासरोवरम से 520मी. की ऊंचाई से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर किया गया है। इस जाति का मूल प्ररूप केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा (सीएएल) एवं समप्ररूप बीएसआईडी में संग्रहित किये गये हैं। इस जाति का नामकरण इसके प्ररूप प्राप्ति स्थान सेसाचलम पर्वत के नाम पर आधारित है। इस जाति को आईयूसीएन-2014 के संस्करण 11.0 अनुसार अति संकटग्रस्त जाति में मूल्यांकित किया गया है।

Cycas seshachalamensis P.V. Chalapathi Rao, N.V. Sivaram Prasad, P. Madhu Babu, K. Prasad and P.V. Prasanna, Asian J. Conservation Biol. 5(1): 55. 2016 (CYCADACEAE)

This new species has been discovered and described based on the collection made near Chamala Range, Bakarapet forest area, Mayurasarovaram, Seshachalam hills, Chittoor district of Andhra Pradesh at 520m altitude. The holotype is deposited in Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah (CAL) and isotypes are in BSID. The species is named after the type locality, the Seshachalam hills. The species is assessed as 'Critically Endangered' (B1 ab(iii,v)+2ab(iii,v) following IUCN 11.0 version IUCN 2014.

डलबर्जिया मैथ्यूवी एस. सूसाईराज, पी राज एवं एस जाहन ब्रिट्टो, फायटोटैक्सा 360(3):283.2018 (फैबेसी : डलबर्जियाइ)

इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन तमिलनाडु राज्य के पालानी हिल्स राष्ट्रीय उद्यान में 1450मी. की ऊंचाई से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर किया गया है। इस जाति का मूल प्ररूप रापिनाट पादपालय, सेंट जोसेफ कॉलेज, तिरुचिरापल्ली (आरएचटी) एवं समप्ररूप एमएच में संग्रहित किये गये हैं। इस जाति का नामकरण डॉ. के. एम. मैथ्यू, पूर्व निदेशक रापिनाट पादपालय, के सम्मान में उनके द्वारा प्रायद्वीपीय भारत में किये गये उल्लेखनीय वर्गिकी अध्ययन कार्यों के आधार पर किया गया है।

Dalbergia matthewii S. Soosairaj, P. Raja & S. John Britto, Phytotaxa 360 (3): 283.2018 (FABACEAE: DALBERGIEAE)

This new species has been discovered and described based on the collection made near Palani hills National Park of Tamil Nadu, at 1450m altitude. The holotype is deposited in Rapinat Herbarium, St. Joseph's College (Autonomous), Tiruchirappalli, (RHT) and isotypes are in MH. The species is named in honor of Dr. K.M. Matthew, former Director of the Rapinat Herbarium, for his immense contributions to the taxonomic history of Peninsular India.

डेफ्ने थांगुएंसिस जयंतो घोष, मृणमोय मिददे, एस. के. दे एवं डी. मैती, नार्डिक जर्नल ऑफ बॉटनी 36(6):ई01714:2.2018. (थिमैलिऐसी)

इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन सिक्किम राज्य के नार्थ सिक्किम जनपद के थांगु से 4100मी. की ऊंचाई से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर किया गया है। इस जाति का मूल प्ररूप केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा (सीएएल) एवं समप्ररूप सीयूएच एवं सीएएल में संग्रहित किये गये हैं। इस जाति का नामकरण इसके प्ररूप प्राप्ति स्थान थांगु के नाम पर आधारित है। इस जाति को आईयूसीएन 2014 के अनुसार अति संकटग्रस्त श्रेणी में मूल्यांकित किया गया है।



Daphne thanguensis Jayanta Ghosh, Mrinmoy Midday, S. K. Dey & D. Maity, Nordic J. Bot. 36(6)-e01714: 2. 2018 (THYMELAEACEAE)

This new species has been discovered and described based on the collection made near upper Thangu, North Sikkim district of Sikkim at 4100m altitude. The holotype is deposited in Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah (CAL), and isotypes are in CUH and CAL respectively. The species is named after its type locality Thangu, North Sikkim. The species is proposed to be considered as 'Critically Endangered' (CR B, D) as per IUCN 2014 categories and criteria.

डेन्ड्रोबियम कल्लारेंसिस जोस, जार्ज, योहानन एवं मधुसूदन, इंटर. ज. एडवा. रिस. 2(2):799.2014. (आर्किडेसी)



इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन केरल राज्य के कल्लार, पाथिनामथिट्टा जनपद में 1200मी. की ऊंचाई से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर किया गया है। इस जाति का मूल प्ररूप पादपालय, दक्षिणी क्षेत्रीय केंद्र, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, कोयम्बटूर (एमएच) एवं समप्ररूप सीएमएस कॉलेज, पर्यावरण विज्ञान विभाग, महात्मा गांधी विश्वविद्यालय, कोट्टायम, केरल में संग्रहित किये गये हैं। इस जाति का नामकरण इसके प्ररूप प्राप्ति स्थान कल्लार के नाम पर आधारित है।

Dendrobium kallarensis Jose, George, Yohannan & Madhusudhanan, Int. J. Adv. Res. 2(2):799.2014 (ORCHIDACEAE)

This new species has been discovered and described based on the collection made near

Kallar; Pathinamthitta district of Kerala at 1200m altitude. The holotype is deposited in Southern Regional Centre, Botanical Survey of India, Coimbatore (MH) and isotypes are in CMS College, School of Environmental Sciences, Mahatma Gandhi University, Kottayam, Kerala. The species is named after its type location 'Kallar' in Kerala.

डायमेरिया फैसिकुलाटा पी. कुमारी एवं आर. लकड़ा, इंटर. ज. एडवा. रिस. 6(7):485.2018. (पोएसी)

इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन अंडमान एवं निकोबार के पंचवटी, मध्य अंडमान के आसपास से 875मी. की ऊंचाई पर प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर किया गया है। इस जाति का मूल प्ररूप केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा (सीएएल) एवं समप्ररूप पीबीएल में संग्रहित किये गये हैं। इस जाति का नामकरण इसके गुच्छित शाखाओं के होने पर आधारित है। इस जाति को आईयूसीएन के अनुसार आंकड़े अपूर्ण श्रेणी में मूल्यांकित किया गया है।

Dimeria fasciculata P. Kumari & R. Lakra, Int. J. Adv. Res. 6(7): 485.2018 (POACEAE)

This new species has been discovered and described based on the collection made near Panchvati, Middle Andaman of Andaman & Nicobar at 875m altitude. The holotype is deposited in Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah (CAL) and isotypes are in PBL. The species is named after its fascicled nature of branches. The species is assessed as Data Deficient (DD) as per IUCN categories and criteria.

डायमेरिया कालेराई पी. बीजू, ई. जे. जोसकुट्टी एवं अग्स्टीन जोमी, बांग्लादेश ज. प्लांट टैक्सान. 25(1):14.2018. (पोएसी)

इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन केरल राज्य के कसरागोड़ जिले में स्थित काराक्कोडे लेटराईट पठारी भाग में 75मी. की ऊंचाई से किये गये संग्रहों के आधार पर किया गया है। इस जाति का मूल प्ररूप केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा (सीएएल) एवं समप्ररूप एमएच में संग्रहित किये गये हैं। इस जाति का नामकरण केरल के पूर्व मुख्य वन संरक्षक श्री ओम प्रकाश कालेर के सम्मान में किया गया है।

Dimeria kalerii P. Biju, E.J. Josekutty & Augustine Jomy, Bangladesh J. Plant Taxon. 25(1): 14.2018 (POACEAE)

This new species has been discovered and described based on the collection made from Karakkode lateritic plateau, Kasaragod district of Kerala at 75m altitude. The holotype is deposited in Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah (CAL) and isotypes are in MH. The species is named in honor of Sh. Om Prakash Kaler, former Chief Conservator of Forests, Kerala.

डिस्पोरम मिशमैसिस हरीश एवं एम. साबू ब्लूमिया 63:121.2018. (कॉल्विकेसी)



इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन अरुणाचल प्रदेश के लोहित जनपद, तोहांगम दृश्य स्थल के आसपास से तेजू से हायूलियांग मार्ग से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर किया गया है। इस जाति का मूल प्ररूप वनस्पति विज्ञान विभाग, कालीकट विश्वविद्यालय, कालीकट (सीएएलआई) एवं समप्ररूप सीएएलआई एवं सीएएल में संग्रहित किये गये हैं। इस जाति का नामकरण इसके प्ररूप प्राप्ति स्थल, मिशमी पहाड़ी, अरुणाचल प्रदेश के नाम पर आधारित है। इस जाति को आईयूसीएन के अनुसार आंकड़े अपूर्ण श्रेणी में मूल्यांकित किया गया है।

Disporum mishmiensis Hareesh & M.Sabu, Blumea 63.121.2018 (COLCHICACEAE)

This new species has been discovered and described based on the collection made near Tohangam view point, on the way to Hayuliang from Tezu, Lohit district of Arunachal Pradesh. The holotype is deposited in Department of Botany, Calicut University, Calicut (CALI) and isotypes are in CALI and CAL respectively. The species is named after its type locality, Mishmi Hills, Arunachal Pradesh. The species is assessed as Data Deficient (DD) as per IUCN categories and criteria.

यूजिनिया कलामाई शरीफ, इ. एस. एस. कुमार, शाजू एवं प्रकाश कुमार, प्लांट साइंस टूडे 5(4):196.2018. (मिर्टेसी)



इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन केरल राज्य के वायनाड जिले में पेरिया के आसपास 850मी. की ऊंचाई से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर किया गया है। इस जाति का मूल प्ररूप पादपालय, जवाहरलाल नेहरू ट्रापिकल वनस्पति उद्यान एवं अनुसंधान संस्थान, पैलोड (टीबीजीटी) एवं समप्ररूप टीबीजीटी एवं एमएच में संग्रहित किये गये हैं। इस जाति का नामकरण भारत के पूर्व राष्ट्रपति भारत रत्न, डॉ. ए. पी. जे. अब्दुल कलाम के सम्मान में उनके द्वारा विज्ञान एवं तकनीकी एवं शिक्षा में किये गये उल्लेखनीय कार्यों के आधार पर किया गया है।

Eugenia kalamii Shareef, E.S.S.Kumar, Shaju & Prakashkumar, Plant Science Today 5(4): 196.2018 (MYRTACEAE)

This new species has been discovered and described based on the collection made near Periya, Wayanad district of Kerala at 850m altitude. The holotype is deposited in herbarium of Jawaharlal Nehru Tropical Botanic Garden and Research Institute, Palode (TBGT) and isotypes are in TBGT and MH respectively. The species is named to honor 11th president of India, Bharat Ratna Dr. A.P.J. Abdul Kalam, a renowned Indian space Scientist, for his great contributions to science, technology and education.

यूफोर्बिया बेलाघवानैसिस, सरोजीन. एवं राजा कुल्लासिव, यूफोर्बिया वर्ल्ड 14(1):24.2018. (यूफोर्बिएसी)

इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन कर्नाटक राज्य के बेलाघावी जिले के गोकाक ग्राम में 631मी. की ऊंचाई से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर किया गया है। इस जाति का मूल प्ररूप पादपालय दक्कन क्षेत्रीय केंद्र, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हैदराबाद (बीएसआईडी) एवं समप्ररूप एसकेयू, जेसीबी एवं एमएच में संग्रहित किये गये हैं। इस जाति का नामकरण इसके प्ररूप प्राप्ति जनपद के नाम पर आधारित है।

Euphorbia belagaviensis Sarojin. & Raja Kullayisw., Euphorbia World 14(1): 24. 2018 (EUPHORBIACEAE)

This new species has been discovered and described based on the collection made near Gokak village, Belagavi district of Karnataka at 631m altitude. The holotype is deposited in Deccan Regional Centre, Botanical Survey of India, Hyderabad (BSID) and isotypes are in SKU, JCB and MH respectively. The species is named after type location in Belagavi district.

फिमब्रिस्टाइलिस अगास्थयामालार्चेंसिस विजी एवं प्रिथा, फायटोटैक्सा 345(1):068.2018. (सायपेरेसी)



इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन केरल राज्य के तिरुवनंतपुरम जिले में पोनमुडी के आसपास से 793मी. की ऊंचाई से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर किया गया है। इस जाति का मूल प्ररूप पादपालय, जवाहरलाल नेहरू ट्रॉपिकल वनस्पति उद्यान एवं अनुसंधान संस्थान, पैलोड (टीबीजीटी) एवं समप्ररूप यूसीटी, एमएच में संग्रहित किये गये हैं। इस जाति का नामकरण इसके प्ररूप प्राप्ति स्थल अगास्थयामाला जैव आरक्षित क्षेत्र के नाम पर आधारित है। इस जाति को आईयूसीएन 2012ए एवं बी, 2016 के अनुसार अति संकटग्रस्त श्रेणी में मूल्यांकित किया गया है।

Fimbristylis agasthyamalaensis Viji & Preetha, Phytotaxa 345(1):068.2018 (CYPERACEAE)

This new species has been discovered and described based on the collection made near Ponmudi, Thiruvananthapuram district of Kerala at 793m altitude. The holotype is deposited in herbarium of Jawaharlal Nehru Tropical Botanic Garden and Research Institute, Palode (TBGT) and isotypes are in UCT and MH respectively. The species is named after its type locality in Agasthyamala Biosphere Reserve. The species is assessed as Critically Endangered [CR B1 ab (iii, v) + 2 ab(iii,v); D] as per IUCN 2012a & b, 2016 categories and criteria.

फिमब्रिस्टाइलिस मुत्थाई यारैया एवं रत्न कुमार, ज. जैप. बॉट. 93(3):200.2018. (सायपेरेसी)

इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन तमिलनाडु राज्य के पुलनी हिल्स, कोडाईकैनाल, कोडाई से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर किया गया है। इस जाति का मूल प्ररूप पादपालय, रापिनाट पादपालय, सेंट जोसेफ कॉलेज, तिरुचिरापल्ली (आरएचटी) में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण डॉ. जी. वी. एस. मूर्ति, पूर्व प्रभारी वैज्ञानिक—जी, दक्षिणी क्षेत्रीय केंद्र, कोयम्बटूर (एमएच) के सम्मान में उनके द्वारा भारतीय पादप वर्गिकी एवं परागण विज्ञान में किये गये उल्लेखनीय कार्यों के आधार पर किया गया है।

Fimbristylis murthyi Yarraya & Ratna Kumar, J. Jap. Bot. 93(3): 200. 2018. (CYPERACEAE)

This new species has been discovered and described based on the collection made near Pulny hills, Kodai, Kodaikanal, Tamil Nadu. The holotype is deposited in Rapinat Herbarium, St. Joseph's College, Tiruchirappalli (RHT). The species is named in honor of Dr. G. V. S. Murthy, former head, Scientist-G, Southern Regional Centre, Botanical Survey of India, Coimbatore in recognition of his immense and invaluable contribution to Indian plant systematics and palynology.

जेन्शियाना अरुणाई डी. मैती, एस. के. दे. जे. घोष एवं मिददे, इडनबर्ग ज. बॉट. 75(1):118.2017. (जेन्शिएसी)

इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन सिक्किम राज्य के नार्थ सिक्किम जनपद में ऊपरी थांगू घाटी में 4600मी. की ऊंचाई से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर किया गया है। इस जाति का मूल प्ररूप वनस्पति विज्ञान विभाग, कलकत्ता विश्वविद्यालय, कोलकाता (सीयूएच) एवं समप्ररूप सीएएल में संग्रहित किये गये हैं। इस जाति का नामकरण पद्म भूषण स्वर्गीय प्रोफे. (डॉ) अरुण कुमार शर्मा (1949–2017) के सम्मान में उनके द्वारा हिमालयी पौधों की कोशावर्गिकी में किये गये उल्लेखनीय वर्गिकी अध्ययन कार्यों के आधार पर किया गया है। इस जाति को आईयूसीएन 2016 के अनुसार अति संकटग्रस्त श्रेणी में मूल्यांकित किया गया है।



Gentiana arunii D. Maity, S. K. Dey, J. Ghosh & Midday, Edinburgh J. Bot. 75(1): 118. 2017 (GENTIANACEAE)

This new species has been discovered and described based on the collection made near Upper Thangu Valley, North district of Sikkim at 4600m altitude. The holotype is deposited in herbarium of Department of Botany, University of Calcutta, Kolkata (CUH) and isotypes are in CUH and CAL respectively. The species is named to honor late Prof. (Dr.) Arun Kumar Sharma (1943–2017), Padma Bhushan, a legendary cytotoxonomist of University of Calcutta, for his great contributions to the cytology of Himalayan plants. The species is assessed and proposed as critically Endangered (CR) as per IUCN 2016 categories and criteria.

जेन्शियाना प्रियंगलेई एम. शबीर, पी. अग्निहोत्री, जे. के. तिवारी एवं टी. हुसैन, ताइवानिया 63(4):356.2018. (जेन्शियानेसी)



इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन जम्मू कश्मीर राज्य के कारगिल, सुरू घाटी, कारगिल जनपद में 3300मी. की ऊंचाई से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर किया गया है। इस जाति का मूल प्ररूप पादपालय, सीएसआईआर-राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ (एलडब्ल्यूजी) एवं समप्ररूप बीएसडी में संग्रहित किये गये हैं। इस जाति का नामकरण डॉ. जे. एस. प्रियंगले के सम्मान में उनके द्वारा जेन्शियानेसी कुल पर किये गये उल्लेखनीय कार्यों के आधार पर किया गया है। इस जाति को आईयूसीएन 2012 के अनुसार अति संकटग्रस्त श्रेणी में मूल्यांकित किया गया है।

Gentiana pringlei M. Shabir, P. Agnihotri, J. K. Tiwari & T. Husain, Taiwania 63(4): 356.2018 (GENTIANACEAE)

This new species has been discovered and described based on the collection made near Kargil, Suru valley, Kargil district of Ladakh, Jammu & Kashmir at 3300m altitude. The holotype is deposited in herbarium of National Botanical Research Institute, Lucknow (LWG) and isotypes are in BSD. The species is named in honor of Dr. J.S. Pringle for his remarkable contribution in the family Gentianaceae. The species is assessed as 'Critically Endangered' as per IUCN 2012 categories and criteria.

जेन्शियाना तुमालाईका एम. शबीर, अग्निहोत्री, तिवारी एवं हुसैन, नार्डिक ज. बॉट. 36(6)-ई019198:3.2018. (जेन्शियानेसी)



इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन जम्मू कश्मीर राज्य के कारगिल, सुरू घाटी, कारगिल जनपद से 4000-4200मी. की ऊंचाई से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर किया गया है। इस जाति का मूल प्ररूप पादपालय, सीएसआईआर-राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ (एलडब्ल्यूजी) एवं समप्ररूप बीएसडी में संग्रहित किये गये हैं। इस जाति का नामकरण इसके प्ररूप प्राप्त स्थल तुमाइल के नाम पर आधारित है। इस जाति को आईयूसीएन 2012 के अनुसार अति संकटग्रस्त श्रेणी में मूल्यांकित किया गया है।

Gentianella tumailica M. Shabir, Agnihotri, Tiwari & Husain, Nordic J. Bot. 36(6)-e01919: 3. 2018. (GENTIANACEAE)

This new species has been discovered and described based on the collection made near ail, Spang-Rings hill, Ladakh, Kargil district of Jammu & Kashmir at 4000-4200m altitude. The holotype is deposited in herbarium of CSIR-National Botanical Research Institute, Lucknow (LWG) and isotypes are in BSD. The species is named after its type locality "Tumail" in Jammu & Kashmir. The species is assessed as 'Critically Endangered' as per IUCN 2012 categories and criteria.

हेन्कैलिया पाठकाई जी. कृष्णा एवं लक्ष्मीन, ताइवानिया 63(4):397.2018. (जेसनेरिऐसी)



इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन अरुणाचल प्रदेश के ऊपरी सियांग जनपद में तूतिंग से यिंग्कियोंग के मध्य 1870-2000मी. की ऊंचाई से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर किया गया है। इस जाति का मूल प्ररूप केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा (सीएएल) एवं समप्ररूप एआरयूएन में संग्रहित किये गये हैं। इस जाति का नामकरण स्वर्गीय डॉ. एम. के पाठक, वनस्पतिज्ञ, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, के सम्मान में उनके द्वारा अरुणाचल प्रदेश के वनस्पतिजात पर किये उल्लेखनीय वर्गिकी अध्ययन के आधार पर किया गया है। इस जाति को आईयूसीएन 2012 के संस्करण 3.1 के अनुसार अति संकटग्रस्त श्रेणी में मूल्यांकित किया गया है।

Henckelia pathakii G. Krishna & Lakshmin, Taiwania 63(4): 397.2018 (GESNERIACEAE)

This new species has been discovered and described based on the collection made on the way Tuting to Yingkiong, Upper Siang district of Arunachal Pradesh at 1870-2000m altitude. The holotype is deposited in Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah (CAL) and isotypes are in CAL and ARUN. The species is named in loving memory of late Dr. M. K. Pathak, Botanist, Botanical Survey of India, for his significant contribution to the Flora of Arunachal Pradesh. The species assessed here as "Critically Endangered" following the IUCN Red List Categories and Criteria version 3.1 2012.

इंपेशियंस अंजवाएन्सिस बोराह, खंडवाल, जी. एम. छेत्री एवं गोगोई, बालसम ऑफ ईस्टर्न हिमालया –ए रिजिनल रिविजन, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, 55.2018. (बालसामनेसी)

इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन अरुणाचल प्रदेश के अंजाब जनपद में वालोग के आसपास 3690 मी. की ऊंचाई से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर किया गया है। इस जाति का मूल प्ररूप केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा (सीएएल) एवं समप्ररूप एएसएसएएम एवं एआरयूएन में संग्रहित किये गये हैं। इस जाति का नामकरण इसके प्ररूप प्राप्ति जिले के नाम पर आधारित है।

Impatiens anjawensis Borah, Kandwal, G.M. Chhetri & Gogoi, Balsam of Eastern Himalaya –A Regional Revision, Botanical Survey of India, Kolkata, 55.2018 (BALSAMANACEAE)

This new species has been discovered and described based on the collection made near Walong, Anjaw district of Arunachal Pradesh at 3690m altitude. The holotype is deposited in Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah (CAL) and isotypes are in ASSAM and ARUN. The species is named after the district of its type location.

इंपेशियंस इडुमिशमैसिस गोगोई, डब्ल्यू. एडामोव्सकी, बोराह एवं जी. एम. छेत्री, बालसम ऑफ ईस्टर्न हिमालया –ए रिजिनल रिविजन, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, 100.2018. (बालसामनेसी)

इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन अरुणाचल प्रदेश के लोअर दिबांग घाटी जनपद में मायोडिया 65 प्वाइंट से 15 कि.मी. दूर हुनली से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर किया गया है। इस जाति का मूल प्ररूप केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा (सीएएल) एवं समप्ररूप एएसएसएएम एवं एआरयूएन में संग्रहित किये गये हैं। इस जाति का नामकरण इसके प्ररूप प्राप्ति स्थल के समीप निवास करने वाली इडुमिशमी जनजाति के नाम पर आधारित है।

Impatiens idumishmiensis Gogoi, W. Adamowski, Borah & G.M. Chhetri, Balsam of Eastern Himalaya –A Regional Revision, Botanical Survey of India, Kolkata, 100.2018 (BALSAMANACEAE)

This new species has been discovered and described based on the collection made ahead 15 km towards Hunli from 65 point, Mayodia, Lower Dibang Valley district of Arunachal Pradesh. The holotype is deposited in Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah (CAL) and isotypes are in CAL and ASSAM. The species named after Idu-Mishmi tribe, the local inhabitants of the type locality.

इंपेशियंस जोसेफिया एस. थॉमस, बी. मनी एवं एस. जे. ब्रिटो, फायटोटैक्सा 334(3):236.2018 (बालसामनेसी)



इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन केरल राज्य के इडुक्की जनपद में 940–1000मी. की ऊंचाई से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर किया गया है। इस जाति का मूल प्ररूप रापिनाट पादपालय, सेंट जोसेफ कालेज, तिरुचिरापल्ली (आरएचटी) एवं समप्ररूप एमएच एवं आरएचटी में संग्रहित किये गये हैं। इस जाति का नामकरण सेंट जोसेफ कालेज, तिरुचिरापल्ली के नाम पर आधारित है।

Impatiens josephia S. Thomas, B. Mani & S. J. Britto, Phytotaxa 334(3):236.2018 (BALSAMANACEAE)

This new species has been discovered and described based on the collection made from Idukki district of Kerala at 940–1000m altitude. The holotype is deposited in Rapinat Herbarium, St. Joseph's College, Tiruchirappalli (RHT) and isotypes are in MH and RHT respectively. The species named after the St. Joseph's College, Tiruchirappalli.

इंपेशियंस सौउलिरिया बी. मनी, एस. थॉमस एवं एस. जे. ब्रिटो, फायटोटैक्सा 334(3):234.2018. (बालसामनेसी)

इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन केरल राज्य के कोझीकोड़े जनपद के काकायम में 680–720मी. की ऊंचाई से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर किया गया है। इस जाति का मूल प्ररूप रापिनाट पादपालय, सेंट जोसेफ कालेज, तिरुचिरापल्ली (आरएचटी) एवं समप्ररूप एमएच एवं आरएचटी में संग्रहित किये गये हैं। इस जाति का नामकरण फा. सौलेरी, वनस्पतिज्ञ, अंगलाडे इंस्टीट्यूट ऑफ नेचुरल हिस्ट्री (एआईएनएच) कोडाईकैनाल के सम्मान में किया गया है।

Impatiens saulierei B. Mani, S. Thomas & S. J. Britto, Phytotaxa 334 (3): 234.2018 (BALSAMANACEAE)

This new species has been discovered and described based on the collection made from Kakkayam, Kozhikode district of Kerala at 680-720m altitude. The holotype is deposited in Rapinat Herbarium, St. Joseph's College, Tiruchirappalli (RHT) and isotypes are in MH and RHT respectively. The species is named in honor of Fr. Sauliere, Botanist in the Anglade Institute of Natural History (AINH), Kodaikanal.

नौक्सिया हुकेरी लक्ष्मीन, हार्वड पेपर्स इन बॉटनी 23(2):333.2018. (रुबिऐसी)

इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन तमिलनाडु राज्य के पुलनी पर्वतमाला से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर किया गया है। इस जाति का मूल प्ररूप रॉयल वनस्पति उद्यान, क्यू (के) में संग्रहित किये गये हैं। इस जाति का नामकरण ब्रिटिश वनस्पतिज्ञ एवं 19वीं सदी के प्रख्यात अन्वेषक सर जोसेफ डाल्टन हुकर के सम्मान में किया गया है।

Knoxia hookeri Lakshmin., Harvard Papers in Botany, 23(2).333.2018 (RUBIACEAE)

This new species has been discovered and described based on the collection made from Pulney mountains, Tamil Nadu. The holotype is deposited in herbarium of Royal Botanical Garden, Kew (K). The species is named in honor to Sir Joseph Dalton Hooker, British Botanist and explorer of 19th century.

लेगिनेन्ड्रा चेरुपुझिका पी. बिजू, जोसकुट्टी एवं अगसतीन, एनल्स बॉट. फेनीसी 55:139.2018 (ऐरेसी)



इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन केरल राज्य के कासारगोड़ जनपद के चेरुपुझा में 100मी. की ऊंचाई से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर किया गया है। इस जाति का मूल प्ररूप केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा (सीएएल) एवं समप्ररूप एमएच में संग्रहित किये गये हैं। इस जाति का नामकरण इसके प्ररूप प्राप्ति स्थल चेरुपुझा के नाम पर आधारित है।

Lagenandra cherupuzhica P. Biju, Josekutty & Augustine, Ann. Bot. Fennici 55: 139.2018 (ARACEAE)

This new species has been discovered and described based on the collection made from Cherupuzha, Kasaragod district of Kerala at 100m altitude. The holotype is deposited in Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah (CAL) and isotypes are in MH. The species is named after type location, Cherupuza.

लेसिएन्थस अगस्थामलायनस आर. जगड़, एस. पी. मैथ्यू, गंगाप्र., ई. एस. एस. कुमार,, एनल्स बॉट. फेनीसी 55:87.2018 (रुबिऐसी)

इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन केरल राज्य के तिरुवनंतपुरम जनपद में अगसत्यामाला जैव आरक्षित में 1600मी. की ऊंचाई से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर किया गया है। इस जाति का मूल प्ररूप पादपालय, दक्षिणी क्षेत्रीय केंद्र, भारतीय



वनस्पति सर्वेक्षण, कोयम्बटूर (एमएच) एवं समप्ररूप केयूबीएच एवं टीबीजीटी में संग्रहित किये गये हैं। इस जाति का नामकरण अगसत्यामाला जैव-आरक्षित क्षेत्र के नाम पर आधारित है।

Lasianthus agasthyamalyanus R. Jagad., S.P. Mathew, Gangapr. & E.S.S. Kumar, Ann. Bot. Fennici 55: 87. 2018 (RUBIACEAE)

This new species has been discovered and described based on the collection made from Agasthyamala Biosphere Reserve, Thiruvananthapuram district of Kerala at 1600m altitude. The holotype is deposited in Southern Regional Centre, Botanical Survey of India, Coimbatore (MH) and isotypes are in KUBH and TBGT. The species is named after its type locality in Agasthyamala Biosphere Reserve.

ल्यूकास धोनिमलार्येंसिस सुनोजकु. एवं के. पी. विमल, एनल्स बॉट. फेनीसी 55:289.2018 (लेमिऐसी)



इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन केरल राज्य के पलक्कड़ जनपद के धोनी पहाड़ी में 1040मी. की ऊंचाई से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर किया गया है। इस जाति का मूल प्ररूप वनस्पति विज्ञान विभाग, कालीकट विश्वविद्यालय, कालीकट (सीएएलआई) एवं समप्ररूप सीएएलआई, एमएच में संग्रहित किये गये हैं। इस जाति का नामकरण इसके प्ररूप प्राप्ति स्थल धोनीमाला के नाम पर आधारित है।

Leucas dhonimalayensis Sunojk. & K.P.Vimal, Ann. Bot. Fennici 55:289.2018 (LAMIACEAE)

This new species has been discovered and described based on the collection made from Dhoni Hills, Palamala, Palakkad district of Kerala at 1040m altitude. The holotype is deposited in herbarium of Department of Botany, University of Calicut, Calicut (CALI) and isotypes are in CALI and MH. The species is named after its type locality, Dhonimala.



ल्यूकास पचमढीरेंसिस ए. पी. तिवारी, मुजफ्फर, एस. के. गावडे, लेखक एवं सुनोजकु., नार्डिक ज. बॉट. 36(4):ई01636:2.2018 (लेमिऐसी)



इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन मध्य प्रदेश राज्य के होसंगाबाद जनपद के रोरी घाट, पंचमढी जैव-आरक्षित क्षेत्र में 750मी. की ऊंचाई से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर किया गया है। इस जाति का मूल प्ररूप केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा (सीएएल) एवं समप्ररूप बीएसए में संग्रहित किये गये हैं। इस जाति का नामकरण इसके प्ररूप प्राप्ति स्थल पचमढी के नाम पर आधारित है। इस जाति को आईयूसीएन के अनुसार अति संकटग्रस्त श्रेणी में मूल्यांकित किया गया है।

Leucas pachmarhiensis A. P.Tiwari, Mujaffar, S.K. Gavade, Lekhak & Sunojk., Nordic J. Bot. 36(4)-e01636: 2. 2018. (LAMIACEAE)

This new species has been discovered and described based on the collection made from Rori Ghat, Pachmarhi Biosphere Reserve, Hoshangabad district of Madhya Pradesh at 750m altitude. The holotype is deposited in Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah (CAL) and isotypes are in BSA. The species is named after its type locality Pachmarhi Hills, Madhya Pradesh. This species is assessed as 'Critically Endangered' (CR B2a, biii) as per IUCN categories and criteria.

लिन्डर्निया नेल्लियमपाठीयेन्सिस सुनील, जलील एवं रथीस, इंटर. ज. एडवार्ड रिस. 2(3):136.2018 (लिंडर्निएसी)

इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन केरल राज्य के पालघाट जनपद में नेल्लियापाथी, काकरापाड़ा से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर किया गया है। इस जाति का मूल प्ररूप केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा (सीएएल) एवं समप्ररूप एमएच में संग्रहित किये गये हैं। इस जाति का नामकरण इसके प्ररूप प्राप्ति स्थल नेल्लियापाथी के नाम पर आधारित है।

Lindernia nelliampathiensis Sunil, Jaleel & Ratheesh, Int. J. Advanced Res. 2(3): 136. 2014. (LINDERNIACEAE)

This new species has been discovered and described based on the collection made from Nelliampathi, Karappara,, Palghat district, Kerala. The holotype is deposited in Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah (CAL) and isotypes are in MH. The species is named after the type locality, Nelliampathi.

लेसियोनोटस बैजन्तियाई डी. बोराह एवं ए. जोए, ताईवानिया 63(3):232.2018 (जेसनेरिऐसी)



इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन अरुणाचल प्रदेश राज्य के लोअर सुबानसिरी जनपद से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर किया गया है। इस जाति का मूल प्ररूप वनस्पति विज्ञान विभाग, कालीकट विश्वविद्यालय, कालीकट (सीएएलआई) एवं समप्ररूप एआरयूएन में संग्रहित किये गये हैं। इस जाति का नामकरण प्रथम लेखक डी. बोराह की माता बैजन्ति बोराह के सम्मान में किया गया है। इस जाति को आईयूसीएन 2012 के अनुसार अति संकटग्रस्त श्रेणी में मूल्यांकित किया गया है।

Lysionotus bijantiae D. Borah & A. Joe, Taiwania 63(3): 232.2018. (GESNERIACEAE)

This new species has been discovered and described based on the collection made from Potin, Lower Subansiri district, Arunachal Pradesh. The holotype is deposited in herbarium of Department of Botany, University of Calicut, Calicut (CALI) and isotypes are in ARUN. The species is named in honor of Bijanti Borah, mother of first author D. Borah. This species is assessed as 'Critically Endangered' as per IUCN 2012 categories and criteria.

मेमिसायलोन त्रावेनकोरेन्से सिवू एन. एस. प्रदीप, पांडुर. एवं रथीस, ताईवानिया 63(2):106.2018 (मैलास्टोमैटेसी)

इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन केरल राज्य के तिरुवनंतपुरम जनपद में पोनमुदी से कोडियार माताई के मध्य सदाबहार वनों में 700मी. की ऊंचाई से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर किया गया है। इस जाति का मूल प्ररूप जवाहरलाल नेहरू ट्रापिकल वनस्पति उद्यान एवं अनुसंधान संस्थान, पैलोड (टीबीजीटी) एवं समप्ररूप एमएच में संग्रहित किये गये हैं। इस जाति का नामकरण प्ररूप प्राप्ति स्थल के ऐतिहासिक दक्षिण भारतीय साम्राज्य त्रावणकोर के नाम पर आधारित है।

Memecylon travancorense Sivu, N. S. Pradeep, Pandur. & Ratheesh, Taiwania 63(2): 106.2018 (MELASTOMATACEAE)

This new species has been discovered and described based on the collection made from evergreen forest at Ponmudi on way to Kowdiyar Mottai, Thiruvananthapuram district, Kerala at 700m altitude. The holotype is deposited in herbarium of Jawaharlal Nehru Tropical Botanic Garden and Research Institute, Palode (TBGT) and isotypes are in MH. The species is named after its type location in Travancore, former historical Kingdom of South India.

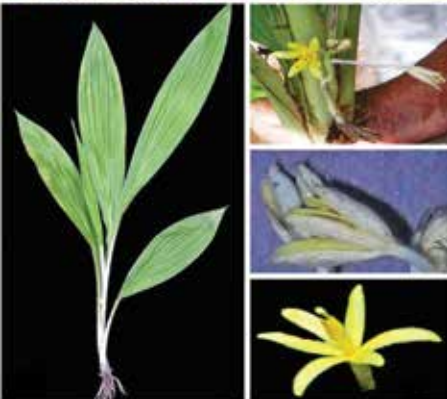
मोलिनेरिया जशपुरिका ए. पी. तिवारी, मुजफ्फर एवं ए. एन. शुक्ला, नार्डिक ज. बॉट. 36(11)—ई02157:1.2018. (हायपोक्सीडेसी)



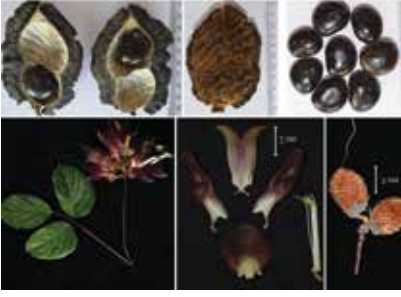
इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन छत्तीसगढ़ राज्य के जशपुर जनपद के खुडियारानी में 700मी. की ऊंचाई से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर किया गया है। इस जाति का मूल प्ररूप इस जाति का मूल प्ररूप केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा (सीएएल) एवं समप्ररूप बीएसए एवं एलडब्ल्यूजी में संग्रहित किये गये हैं। इस जाति का नामकरण इसके प्ररूप प्राप्ति जनपद जशपुर के नाम पर आधारित है। इस जाति को आईयूसीएन 2012 के अनुसार अति संकटग्रस्त श्रेणी में मूल्यांकित किया गया है।

Molineria jashpurica A. P. Tiwari, Mujaffar & A. N. Shukla, Nordic J. Bot. 36(11)-e02157: 1.2018 (HYPOXIDACEAE)

This new species has been discovered and described based on collection made from Khudiyarani, Jashpur district of Chhattisgarh at 700m altitude. The holotype is deposited in Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah (CAL) and isotypes are in BSA and LWG respectively. The species is named after Jashpur district of Chhattisgarh. This species is assessed as 'Critically Endangered' (CR B2a + B2biii) as per IUCN 2012 categories and criteria.



मूकुना चादवियाना गायकवाड़, लवान्द एवं गुरव, फाइटोटैक्सा 348(2):153.2018. (लेग्यूमिनोसी : पैपिलियोनॉयडी)



इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन अंडमान एवं निकोबार द्वीप के केडालगंज, साउथ अंडमान में 20मी. की ऊंचाई से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर किया गया है। इस जाति का मूल प्ररूप केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा (सीएएल) एवं समप्ररूप एसयूके एवं बीएसआई में संग्रहित किये गये हैं। इस जाति का नामकरण प्रो. एस. आर. यादव, वनस्पति विज्ञान विभाग, शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर महाराष्ट्र के सम्मान में उनके द्वारा आवृतबीजीय पौधों की वर्गिकी पर किये गये उल्लेखनीय कार्यों के आधार पर किया गया है। इस जाति को आईयूसीएन 2017 के अनुसार आंकड़े अपूर्ण श्रेणी में मूल्यांकित किया गया है।

Mucuna yadaviana Gaikwad, Lawand & Gurav, Phytotaxa 348 (2): 153. 2018 (LEGUMINOSAE: PAPILIONOIDEAE)

This new species has been discovered and described based on collection made from Kedalganj, South Andaman, Andaman & Nicobar Islands at 20m altitude. The holotype is deposited in Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah (CAL) and isotypes are in SUK and BSI. The species is named in honor of Prof. S. R. Yadav, Department of Botany, Shivaji University Kolhapur, Maharashtra, in recognition of his valuable contribution in the field of Angiosperm taxonomy. This species is assessed as Data Deficient (DD) according to the IUCN criteria 2017.

ओबेरोनिया मुथिकुलामेंसिस के. प्रसाद, के. एम. पी. कुमार एवं पी. सुदेशना, नार्डिक ज. बॉट, 36(5)ई01797:2.2018.(आर्किडेसी)



इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन केरल राज्य के पलक्कड़ जिले में मुथिकुलम इलिवल पहाड़ी मार्ग में 1846मी. की ऊंचाई से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर किया गया है। इस जाति का मूल प्ररूप केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा (सीएएल) में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण इसके प्ररूप प्राप्ति स्थल मुथिकुलम के नाम पर आधारित है। इस जाति को आईयूसीएन 2016 के अनुसार आंकड़े अपूर्ण श्रेणी में मूल्यांकित किया गया है।

Oberonia muthikulamensis K. Prasad, K.M.P. Kumar & P. Sudheshna, Nordic J. Bot. 36(5)-e01797: 2. 2018 (ORCHIDACEAE)

This new species has been discovered and described based on the collection made from Muthikulam, on way to Elival hills, Palakkad district of Kerala at 1846m altitude. The holotype and isotypes are deposited in Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah (CAL). The species is named after its type locality in Muthikulam forest, Western Ghats, Kerala. This species is assessed as Data Deficient (DD) as per IUCN 2016 categoris & criteria.

ओफियोराइजा जैकोबाई हरीश, सलिश, जी. जोसेफ एवं एम. साबू, नार्डिक ज. बॉट, 36(5)–ई01519:2.2018.(रुबिऐसी)

इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन केरल राज्य के ईडुक्की जिले में कुलामावू मार्ग पर चेरुथोनी से 10 कि.मी. की दूरी से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर किया गया है। इस जाति का मूल प्ररूप पादपालय, वनस्पति विज्ञान विभाग, कालीकट



विश्वविद्यालय, केरल (सीएएलआई) एवं समप्ररूप सीएएलआई एवं एमएच में संग्रहित किये गये हैं। इस जाति का नामकरण प्रो. जैकब एब्राहम पुल्लिकल, सेंट थॉमस कॉलेज, थ्रिसूर के सम्मान में किया गया है। इस जाति को आईयूसीएन 2017 के अनुसार अति संकटग्रस्त श्रेणी में मूल्यांकित किया गया है।

Ophiorrhiza jacobii Hareesh, Salish, G. Joseph & M. Sabu, Nordic J. Bot. 36(1-2)-e01519: 2. 2017 (RUBIACEAE)

This new species has been discovered and described based on the collection made 10 km away from Kulamavu towards Cheruthoni, Idukki district of Kerala. The holotype is deposited in herbarium of Department of Botany, University of Calicut, Calicut (CALI) and isotypes are in CALI and MH. The species is named in honor of Professor Jacob Abraham Pulikkal, St Thomas College, Thrissur. The species is assessed as 'Critically Endangered' (CR) (CR B2ab(i,ii,iii,iv,v) and C2a(i,ii) b (IUCN 2017).

ओफियोराइजा जोजूई हरीश एवं एम. साबू, फाइटोटैक्सा 383(3):263.2018. (रुबिऐसी)



इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन अंडमान एवं निकोबार राज्य के नार्थ अंडमान के सेड्डल पीक राष्ट्रीय उद्यान में 650मी. की ऊंचाई से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर किया गया है। इस जाति का मूल प्ररूप पादपालय, वनस्पति विज्ञान विभाग, कालीकट विश्वविद्यालय, (सीएएलआई) एवं समप्ररूप सीएएलआई एवं पीबीएल में संग्रहित किये गये हैं। इस जाति का नामकरण श्री जोजू पी. अलापट्ट, निदेशक पर्यावरण एवं वन विभाग, वन प्रशिक्षण संस्थान, विमबरलिगंज, अंडमान एवं निकोबार द्वीप के सम्मान में उनके द्वारा अंडमान एवं निकोबार के वनस्पतिजात के संरक्षण पर किये कार्यों के आधार पर किया गया है। इस जाति को आईयूसीएन-2017 के अनुसार अति संकटग्रस्त श्रेणी में मूल्यांकित किया गया है।

Ophiorrhiza jojui Hareesh & M.Sabu, Phytotaxa 383(3): 263.2018 (RUBIACEAE)

This new species has been discovered and described based on the collection made from Saddle Peak National Park, North Andaman, Andaman & Nicobar at 650m altitude. The holotype is deposited in herbarium of Department of Botany, University of Calicut, Calicut (CALI) and isotypes are in CALI and PBL. The species is named in honor of Mr. Joju P. Alappatt, Director, Department of Environment and Forests, Forest Training Institute, Wimberlygunj, Andaman and Nicobar Islands, for his contribution to the flora of Andaman and Nicobar Islands. The species is assessed as Endangered (EN) B2ab(ii, iv,v) as per IUCN 2017.

आस्बेकिया सेड्डलेपिकेंसिस प्रशोब, मनुदेव, सिबिचेन एवं नामपी, फाइटोटैक्सा 344(2):186.2018. (मेलैस्टोमैटैसी)

इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन अंडमान एवं निकोबार राज्य के नार्थ अंडमान के सेड्डल पीक राष्ट्रीय उद्यान में 690मी. की ऊंचाई से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर किया गया है। इस जाति का मूल प्ररूप इस जाति का मूल प्ररूप केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा (सीएएल) एवं समप्ररूप सीएएलआई, डीईवी एवं एमएच में संग्रहित किये गये हैं। इस जाति का नामकरण इसके प्ररूप प्राप्ति स्थल सेड्डल पीक, अंडमान एवं निकोबार के नाम पर आधार पर किया गया है। इस जाति को आईयूसीएन (2001, 2014) के अनुसार आंकड़े अपूर्ण श्रेणी में मूल्यांकित किया गया है।

Osbeckia saddlepeakensis Prashob, Manudev, Sibichen & Nampy, Phytotaxa 344 (2): 186.2018 (MELASTOMATACEAE)

This new species has been discovered and described based on the collection made from Saddle Peak, North Andaman Islands, Andaman & Nicobar Island at 690m altitude. The holotype is deposited in Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah (CAL) and isotypes are in CALI, DEV and MH respectively. The species is named after the type locality 'Saddle Peak', the highest peak in Andaman and Nicobar Islands. The species is assessed as Data Deficient (DD) according to IUCN criteria (2001, 2014) categories and criteria.

पैनाक्स अरुणाचलेन्सिस एम. तारम, ए. पी. दास एवं एच. ताग, प्लियोनी 12(2):317.2018 (ऐरालिऐसी)

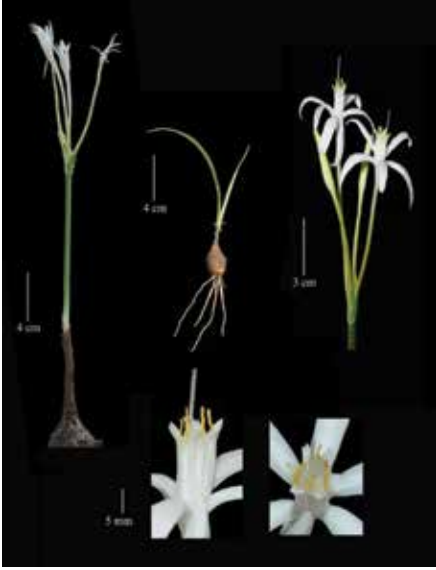


इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन अरुणाचल प्रदेश के जीरो घाटी, लोअर सुबानसरी जनपद में 2300मी. की ऊंचाई से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर किया गया है। इस जाति का मूल प्ररूप पादपालय, पूर्वी क्षेत्रीय केंद्र, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, शिलांग (एएसएसएएम) में संग्रहित है। इस जाति का नामकरण इसके प्ररूप प्राप्ति राज्य के नाम पर आधारित है। इस जाति को आईयूसीएन 2014 के अनुसार अति संकटग्रस्त श्रेणी में मूल्यांकित किया गया है।

Panax arunachalensis M. Taram, A. P Das & H. Tag, Pleione 12(2):317.2018 (ARALIACEAE)

This new species has been discovered and described based on the collection made from Ziro Valley, Lower Subansiri district of Arunachal Pradesh at 2300m altitude. The holotype is deposited in herbarium of Eastern Regional Centre, Botanical Survey of India, Shillong (ASSAM). The species is named after the state of its occurrence. The species is assessed as Critically Endangered (CR) as per IUCN criteria 2014 categories and criteria.

पैनक्रेटियम ब्रह्मारम्बाई सादास, स्पीशिज 19:133.2018. (अमारेल्लिडेसी)



इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन तेलंगाना राज्य के महबूबनगर जिले के नल्लामाला पहाड़ी की मन्नौर रेंज के फराहाबाद के आसपास 861मी. की ऊंचाई से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर किया गया है। इस जाति का मूल प्ररूप केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा (सीएएल) में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण प्ररूप प्राप्ति स्थल श्री सैलम की स्थानिक हिन्दू देवी ब्रह्मारम्भा देवी के नाम पर आधारित है। इस जाति को आईयूसीएन 2014 के अनुसार आंकड़े अपूर्ण श्रेणी में मूल्यांकित किया गया है।

Pancratium bhramarambae Sadas, Species 19:133.2018 (AMARYLLIDACEAE)

This new species has been discovered and described based on the collection made near Farahabad, Mannanur range, Nallamala hills, Mahabubnagar district of Telangana at 861m altitude. The holotype is deposited in Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah (CAL). The species is named after the Hindu Goddess Bhramaramba Devi, a local deity at type location in Sri Sailam. The species is assessed as Data Deficient as per IUCN criteria 2014 categories and criteria.

पैनक्रेटियम तेलंगानेंसे सादास, स्पीशिज 19:136.2018. (अमारेल्लिडेसी)



इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन तेलंगाना राज्य के महबूबनगर जिले के नल्लामाला पहाड़ी की वाटूरलापल्ली के आसपास 861मी. की ऊंचाई से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर किया गया है। इस जाति का मूल प्ररूप केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा (सीएएल) एवं समप्ररूप बीएसआईडी में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण प्ररूप प्राप्ति राज्य के नाम पर आधारित है। इस जाति को आईयूसीएन 2014 के अनुसार आंकड़े अपूर्ण श्रेणी में मूल्यांकित किया गया है।

Pancratium telanganense Sadas, Species 19:136.2018 (AMARYLLIDACEAE)

This new species has been discovered and described based on the collection made near Vatuvarlapalli, Mannanur range, Nallamala hills, Mahabubnagar district of Telangana at 861m altitude. The holotype is deposited in Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah (CAL) and isotypes are in BSID. The species is named after state of its occurrence. The species is assessed as Data Deficient according to IUCN criteria 2014 categories and criteria.

पार्थिनोकिसस रेणुकाई एंटो एवं प्रदीप, ताईवानिया 63(2):139.2018. (वायटेसी)

इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन केरल राज्य के थ्रिसूर जनपद, मंगद में 150मी. की ऊंचाई से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर किया गया है। इस जाति का मूल प्ररूप पादपालय, वनस्पति विज्ञान विभाग, कालीकट विश्वविद्यालय, कालीकट (सीएएलआई) एवं समप्ररूप एमएच, सीएएल एवं बीएलएटी में संग्रहित किये गये हैं। इस जाति का नामकरण डॉ. सी. रेणुका, वैज्ञानिक (से.नि.) केरल वन अनुसंधान संस्थान, पीची, थ्रिसूर के सम्मान में किया गया है।

Parthenocissus renukae Anto & Pradeep, Taiwania 63(2): 139.2018 (VITACEAE)



This new species has been discovered and described based on the collection made from Mangad, Thrissur district of Kerala at 150m altitude. The holotype is deposited in herbarium of Department of Botany, Calicut University, Calicut (CALI) and isotypes are in MH, CAL and BLAT respectively. The species is named in honor of Dr. C. Renuka, Scientist (Rtd.), Kerala Forest Research Institute, Peechi, Thrissur, Kerala.

पेडिकुलेरिस हुसैनियाना पी. अग्निहोत्री, डी. हुसैन, डी. साहू एवं. एस. के. बारिक, फायटोटैक्सा 371(4):260.2018. (ओरोबैंकेसी)



इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन मणिपुर राज्य के जूको घाटी, में जूको घाटी पुल के आसपास 2450मी. की ऊंचाई से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर किया गया है। इस जाति का मूल प्ररूप पादपालय, पादप विविधता एवं पादपालय अनुभाग, सीएसआईआर-राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ (एलडब्ल्यूजी) में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण डॉ. तारिक हुसैन के सम्मान में उनके द्वारा पेडीकुलेरिस वंश की वर्गिकी पर किये गये उल्लेखनीय कार्यों के आधार पर किया गया है।

Pedicularis husainiana P. Agnihotri, D. Husain, D. Sahoo & S.K. Barik, Phytotaxa 371 (4): 260.2018 (OROBANCHACEAE)

This new species has been discovered and described based on the collection made near Dzükou Valley bridge, Dzükou Valley, Manipur at 2450m altitude. The holotype and isotypes are deposited in Plant Diversity,

Systematics & Herbarium Division, CSIR-National Botanical Research Institute, Lucknow (LWG). The species is named in honor of Dr. Tariq Husain for his contributions on the genus *Pedicularis* from India.

प्लियोसेन्थस अरुणाचलेंसिस डी. के. रॉय, ए. ए. माओ एवं एवर, तर्कजनिनोविया 20(3):14.2018. (एस्परागेसी)

इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन अरुणाचल प्रदेश के एका पहाड़ी, बोम्पूटा कैंप में 9000फिट की ऊंचाई से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर किया गया है। इस जाति का मूल प्ररूप पादपालय, पूर्वी क्षेत्रीय केंद्र, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, शिलांग (एएसएसएएम) में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण इसके प्राप्ति राज्य के नाम पर आधारित है।

Peliosanthes arunachalensis D. K. Roy, A. A. Mao & Aver, Turczaninowia 20 (3): 14. 2018 (ASPARAGACEAE)

This new species has been discovered and described based on the collection made near Aka Hills, Bomputa Camp, of Arunachal Pradesh at 9000ft altitude. The holotype and isotypes are deposited in herbarium of Eastern Regional Centre, Botanical Survey of India, Shillong (ASSAM). The species is named after the state of its occurrence.

प्लियोसेन्थस खासियाना एन. टनाका, फायटोटैक्सा 356(1):38.2018. (एस्परागेसी)

इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन असम राज्य के काछर जनपद में खासिया से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर किया गया है। इस जाति का मूल प्ररूप पादपालय, रॉयल वनस्पति उद्यान, क्यू (के) में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण इसके प्ररूप प्राप्ति स्थल के नाम पर आधारित है।

Peliosanthes khasiana N. Tanaka, Phytotaxa 356 (1): 38.2018 (ASPARAGACEAE)

This new species has been discovered and described based on the collection made from Khasia, Cachar district of Assam. The holotype and isotypes are deposited in Royal Botanic Garden, Kew (K). The species is named after its type locality.

प्लियोसेन्थस सबस्पीकाटा एन. टनाका, फायटोटैक्सा 356(1):40.2018. (एस्परागेसी)

इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन असम राज्य के काछर जनपद में खासिया से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर किया गया है। इस जाति का मूल प्ररूप पादपालय, रॉयल वनस्पति उद्यान, क्यू (के) में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण इसके पुष्पक्रम की बाह्य संरचना पर आधारित है।

Peliosanthes subspicata N. Tanaka, Phytotaxa 356(1):40.2018 (ASPARAGACEAE)

This new species has been discovered and described based on the collection made from Khasia, Cachar district of Assam. The holotype and isotypes are deposited in Royal Botanic Garden, Kew (K). The species name refers to morphological feature of its inflorescence.

पेपरोमिया इकाकेसारा स्याम एवं एस. नाम्पी, फायटोटैक्स 364(3):284.2018. (पाइपेरेसी)



इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन केरल राज्य के इडुक्की जनपद, सिवानपारा, माथिकेतन शोला राष्ट्रीय उद्यान, सन्थनपारा में 1610मी. की ऊंचाई से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर किया गया है। इस जाति का मूल प्ररूप पादपालय, वनस्पति विज्ञान विभाग, कालीकट विश्वविद्यालय, कालीकट (सीएएलआई) में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण इसके संस्कृत भाषा के नाम से उद्धरित है, जिसमें एका शब्द एक एवं 'केशरा' शब्द पुंकेसर का द्योतक है। इस जाति को आईयूसीएन 2001 एवं 2010 के अनुसार निकट संकटग्रस्त श्रेणी में मूल्यांकित किया गया है।

Peperomia ekakesara Syam & S. Nampy, Phytotaxa 364 (3): 284.2018 (PIPERACEAE)

This new species has been discovered and described based on the collection made from Sivanpara, Mathikettan shola National Park, Santhanpara of Idukki district, Kerala at 1610m altitude. The holotype is deposited in herbarium of Department of Botany, Calicut University, Calicut (CALI). The species name is Sanskrit term of its stamens monandrous condition, where 'eka' means one and 'kesara' refers to the stamen. The species is assessed as Near Threatened (NT) based on IUCN 2001 & 2010 categories and criteria.

पेपरोमिया इमार्जिनेटिफोलिया जे. मैथ्यू, स्पीशिज 19.164.2018 (पाइपेरेसी)



इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन केरल राज्य के थ्रिसूर जनपद, पोन्मुदी, पीची-वजाही वन्यजीव अभयारण्य मार्ग में 1350मी. की ऊंचाई से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर किया गया है। इस जाति का मूल एवं सम प्ररूप पादपालय, एम. एस. स्वामीनाथन अनुसंधान संस्थान, वायनाड (एमएसएसआरएफ) में संग्रहित किये गये हैं। इस जाति का नामकरण इसके खांचयुक्त (इमार्जिनेटेड) पत्ती की संरचना पर आधारित है।

Peperomia emarginatifolia J.Mathew, Species 19.164.2018 (PIPERACEAE)

This new species has been discovered and described based on the collection made on way to Ponmudy from Peechi-Vazhani Wildlife Sanctuary, Thrissur district, Kerala at 1350m altitude. The holotype and isotypers are deposited in herbarium of M.S. Swaminathan Research Foundation, Wayanad (MSSRF). The species name refers to its emarginated leaf character.

पेपरोमिया वेल्लारिमालिका जे. मैथ्यू एवं पी. एम. सालिम, स्पीशिज 19.164.2018 (पाइपेरेसी)



इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन केरल राज्य के वेल्लारिमाला आरईसी पारा पैदल मार्ग में 1350मी. की ऊंचाई से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर किया गया है। इस जाति का मूल एवं सम प्ररूप पादपालय, एम. एस. स्वामीनाथन अनुसंधान संस्थान, वायनाड (एमएसएसआरएफ) में संग्रहित किये गये हैं। इस जाति का नामकरण इसके प्ररूप प्राप्ति स्थल वेल्लारिमाला के नाम पर आधारित है।

Peperomia vellarimalica J.Mathew & P.M.Salim, Species 19.164.2018 (PIPERACEAE)

This new species has been discovered and described based on the collection made from walkway to REC para, Vellarimala, Kerala at 1350m altitude. The holotype and isotypers are deposited in herbarium of M.S. Swaminathan Research Foundation, Wayanad (MSSRF). The species is named after its type location Vellarimala Hills, Kerala.



फायल्लागाथिस इंडिका जे. मैथ्यू, योहानान एवं काद. वी. जार्ज, बॉट. लेटर्स 163(2):175.2016 (मैलास्टोमैटेसी)



इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन केरल राज्य के ईडुक्की जनपद के पुल्लुपारा, कुट्टीक्कनम में 1600मी. की ऊंचाई से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर किया गया है। इस जाति का मूल प्ररूप जवाहरलाल नेहरू ट्रापिकल वनस्पति उद्यान एवं अनुसंधान संस्थान, पैलोड (टीबीजीटी) एवं समप्ररूप एमएसएसआरएफ में संग्रहित किये गये हैं। इस जाति का नामकरण भारत में फायल्लागाथिस वंश की प्रथम बार प्राप्त जाति पर आधारित है। इसे आईयूसीएन 2012 के अनुसार अति संकटग्रस्त श्रेणी में मूल्यांकित किया गया है।

Phyllagathis indica J. Mathew, Yohannan & Kad. V. George, Bot. Lett. 163(2): 175. 2016 (MELASTOMATAEAE)

This new species has been discovered and described based on the collection made from Pullupara, Kuttikkanam Hills, Idukki district of Kerala at 1600m altitude. The holotype is deposited in herbarium of Jawaharlal Nehru Tropical Botanic Garden and Research Institute, Palode Kerala (TBGT) and isotypes are in MSSRF. The specific epithet is selected to reflect the first and only known *Phyllagathis* species from India. The species is assessed as 'Critically Endangered' (CR 1ab and 2ab) as per IUCN 2012 categories and criteria.

प्लेक्ट्रैन्थस गैम्बलाई स्मिता एवं सुनोजकु, नार्डिक ज. बॉट. 36(8):ई01639:4.2018 (लेमिऐसी)



इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन तमिलनाडु राज्य के कून्नूर जिले से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर किया गया है। इस जाति का मूल प्ररूप पादपालय, रॉयल वनस्पति उद्यान, क्यू (के) में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण इसके प्रथम संग्रहकर्ता जे. एस. गैम्बल के सम्मान में किया गया है। इस जाति को आईयूसीएन 2012 के अनुसार अति संकटग्रस्त श्रेणी में मूल्यांकित किया गया है।

Plectranthus gamblei Smitha & Sunojk., Nordic J. Bot. 36(8)- e01639:4.2018 (LAMIACEAE)

This new species has been discovered and described based on the collection made Coonoor district of Tamil Nadu. The holotype and isotypes are deposited in Royal Botanic Garden Kew, (K). The species is named after J. S. Gamble, who first collected the species from Coonoor, India. The species is assessed as 'Critically Endangered' as per IUCN 2012 categories and criteria.

प्लेक्ट्रैन्थस सहयाद्रिकस स्मिता एवं सुनोजकु, फायटोटैक्सा 345(2):166.2018 (लेमिऐसी)

इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन केरल राज्य के ईडुक्की जनपद के लोखार्ट गैप दृश्य स्थल, मुन्नार में 1600मी. की ऊंचाई से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर किया गया है। इस जाति का मूल प्ररूप पादपालय, वनस्पति विज्ञान विभाग, कालीकट विश्वविद्यालय, कालीकट (सीएएलआई) में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण पश्चिमी घाट की सहयाद्री श्रृंखला के नाम के आधार पर किया गया है। इस जाति को आईयूसीएन 2012 के अनुसार अति संकटग्रस्त श्रेणी में मूल्यांकित किया गया है।



Plectranthus sahyadricus Smitha & Sunojk., Phytotaxa 345 (2):166.2018 (LAMIACEAE)

This new species has been discovered and described based on the collection made near Lockhart Gap view point, Munnar, Idukki district of Kerala at 1600m altitude. The holotype and isotype are deposited in herbarium of Department of Botany, Calicut University, Calicut (CALL). The species is named after its type locality in Western Ghats, known as 'Sahyadri'. The species is assessed as "Critically Endangered CR" [B1a, b (ii, iii) + D] according to the IUCN 2012 categories and criteria.

पोलिगोनेटम उन्डुलाटिफोलियम फलोडेन, फायटोटैक्सा 374(3):275.2018 (एस्परागोसी)



इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन अरुणाचल प्रदेश के तुतिंग से अब्रोका दर्रे के मध्य, सियांग नदी के पूर्वी छोर से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर किया गया है। इस जाति का मूल प्ररूप केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा (सीएएल) एवं समप्ररूप एमओ में संग्रहित किये गये हैं। इस जाति का नामकरण किनारों पर लहरदार पत्तियों के लाक्षणिक गुण पर आधारित है।

Polygonatum undulatifolium Floden., Phytotaxa 374 (3): 275. 2018 (ASPARAGACEAE)

This new species has been discovered and described based on the collection made from Tuting to Abroka Pass, East side of Siang River; Arunachal Pradesh. The holotype is deposited in Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah (CAL) and isotypes are in MO. The species is named after its distinctly undulate margined leaves.

पोर्टूलाका बादामिका एस. आर. यादव एवं दावली, फायटोटैक्सा 376(1):69.2018 (पोर्टूलाकेसी)



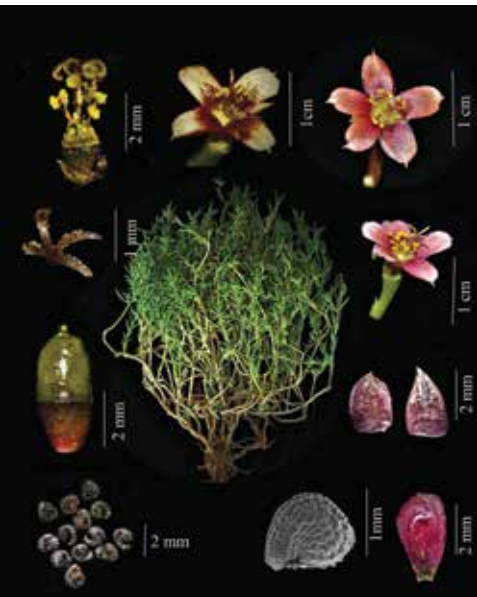
इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन कर्नाटक राज्य के बगलाकोट जनपद के बादामी में 613मी. की ऊंचाई से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर किया गया है। इस जाति का मूल प्ररूप केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा (सीएएल) एवं समप्ररूप बीएसआई, क्यू, एवं एसयूके में संग्रहित किये गये हैं। इस जाति का नामकरण इसके प्ररूप प्राप्ति स्थल बादामी, कर्नाटक के नाम पर आधारित है। इस जाति को आईयूसीएन 2012 के अनुसार आंकड़े अपूर्ण श्रेणी में मूल्यांकित किया गया है।

Portulaca badamica S. R. Yadav & Dalavi, Phytotaxa 376(1):69.2018 (PORTULACACEAE)

This new species has been discovered and described based on the collection made from Badami, Bagalkot district of Karnataka at 613m altitude. The holotype is deposited in Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah (CAL) and isotypes are in BSI, K and SUK respectively. The species is named after its type locality in Badami, Karnataka. The species is assessed as Data Deficient (DD) according to IUCN criteria 2012 categories and criteria.

पोर्टूलाका लक्ष्मीनरसिम्हानियाना एस. आर. यादव एवं दालवी, फाइटोटैक्सा 376(1):72.2018. (पोर्टूलाकेसी)

इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन कर्नाटक राज्य के बगलाकोट जिले के बादामी में 611मी. की ऊंचाई से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर किया गया है। इस जाति का मूल प्ररूप केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा



(सीएएल) एवं समप्ररूप बीएसआई, के एवं एसयूके में संग्रहित किये गये हैं। इस जाति का नामकरण डॉ. पी. लक्ष्मीनरसिम्हन, वैज्ञानिक ई, प्रभारी पश्चिमी क्षेत्रीय केन्द्र, पुणे भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण के सम्मान में उनके द्वारा पादप वर्गिकी पर किये गये उल्लेखनीय कार्यों के आधार पर किया गया है।

Portulaca lakshminarasimhaniana S. R. Yadav & Dalavi, Phytotaxa 376(1):72.2018 (PORTULACACEAE)

This new species has been discovered and described based on the collection made from Badami, Bagalkot district of Karnataka at 611m altitude. The holotype is deposited in Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah (CAL) and isotypes are in BSI, K and SUK respectively. The species is named to honors Dr. P. Lakshminarasimhan, Scientist 'E' and Head of office of Botanical Survey of India, Western Regional Circle, Pune, for his significant contribution in Plant Taxonomy. The species is assessed as Critically Endangered [criterion B1ab (i-v)] according to IUCN 2012.

पोथोस तिरुनेलवेलियेंसिस शशिकला एवं रीमा कुमारी, साइं. रिस. रिपोर्टर 3(1):69.2018 (ऐरेसी)

इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन तमिलनाडु राज्य के तिरुनेवेल्ली जनपद में नागापोथीगाई पहाड़ी मार्ग पर जाते हुये 800मी. की ऊंचाई से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर किया गया है। इस जाति का मूल प्ररूप पादपालय, दक्षिणी क्षेत्रीय केंद्र, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, कोयम्बटूर (एमएच) में संग्रहित कि या गया है। इस जाति का नामकरण इसके प्ररूप प्राप्ति जनपद के नाम पर आधारित है।

Pothos tirunelveliensis Sasikala & Reema Kumari, Sci. Res. Reporter 3(2):152.2013 (ARACEAE)

This new species has been discovered and described based on the collection made on way to Nagapothigai hills, Tirunelveli district of Tamil Nadu at 800m altitude. The holotype and isotypes are deposited in herbarium of Southern Regional Centre, Botanical Survey of India, Coimbatore (MH). The species is named after its type locality in Tirunelveli district.

रोडोडेन्ड्रॉन सिंगबाई सी. एस. पुरोहित एवं राम. कुमार, रोडोडेन्ड्रॉन (मेलवर्न) 58:79.2018 (इरिकेसी)

इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन सिक्किम राज्य के नार्थ जनपद के सिंगबा रोडोडेन्ड्रॉन वन्य जीव अभयारण्य में 3200मी. की ऊंचाई से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर किया गया है। इस जाति का मूल प्ररूप पादपालय, सिक्किम हिमालय क्षेत्रीय केंद्र, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, गंगतोक (बीएसएचसी) में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण इसके प्ररूप प्राप्ति स्थल सिंगबा रोडोडेन्ड्रॉन वन्य जीव अभयारण्य के नाम पर आधारित है।

Rhododendron shingbae C. S. Purohit & Ram. Kumar, Rhododendron (Melbourne) 58: 79. 2018. (ERICACEAE)

This new species has been discovered and described based on the collection made Shingba Rhododendron Wildlife Sanctuary, North district of Sikkim at 3200m altitude. The holotype and isotypes are deposited in herbarium of Sikkim Himalayan Regional Centre, Botanical Survey of India, Sikkim (BSHC). The species is named after its type locality in Shingba Rhododendron Wildlife Sanctuary.

रिंकोस्टाइलिस सायमिफेरा योहानान, जे. मैथ्यू एवं सेज्लाच, जॉर्डन ज. बायोल. साइं. 11(3): 257.2018 (आर्किडेसी)



इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन केरल राज्य के मललापुरम, निलाम्बुर, वानियामपुझा में 1200मी. की ऊंचाई से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर किया गया है। इस जाति का मूल प्ररूप जवाहरलाल नेहरू ट्रापिकल वनस्पति उद्यान एवं अनुसंधान संस्थान, पैलोड, केरल (टीबीजीटी) एवं समप्ररूप एमएसएसआरएफ में संग्रहित किये गये हैं। इस जाति का नामकरण इसके विशिष्ट प्रकार के पुष्पक्रम पर आधारित है। इस जाति को आईयूसीएन 2001 के अनुसार अति संकटग्रस्त श्रेणी में मूल्यांकित किया गया है।

Rhynchostylis cymifera Yohannan, J.Mathew & Szlach., Jordan J. Biol. Sci. 11(3): 257.2018 (ORCHIDACEAE)

This new species has been discovered and described based on the collection made Vaniyampuzha Estate, Nilambur, Malappuram district of Kerala at 1200m altitude. The holotype is deposited in herbarium of Jawaharlal Nehru Tropical Botanic Garden and Research Institute, Palode Kerala (TBGT) and isotypes are in MSSRF. The specific epithet refers to its peculiar type cymose inflorescence. The species is assessed as 'Critically Endangered' as per the guidelines of IUCN 2001.

रुबस रामाचंद्राई एस. एस. दाश एवं चांद. गुप्ता, ब्लूमिया 63(1):26.2018 (रोजेसी)



इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन अरुणाचल प्रदेश के ऊपरी सुबानसिरी जनपद के डोप्रोजियो एवं रागा ग्रामों में 1270मी. की ऊंचाई से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर किया गया है। इस जाति का मूल प्ररूप केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा (सीएएल) एवं समप्ररूप सीएएल, एआरयूएन एवं एएसएसएम में संग्रहित किये गये हैं। इस जाति का नामकरण प्रथम लेखक डॉ. एस. एस. दाश के पिता श्री रामा चंद्र दाश के सम्मान एवं स्मृति में किया गया है। इस जाति को आईयूसीएन 2017 के अनुसार आंकड़े अपूर्ण श्रेणी में मूल्यांकित किया गया है।

Rubus ramachandrae S. S. Dash & Chand. Gupta, Blumea 63(1):26.2018 (ROSACEAE)

This new species has been discovered and described based on the collection made between Daporijo and Raga village, Upper Subansiri district of Arunachal Pradesh at 1270m altitude. The holotype is deposited in Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah (CAL)

and isotypes are in CAL, ARUN and ASSAM respectively. The species is named in honor and memory of Sri Rama Chandra Dash, father of first author S.S. Dash. The species is assessed as Data Deficient according IUCN 2017 categories and criteria.

स्माइलैक्स सैलेनाई शर्मा, बरुआ, बोरठाकुर, ताईवानिया 63(1)32.2018 (स्माइलाकेसी)



इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन असम राज्य के तिनसुकिया जनपद के दिगबोर्ड आरक्षित क्षेत्र में 312मी. की ऊंचाई से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर किया गया है। इस जाति का मूल प्ररूप पादपालय, वनस्पति विज्ञान विभाग, गौहाटी विश्वविद्यालय, गोवाहाटी (जीयूबीएच) में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण डॉ. शैलेंद्र प्रसाद बोराह, वनस्पति विज्ञान विभाग, गौहाटी विश्वविद्यालय, के सम्मान में किया गया है।

Smilax sailenii Sarma, Baruah & Borthakur, Taiwania 63(1):32.2018 (SMILACACEAE)

This new species has been discovered and described based on the collection made from Digboi reserve forest, Tinsukia district of Assam at 312m altitude. The holotype and isotype are deposited in herbarium of Department of Botany, Gauhati University, Guwahati (GUBH). The species is named in the honor of late Dr. Sailendra Prasad Borah, Professor of Department of Botany, Gauhati University.

सोनेरेल्ला लेटिटाईटिका रेश्मी, मनुदेव एवं नामपी, फाइटोटैक्सा 333(2)236.2018 (मैलास्टोमैटेसी)

इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन केरल राज्य के कोझीकोड़े जनपद के काक्कूर पोकूनू पहाड़ी में 200मी. की ऊंचाई से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर किया गया है। इस जाति का मूल प्ररूप पादपालय, वनस्पति विज्ञान विभाग, कालीकट



विश्वविद्यालय, कालीकट (सीएएलआई) एवं समप्ररूप एमएच में संग्रहित किये गये हैं। इस जाति का नामकरण इसके प्ररूप की प्राप्ति लौहयुक्त चट्टानी वासस्थल से होने पर आधारित है।

Sonerila lateritica Resmi, Manudev & Nampy, Phytotaxa 333 (2): 236.2018 (MELASTOMATACEAE)

This new species has been discovered and described based on the collection made from Kakkoor Ponkunnu hills, Kozhikode district of Kerala at 200m altitude. The holotype is deposited in herbarium of Department of Botany, Calicut University, Calicut (CALI) and isotypes are in MH. The specific epithet refers its precise iron-rich, rocky substrate habitat.

सोनेरेल्ला राघवियाना रथीश, सुनील, नंदाकुमार, एवं शाजू, इंटर. ज. एडवांस रिस. 2(10):773.2014 (मेलास्टोमैटेसी)



इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन कर्नाटक राज्य के कुर्ग जनपद के थलाकावेरी पहाड़ी में 1400मी. की ऊंचाई से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर किया गया है। इस जाति का मूल प्ररूप केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा (सीएएल) एवं समप्ररूप एमएच एवं टीबीजीटी में संग्रहित किये गये हैं। इस जाति का नामकरण पेयान्नूर कॉलेज, केरल में वनस्पति विज्ञान विभाग के सेवानिवृत्त प्रोफेसर एम राघवन के सम्मान में किया गया है।

Sonerila raghaviana Ratheesh, Sunil, Nandakumar & Shaju, Int. J. Advanced Res. 2(10): 773. 2014 (MELASTOMATAACEAE)

This new species has been discovered and described based on the collection made from Thalacauvery hills, Coorg district of Karnataka at 1400m altitude. The holotype is deposited in Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah (CAL) and isotypes are in

MH and TBGT respectively. The species is named in honor of Prof. M. Raghavan, retired Professor of Botany Department, Payyanur College, Kannur, Kerala.

सोनेरेल्ला श्रीनारायनियाना सुनील, नवीन कुमा. एवं टी. एस. राजीव, इंटर. ज. एडवांस रिस. 2(10):773.2014 (मेलास्टोमैटेसी)



इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन केरल राज्य के वेरियम कॉलोनी मार्ग पर, पोयमकुट्टी वन, इर्नाकुलम जनपद में 319मी. की ऊंचाई से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर किया गया है। इस जाति का मूल प्ररूप केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा (सीएएल) एवं समप्ररूप एमएच में संग्रहित किये गये हैं। इस जाति का नामकरण केरल राज्य के समाज सुधारक एवं महान संत श्री नारायणा गुरु, के सम्मान में किया गया है।

Sonerila sreenarayaniana Sunil, Naveen Kum. & T.S.Rajeev, Int. J. Advanced Res. 2(3): 701.2014 (MELASTOMATAACEAE)

This new species has been discovered and described based on the collection made way to Variam colony, Pooyamkutty forest, Ernakulam district of Kerala at 319m altitude. The holotype is deposited in Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah (CAL) and isotypes are in MH. The species is named in honor of Sree Narayana Guru, great saint and social reformer of Kerala.

स्पिलैन्थस टेट्रालोबाटा रश्मी एवं राजालक्ष्मी., इंटर. ज. एडवांस रिस. 2(11):1092.2014 (एस्टेरेसी)

इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन केरल राज्य के कुथट्टुकुलम, इर्नाकुलम जनपद में 28मी. की ऊंचाई से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर किया गया है। इस जाति का मूल प्ररूप पादपालय, जवाहरलाल नेहरू ट्रापिकल वनस्पति उद्यान एवं



अनुसंधान संस्थान, पैलोड (टीबीजीटी) एवं समप्ररूप केयूबीएच में संग्रहित किये गये हैं। इस जाति का नामकरण इसके 4 कोनो में किरणों वाले पुष्प के आधार पर किया गया है।

Spilanthes tetralobata Reshmi & Rajalakshmi, Int. J. Advanced Res. 2(11): 1092. 2014 (ASTERACEAE)

This new species has been discovered and described based on the collection made from Koothattukulam, Ernakulam district of Kerala at 28m altitude. The holotype is deposited in herbarium of Jawaharlal Nehru Tropical Botanic Garden and Research Institute, Palode Kerala (TBGT) and isotypes are in KUBH. The specific epithet referes to its 4-lobed ray florets.

स्टेपलटोनिया रिगोएन्से एल. बी. सिंह, पी. नीरी एवं आर. देवी, फायटोटैक्सा 350(1):82.2018 (पोएसी)



इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन अरुणाचल प्रदेश के आलो स्थित रिगो ग्राम में 400–500मी. की ऊंचाई से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर किया गया है। इस जाति का मूल प्ररूप पादपालय, पूर्वी क्षेत्रीय केंद्र, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, शिलांग (एएसएसएएम) में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण इसके प्ररूप प्राप्ति स्थल रिगो ग्राम के नाम पर अधारित है।

Stapletonia rigoense L. B. Singha, P. Niri & R. Devi, Phytotaxa 350 (1): 82. 2018 (POACEAE)

This new species has been discovered and described based on the collection made near Rigo village, Aalo, Arunachal Pradesh at 400-500m altitude. The holotype is deposited in herbarium of Eastern Regional Centre, Botanical Survey of India, Shillong (ASSAM). The species is named after its type location in Rigo village, Arunachal Pradesh.

स्ट्रिगा मुस्सेलमानाई ओमालश्री एवं वी. के. श्रीनिवास,, फायटोटैक्सा 375(1):99.2018 (ओरोबैन्केसी)

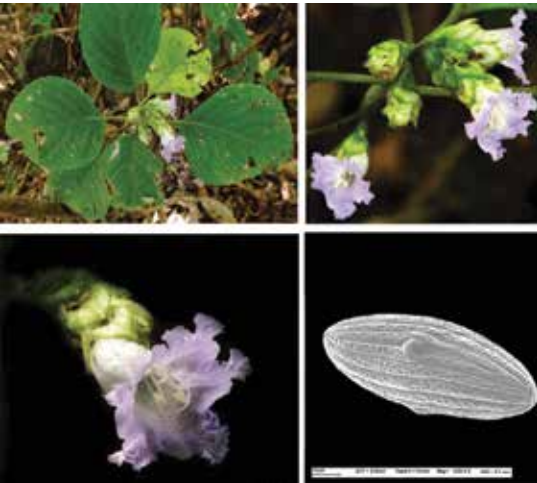
इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन तमिलनाडु राज्य के नीलगिरी जैव आरक्षित क्षेत्र के नाडुवट्टम में 400–500मी. की ऊंचाई से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर किया गया है। इस जाति का मूल प्ररूप पादपालय, दक्षिणी क्षेत्रीय केंद्र, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, कोयम्बटूर (एमएच) एवं समप्ररूप सीएटीएच एवं जीवीसीएच में संग्रहित किये गये हैं। इस जाति का नामकरण ओल्ड डोमिनियन विश्वविद्यालय, वर्जिनिया, यूएसए के प्रोफेसर लिट्टोन जॉन मुस्सेलमान के सम्मान में उनके द्वारा स्ट्रिगा वंश पर किये गये वर्गिकी कार्यों के आधार पर किया गया है। इस जाति को आईयूसीएन के अनुसार अति संकटग्रस्त श्रेणी में मूल्यांकित किया गया है।

Striga musselmanii Omalsree & V. K. Sreenivas, Phytotaxa 375(1): 99. 2018 (OROBANCHACEAE)

This new species has been discovered and described based on the collection made from Naduvattam, Nilgiri Biosphere Reserve, Tamil Nadu at 400-500m altitude. The holotype is deposited in herbarium of Southern Regional Centre, Botanical Survey of India, Coimbatore (MH) and isotypes are in CATH and GVCH. The species is named in honor of Professor Lytton John Musselman, Old Dominion University, Virginia, USA for his valuable contribution to the field of plant taxonomy and genus *Striga* in Africa. The species is assessed as 'Critically Endangered [CR B1a(iii,iv)+2a(iii,iv); D] according to IUCN categories and criteria.

स्ट्रोबिलन्थस कन्नाई जोसकुट्टी, पी. बिजू, जे. आर. आई बुड एवं अगस्तीन, नॉर्डिक ज. बॉट. 36(8):ई01689.2.2018 (एकेन्थेसी)

इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन केरल राज्य के कन्नूर जनपद के पाइथलमाला में 1210मी. की ऊंचाई से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर किया गया है। इस जाति का मूल प्ररूप पादपालय, दक्षिणी क्षेत्रीय केंद्र, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, कोयम्बटूर (एमएच) एवं समप्ररूप सीएएलआई एवं केएफआरआई में संग्रहित किये गये हैं। इस जाति का नामकरण श्री जी. कानन, प्रख्यात संरक्षणवादी पेरियार बाघ अभयारण्य के सम्मान में किया गया है।



Strobilanthes kannanii Josekutty, P. Biju, J. R. I. Wood & Augustine, Nordic J. Bot. 36(8):e01689: 2. 2018 (ACANTHACEAE)

This new species has been discovered and described based on the collection made from Paithalmala, Kannur district of Kerala at 1210m altitude. The holotype is deposited in herbarium of Southern Regional Centre, Botanical Survey of India, Coimbatore (MH) and isotypes are in CALI and KFRI. The species is named in honor of Mr. G. Kannan, a conservationist known for his conservation work at Periyar Tiger Sanctuary.

स्ट्रोबिलेंथस ओर्बिकुलाटा एस. थॉमस, बी. मनी एवं एस. जे. ब्रिट्टो, फायटोटैक्सा 369(1):47.2018 (एकेन्थेसी)



इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन केरल राज्य के वट्टावडा, ईडुक्की जनपद में 1950मी. की ऊंचाई से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर किया गया है। इस जाति का मूल प्ररूप रैपिनाट पादपालय, एवं आण्विक वर्गिकी केंद्र, सेंट जोसेफ कॉलेज, तियचिरापल्ली (आरएचटी) एवं समप्ररूप एमएच एवं आरएचटी में संग्रहित किये गये हैं। इस जाति का नामकरण इसकी गोलाकर पत्तियों की संरचना के आधार पर किया गया है। इस जाति को आईयूसीएन 2016 के अनुसार संकटग्रस्त श्रेणी में मूल्यांकित किया गया है।

Strobilanthes orbiculata S.Thomas, B. Mani & S. J. Britto, Phytotaxa 369 (1): 47.2018 (ACANTHACEAE)

This new species has been discovered and described based on the collection made from Vattavada, Idukki district of Kerala at 1950m altitude. The holotype is deposited in the Rapinat Herbarium and Centre for Molecular Systematics, St. Joseph's College, Tiruchirappalli (RHT) and isotypes are in MH and RHT. The specific epithet refers to its orbicular character of leaves. The species is assessed as 'Endangered (EN, B1, B2a, C, C2a, D) according to IUCN 2016 categories and criteria.

सिजाईजियम भरथाई रामास., फायटोटैक्सा 374(3):264.2018 (मिटेसी)



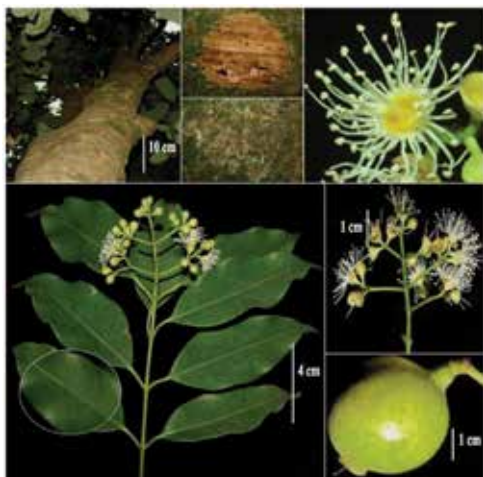
इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन तमिलनाडु राज्य के थेणी जनपद के मेघामलाई पर्वत में 1579मी. की ऊंचाई से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर किया गया है। इस जाति का मूल प्ररूप पादपालय, जवाहरलाल नेहरू ट्रापिकल वनस्पति उद्यान एवं अनुसंधान संस्थान, पैलोड (टीबीजीटी) एवं समप्ररूप टीबीजीटी एवं एमएच में संग्रहित किये गये हैं। इस जाति का नामकरण तमिल भाषा के महान कवि श्री भरतियार के नाम पर आधारित है। इस जाति को आईयूसीएन 2016 के अनुसार अति संकटग्रस्त श्रेणी में मूल्यांकित किया गया है।

Syzygium bharathii Ramas., Phytotaxa 374(3): 264. 2018 (MYRTACEAE)

This new species has been discovered and described based on the collection made from Megamalai hills, Theni district of Tamil Nadu at 1579m altitude. The holotype is deposited in herbarium of Jawaharlal Nehru Tropical Botanic Garden and Research Institute, Palode Kerala (TBGT) and isotypes are in GUD. The species is named after the great Tamil Poet Sh. Bharathiar (1882–1921). The species is assessed as Critically Endangered (CR; Criterion B1(a), B2 +C2(a)(i),(b)+D) according to IUCN 2016 categories and criteria.

सिजाईजियम धनाशियाना रथीस. शरीफ एवं नंदकुमार, इंट. ज. एडवांस रिस. 2(3):1056.2014 (मिटेसी)

इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन केरल राज्य के कन्नूर जनपद के नेडूमपोईल घाट में 600मी. की ऊंचाई से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर किया गया है। इस जाति का मूल प्ररूप पादपालय, दक्षिणी क्षेत्रीय केंद्र, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, कोयम्बटूर (एमएच) एवं समप्ररूप टीबीजीआरआई में संग्रहित किये गये हैं। इस जाति का नामकरण श्री पी. धनेश कुमार, डीएफओ, दक्षिण वायनाड वन प्रभाग केरल के सम्मान में किया गया है।



Syzygium dhaneshiana Ratheesh, Shareef, & Nandakumar, Int. J. Advanced Res. 2(3): 1056. 2014 (MYRTACEAE)

This new species has been discovered and described based on the collection made from Nedumpoyil Ghat, Kannur district of Kerala at 600m altitude. The holotype is deposited in herbarium of Southern Regional Centre, Botanical Survey of India, Coimbatore (MH) and isotypes are in TBGRI. The species is named after of Mr. P. Dhanesh Kumar, DFO, South Wayanad Forest Division, Kerala.

टर्मिनेलिया कांची धाबे, प्लियोनी 12(2):323.2018 (कोब्रिटेसी)



इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन गुजरात राज्य के सतपुड़ा में 904मी. की ऊंचाई से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर किया गया है। इस जाति का मूल प्ररूप केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा (सीएएल) एवं समप्ररूप बीएएमयू में संग्रहित किये गये हैं। इस जाति का नामकरण हावर्ड विश्वविद्यालय पादपालय, कैम्ब्रिज, यूएसए में वरिष्ठ पादप नामकरण रजिस्ट्रार डॉ. कांची एन. गाँधी के सम्मान में उनके पादप वर्गिकी में दिये उल्लेखनीय योगदान के आधार पर किया गया है।

Terminalia kanchii Dhabe, Pleione 12(2):323.2018 (COMBRETACEAE)

This new species has been discovered and described based on the collection made from Saputara, Ghat, Gujarat at 904m altitude. The holotype is deposited in Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah (CAL) and isotypes are in BAMU. The species is named in honor of Dr. Kanchi N. Gandhi, Senior Nomenclature Registrar, Harvard University Herbaria, Cambridge, MA, USA for his dedicated services in plant nomenclature.

टर्मिनेलिया माओई धाबे, प्लियोनी 12(2):325.2018 (कोब्रिटेसी)



इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन मेघालय राज्य के बारापानी, शिलांग में 876.7मी. की ऊंचाई से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर किया गया है। इस जाति का मूल प्ररूप केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा (सीएएल) एवं समप्ररूप बीएएमयू में संग्रहित किये गये हैं। इस जाति का नामकरण डॉ. ए. ए. माओ, निदेशक, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, कोलकाता के सम्मान में उनके द्वारा उत्तर-पूर्वी भारत में किये गये उल्लेखनीय वानस्पतिक कार्यों के आधार पर किया गया है।

Terminalia maoui Dhabe, Pleione 12(2):325.2018 (COMBRETACEAE)

This new species has been discovered and described based on the collection made from Barapani, Shillong of Meghalaya at 876.7m altitude. The holotype is deposited in Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah (CAL) and isotypes are in BAMU. The species is named in honor of Dr. A. A. Mao, Director, Botanical Survey of India (BSI), for his dedicated botanical works in North Eastern India.

टर्मिनेलिया शंकरानाओई धाबे, प्लियोनी 12(2):326.2018 (कोब्रिटेसी)

इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन गुजराज राज्य के सतपुड़ा में 904मी. की ऊंचाई से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर किया गया है। इस जाति का मूल प्ररूप केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा (सीएएल) एवं समप्ररूप बीएएमयू में संग्रहित किये गये हैं। इस जाति का नामकरण वैद्य शंकरराव गोविंदराव धाबे, के सम्मान में किया गया है, जो इस टर्मिनेलिया वंश की जातियों को आयुर्वेदिक औषधि के रूप में प्रयोग करते रहे हैं।



Terminalia shankarraoi Dhabe, Pleione 12(2):326.2018 (COMBRETACEAE)

This new species has been discovered and described based on the collection made from Saputara, Ghat, Gujarat at 904m altitude. The holotype is deposited in Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah (CAL) and isotypes are in BAMU. The species is named in honor of Vd. Shankarrao Govindrao Dhabe, traditional Ayurvedic practitioner of Parbhani district, who has been using almost all Terminalia species in his medicines.

थैलेक्ट्रम नैनीतालन्से हर्ष सिंह, अल्का श्रीवास्तव एवं टी. हुसैन, फोलिया जियोबॉट. 53(4):451.2018 (रेनुनकुलेसी)



इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन उत्तराखंड राज्य के नैनीताल जिले में किलबुरी मार्ग में 2192मी. की ऊंचाई से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर किया गया है। इस जाति का मूल प्ररूप पादपालय, सीएसआईआर-राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ (एलडब्ल्यूजी) में संग्रहित किये गये हैं। इस जाति का नामकरण इसके प्ररूप प्राप्ति जनपद नैनीताल के नाम पर आधारित है।

Thalicttrum nainitalense Harsh Singh, Alka Srivast. & T.Husain, Folia Geobot. 53(4): 451. 2018. (RANUNCULACEAE)

This new species has been discovered and described based on the collection made towards

Kilbury road from Nainital district, Uttarakhand at 2192m altitude. The holotype is deposited in Plant Diversity,

Systematics and Herbarium Division, CSIR-National Botanical Research Institute, Lucknow (LWVG). The species is named after its type locality Nainital district of Uttarakhand.



थिस्मीया ऑरेंटिएका हरीश एवं एम. साबू, ब्लूमिया 63(2):135.2018 (थिस्मीऐसी)

इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन अंडमान एवं निकोबार के मॉउट हैरियट राष्ट्रीय उद्यान, दक्षिण अंडमान में 320मी. की ऊंचाई से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर किया गया है। इस जाति का मूल प्ररूप पादपालय, वनस्पति विज्ञान विभाग, कालीकट विश्वविद्यालय, कालीकट (सीएएलआई) में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण इसके नारंगी रंग के पुष्पों के आधार पर किया गया है। इस जाति को आईयूसीएन 2017 के अनुसार अति संकटग्रस्त श्रेणी में मूल्यांकित किया गया है।

Thismia aurantiaca Hareesh & M.Sabu, Blumea 63(2): 135. 2018 (THISMIACEAE)

This new species has been discovered and described based on the collection made from Mount Harriet National Park, South Andaman, Andaman & Nicobar island at 320m altitude. The holotype is deposited in Department of Botany, Calicut University, Calicut (CALI). The specific epithet refers to its orange coloured flower. This species is assessed as Critically Endangered based on IUCN 2017 Red-list criteria CR B2ab(i,ii,iii,iv,v) and C2a(i,ii)b.

ट्राईपोगोन बाईमुक्रोनाटस थोइबा एवं सुनील, गार्ड. बुल. सिंगापुर 67(1):151.2015 (पोएसी)

इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन केरल राज्य के पलक्कड़ जनपद के नेल्लियामपाथी पर्वत शिखर पर 1200मी. की ऊंचाई से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर किया गया है। इस जाति का मूल प्ररूप पादपालय, सिंगापुर वानस्पतिक उद्यान, सिंगापुर (एसआईएनजी) एवं समप्ररूप बीआरआईटी, सीएएलआई एवं क्यू में संग्रहित किये गये हैं। इस जाति का नामकरण बाईमुक्रोनेट आंतरिक सहपत्र (प्लिया) शीर्ष होने पर आधारित है।

Tripogon bimucronatus Thoiba & Sunil,, Gard. Bull. Singapore 67(1): 151.2015 (POACEAE)

This new species has been discovered and described based on the collection made from Nellyampathy hill top, Palakkad district of Kerala at 1200m altitude. The holotype is deposited in herbarium of Singapore Botanic Gardens, Singapore (SING) and isotypes are in BRIT, CALI and Kew respectively. The specific epithet refers to its bimucronate palea apex.

ट्राईपोगोन नल्लामलायानस रासिंगम एवं जे. स्वामी, फायटोटैक्सा 351(4):296.2018 (पोएसी)



इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन तेलंगाना राज्य के मेहबूबनगर जनपद के उमामहेश्वरम में 700मी. की ऊंचाई से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर किया गया है। इस जाति का मूल प्ररूप केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा (सीएएल) एवं समप्ररूप बीएसआईडी में संग्रहित किये गये हैं। इस जाति का नामकरण इसके प्ररूप प्राप्ति स्थल स्थल नल्लामाला वन क्षेत्र के नाम पर आधारित है।

Tripogon nallamalayanus Rasingam & J. Swamy, Phytotaxa 351(4):296.2018 (POACEAE)

This new species has been discovered and described based on the collection made from Umamaheshwaram,

Mahbubnagar district of Telangana at 700m altitude. The holotype is deposited in Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah (CAL) and isotypes are in BSID. The new species is named after the type locality, Nallamala forests.

ट्राईपोगोन उमा-गणेशाई बी. आर. पी. रॉव एवं एम. अनिल कुमार, इंडियन ज. फॉरेस्ट 41(1):97.2018 (पोएसी)

इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन तेलंगाना राज्य के हैदराबाद के होरसली पहाड़ी, चित्तौर में 700मी. की ऊंचाई से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर किया गया है। इस जाति का मूल प्ररूप पादपालय, श्री कृष्णादेवरैया विश्वविद्यालय, अनंतपुर (एसकेयू) एवं समप्ररूप बीएसआईडी में संग्रहित किये गये हैं। इस जाति का नामकरण प्रो. के. एन. गणेशैया एवं प्रो. उमा शंकर, यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रिकल्चरल साइंसेज, बंगलुरु के संयुक्तनाम पर इनके द्वारा पादप संरक्षण में दिये गये उल्लेखनीय कार्यों पर आधारित है।

Tripogon uma-ganeshii B.R.P.Rao & M.Anil Kumar, Indian J. Forest. 41(1):97.2018 (POACEAE)

This new species has been discovered and described based on the collection made from Horsley hills, Chittoor, Hyderabad of Telangana at 700m altitude. The holotype is deposited in Sri Krishnadevaraya University Herbarium, Anantapur (SKU) and isotypes are in BSID. The species is named in honor of Prof. K.N.Ganeshiah and Prof. Uma Shanker of University of Agricultural Sciences, Bangalore for their significant contribution to plant conservation in India.

टूपिसट्रा लियोनिडाई डी. के. रॉय एवं ए. ए. माओ, ताईवानिया 63(1):37.2018 (एस्परागेसी)



इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन मेघालय राज्य के शिलांग स्थित भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण के प्रायोगिक उद्यान से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर किया गया है। इस जाति का मूल प्ररूप पादपालय, पूर्वी क्षेत्रीय केंद्र, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, शिलांग (एएसएसएएम) में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण लियोनीड वी. एवरयानोव, प्रोफेसर ऑफ कोमारोव वनस्पति संस्थान, रशियन एकेडमी ऑफ साइंसेज, रूस के सम्मान में उनके द्वारा कुल एस्परागेसी पर किये गये वर्गिकी कार्यों के आधार पर किया गया है।

Tupistra leonidii D.K. Roy & A.A. Mao, Taiwania 63(1): 37.2018 (ASPARAGACEAE)

This new species has been discovered and described based on a collection made from Experimental Garden of Botanical Survey of India, Eastern Regional Centre, Shillong, Meghalaya. The holotype is deposited in Eastern Regional Centre, Botanical Survey of India, Shillong (ASSAM). The species is named in honor of Leonid V. Averyanov, Professor of Komarov Botanical Institute, Russian Academy of Science, Russia, for his excellent contributions to the family Asparagaceae.

टूपिसट्रा नागारम एन. ओडियो, डी. के. रॉय एवं ए. ए. माओ, निलुम्बो 60(1):2.2018 (एस्परागेसी)



इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन नागालैंड राज्य के दिमापुर जनपद के मेडझिफेमा अनुमंडल के हेकेशे के ग्राम वन क्षेत्र से 1003मी. की ऊंचाई से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर किया गया है। इस जाति का मूल प्ररूप पादपालय, पूर्वी क्षेत्रीय केंद्र, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, शिलांग (एएसएसएएम) में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण नागालैंड की नागा जनजाति के नाम पर आधारित है।

Tupistra nagarum N. Odyuo, D.K. Roy & A.A. Mao, Nelumbo 60(1):2.2018 (ASPARAGACEAE)

This new species has been discovered and described based on the collection made from Hekeshe village forest, Medziphema sub-division, Dimapur district of Nagaland at 1003m altitude.

The holotype and isotypes are deposited in Eastern Regional Centre, Botanical Survey of India, Shillong (ASSAM). The species is named after Naga tribe of state of Nagaland, India.

जिंजिबर कॉडेडम बिसेस्वरी एवं बिपिन, ज. जैप. बॉट. 93(1):31.2018 (जिंजिबेरेसी)

इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन मणिपुर राज्य के सगोलबंद, इंफाल जनपद में 780मी. की ऊंचाई से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर किया गया है। इस जाति का मूल प्ररूप पादपालय, पूर्वी क्षेत्रीय केंद्र, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, शिलांग (एएसएसएएम) एवं समप्ररूप पादपालय इंस्टीट्यूट ऑफ बायोरिसोर्स एंड सस्टेनेबल डेवलेपमेंट (आईबीएसडी) इंफाल में संग्रहित किये गये हैं। इस जाति का नामकरण इसके लम्बे सहपत्रों पर आधारित है।

Zingiber caudatum Biseshwori & Bipin, J. Jap. Bot. 93(1): 31. 2018 (ZINGIBERACEAE)

This new species has been discovered and described based on the collection made from, Imphal district of Manipur. The holotype is deposited in Herbarium, Eastern Regional Centre, Botanical Survey of India, Shillong (ASSAM) and isotypes are in Institute of Bioresources and Sustainable Development (IBSD), Imphal. The species named refers to long caudate bracts.

जिंजिबर कांग्लीपाकेन्से किशोर एवं स्कोरनिक, गार्ड. बुल. सिंगापुर 65(1):40.2013 (जिंजिबेरेसी)



इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन मणिपुर राज्य के सगोलबंद, इंफाल जनपद में 780मी. की ऊंचाई से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर किया गया है। इस जाति का मूल प्ररूप केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा (सीएएल) एवं समप्ररूप एसआईएनजी एवं पादपालय इंस्टीट्यूट ऑफ बायोरिसोर्स एंड सस्टेनेबल डेवलेपमेंट, इंफाल में संग्रहित किये गये हैं। इस जाति का नामकरण मणिपुर राज्य के पुराने नाम कांग्लीपाक पर आधारित है।

Zingiber kangleipakense Kishor & Škorničk., Gard. Bull. Singapore 65(1): 40. 2013 (ZINGIBERACEAE)

This new species has been discovered and described based on the collection made from Sagolband, Imphal district of Manipur at 780m altitude. The holotype is deposited in Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah (CAL) and isotypes are in SING and Herbarium of Institute of Bioresources and Sustainable Development, Imphal. The specific epithet refers Kangleipak, an older name of Manipur.

नवीन प्रभेद/उप जाति • NEW VARIETIES/SUB SPECIES

एबुटिलोन पर्सिकम प्रभेद नरासिम्हन देवनाथ., रिडिया 28(2):92.2018 (मालवेसी)



इस नवीन प्रभेद का अन्वेषण एवं वर्णन तमिलनाडु राज्य के नमाक्कल जनपद में स्थित पोगकुजमपट्टी, कोली हिल्स में 1000मी. से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर किया गया है। इस प्रभेद का मूल प्ररूप पादपालय, दक्षिणी क्षेत्रीय केंद्र, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, कोयम्बटूर (एमएच) एवं समप्ररूप सीएएलआई में संग्रहित किया गया है। इस प्रभेद का नामकरण डॉ. डी. नरासिम्हन, पूर्व प्रोफेसर वनस्पति विज्ञान, मद्रास क्रिश्चयन कॉलेज, चेन्नई के सम्मान में उनके द्वारा पादप वर्गिकी में किये उल्लेखनीय कार्यों के आधार पर किया गया है।

Abutilon persicum var. *narasimhanii* Devanath., Rheedea 28(2). 92.2018 (MALVACEAE)

This new variety has been discovered and described based on the collection made from Poogkulampatti, Kolli Hills, Namakkal district, Tamil Nadu at 1000m altitude.

The holotype is deposited in Herbarium, Southern Regional Centre, Botanical Survey of India, Coimbatore (MH) and isotypes are in CALI. The varietal epithet named after Dr. D. Narasimhan, former Professor in Botany, Madras Christian College, Chennai for his valuable contribution in the fields of plant taxonomy.

हिबिस्कस हिरटस लि. प्रभेद इनआर्टिकुलेटस एस. दत्ता, एच. रोडरिगस, एवं किरण चक्रल., रिडिया 28(1):40.2018 (मालवेसी)



इस नवीन प्रभेद का अन्वेषण एवं वर्णन महाराष्ट्र राज्य के मुंबई में स्थित संजय गांधी राष्ट्रीय उद्यान से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर किया गया है। इस प्रभेद का मूल प्ररूप पादपालय, केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा (सीएएल) एवं समप्ररूप सीएएलआई एवं आरडी एवं एसएच नेशनल कालेज पादपालय, मुंबई में संग्रहित किया गया है। इस प्रभेद का नामकरण इसके पेडिकिल की अस्पष्ट प्रकृति पर आधारित है।

Hibiscus hirtus L. var. *inarticulatus*, S. Dutta, H. Rodrigues & Kiran Chakral., Rheedea 28(1).40.2018 (MALVACEAE)

This new variety has been discovered and described based on the collection made from Sanjay Gandhi National Park, Mumbai, Maharashtra. The holotype is deposited in Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah (CAL) and isotypes are in CALI, R.D. & S.H. National College Herbarium, Mumbai. The varietal epithet refers to the inarticulate nature of the pedicel of this taxon.

डाईकोकार्पम एडिऐंटेफोलियम (हुक. एफ. एवं थॉमसन) वांग उव हसियो प्रभेद मेघालयेन्से मुरुगेशन, माओ एवं चानू, इंडियन ज. फॉरेस्ट्री 41(4):377.2018 (मालवेसी)

इस नवीन प्रभेद का अन्वेषण एवं वर्णन मेघालय राज्य के ईस्ट खासी हिल्स, ईस्ट खासी हिल जनपद में 1400मी. की ऊंचाई से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर किया गया है। इस प्रभेद का मूल एवं सम प्ररूप पादपालय, पूर्वी क्षेत्रीय केंद्र, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, शिलांग (एएसएसएम) में संग्रहित किया गया है। इस प्रभेद का नामकरण इसके प्राप्ति राज्य के नाम पर आधारित है।



Dichocarpum adiantifolium (Hook. f. & Thompson) Wang & Hsiao var. *meghalayense* Murugesan, Mao & Chanu, Indian J. Forestry 41(4).377.2018 (MALVACEAE)

This new variety has been discovered and described based on the collection made from East Khasi hills, East Khasi Hill district, Meghalaya at 1400m altitude. The holotype and isotypes are deposited in Eastern Regional Centre, Botanical Survey of India, Shillong (ASSAM). The variety is named after state of its occurrence.

इरिया फेरुजिनिया प्रभेद असामिका गोगोई, दास एवं योन्जोन, द एमआईओएस जर्नल 15(2):5.2014 (आर्किडेसी)



इस नवीन प्रभेद का अन्वेषण एवं वर्णन असम राज्य के तिनसुकिया जनपद के डाईसाजन में 118मी. की ऊंचाई से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर किया गया है। इस प्रभेद का मूल प्ररूप केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय,

भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा (सीएएल) एवं समप्ररूप आर्किड सोसायटी ऑफ इस्टर्न हिमालय, टीओएसईएचआईएम में संग्रहित किये गये हैं। इस प्रभेद का नामकरण इसके प्राप्ति राज्य के नाम पर आधारित है।

Eria ferruginea var. *assamica* Gogoi, Das and Yonzon, The MIOS Journal 15(2): 5. 2014 (ORCHIDACEAE)

This new variety has been discovered and described based on the collection made from East Dowarmara Reserve Forest, Tinsukia district, Assam at 118m altitude. The holotype is deposited in Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah (CAL) and isotypes are deposited in the Orchid Society of Eastern Himalaya (TOSEHIM). The variety is named after state of its occurrence.

जेन्शियाना वेरेनाई सी. मर्क्युआंद उपजाति फेवरी एस. के. दे एवं डी. मैति, नार्डिक ज. बॉट. 36(8):ई01417:4.2018 (जेन्शियानेसी)

इस नवीन उपजाति का अन्वेषण एवं वर्णन सिक्किम राज्य के ऊपरी लोहनाक घाटी में 4200मी. की ऊंचाई से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर किया गया है। इस जाति का मूल प्ररूप पादपालय, वनस्पति विज्ञान विभाग, कलकत्ता विश्वविद्यालय, कोलकाता (सीयूएच) एवं समप्ररूप सीएएल एवं सीयूएच में संग्रहित किये गये हैं। इस उपजाति का नामकरण डॉ. ए. फावर के सम्मान में उनके द्वारा जेन्शियानेसी कुल पर किये उल्लेखनीय कार्यों के आधार पर किया गया है। इस उपजाति को आईयूसीएन 2014 के अनुसार संकटग्रस्त श्रेणी में मूल्यांकित किया गया है।

Gentiana vernayi C. Marquand subsp. *favrei* S. K. Dey & D. Maity, Nordic J. Bot. 36(8):e01417:4.2018 (ORCHIDACEAE)

This new variety has been discovered and described based on the collection made from upper Lhonak valley, Sikkim at 4200m altitude. The holotype is deposited in herbarium of Department of Botany, Calcutta University, Kolkata (CUH) and isotypes are deposited in CAL and CUH. The variety is named in honor of Dr A. Favre, expert of Himalayan Gentianaceae. This species is assessed as 'Endangered' (EN) as per IUCN 2014 categories and criteria.

ल्यूसिया ट्राइकोराइजा प्रभेद फ्लेवा गोगोई, इंडियन ज. फॉरेस्ट्री 41(4):377.2018 (आर्किडेसी)

इस नवीन प्रभेद का अन्वेषण एवं वर्णन असम राज्य के तिनसुकिया जनपद के डाईसाजन में 118मी. की ऊंचाई से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर किया गया है। इस प्रभेद का मूल प्ररूप केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा (सीएएल)

एवं समप्ररूप आर्किड सोसायटी ऑफ इस्टर्न हिमालय, टीओएसईएचआईएम में संग्रहित किये गये हैं। इस प्रभेद का नामकरण इसके 9 से 10 पुष्पों वाले हरे पीले पुष्पों के पुष्पक्रम पर आधारित है।

Luisia trichorrhiza var. *flava* Gogoi, Indian J. Foresty 41(4):377.2018 (ORCHIDACEAE)

This new variety has been discovered and described based on the collection made from East Daisajan, Tinsukia district, Assam at 118m altitude. The holotype is deposited in Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah (CAL) and isotypes are deposited in TOSEHIM, The Orchid Society of Eastern Himalaya. The varietal epithet refers to its 9-10 flowered inflorescence with yellowish green flowers.



ओडिशा क्लिसटैन्था एस. मिश्रा उपजाति फ्लेबिलाटा एस. मिश्रा, निलूम्बो 60(2):98.2018 (आर्किडेसी)



इस नवीन उपजाति का अन्वेषण एवं वर्णन ओडिशा राज्य के कोरापुट जनपद के बाड़ीग्राम (लक्ष्मीपुर) में 800मी. की ऊंचाई से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर किया गया है। इस उपजाति का मूल प्ररूप केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा (सीएएल) में संग्रहित किया गया है। इस उपजाति का नामकरण इसके पुष्पों के पंखाकार (फ्लेबिलिफार्म) लेबलम पर आधारित है।

Odisha cleistantha S. Misra subsp. **flabellata** S. Misra, Nelumbo 60(2).98.2018 (ORCHIDACEAE)

This new variety has been discovered and described based on the collection made from Barigam, near Laxmipur, Koraput district of Odisha at 800m altitude. The holotype is deposited in Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah (CAL). The subspecies epithet refers to flabelliform labellum of flowers.

नवीन वितरणपरक अभिलेख • NEW DISTRIBUTION RECORDS

कुल अभिलेख • FAMILY RECORD

पेट्रोसाविएसी हच.

पूर्वतः वियतनाम, जापान, दक्षिणी चीन, ताईवानिया, म्यांमार, उत्तरी थाईलैंड एवं इंडोनेशिया से ज्ञात इस कुल का पता भारत में प्रथम बार *पेट्रोसाविया साकुराई* (माकिनो) जे. जे. स्म. एक्स वॉन स्टीनिस जाति का अरुणाचल प्रदेश के लोअर सुबानसिरी जनपद में ताले वैली वन्य जीव अभयारण्य में 2010मी. की ऊंचाई से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। इस कुल के प्रतिरूप को पादपालय, पूर्वी क्षेत्रीय केंद्र, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, शिलांग (एएसएसएएम) में संग्रहित किया गया है। इस शोध को नजीर अहमद भट, लिचा जेरी, दिलीप कु. रॉय एवं योगेन्द्र कुमार ने बांग्लादेश ज. प्लांट टैक्सॉन. 25(1):113.2018 में प्रकाशित किया है।

Petrosaviaceae Hutch.

This family, earlier known from Vietnam, Japan, southern China, Taiwan, Myanmar, Northern Thailand and Indonesia has been reported for the first time from India based on the collection of species *Petrosavia sakurarii* (Makino) J.J. Sm. ex van Steenis, made from Talle Valley Wildlife Sanctuary, Lower Subansiri district of Arunachal Pradesh at 2012m altitude. The specimens are deposited in Herbarium of Eastern Regional Centre, Botanical Survey of India, Shillong (ASSAM). This has been published by Nazir Ahmad Bhat, Licha Jeri, Dilip Kr. Roy and Yogendra Kumar in Bangladesh J. Plant Taxon. 25(1): 113.2018.

वंशीय अभिलेख • GENERA RECORD

पेट्रोसाविचा हच. (पेट्रोसाविऐसी)



पूर्वतः वियतनाम, जापान, दक्षिणी चीन, ताईवानिया, म्यांमार, उत्तरी थाईलैंड एवं इंडोनेशिया से ज्ञात इस वंश का पता भारत में प्रथम बार अरुणाचल प्रदेश के लोअर सुबानसिरी जनपद के ताले वैली वन्य जीव अभयारण्य में 2010मी. की ऊंचाई से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। इस वंश के प्रतिरूप को पादपालय, पूर्वी क्षेत्रीय केंद्र, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, शिलांग (एएसएसएएम) में संग्रहित किया गया है। इस शोध को नजीर अहमद भट, लिचा जेरी, दिलीप कु. रॉय एवं योगेन्द्र कुमार ने बांग्लादेश ज. प्लांट टैक्सॉन. 25(1):113.2018 में प्रकाशित किया है।

Petrosavia Becc. (PETROSAVIACEAE)

This genus, earlier known from Vietnam, Japan, southern China, Taiwan, Myanmar, Northern Thailand and Indonesia (northern half of Sumatra) has been reported for the first time from India based on the collection made from Talle Valley Wildlife Sanctuary, Lower Subansiri district of Arunachal Pradesh at 2012m altitude. The specimens are deposited in herbarium of Eastern Regional Centre, Botanical Survey of India, Shillong (ASSAM). This has been published

by Nazir Ahmad Bhat, Licha Jeri, Dilip Kr. Roy and Yogendra Kumar in Bangladesh J. Plant Taxon. 25(1): 113.2018.

फाइलागाथिस ब्लूम हच. (मेल्लास्टोमैटेसी : सोनेरिलियाई)

पूर्वतः दक्षिणी चीन, वियतनाम, लाओस, थाईलैंड, पश्चिमी मलेशिया, सुमात्रा एवं ब्रोनियो से ज्ञात इस वंश का पता भारत में प्रथम बार केरल राज्य के इदुक्की जनपद के पुल्लूपारा, कुट्टीकाकनम पहाड़ी में 1600मी. की ऊंचाई से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। इस वंश के प्रतिरूप को पादपालय, जवाहरलाल नेहरू ट्रॉपिकल वानस्पतिक उद्यान एवं अनुसंधान संस्थान, पैलोड, केरल (टीबीजीटी) में संग्रहित किया गया है। इस शोध को जोस मैथ्यू, रेगे योहनन एवं कडाकाससेरिल वर्धिस जार्ज ने बॉट. लेटर्स 163(2):175.2016 में प्रकाशित किया है।

Phyllagathis Blume (MELASTOMATACEAE: SONERILEAE)

This genus, earlier known from South China, Vietnam, Laos, Thailand, Western Malaysia, Sumatra and Borneo has been reported for the first time from India based on the collection made from Pullupara, Kuttikkanam Hills, Idukki district of Kerala at 1600m altitude. The specimens are deposited in herbarium of Jawaharlal Nehru Tropical Botanic Garden and Research Institute, Palode, Kerala (TBGT). This has been published by Jose Mathew, Regy Yohannan and Kadakasseril Varghese George in Bot. Lett. 163(2): 175. 2016.

जातिपरक अभिलेख • SPECIES RECORDS

एग्लाओनिमा निबूलोसम एन. ई. ब्रे. (ऐरेसी)

पूर्वतः सुमात्रा के पूर्वी तट, मलेशिया, सिंगापुर एवं ब्रोनियो से ज्ञात इस जाति का पता भारत में प्रथम बार मेघालय राज्य के ईस्ट खासी हिल जनपद में तीन स्थानों उरमामी, नोगत्राई एवं ताइरा ग्रामों से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। इस जाति के प्रतिरूप को जानकी अम्माल पादपालय, सीएसआईआर-भारतीय समवेत औषध संस्थान, जम्मू (आरआरएलएच) में संग्रहित किया गया है। इस शोध को विक्रम सिंह, दिबयेन्दु अधिकारी एवं सरोज कान्ता बारिक ने ज. बॉट. रिस. इंस्टि. टैक्सॉस. 12(1):240. 2018 में प्रकाशित किया है।

Aglaonema nebulosum N.E. Br (ARACEAE)

This species, earlier known from East coast of Sumatra, Malaysia, Singapore and Borneo has been reported for the first time from India based on the collections made from three locations in Urmasi, Nongtraï and Tyrna villages of East Khasi Hills district, Meghalaya. The specimens are deposited in Janaki Ammal Herbarium, CSIR-Indian Institute of Integrative Medicine, Jammu (RRLH). This has been published by Bikarma Singh, Dibyendu Adhikari and Saroj Kanta Barik in J. Bot. Res. Inst. Texas 12(1): 240. 2018.

एरिस्टोलोचिया मैक्सिमा जैक. (एरिस्टोलोचिएसी)



पूर्वतः मध्य, उत्तर एवं दक्षिणी अमेरिका से ज्ञात इस जाति का पता भारत में प्रथम बार महाराष्ट्र के कोल्हापुर जनपद के तिलारी घाट से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। इस जाति के प्रतिरूप को पादपालय, जवाहरलाल नेहरू ट्रॉपिकल वानस्पतिक उद्यान एवं अनुसंधान संस्थान, पैलोड, केरल (टीबीजीटी) में संग्रहित किया गया है। इस शोध को ए. जी. पांडुरंगन एवं एस. दिपू ने रिडिया 28(2):108.2018 में प्रकाशित किया है।

Aristolochia maxima Jacq., (ARISTOLOCHACEAE)

This species, earlier known from Central, North and South America has been reported for the first time from India based on the collection made from Tilari Ghats, Kolhapur district of Maharashtra. The specimens are deposited in herbarium of Jawaharlal Nehru Tropical Botanic Garden and Research Institute, Palode, Kerala (TBGT). This has been published by A.G. Pandurangan and S. Deepu in Rheedea 28(2):108. 2018.

बेगोनिया डाईफोरमिस (इरमिश्च.) डब्ल्यू. सी. लियोग, सी. आई. पेंग एवं के. एफ. चुंग (बेगोनिएसी)

पूर्वतः चीन, यूनान से ज्ञात इस जाति का पता भारत में प्रथम बार असम, मेघालय एवं मणिपुर राज्यों से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। इस जाति के प्रतिरूप को पादपालय, मिचिगन विश्वविद्यालय, मिचिगनल, यूएसए (एमआईसीएच) में संग्रहित किया गया है। इस शोध को कैम्पफिल्ड आर. एवं ह्यूगिस एम. ने यूरोपियन जर्नल ऑफ टैक्सॉनामी 396:33.2018 में प्रकाशित किया है।

Begonia difformis (Irmsch.) W.C.Leong, C.I Peng & K. F. Chung (BEGONIACEAE)

This species, earlier known from China, Yunnan has been reported for the first time from India based on the collection made from Assam, Meghalaya and Manipur. The specimens are deposited in University of Michigan Herbarium, Michigan, USA (MICH). This has been published by Camfield R. & Hughes M. in European Journal of Taxonomy 396:33.2018.

बेगोनिया हैनडेलाई इरमिश्च. (बेगोनिएसी)

पूर्वतः चीन, यूनान से ज्ञात इस जाति का पता भारत में प्रथम बार अरुणाचल प्रदेश में पालिन से यांगलांग के मध्य से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। इस जाति के प्रतिरूप को पादपालय, मिचिगन विश्वविद्यालय, मिचिगनल, यूएसए (एमआईसीएच) में संग्रहित किया गया है। इस शोध को कैम्पफिल्ड आर. एवं ह्यूगिस एम. ने यूरोपियन जर्नल ऑफ टैक्सॉनामी 396:41.2018 में प्रकाशित किया है।

Begonia handelii Irmsch. (BEGONIACEAE)

This species, earlier known from China, Yunnan has been reported for the first time from India based on the collection made from Palin to Yanglang village, Arunachal Pradesh. The specimens are deposited in University of Michigan Herbarium, Michigan, USA (MICH). This has been published by Camfield R. & Hughes M. in European Journal of Taxonomy 396:41.2018.

बेगोनिया लैब्रोडेई एच. लेव. (बेगोनिएसी)

पूर्वतः चीन, यूनान से ज्ञात इस जाति का पता भारत में प्रथम बार अरुणाचल प्रदेश एवं मेघालय राज्यों से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। इस जाति के प्रतिरूप को पादपालय, मिचिगन विश्वविद्यालय, मिचिगनल, यूएसए (एमआईसीएच) में संग्रहित किया गया है। इस शोध को कैम्पफिल्ड आर. एवं ह्यूगिस एम. ने यूरोपियन जर्नल ऑफ टैक्सॉनामी 396:56.2018 में प्रकाशित किया है।

Begonia labordei H.Lév. (BEGONIACEAE)

This species, earlier known from China, Yunnan has been reported for the first time from India based on the collection made from Arunachal Pradesh and Meghalaya. The specimens are deposited in University of Michigan Herbarium, Michigan, USA (MICH). This has been published by Camfield R. & Hughes M. in European Journal of Taxonomy 396:56.2018.

किरोस्टाईलिस ताबियाहेनैसिस (हायाता) एन. पारसी एवं पी. जे. क्रिब (आर्किडेसी)



पूर्वतः उष्णकटिबंधीय अफ्रीका, सम्पूर्ण दक्षिण-पूर्वी एशिया, जापान, इंडोनेशिया एवं प्रशांत द्वीपसमूह से आस्ट्रेलिया तक ज्ञात इस जाति का पता भारत में प्रथम बार नागालैंड राज्य के मून जनपद के तोबू में 1600मी. की ऊंचाई से किये गये संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। इस जाति के प्रतिरूप को पादपालय, पूर्वी क्षेत्रीय केंद्र, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, शिलांग (एएसएसएएम) में संग्रहित किया गया है। इस शोध को एन. ओडूयो, डी. के. रॉय, सी. दियोरी एवं आर. डायमेरी ने दि एमआईओएस जर्नल 19(10):4.2018 में प्रकाशित किया है।

Cheirostylis tabiyahanensis (Hayata) N. Pearce & P.J. Cribb (ORCHIDACEAE)

This species, earlier known from tropical Africa, through South-east Asia, Japan, Indonesia and the Pacific Islands to Australia has been reported for the first time from India based on the collection made from Tobu, Mon district of Nagaland at 1600m altitude. The specimens are deposited in Herbarium of Eastern Regional Centre, Botanical Survey of India, Shillong (ASSAM). This has been published by N. Odyuo, D. K. Roy, C. Deori and R. Daimary in The MIOS Journal 19(10):4.2018.

सिन्नामोम ओवालिफोलियम वाइट (लॉरेसी)



पूर्वतः श्रीलंका से ज्ञात इस जाति का पता भारत में प्रथम बार केरल राज्य के तिरुवनंतपुरम जनपद के अगस्त्यामाला जैव आरक्षित क्षेत्र से किये गये संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। इस जाति के प्रतिरूप को पादपालय, केरल वन अनुसंधान संस्थान, थ्रिसूर (केएफआरआई) में संग्रहित किया गया है। इस शोध को ए. जे. रोबी, वी. पी. थॉमस, वी. के. श्रीनिवास, पी. एस. एदायन एवं पी. सुजानपाल ने निलूम्बो 60(2):111.2018 में प्रकाशित किया है।

Cinnamomum ovalifolium Wight (LAURACEAE)

This species, earlier known from Sri Lanka has been reported for the first time from India based on the collection made from Agasthyamala Biosphere Reserve Thiruvananthapuram district of Kerala. The specimens are deposited in Herbarium of Kerela Forest Research Institute, Thrissur (KFRI). This has been published by A. J. Robi, V. P. Thomas, V. K. Sreenivas, P. S. Udayan and P. SujanaPal in Nelumbo 60(2):111.2018.

कोम्मिलिना इंबरबिस हर्नब. एक्स हास्सक., (कोम्मिलिनेसी)

पूर्वतः उष्णकटिबंधीय अफ्रीका, अरब प्रायद्वीप से ज्ञात इस जाति का पता भारत में प्रथम बार कर्नाटक राज्य के बेलगाम जनपद में बेलगाम-गोकक मार्ग पर किये गये संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। इस जाति के प्रतिरूप को पादपालय, पश्चिमी क्षेत्रीय



केंद्र, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, पूणे (बीएसआई) एवं सीएएल, एनजीसीपीआर एवं एसयूके में संग्रहित किया गया है। इस शोध को मयूर डी. नंदीकर, राजाराम जी. गुरव ने जर्नल ऑफ एशिया-पैसिफिक बायोडायवर्सिटी 2018 में प्रकाशित किया है।

Commelina imberbis Ehrenb. ex Hassk. (COMMELINACEAE)

This species, earlier known from Tropical Africa, Arabian Peninsula has been reported for the first time from India based on the collection made from Belgaum-Gokak road, Belgaum district of Karnataka. The specimens are deposited in Herbarium of Western Regional Centre, Botanical Survey of India, Pune (BSI) and CAL, NGCPR and SUK. This has been published by Mayur D. Nandikar, Rajaram V. Gurav in Journal of Asia-Pacific Biodiversity 2018, <https://doi.org/10.1016/j.japb.2018.11.002>.

क्रोटालेरिया लेंसियोलाटा ई मे., (लेग्यूमिनोसी—फेबियोडी)



पूर्वतः तंजानिया से दक्षिणी अफ्रीका, मडागास्कर की स्थानिक एवं अलागामा, बोरिलविया, ब्राजिल, चीन, कम्बोडिया, फ्लोरिडा, हान्डुरास,, लिवार्ड द्वीप, न्यू साउथ वेल्स, पराग्वे, क्वीनसलैंड एवं दक्षिणी कैरोलिना एवं ताईवान में पुरःस्थापित इस जाति का पता भारत में प्रथम बार कर्नाटक राज्य के मांड्या जनपद के मल्लासान्द्रा में 745मी. की ऊंचाई से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। इस जाति के प्रतिरूप को पादपालय, फाउडेशन ऑफ लोकल हेल्थ ट्रेडिशनस, बंगलुरु (एफआरएलएच) में संग्रहित किया गया है। इस शोध को के. रविकुमार, एन. एम. गणेश बाबू एवं ए. सी. तंगावेलोव ने रिडिया 28(2):102.2018 में प्रकाशित किया है।

Crotalaria lanceolata E. Mey. (LEGUMINOSAE - FABOIDEAE)

This species, earlier known as native from Tanzania to South Africa, Madagascar and introduced into Alabama, Bolivia, Brazil, China, Colombia, Florida, Honduras, Leeward Is., New South Wales, Paraguay, Queensland, South Carolina and Taiwan has been reported for the first time from India based on the collection made from Mallasandra, Mandya district of Karnataka at 745m altitude. The specimens are deposited in herbarium of Foundation for Revitalisation of Local Health Traditions, Bangaluru (FRLH). This has been published by K. Ravikumar, N.M. Ganesh Babu and A.C. Tangavelou in Rheedea 28(2):102. 2018.

हिर्टीया लोमिफ्लोरा चैंप. एक्स. बेंथ. (बोराजिनेसी)



पूर्वतः चीन. हांग कांग, ताईवान एवं वियतनाम से ज्ञात इस जाति का पता भारत में प्रथम बार अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह के दक्षिण अंडमान के माउंट हैरियट पर्वत माला के होप टाउन से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। इस जाति के प्रतिरूप को पादपालय, अंडमान एवं निकोबार क्षेत्रीय केंद्र, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, पोर्टब्लेयर (पीबीएल) में संग्रहित किया गया है। इस शोध को जोजू पी. अलापट्ट ने रिडिया 28(2):105.2018 में प्रकाशित किया है।

Ehretia longiflora Champ. ex Benth. (BORAGINACEAE)

This species, earlier known from China, Hong Kong, Taiwan and Vietnam has been reported for the first time from India based on the collection made from near Hope Town, Mt. Harriet Hill Ranges, South Andaman of Andaman Nicobar Island. The specimens are deposited in Herbarium of Andaman and Nicobar Regional Centre, Botanical Survey of India, Portblair (PBL). This has been published by Joju P. Alappatt in Rheedea 28(2):105.2018.

इलियोकैरिस वायचुराई बोयकेलर (सायपेरेसी)



पूर्वतः चीन, जापान, कोरिया, रूस (सायबेरिया के सुदूर पूर्व) से ज्ञात इस जाति का पता भारत में प्रथम बार सिक्किम के चुंगथांग जनपद में चुंगथांग—लाचेन मार्ग से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। इस जाति के प्रतिरूप को पादपालय, सिक्किम हिमालयन क्षेत्रीय केंद्र, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, गंगटोक (बीएसएचसी) में संग्रहित किया गया है। इस शोध को बोर्डे डी. बी. के., वी. सी. गोसावी, सी.एस. पुरोहित एवं ए. एन. चंदौर ने रिडिया 28(1):62.2018 में प्रकाशित किया है।

Eleocharis wichurae Boeckeler (CYPERACEAE)

This species, earlier known from China, Japan, Korea, Russia (Far East, Siberia) has been reported for the first time from India based on the collection made on the route of Chungthang-Lachen, Chungthang district of Sikkim. The specimens are deposited in Herbarium of Sikkim Himalayan Regional Centre, Botanical Survey of India, Gangtok (BSHC). This has been published by Borude D.B., K.V.C. Gosavi, C.S. Purohit and A.N. Chandore in Rheedea 28(1):62.2018.

इराग्रोस्टिस ब्राउनियाइ (कुंथ) नीस (पोएसी)

पूर्वतः विश्व के अन्य उष्णकटिबंधीय, उपोष्णकटिबंधीय एवं गर्म समशीतोष्णीय क्षेत्रों से ज्ञात इस जाति का पता भारत में प्रथम बार कर्नाटक राज्य के कोडागू, चिकमंगलौर, दक्षिण कन्नडा एवं हासन जनपदों से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। इस जाति के प्रतिरूप को पादपालय, वनस्पति विज्ञान विभाग, कालीकट विश्वविद्यालय, कालीकट (सीएएलआई) एवं एमएच में संग्रहित किया गया है। इस शोध को थोइबा कोट्टीकाटू एवं ए. के. प्रदीप ने ताईवानिया 63(1):84.2018 में प्रकाशित किया है।

Eragrostis brownii (Kunth) Nees (POACEAE)

This species, earlier known from tropical, subtropical and warm temperate regions of the world has been reported for the first time from India based on the collection made from various locations of Kodagu, Chikmagalur, Dekshina Kannada and Hassan districts of Karnataka. The specimens are deposited in herbarium of Department of Botany, University of Calicut, Calicut (CALI) and MH. This has been published by Thoiba Kottekkattu and A. K. Pradeep in Taiwania 63(1): 84.2018.

फिम्रिस्टाईलिस वैनोवरबेरघाई कुक. (सायपेरेसी)

पूर्वतः फिलिपींस, मलेशिया एवं न्यू गिनी से ज्ञात इस जाति का पता भारत में प्रथम बार केरल राज्य के कोडागू, चेमुंगी में 1329मी. की ऊंचाई से किये गये संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। इस वंश के प्रतिरूप को पादपालय, जवाहरलाल नेहरू ट्रॉपिकल वानस्पतिक उद्यान एवं अनुसंधान संस्थान, पैलोड, केरल (टीबीजीटी) एवं यूसीटी में संग्रहित किया गया है। इस शोध को ए. आर. वीजी एवं टी. एस. प्रीथा ने बॉटनी लेटर्स 2017, डिजिटल 10.1080/23818107.2017.1340192 में प्रकाशित किया है।

Fimbristylis vanoverberghii Kük. (CYPERACEAE)

This species, earlier known from Philippines, Malesia to New Guinea has been reported for the first time from India based on the collection made from Kodagu, Chemungi of Kerala at 1329m altitude. The specimens are deposited in herbarium of Jawaharlal Nehru Tropical Botanic Garden and Research Institute, Palode, Kerala (TBGT) and UCT. This has been published by A. R. Viji & T. S. Preetha in Botany Letters, 2017 DOI: 10.1080/23818107.2017.1340192.

जेन्शियाना अपर्टा मैक्सिम (जेन्शियानेसी)

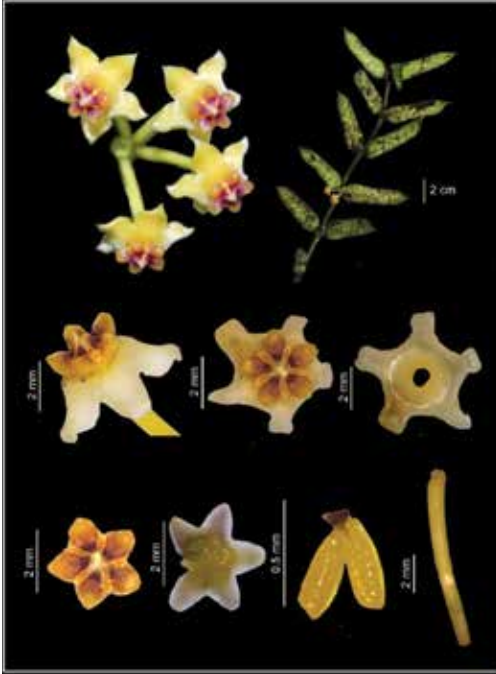


पूर्वतः केवल चीन से ज्ञात इस जाति का पता भारत में प्रथम बार जम्मू कश्मीर राज्य के कारगील जनपद के तुमैल, लद्दाख में 4000मी. की ऊंचाई से किये गये संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। इस जाति के प्रतिरूप को पादपालय, पादप विविधता वर्गिकी एवं पादपालय अनुभाग, सीएसआईआर-राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ (एलडब्ल्यूजी) में संग्रहित किया गया है। इस शोध को मो. शबीर, प्रियंका अग्निहोत्री, जय किशन तिवारी एवं तारिक हुसैन ने जर्नल ऑफ थ्रिटेन्ड टैक्सा 10(9):12286. 2018 में प्रकाशित किया है।

Gentiana aperta Maxim. (GENTIANACEAE)

This species, earlier only known from China has been reported for the first time from India based on the collection made from Tumail, Ladakh, Kargil district of Jammu & Kashmir at 4000m altitude. The specimens are deposited in Plant Diversity, Systematics & Herbarium Division, CSIR-National Botanical Research Institute, Lucknow (LWG). This has been published by Mohd Shabir, Priyanka Agnihotri, Jay Krishan Tiwari & Tariq Husain in Journal of Threatened Taxa 10(9): 12286.2018.

होया पांडुराटा सिंयाग (एपोसायनेसी)



पूर्वतः केवल चीन एवं थाईलैंड से ज्ञात इस जाति का पता भारत में प्रथम बार मणिपुर राज्य के कोमजोंग जनपद में 1316मी. की ऊंचाई से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। इस जाति के प्रतिरूप को पादपालय, पादप विविधता वर्गिकी एवं पादपालय अनुभाग, सीएसआईआर-राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ (एलडब्ल्यूजी) में संग्रहित किया गया है। इस शोध को जीवनकुमार सिंह खुराजाम, प्रियंका अग्निहोत्री, पुष्पेंद्र कटियार, दानिश हुसैन, दिनबन्धु साहू, तारिक हुसैन एवं सरोज कांत बारिक ने प्लियोनी 11(2):501.2017 में प्रकाशित किया है।

Hoya pandurata Tsiang (APOCYNACEAE)

This species, earlier only known from China and Thailand has been reported for the first time from India based on the collection made from Kamjong district of Manipur at 1316m altitude. The specimens are deposited in Plant Diversity, Systematics & Herbarium Division, CSIR-National Botanical Research Institute, Lucknow (LWG). This has been published by Jibankumar Singh Khurajam, Priyanka Agnihotri, Pushpendra Katiyar, Danish Husain, Dinabandhu Sahoo, Tariq Husain and Saroj Kant Barik in Pleione 11(2): 501.2017.

जैसमिनियम फुसिफोलियम गैन्नेप. (आलिऐसी)



पूर्वतः केवल चीन से ज्ञात इस जाति का पता भारत में प्रथम बार नागालैंड राज्य के त्यूयांग जनपद के हेलिपोंग वन क्षेत्र में 2123मी. की ऊंचाई से किये गये संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। इस जाति के प्रतिरूप को पादपालय, उत्तरी क्षेत्रीय केंद्र, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, देहरादून (बीएसडी) में संग्रहित किया गया है। इस शोध को शांतनु दे, दुर्गेश वर्मा, माआकुम, चर्तुवेदी एस. के. जमीर, एन. एस. एवं तेमजेन्नुखा, बी. लोगचार ने रिडिया 28(1):54.2018 में प्रकाशित किया है।

Jasminum fuchsiifolium Gagnep. (OLEACEAE)

This species, earlier known from China has been reported for the first time from India based on the collection made from near Helipong forest area, Tuensang district of Nagaland at 2123m altitude. The specimens are deposited in Herbarium of Northern Regional Centre, Botanical Survey of India, Dehradun (BSD). This has been published by Santanu Dey, Durgesh Verma, Moaakum, Chaturvedi S.K., Jamir, N.S. and Temjennokha, B. Longchar in Rheedea 28(1):54.2018.

लिपेरिस शनाई श्लटर.(आर्किडेसी)

पूर्वतः उष्णकटिबंधीय एशिया एवं मलेशिया एवं पूर्वी आस्ट्रेलिया से ज्ञात इस जाति का पता भारत में प्रथम बार केरला राज्य के वायनाड से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। इस जाति के प्रतिरूप को पादपालय, एम. एस. स्वामीनाथन रिसर्च फाउंडेशन, वायनाड, (एमएसएसआरएफ) में संग्रहित किया गया है। इस शोध को पी. एम.सलीम, जे. पी. जोसेफ, पी. धनेश कुमार, जोस मैथ्यू, एम. जीतिन एवं वी. बालाकृष्णन ने इंडियन फारेस्टर 144(9):880.2018 में प्रकाशित किया है।

Liparis tschanii Schltr. (ORCHIDACEAE)

This species, earlier known from Tropical Asia, Malesia and eastern Australia has been reported for the first time from India based on the collection made from Wayanad, Kerala. The specimens are deposited in Herbarium of M. S. Swaminathan Research Foundation, Wayanad (MSSRF). This has been published by P. M. Salim, J. P. Joseph, P. Dhanesh Kumar, Jose Mathew, M. Jithin and V. Balakrishnan in Indian Forester 144 (9): 880.2018.

ऑर्निथोचिलस थिंग्जियागेन्सिस जेड. एच. त्सी (आर्किडेसी)



पूर्वतः चीन एवं थाईलैंड से ज्ञात इस जाति का पता भारत में प्रथम बार मिजोरम राज्य के चम्फाई जनपद के मुरलेन राष्ट्रीय उद्यान से 1584मी. की ऊंचाई से किये गये संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। इस जाति के प्रतिरूप को पादपालय, पूर्वी क्षेत्रीय केंद्र, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, शिलांग (एएसएसएएम) में संग्रहित किया गया है। इस शोध को रमेश कुमार, सचिन शर्मा एवं सुशील कुमार सिंह ने दि एमआईओएस 15(1):10.2014 में प्रकाशित किया है।

Ornithochilus yingjiangensis Z.H.Tsi, (ORCHIDACEAE)

This species, earlier known from China and Thailand has been reported for the first time from India based on the collection made from Murlen National Park, Champhai district, Mizoram at 1584m altitude. The specimens are deposited in Herbarium of Eastern Regional Centre, Botanical Survey of India, Shillong (ASSAM). This has been published by Ramesh Kumar, Sachin Sharma and Sushil Kumar Singh in The MIOS Journal 15(1):10.2014.

पेट्रोसाविया साकुराई (माकिनो) जे. जे. स्म. एक्स वॉन स्टीनिस (पेट्रोसाविएसी)

पूर्वतः वियतनाम, जापान, दक्षिणी चीन, ताईवानिया, म्यांमार, उत्तरी थाईलैंड एवं इंडोनेशिया से ज्ञात इस जाति का पता भारत में प्रथम बार अरुणाचल प्रदेश के लोअर सुबानसिरी जनपद के ताले वैली वन्य जीव अभयारण्य में 2012मी. की ऊंचाई से किये गये संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। इस जाति के प्रतिरूप को पादपालय, पूर्वी क्षेत्रीय केंद्र, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, शिलांग (एएसएसएएम) में संग्रहित किया गया है। इस शोध को नजीर अहमद भट, लिचा जेरी, दिलीप कु. रॉय एवं योगेन्द्र कुमार ने बांग्लादेश ज. प्लांट टैक्सॉन. 25(1):113.2018 में प्रकाशित किया है।



Petrosavia sakurarii (Makino) J.J. Smith ex van Steenis (PETROSAVIACEAE)

This species, earlier known from Vietnam, Japan, southern China, Taiwan, Myanmar, Northern Thailand and Indonesia (Northern half of Sumatra) has been reported for the first time from India based on the collection made from Talle Valley Wildlife Sanctuary, Lower Subansiri district of Arunachal Pradesh at 2012m altitude. The specimens are deposited in herbarium of Eastern Regional Centre, Botanical Survey of India, Shillong (ASSAM). This has been published by Nazir Ahmad Bhat, Licha Jeri, Dilip Kr. Roy and Yogendra Kumar in Bangladesh J. Plant Taxon. 25(1): 113.2018.

टेरनोपेटलम लैटिपिन्नुलाटम (आर. एच. शान) जे. बी. टान. एवं एक्स जे. ही (एपिऐसी)



पूर्वतः केवल चीन से ज्ञात इस जाति का पता भारत में प्रथम बार अरुणाचल प्रदेश के लोअर सुबानसीरी जनपद में ताले वैली वन्य जीव अभयारण्य के पांगे में 1700मी. की ऊंचाई से किये गये संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। इस जाति के प्रतिरूप को पादपालय, पूर्वी क्षेत्रीय केंद्र, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, शिलांग (एएसएसएएम) में संग्रहित किया गया है। इस शोध को लिचा जेरी, नाजीर अहमद भट एवं योगेंद्र कुमार ने जर्नल आफ थ्रिटेन्ड टैक्सा 10(3):11481.2018 में प्रकाशित किया है।

Ternstroemia latipinnulatum (R.H. Shan) J.B.Tan & X.J. He (APIACEAE)

This species, earlier only known from China has been reported for the first time from India based on the collection made from Pange, Talle Valley Wild life Sanctuary, Lower Subansiri district of Arunachal Pradesh at 1700m altitude. The specimens are deposited in herbarium of Eastern Regional Centre, Botanical

Survey of India, Shillong (ASSAM). This has been published by Licha Jeri, Nazir Ahmad Bhat & Yogendra Kumar in Journal of Threatened Taxa 10(3):11481.2018.

स्टार्ड्लोसैन्थस हमाटा (लि) टॉब. (फेबेसी)

पूर्वतः विश्व के उष्णकटिबंधीय एवं गर्म क्षेत्रों से ज्ञात इस जाति का पता भारत में प्रथम बार मध्य प्रदेश के बेटुल जनपद से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। इस जाति के प्रतिरूप को पादपालय, मध्य क्षेत्रीय केंद्र, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, इलाहाबाद (बीएसए) में संग्रहित किया गया है। इस शोध को आनंद कुमार एवं के. के. खन्ना ने इंडियन फारेस्टर 144(5):485.2018 में प्रकाशित किया है।

Stylosanthes hamata (L.) Taub. (FABACEAE)

This species, earlier known from tropical and warm region of the world has been reported for the first time from India based on the collection made from Betul district, Madhya Pradesh. The specimens are deposited in Herbarium Central Regional Centre, Botanical Survey of India, Allahabad (BSA). This has been published by Anand Kumar and K.K. Khanna in Indian Forester 144 (5): 485.2018.

थिमिडा हलफेरी हैक. (पोएसी)



पूर्वतः चीन, यूनान एवं म्यांमार से ज्ञात इस जाति का पता भारत में प्रथम बार आंध्र प्रदेश के विशाखापट्टनम जनपद में जानमगुडा मार्ग निकट अराकू से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। इस जाति के प्रतिरूप को पादपालय, वनस्पति विज्ञान विभाग, श्री कृष्णदेवरैया विश्वविद्यालय, अनंतपुर (एसकेयू) में संग्रहित किया गया है। इस शोध को अनिल कुमार एम, श्रीनाथ ए. अंजननेयूलु पी. सरवनन एस. एवं बी रवि प्रसाद राव ने रिडिया 28(1):57.2018 में प्रकाशित किया है।

Themeda helferi Hack. (Poaceae)

This species, earlier known from China, Yunnan and Myanmar has been reported for the first time from India based on the collection made from way to Janamguda near Araku Vishakapatnam district of Andhra Pradesh. The specimens are deposited in herbarium of Department of Botany, Sri Krishnadevaraya University, Ananthapur (SKU). This has been published by Anil Kumar M., Sreenath, A., Anjaneyulu, P., Saravanan, S. and B. Ravi Prasad Rao in Rheedea 28(1):57.2018.

थ्रिक्सस्पर्मम फोरमोसम (हायाता) श्चलर (आर्किडेसी)



पूर्वतः चीन, वियतनाम एवं ताईवानिया से ज्ञात इस जाति का पता भारत में प्रथम बार असम राज्य के कारबी, अंगलोग से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। इस जाति के प्रतिरूप को पादपालय, रिजिनल आर्किड जर्मप्लाज्म कनजर्वेशन एंड प्रोपेगेशन सेंटर, तिनसुकिया (टीओएसईएचआईएम) में संग्रहित किया गया है। इस शोध को ख्यानजीत गोगोई एवं राजेंद्र योगजोन ने दि एमआईओएस 16(1):11.2015 में प्रकाशित किया है।

Thrixspermum formosanum (Hayata) Schltr., (ORCHIDACEAE)

This species, earlier known from China, Vietnam and Taiwan has been reported for the first time from India based on the collection made near Karbi Anglong, Assam. The specimens are deposited in herbarium of Regional Orchids Germplasm Conservation & Propagation Centre, Tinsukia, Assam (TOSEHIM). This has been published by Khyanjeet Gogoi and Rajendra Yonzon in The MIOS Journal 16(1): 11.2015.

वरबास्कम सोनगारिकम श्रेनक (स्करोफुलेरिऐसी)

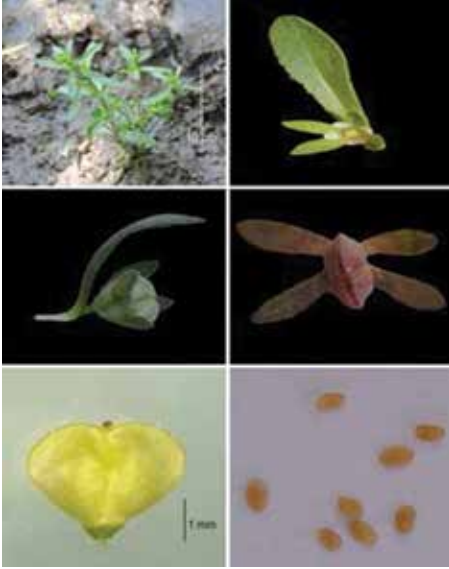


पूर्वतः चीन, कजाकिसतान, किर्गिसतान, रूस (साइबेरिया), ताजिकिस्तान, तुर्कमेनिस्तान, उजबेकिस्तान एवं दक्षिण-पश्चिम एशिया एवं हाल ही में ईरान से ज्ञात इस जाति का पता भारत में प्रथम बार जम्मू एवं कश्मीर में गान्दरबल जनपद में बालताल, लद्दाख मार्ग से 2880मी. की ऊंचाई से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। इस जाति के प्रतिरूप को पादपालय, वनस्पति विज्ञान विभाग, कश्मीर विश्वविद्यालय, श्रीनगर (केएसएसएच) में संग्रहित किया गया है। इस शोध को एजाज हसन गनी, नाजिमा रूसूल एवं जफर ए. रेशी ने रिडिया 28(2):111.2018 में प्रकाशित किया है।

Verbascum songaricum Schrenk (SCROPHULARIACEAE)

This species, earlier known from China, Kazakhstan, Kirgizstan, Russia (Siberia), Tajikistan, Turkmenistan, Uzbekistan; SW Asia and recently reported from Iran has been reported for the first time from India based on the collection made near Baltal on way to Ladakh, Ganderbal district, Jammu and Kashmir at 2880m altitude. The specimens are deposited in herbarium of Department of Botany, University of Kashmir, Srinagar (KASH). This has been published by Aijaz Hassan Ganie, Nazima Rasool and Zafar A. Reshi in Rheedia 28(2):111.2018.

वेरोनिका पेरेग्रिना लि., (प्लांटाजिनेसी)

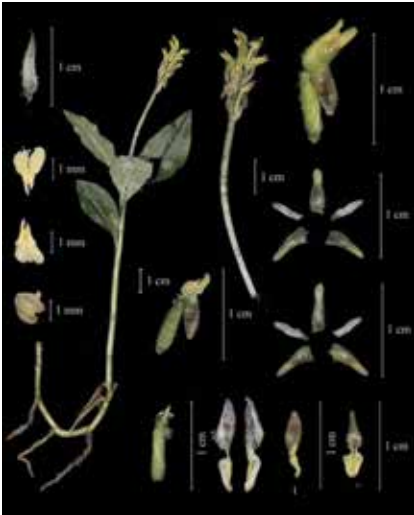


पूर्वतः उत्तरी एवं दक्षिणी अमेरिका, यूरोप, रूस, चीन, कोरिया, जापान एवं मंगोलिया से ज्ञात इस जाति का पता भारत में प्रथम बार जम्मू एवं कश्मीर में श्रीनगर जनपद में ईदगाह के निकट से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। इस जाति के प्रतिरूप को पादपालय, वनस्पति विज्ञान विभाग, कश्मीर विश्वविद्यालय, श्रीनगर (केएएसएच) में संग्रहित किया गया है। इस शोध को शगुफ्ता राशिद, अंजर ए. खुर्रो, मरूफ हमीद, इंसा मुजफ्फर, अख्तर एच. मलिक एवं जी. एच डार ने रिडिया 28(1):66.2018 में प्रकाशित किया है।

Veronica peregrina L. (PLANTAGINACEAE)

This species, earlier known from North and South America, Europe, Russia, China, Korea, Japan, Mangolia has been reported for the first time from India based on the collection made near Eidgah at Srinagar district, Jammu and Kashmir. The specimens are deposited in herbarium of Department of Botany, University of Kashmir, Srinagar (KASH). This has been published by Shugufta Rasheed, Anzar A. Khuroo, Maroof Hamid, Insha Muzafar, Akhtar H. Malik and G.H.Dar in Rheede 28(1):66.2018.

ब्रेडाजिनिया नूडा ब्लूम (आर्किडेसी)



पूर्वतः चीन, हांग कांग, इंडोनेशिया, जावा, ब्रोनियो से ज्ञात इस जाति का पता भारत में प्रथम बार असम राज्य में तिनसुकिया जनपद में दिहिंग-पाटखाई वन्य जीव अभयारण्य से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। इस जाति के प्रतिरूप को पादपालय, रिजिनल आर्किड जर्मप्लाज्म कनजर्वेशन एंड प्रोपेगेशन सेंटर, तिनसुकिया (टीओएसईएचआइएम) में संग्रहित किया गया है। इस शोध को ख्यानजीत गोगोई ने रिकार्डियाना 15: 348.2016 में प्रकाशित किया है।

Brydazzynea nuda Blume (ORCHIDACEAE)

This species, earlier known from China, Hong Kong, Indonesia, Java and Borneo has been reported for the first time from India based on the collection made from Dehing-Patkai Wildlife Sanctuary, Tinsukia district of Assam. The specimens may be deposited in herbarium of Regional Orchids Germplasm Conservation & Propagation Centre, Tinsukia, Assam (TOSEHIM). This has been published by Khyanjeet Gogoi in Richardiana XVI 348.2016.

प्रभेद एवं उपजाति अभिलेख • VARIETY AND SUBSPECIES RECORD

एकेशिया निलोटिका उपजाति क्रोउसियाना (बेंथ.) ब्रेनान (फेबेसी)

पूर्वतः तंजानिया, जाम्बीया, जिम्बाम्बे, मोजाम्बीका, अंगोला, बोट्सवानिया, साउथ वेस्ट अफ्रीका, नाम्बिया, दक्षिणी अफ्रीका एवं स्वाजीलैंड से ज्ञात इस उपजाति का पता भारत में प्रथम बार गुजरात राज्य के राजकोट जनपद के जेतपुर फ्लाईओवर में 99मी. की ऊंचाई से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। इस उपजाति के प्रतिरूप को पादपालय, शुष्क क्षेत्रीय केंद्र, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, जोधपुर (बीएसजेओ) एवं एएफआरआई में संग्रहित किया गया है। इस शोध को एन. बाला, गंगाराम, राजेश मीणा एवं एस. एल. मीणा ने ज. ईको. टैक्सा बॉट 41(1-2):50.2017 में प्रकाशित किया है।

Acacia nilotica subsp. kraussiana (Benth.) Brenan (FABACEAE)

This sub-species, earlier known from Tanzania, Zambia, Zimbabwe, Mozambique, Angola, Botswana, South West Africa, Namibia, South Africa and Swaziland has been reported for the first time from India based on the collection made from Jetpur flyover, Rajkot district, Gujarat at 99m altitude. The specimens are deposited in Herbarium of Arid Zone Regional Centre, Botanical Survey of India, Jodhpur (BSJO) and AFRI. This has been published by N. Bala, Gangaram, Rajesh Meena and S.L. Meena in J. Eco. Tax. Bot. 41(1-2): 50.2017.

कोम्मिलिना क्रोसेरा उपजाति **क्रोसेरा** (ग्रिफिथ) फाडेन (कोम्मिलिनेसी)

पूर्वतः म्यांमार एवं फिलिपिंस से ज्ञात इस उपजाति का पता भारत में प्रथम बार अंडमान एवं निकोबार राज्य के दक्षिण अंडमान में फेरारगंज तहसील में कैडलगंज मैदान से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। इस उपजाति के प्रतिरूप को पादपालय, अंडमान एवं निकोबार क्षेत्रीय केंद्र, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, पोर्टब्लेयर (पीबीएल) एवं सीएएल, एनजीसीपीआर में संग्रहित किया गया है। इस शोध को मयूर डी. नंदीकर, राजाराम जी. गुरव ने जर्नल ऑफ एशिया-पैसिफिक बायोडायवर्सिटी 2018 में प्रकाशित किया है।

Murdannia crocea subsp. **crocea** (Griff.) Faden (COMMELINACEAE)

This sub-species, earlier known from Myanmar and the Philippines has been reported for the first time from India based on the collection made from Cadlegunj fields, Ferrargunj Tehsil, South Andaman, Andaman and Nicobar Islands. The specimens are deposited in Herbarium of Andaman and Nicobar Regional Centre, Botanical Survey of India, Portblair (PBL), CAL, and NGCPR. This has been published by Mayur D. Nandikar, Rajaram V. Gurav in Journal of Asia-Pacific Biodiversity 2018, <https://doi.org/10.1016/j.japb.2018.11.002>.

पायरेनेरिया डायोस्पायरिकापा कुर्ज प्रभेद **कैमिल्लिफ्लोरा** (कुर्ज) एस. एक्स. यांग (कोम्मिलिनेसी)

पूर्वतः म्यांमार, थाईलैंड, वियतनाम से ज्ञात इस प्रभेद का पता भारत में प्रथम बार नागालैंड, त्यूंगसांग जनपद के वायासू में 2000–2100मी. की ऊंचाई से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। इस प्रभेद के प्रतिरूप को पादपालय, पूर्वी क्षेत्रीय केंद्र, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, शिलांग (एसएसएसएम) में संग्रहित किया गया है। इस शोध को निरूपेमो ओडूयो एवं दिलीप कुमार रॉय ने निलुम्बो 60(1):9.2018 में प्रकाशित किया है।

Pyrenaria diospyricarpa Kurz var. **camelliiflora** (Kurz) S.X. Yang (COMMELINACEAE)

This variety, earlier known from Myanmar, Thailand and Vietnam has been reported for the first time from India based on the collection made from Woashu village, Tuensang district, Nagaland at 2000-2100m altitude. The specimens are deposited in Herbarium of Eastern Regional Centre, Botanical Survey of India, Shillong (ASSAM). This has been published by Nripemo Odyuo and Dilip Kumar Roy in Nelumbo 60(1):9.2018.



पर्णाग/PTERIDOPHYTES

Lycopodium clavatum L. (Lycopodiaceae)

Courtesy : Sanjay Kumar

पर्णाग/FERNS AND FERN-ALLIES

पर्णाग (टेरिडोफाइट्स) प्रायः विभिन्न प्रकार के प्राकृतवासों में पाये जाते हैं, ऐसी प्रतिकूल पर्यावरणीय प्राकृतवासों में भी, जहाँ सामान्यतः पुष्पीय पौधे नहीं पाये जाते, ये सफलतापूर्वक उगते हैं। भारतीय वनस्पतिजात में पर्णाग का लगभग 2.63 प्रतिशत हिस्सा है। हमारी अब तक की जानकारी अनुसार भारतीय पर्णागों की लगभग 1302 जातियां हैं एवं अनेक जातियों का अन्वेषण एवं वर्णन अभी भी शेष है।

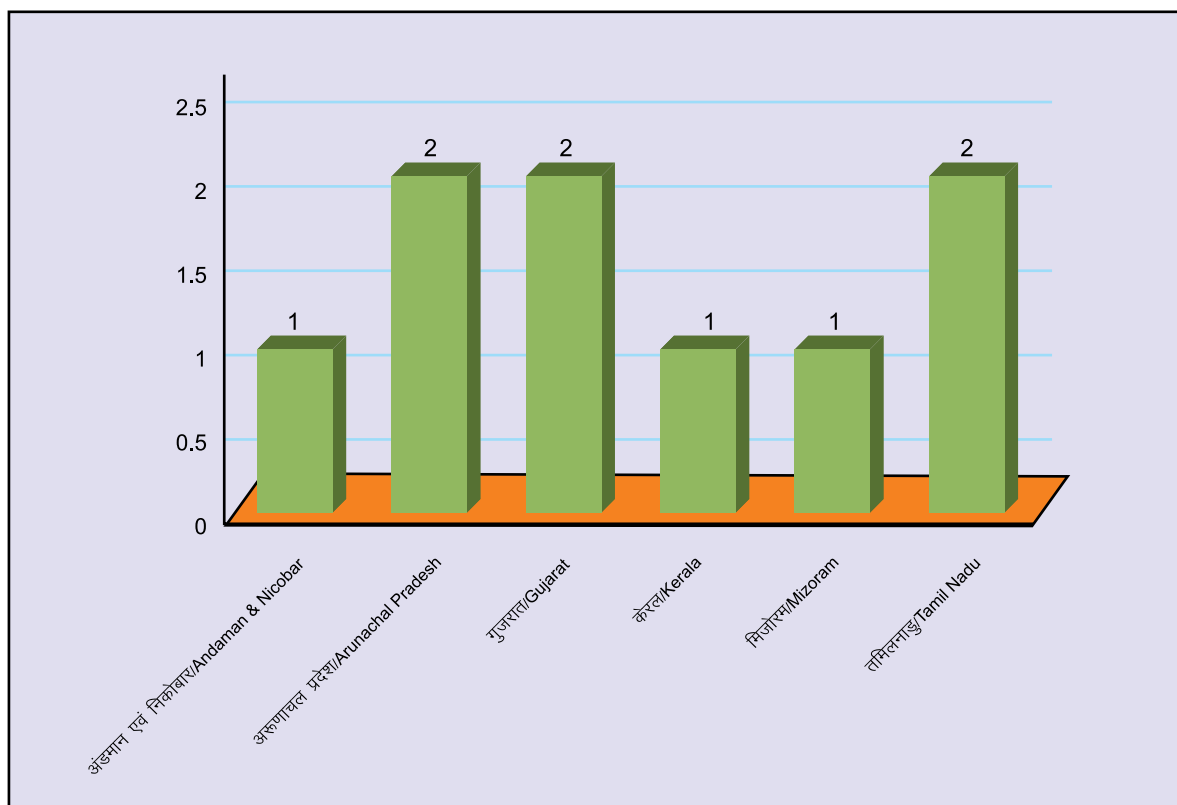
इस क्रमवार सूचना वर्ष 2018 के दौरान भारत से कुल 9 नवीन पर्णाग जातियों का अन्वेषण हुआ है, जिसमें अंडमान एवं निकोबार, मिजोरम एवं केरल राज्य में प्रत्येक से 1 नवीन जाति, अरुणाचल प्रदेश, गुजरात एवं तमिलनाडु राज्यों में प्रत्येक से 2 जाति विज्ञान के लिये भारत से नयी अन्वेषित की गई हैं।

Ferns and Fern-allies (Pteridophytes) live in a wide variety of habitats and often succeed in places where environmental factors discourage growth of flowering plants.

The Indian ferns account for about 2.63 per cent of the total Indian flora.

In the present state of our knowledge India has about 1302 species of ferns and Fern-allies. Many more are yet to be Identified and described.

The collated information presented here for the year 2018 includes 9 new species have been described from India, which includes one new species each from Andaman & Nicobar, Mizoram and Kerala, while two species each from Arunachal Pradesh, Gujarat and Tamil Nadu for new to science from India.



भारतीय राज्यों से अन्वेषित पर्णाग की संख्या

NUMBER OF FERNS AND FERN-ALLIES DISCOVERED FROM INDIAN STATES

नवीन जाति • NEW SPECIES

डिप्लेजियम क्रेनौरिटम फ्रेजर—जैक, एनोट. चेकलि. इंडि. टेरिडो. 2:106.2018. (वुडसिएसी)

इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन अंडमान एवं निकोबार के दक्षिणी अंडमान के माइलतिलक में भूस्तरीय वन क्षेत्र से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर किया गया है। इस जाति का मूलप्ररूप पादपालय, रॉयल वानस्पतिक उद्यान, क्यू (के) एवं समप्ररूप पीबीएल में संग्रहित किये गये हैं। जाति का नामकरण इंडेक्स में 'क्रेनौरिटम' नाम से इसके सूचीबद्ध होने पर आधारित है।

Diplazium crenauritum Fraser-Jenk, Annot. Checkl. Ind. Pterid. 2: 106. 2018. (WOODSIACEAE)

This new species has been discovered and described based on the collection made from lowland forest of Miletalak, South Andaman of Andaman & Nicobar Island. The holotype is deposited in herbarium of Royal Botanic Garden, Kew (K) and isotypes are in PBL. The species is named after its appearance in the index as 'creniauritum'.

डिप्लेजियम मनिकामाई फ्रेजर—जैक एवं खोलिया, एनोट. चेकलि. इंडि. टेरिडो. 2:126.2018. (वुडसिएसी)

इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन तमिलनाडु राज्य के नीलगिरी हिल्स में ओट्टाकामुंद (उधागामंडलम) के पूर्वी छोर में पेरार एवं जोडाबेट्टा के मध्य से किये गये संग्रहों के आधार पर किया गया है। इस जाति का मूल एवं समप्ररूप पादपालय, ताईवान वन अनुसंधान संस्थान, ताईवान (टीएआईएफ) में संग्रहित किये गये हैं। जाति का नामकरण सेंटर फॉर बायोडायवर्सिटी एवं बायोटेक्नॉलॉजी, सेंट जेवियर कालेज, पलायमकोट्टी, तमिलनाडु के पर्णांगविद् डॉ. वी. एस. मानिकम के सम्मान में किया गया है।

Diplazium manickamii Fraser-Jenk & Kholia, Annot. Checkl. Ind. Pterid. 2: 126. 2018. (WOODSIACEAE)

This new species has been discovered and described based on the collection made between Perar and Dodabetta, East of Ottacamund (Udhagamandalam), Nilgiri hills of Tamil Nadu. The holotype and isotypes are deposited in herbarium of Taiwan Forestry Reserch Institute, Taiwan (TAIF). The species is named in honor of Dr.V.S. Manickam, Centre for Biodiversity and Biotechnology, St. Xavier's College, Palayamkottai, Tamil Nadu.

ड्रायोपीस अरुणाचलेंसिस फ्रेजर—जैक एवं बेन्नियामिन, एनोट. चेकलि. इंडि. टेरिडो. 2:219.2018. (ड्रायोप्टेरिडेसी)

इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन अरुणाचल प्रदेश के लोहित जनपद में तेजू से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर किया गया है। इस जाति का मूलप्ररूप पादपालय, पूर्वी क्षेत्रीय केंद्र, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, शिलांग (एएसएसएएम) में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण इसके प्ररूप प्राप्ति राज्य अरुणाचल प्रदेश के नाम पर आधारित है।

Dryopsis arunachalensis Fraser-Jenk & Benniamin, Annot. Checkl. Ind. Pterid. 2: 219. 2018. (DRYOPTERIDACEAE)

This new species has been discovered and described based on the collection made from Teju, Lohit district of Arunachal Pradesh. The holotype is deposited in herbarium of Eastern Regional Centre, Botanical Survey of India, Shillong (ASSAM). The species is named after state of its type location, Arunachal Pradesh.

माइक्रोलेपिया शुभांगीआई एस. शर्मा एवं खोलिया, बेब्बिया 73(2):192.2018. (डेन्नस्टेडिटीऐसी)

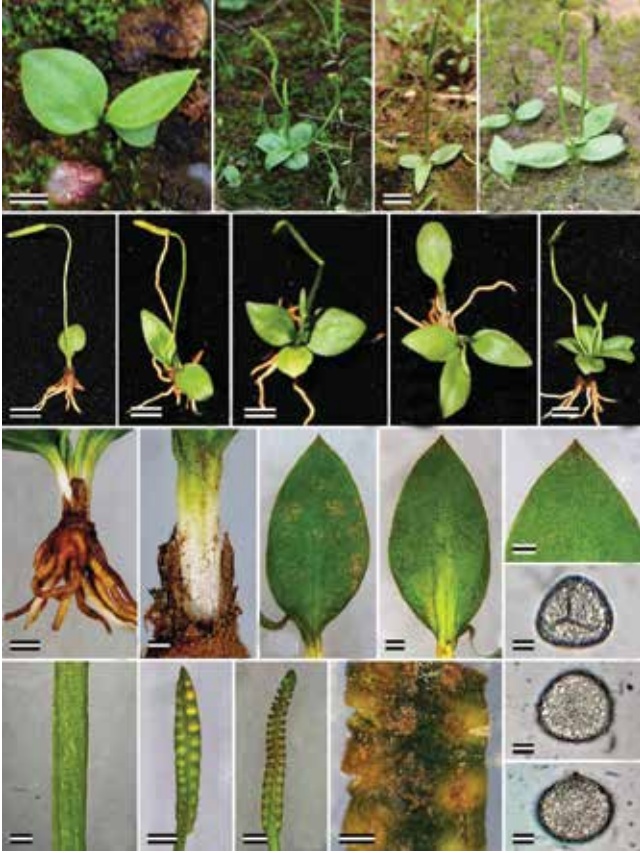
इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन मिजोरम राज्य के चम्फाई जनपद में मुरलेन राष्ट्रीय उद्यान से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर किया गया है। इस जाति का मूलप्ररूप पादपालय, पूर्वी क्षेत्रीय केंद्र, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, शिलांग (एएसएसएएम) एवं समप्ररूप बीएसडी में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण लेखक डॉ. बी. खोलिया की पुत्री शुभांगी खोलिया की स्मृति में किया गया है, जिसकी मृत्यु मात्र 19 वर्ष की आयु में ब्लड कैंसर से हो गई थी।



Microlepia shubhangiae S. Sharma & Kholia, Webbia 73(2):192.2018. (DENNSTAEDTIACEAE)

This new species has been discovered and described based on the collection made from Murlen National Park, Champhai district of Mizoram. The holotype is deposited in herbarium of Eastern Regional Centre, Botanical Survey of India, Shillong (ASSAM) and Isotypes are in BSD. The species is named in remembrance of Shubhangi Kholia, daughter of one of author Dr. B. Khoila, who was recently died from blood cancer at age of nineteen only.

ओफियोग्लोसम गुजरातेन्से एस. एम. पाटिल, आर. एन. कच्छ., आर. एस. पटेल एवं के. एस. राजपूत, फायटोटैक्सा 351(4):274. 2018. (ओफियोग्लोसेसी)



इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन गुजरात राज्य के पंचमहल जनपद के जम्बूघोड़ा, धनपुरी में 214मी. की ऊंचाई से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर किया गया है। इस जाति का मूलप्ररूप केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा (सीएएल) एवं समप्ररूप बीएआरओ, एसयूके, बीएसआई एवं एमएच में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण इसके प्ररूप प्राप्ति राज्य गुजरात के नाम पर आधारित है।

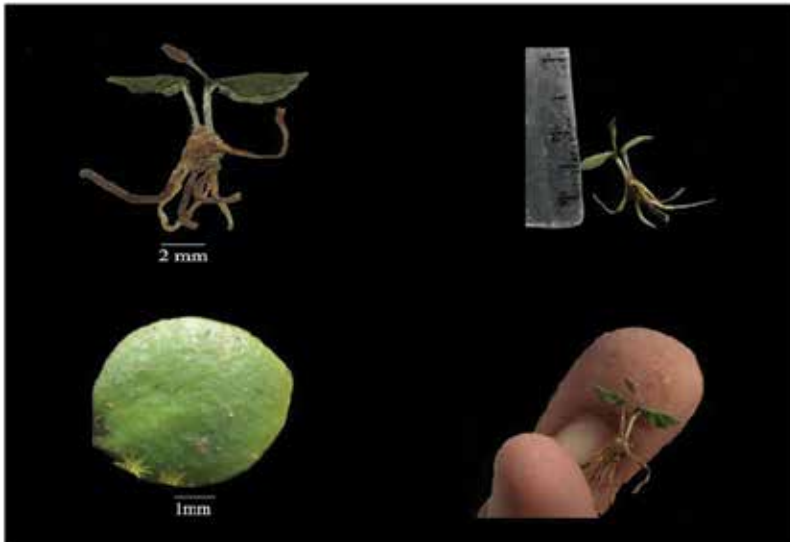
Ophioglossum gujaratense S. M. Patil, R. N. Kachh., R. S. Patel & K. S. Rajput, Phytotaxa 351(4): 274. 2018. (OPHIOGLOSSACEAE)

This new species has been discovered and described based on the collection made from Jambughoda, Dhanpuri, Panchmahal district of Gujarat at 214m altitude. The holotype is deposited in Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah (CAL) and isotypes are in BARO, SUK, BSI and MH. The species is named after its type location in Gujarat state. The species is assessed as data deficient as per IUCN 2012.

ओफियोग्लोसम मालवियाई मितेश पटेल एवं मंडादी नरसिम्हा रेड्डी, साइं. रेप. 8(5911):1.2018. (ओफियोग्लोसेसी)

इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन गुजरात राज्य के डांग जनपद के जाखना ग्राम में 471मी. की ऊंचाई से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर किया गया है। इस जाति का मूलप्ररूप ब्लॉटर पादपालय, सेंट. जेवियरर्स कॉलेज, मुम्बई (बीएलएटी) में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण लेडी मालवी सुरति के नाम पर आधारित है, जिन्होंने प्रथम लेखक को इस क्षेत्र में शोधकार्य को प्रेरित किया है। इस जाति को आईयूसीएन के अनुसार आंकड़े अपूर्ण श्रेणी में मूल्यांकित किया गया है।

Ophioglossum malviae Mitesh Patel & Mandadi Narsimha Reddy, Sci. Rep. 8(5911):1.2018 (OPHIOGLOSSACEAE)



This new species has been discovered and described based on the collection made from Jakhana village, Dang district, Gujarat at 471m altitude. The holotype is deposited in Blatter herbarium in St. Xavier's College, Mumbai (BLAT) and Isotypes are in CAL, MH and BLAT. The species is named after lady Malvi Surti who inspires the first author for pursuing research in this field. The species is assessed as data deficient as per IUCN categories and criteria.

ओफियोग्लोसम रैफिलिएनम एंटो, अफिस. खान, एफ. फ्रांकिस एवं आई. एंटोनी, इंटर. ज. एडवॉर्ड रिस. 4(5):1269.2016.
(ओफियोग्लोसेसी)



इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन केरल राज्य के थ्रिसूर जनपद के मंगाडू पहाड़ी में 100मी. की ऊंचाई से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर किया गया है। इस जाति का मूलप्ररूप पादपालय, वनस्पति विज्ञान विभाग, कालीकट विश्वविद्यालय, कालीकट (सीएएलआई) एवं समप्ररूप सीएएल, एमएच एवं बीएलएटी में संग्रहित किये गये हैं। इस जाति का नामकरण मार. राफैल थाट्टिल, मैनेजर, सेंट थॉमस कॉलेज, थ्रिसूर के सम्मान में उनके द्वारा केरल के थ्रिसूर जनपद में शिक्षा क्षेत्र में किये गये उल्लेखनीय योगदान के आधार पर किया गया है।

Ophioglossum raphaelianum Anto, Afs. Khan, F. Francis & I. Antony, Int. J. Advanced Res. 4(5): 1269. 2016.
(OPHIOGLOSSACEAE)

This new species has been discovered and described based on the collection made from hill valleys of Mangadu, Thrissur district of Kerala at 100m altitude. The holotype is deposited in herbarium of

Department of Botany, Calicut University, Calicut (CALI) and Isotypes are in CAL, MH and BLAT. The species is named after Mar. Raphael Thattil, Manager, St. Thomas College, Thrissur, for his contribution to education in Thrissur district, Kerala.

पॉलिपोडियोडिस मिहियोरम फ्रेजर-जैक, एनोट. चेकलि. इंडि. टेरिडो. 2:447.2018. (पॉलिपोडिऐसी)

इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन अरुणाचल प्रदेश के ऊपरी सिंयांग जनपद में मिगिंग से तूतिंग मार्ग पर 780मी. की ऊंचाई से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर किया गया है। इस जाति का मूल प्ररूप पादपालय, अरुणाचल प्रदेश क्षेत्रीय केंद्र, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, ईटानगर (एआरयूएन) में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण फिलिपींस विश्वविद्यालय, मारबर्ग के भूगोल संकाय के चित्रण पारिस्थितिकविद् एवं उच्च हिमालयी मानचित्रकार प्रो जार्ज एवं डॉ साबाईन मेही के सम्मान में किया गया है।

Polypodiodes mieheorum Fraser-Jenk, Annot. Checkl. Ind. Pterid. 2: 447. 2018. (POLYPODIACEAE)

This new species has been discovered and described based on the collection made from Migging to tuting road, Upper Siang district of Arunachal Pradesh at 780m altitude. The holotype is deposited in herbarium of Arunachal Pradesh Regional Centre, Botanical Survey of India, Itanagar (ARUN). The species is named after the illustrious ecologists and high-Himalayan cartographers, Professor Georg and Dr. Sabine Miehe, Faculty of Geography, Philipps University, Marburg.

पॉलिस्टीकम ऑस्ट्रोपेलिएसियम फ्रेजर-जैक, एनोट. चेकलि. इंडि. टेरिडो. 2:312.2018. (ड्रायोप्टेरिडेसी)

इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन तमिलनाडु राज्य के नीलगिरी हिल्स में ओट्टाकामुंद (उधगागामंडलम) के पूर्वी छोर में पेरार एवं डोडाबेट्टा के मध्य से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर किया गया है। इस जाति का मूल प्ररूप पादपालय, ताईवान वन अनुसंधान संस्थान, ताईवान (टीएआईएफ) में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण इसकी अन्य संबद्ध जाति पी. पाईसियोपेलिएसियम पर आधारित है।

Polystichum austropaleaceum Fraser-Jenk, Annot. Checkl. Ind. Pterid. 2: 312. 2018. (DRYOPTERIDACEAE)

This new species has been discovered and described based on the collection made between Perar and Dodabetta, East of Ottacamund (Udhagamandalam), Nilgiri hills of Tamil Nadu. The holotype is deposited in herbarium of Taiwan Forestry Reserch Institute, Taiwan (TAIF). The species is named after its closely related species P. piceopaleaceum.



हरितोद्भिद/BRYOPHYTES

Conocephalum japonicum (Thunb.) Grolle (Conocephalaceae)

Courtesy : Devendra Singh

हरितोद्भिद/BRYOPHYTES

वनस्पतिजात में उभयचर के रूप में ज्ञात, हरितोद्भिद हरित पादपों में आवृतबीजी वर्ग के बाद दूसरा सबसे बड़ा समूह तथा जैव विविधता का रोचक संघटक हैं। ये पादप लगभग सभी जलवायु परिस्थितियों में व्याप्त हैं तथा अंटार्कटिका महाद्वीप में पाये जाने वाले पादप समूहों में से एक हैं।

भारत के कुल वनस्पतिजात में हरितोद्भिदों का लगभग 5.62 प्रतिशत हिस्सा है।

हमारी अब तक की जानकारी अनुसार भारतीय हरितोद्भिदों की लगभग 2780 जातियाँ ज्ञात हैं।

इस प्रकार अनेकानेक जातियों का अन्वेषण एवं वर्णन अभी भी शेष है।

इस क्रमवार सूचना में वर्ष 2018 के दौरान

भारत से 13 नयी जातियाँ जिसमें केरल एवं मेघालय में प्रत्येक से 01 जाति, मिजोरम से 7 नवीन जाति एवं 2 नवीन प्रभेद, तथा सिक्किम से 2 नयी जातियाँ एवं भारत के लिये 13 नए वितरणपरक अभिलेख सम्मिलित किये गये हैं।

Bryophytes, the amphibians of the 'Plant Kingdom', and the second largest group of green plants next only to the angiosperms constitute a fascinating component of biodiversity and are widely spread in almost all climatic conditions. They are among the very few groups of plants found in Antarctica.

The Indian bryophytes account for about 5.62 per cent of the total plant species of India.

In the present state of our knowledge India has about 2780 species of bryophytes.

Many more are yet to be identified and described.

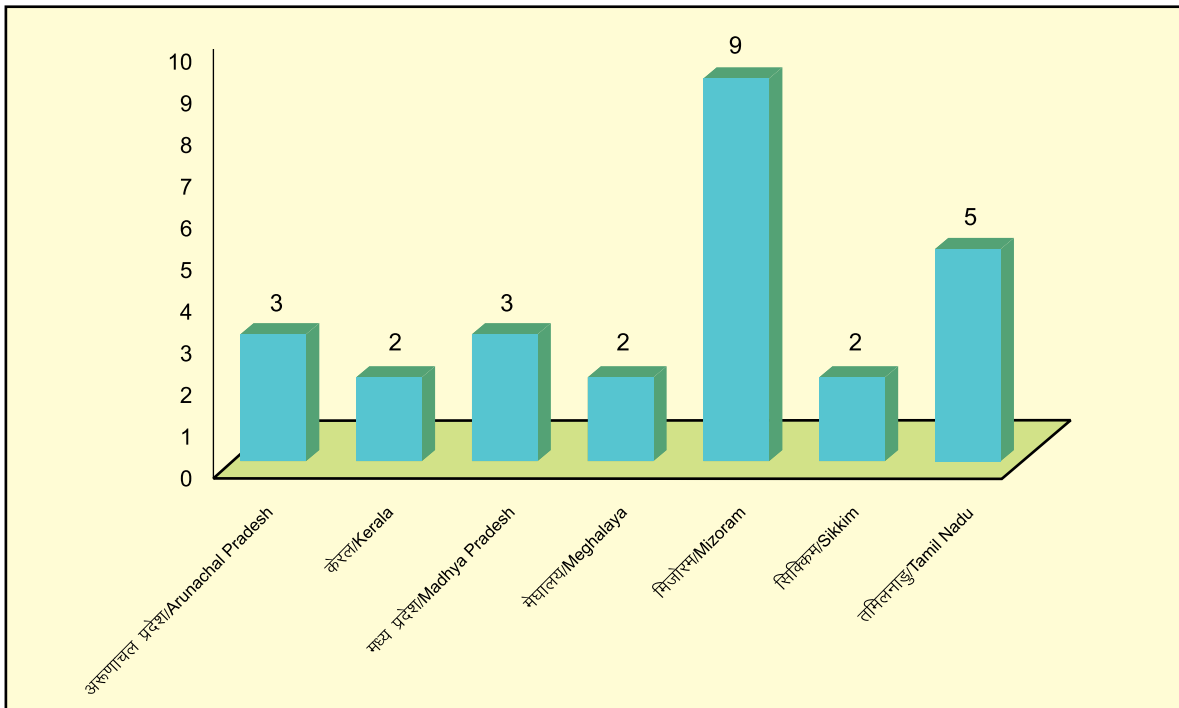
The collated information presented here for year 2018 includes

13 new species from India

(01 species each from Kerala and Meghalaya, 7 species and 2 varieties from Mizoram while 2 species from Sikkim);

and

13 new distributional records from India.



भारतीय राज्यों से अन्वेषित हरितोद्भिदों की संख्या

NUMBER OF BRYOPHYTES DISCOVERED FROM INDIAN STATES

उदारिया डी.के.सिंह, एस. मजूमदार एवं डी. सिंह करंट साइंस 115(8):1537.2018. (लोफोकोलिएसी)

इस नवीन हरितोद्भिद वंश का अन्वेषण एवं वर्णन सिक्किम राज्य के उत्तरी जनपद के जाकयांग में 3360मी. की ऊंचाई से प्राप्त किए गए संग्रहों के आधार पर किया गया है। इस वंश के मूल प्ररूप एवं समप्ररूप केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा (सीएएल) में संग्रहित किये गये हैं। इस वंश का नामकरण भारतीय मूल के प्रख्यात ब्रायोलॉजिस्ट, लखनऊ विश्वविद्यालय के स्व. प्रोफेसर राम उदार, एफ.एन.ए., के सम्मान में उनके भारतीय हरितोद्भिद विज्ञान में अभूतपूर्व योगदान के लिए किया गया है।

Udaria D. K. Singh, S. Majumdar & D. Singh, Curr. Sci. 115 (8): 1537.2018. (LOPHOCOLEACEAE)

This new bryophyte genus has been discovered and described based on the collection made from Zakthang, North District, Sikkim at 3360m altitude. The holotype and isotype are deposited in Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah (CAL). The genus is named after renowned Indian bryologist late Prof. Ram Udar, F.N.A. of the University of Lucknow, Lucknow for his invaluable contributions to Indian Hepaticology.

नवीन जाति • NEW SPECIES

कोलोलोज्यूनिया खावानग्लुंगेंसिस सुशील के. सिंह, निलुम्बो 60(1):70.2018. (लेज्यूनिऐसी)

इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन मिजोरम राज्य के खावांगलू अभयारण्य, लुंग्लेई में 714मी. की ऊंचाई से प्राप्त संग्रहों के आधार पर किया गया है। इस जाति का मूल प्ररूप पादपालय, पूर्वी क्षेत्रीय केंद्र, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, शिलांग (एसएसएसएसएम) में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण इसके प्ररूप प्राप्ति स्थल के नाम पर आधारित है।

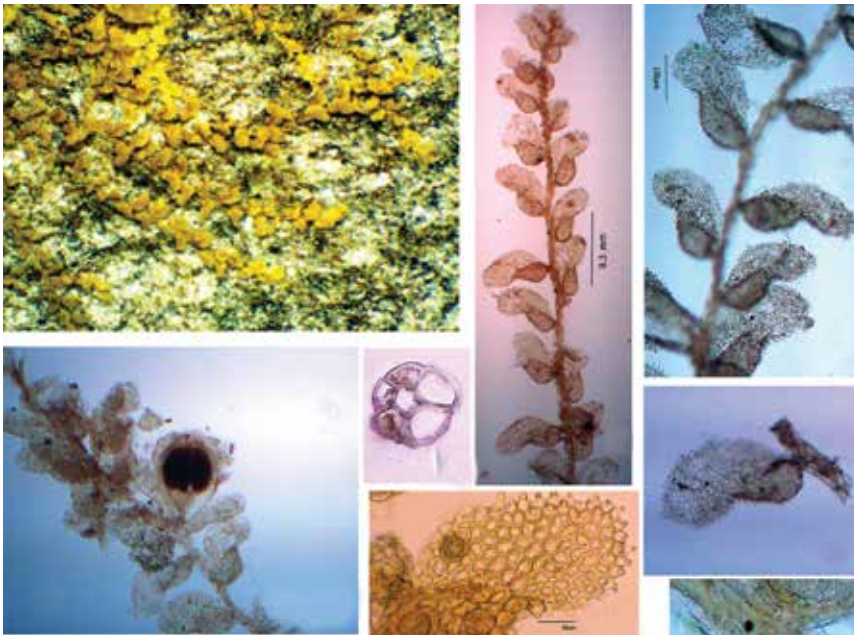
Cololejeunea khawanglungensis Sushil K. Singh, Nelumbo 60(1): 70. 2018. (LEJEUNEACEAE)

This new species has been discovered and described based on the collection made from Khawanglung Wild Life Sanctuary, Lunglei, Mizoram at 714m altitude. The holotype is deposited in herbarium of Eastern Regional Centre, Botanical Survey of India, Shillong (ASSAM). The species is named after the name of its type locality.

कोलोलोज्यूनिया मणिलालिया मंजू चांदनी एवं राजेश एक्टा. बॉट. हंगरि. 59 (1-2):262.2017. (लेज्यूनिऐसी)

इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन केरल राज्य के मालापपुरम जनपद के नीलामबुर स्थित न्यू अमरामबलम आरक्षित वन क्षेत्र में 1200मी. की ऊंचाई से प्राप्त संग्रहों के आधार पर किया गया है। इस जाति का मूलप्ररूप जमोरिन गुरुवायूरापन कॉलेज पादपालय, केरल (जेडजीसी) एवं समरूप बीएम, सीएएल, सीएएलआई एवं जेडजीसी में संग्रहित किये गए हैं। इस जाति का नामकरण पादप वर्गिकी में अभूतपूर्व योगदान देने वाले कालीकट विश्वविद्यालय के प्रतिष्ठित टैक्सोनॉमिस्ट डॉ. के. एस. मणिलाल के सम्मान में किया गया है।

Cololejeunea manilalia Manju, Chandini & Rajesh, Acta Bot. Hung. 59 (1-2): 262. 2017. (LEJEUNEACEAE)



This new species has been discovered and described based on the collection made from New Amarambalam Reserved Forest, Nilambur, Malappuram district, Kerala at 1200m altitude. The holotype is deposited in Zamorin's Guruvayurapan College herbarium, Kerala (ZGC) and isotypes are in BM, CAL, CALI, and ZGC. The species is named after Dr. K.S. Manilal, Emeritus taxonomist of University of Calicut for his remarkable contributions in plant taxonomy.

कोलोलेज्यूनिया मूर्लेनसिस सुशील के. सिंह, निलुम्बो 60(1):70.2018. (लेज्यूनिऐसी)

इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन मिजोरम राज्य के चम्फाई स्थित मुरलेन राष्ट्रीय उद्यान में 1492मी. की ऊंचाई से प्राप्त संग्रहों के आधार पर किया गया है। इस जाति का मूल प्ररूप पादपालय, पूर्वी क्षेत्रीय केंद्र, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, शिलांग (एएसएसएएम) में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण इसके प्ररूप प्राप्ति स्थल मुरलेन राष्ट्रीय उद्यान के नाम पर आधारित है।

Cololejeunea murlensis Sushil K. Singh, Nelumbo 60 (1): 70. 2018. (LEJEUNEACEAE)

This new species has been discovered and described based on the collection made from Murlen National Park, Champhai, Mizoram at 1492m altitude. The holotype is deposited in herbarium of Eastern Regional Centre, Botanical Survey of India, Shillong (ASSAM). The species is named after the name of its type locality in Murlen National Park.

द्विपानोलेज्यूनिया मिजोरामेंसिस सुशील के. सिंह, निलुम्बो 60(1):73.2018. (लेज्यूनिऐसी)

इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन मिजोरम राज्य के ल्वांगताई, नेंगपुई वन्य जीव अभयारण्य में 138मी. की ऊंचाई से प्राप्त संग्रहों के आधार पर किया गया है। इस जाति का मूल प्ररूप पादपालय, पूर्वी क्षेत्रीय केंद्र, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, शिलांग (एएसएसएएम) में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण इसके प्ररूप प्राप्ति राज्य मिजोरम के नाम पर आधारित है।

Drepanolejeunea mizoramensis Sushil K. Singh, Nelumbo 60 (1): 73. 2018. (LEJEUNEACEAE)

This new species has been discovered and described based on the collection made from Lawngtlai, Ngengpui Wild Life Sancturay, Mizoram at 138m altitude. The holotype is deposited in herbarium of Eastern Regional Centre, Botanical Survey of India, Shillong (ASSAM). The species is named after the state of its type locality, Mizoram.

लेज्यूनिया बुकपुएन्सिस सुशील के. सिंह, निलुम्बो 60(1):73.2018. (लेज्यूनिऐसी)

इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन मिजोरम राज्य के कोलासीब स्थित बुकपुई वन क्षेत्र में 945मी. की ऊंचाई से प्राप्त संग्रहों के आधार पर किया गया है। इस जाति का मूल प्ररूप पादपालय, पूर्वी क्षेत्रीय केंद्र, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, शिलांग, (एएसएसएएम) में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण इसके प्ररूप प्राप्ति स्थल के नाम पर आधारित है।

Lejeunea bukpuensis Sushil K. Singh, Nelumbo 60 (1): 73.2018. (LEJEUNEACEAE)

This new species has been discovered and described based on the collection made from Bukpui forest, Kolasib, Mizoram at 945m altitude. The holotype is deposited in herbarium of Botanical Survey of India, Eastern Regional Centre, Shillong (ASSAM). The species is named after the name of its type locality.

लेज्यूनिया कोलासीबेनसिस सुशील के. सिंह, निलुम्बो 60(1):76.2018. (लेज्यूनिऐसी)

इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन मिजोरम राज्य के कोलासिब स्थित बुकपुई वन क्षेत्र में 894मी. की ऊंचाई से प्राप्त संग्रहों के आधार पर किया गया है। इस जाति का मूल प्ररूप पादपालय, पूर्वी क्षेत्रीय केंद्र, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, शिलांग (एएसएसएएम) में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण इसके प्ररूप प्राप्ति स्थल के नाम पर आधारित है।

Lejeunea kolasibensis Sushil K. Singh, Nelumbo 60 (1): 76. 2018. (LEJEUNEACEAE)

This new species has been discovered and described based on the collection made from Bukpui forest, Kolasib, Mizoram at 894m altitude. The holotype is deposited in Botanical Survey of India, Eastern Regional Centre, Shillong, Meghalaya (ASSAM). The species is named after the name of its type locality.

लेप्टोलेज्यूनिआ मिजोरमेन्सिस सुशील के. सिंह, निलुम्बो 60(1):80.2018. (लेज्यूनिऐसी)

इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन मिजोरम राज्य के कोलासिब स्थित पुआलरेंग वन्य जीव अभयारण्य में 466मी. की ऊंचाई से प्राप्त संग्रहों के आधार पर किया गया है। इस जाति का मूल प्ररूप पादपालय, पूर्वी क्षेत्रीय केंद्र, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, शिलांग (एएसएसएएम) में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण इसके प्ररूप प्राप्ति राज्य के नाम पर आधारित है।

Leptolejeunea mizoramensis Sushil K. Singh, Nelumbo 60(1):80.2018. (LEJEUNEACEAE)

This new species has been discovered and described based on the collection made from Pualreng Wild Life Sanctuary, Kolasib, Mizoram at 466m altitude. The holotype is deposited in herbarium of Eastern Regional Centre, Botanical Survey of India, Shillong (ASSAM). The species is named after the state of its type locality.

मेट्जेरिया मिजोरमैसिस सुशील के. सिंह एवं डी. सिंह, क्रिप्टोगेमी ब्रॉयोल. 39(1):48.2018. (मेट्जेरिएसी)

इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन मिजोरम राज्य के मामित में डम्पा बाघ आरक्षित क्षेत्र की फुलतुंगसेई रेंज में 932मी. की ऊंचाई से प्राप्त संग्रहों के आधार पर किया गया है। इस जाति का मूल प्ररूप केंद्रीय राष्ट्रीय पदपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा (सीएएल) तथा समप्ररूप एएसएसएएम में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण इसके प्ररूप प्राप्ति राज्य के नाम पर आधारित है।

Metzgeria mizoramensis Sushil K. Singh & D. Singh, Cryptogamie Bryol. 39 (1): 48. 2018. (METZGERIACEAE)

This new species has been discovered and described based on the collection made from Phuldungsei Range of Dampa Tiger Reserve, Mamit, Mizoram at 932m altitude. The holotype is deposited in Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah (CAL) and isotype are in ASSAM. The species is named after the state of its type locality.

प्लोबेलिया खासियाना अस्थाना एवं श्रीवास्तव, फाइटोटैक्सा 374(4):297.2018. (पोटिएसी)

इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन मेघालय राज्य के शिलांग के वार्ड्स झील में 1402मी. की ऊंचाई से प्राप्त संग्रहों के आधार पर किया गया है। इस जाति का मूलप्ररूप पादपालय, सीएसआईआर—राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ (एलडब्लूजी) में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण इसके प्ररूप प्राप्ति स्थल मेघालय की 'खासी पहाड़ियों' के नाम पर आधारित है।

Plaubelia khasiana Asthana and Srivastava, Phytotaxa 374 (4): 297. 2018. (POTTIACEAE)

This new species has been discovered and described based on the collection made from Wardrs lake, Shillong, Meghalaya at 1402m altitude. The holotype is deposited in herbarium of CSIR-National Botanical Research Institute, Lucknow (LWG). The specific epithet refers to its type locality in Khasi Hills, Meghalaya.

उडेरिया लेमेलीकाँउलिस डी.के.सिंह, एस. मजूमदार एवं डी. सिंह, करेंट साइंस 115(8): 1537.2018. (लोफोकोलिएसी)

इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन सिक्किम राज्य के उत्तरी जनपद के जाकथांग में 3360मी. की ऊंचाई से प्राप्त संग्रहों के आधार पर किया गया है। इस जाति का मूल एवं सम प्ररूप केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा (सीएएल) में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण इसके तने की सतह पर क्रमिक रूप से व्यवस्थित 1–12 अनुदैर्घ्य लैमिलीफार्म पट्टलिकाओं की उपस्थिति पर आधारित है।

Udaria lamellicaulis D.K. Singh, S. Majumdar & D. Singh, Curr. Sci. 115 (8): 1537. 2018 (LOPHOCOLEACEAE)

This new species has been discovered and described based on the collection made from Zakhthang, North district, Sikkim at 3360m altitude. The holotype and isotype are deposited in Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah (CAL). The specific epithet refers to presence of seriatly arranged, 1–12 longitudinal lamelliform strips on its stem surface.

नवीन प्रभेद • NEW VARIETY

लेज्यूनिया एफ्रिगाई प्रभेद इंडिका सुशील के.सिंह, निलूम्बो 60(1):76.2018. (लेज्यूनिऐसी)

इस नवीन प्रभेद का अन्वेषण एवं वर्णन मिजोरम राज्य के कोलासिब, बुकपुई वन क्षेत्र में 900मी. की ऊंचाई से प्राप्त संग्रहों के आधार पर किया गया है। इस प्रभेद का मूल प्ररूप पादपालय, पूर्वी क्षेत्रीय केंद्र, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, शिलांग (एएसएसएएम) में संग्रहित किया गया है। इस प्रभेद का नामकरण इसके प्ररूप प्राप्ति देश के अंग्रेजी नाम 'इंडिया' के नाम पर आधारित है।

Lejeunea eifrigii var. *indica* Sushil K. Singh, Nelumbo 60 (1): 76. 2018. (LEJEUNEACEAE)

This new variety has been discovered and described based on the collection made from Bukpui forest, Kolasib, Mizoram, at 900m altitude. The holotype is deposited in Botanical Survey of India, Eastern Regional Centre, Shillong, Meghalaya (ASSAM). The varietal epithet refers to English name of its country of occurrence, India.

स्पूसीऐन्थस सेमीरेपेन्डस प्रभेद इंडिकस सुशील के. सिंह, निलूम्बो 60(1):83.2018. (लेज्यूनिऐसी)

इस नवीन प्रभेद का अन्वेषण एवं वर्णन मिजोरम राज्य के खावांगलुंग वन्य जीव अभयारण्य में 721मी. की ऊंचाई से प्राप्त संग्रहों के आधार पर किया गया है। इस प्रभेद का मूल प्ररूप पादपालय, पूर्वी क्षेत्रीय केंद्र, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, शिलांग (एसएसएसएम) में संग्रहित किया गया है। इस प्रभेद का नामकरण इसके प्ररूप प्राप्ति देश के अंग्रेजी नाम 'इंडिया' के नाम पर आधारित है।

Spruceanthus semirepandus var. *indicus* Sushil K. Singh, Nelumbo 60 (1): 83. 2018. (LEJEUNEACEAE)

This new variety has been discovered and described based on the collection made from Khawanglung wild life sanctuary, Lunglei, Mizoram, at 721m altitude. The holotype is deposited in Botanical Survey of India, Eastern Regional Centre, Shillong, Meghalaya (ASSAM). The varietal epithet refers to English name of its country of occurrence, India

नवीन वितरणपरक अभिलेख • NEW DISTRIBUTION RECORDS

जातिपरक अभिलेख • SPECIES RECORDS

एक्टिनोडोंटियम एडस्केनडेंस स्वैगर. (डालटोनीऐसी)

पूर्वतः इंडोनेशिया (जावा), मलेशिया, फिलीपीन्स, श्रीलंका एवं थाईलैंड से ज्ञात इस जाति का पता भारत में पहली बार तमिलनाडु के कोयंबटूर जनपद में वालपराई, अन्नामलाई के अनाली इस्टेट में 960मी. की ऊंचाई से प्राप्त किये गए संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। इसके प्रतिरूप को पादपालय, स्कॉट क्रिश्चियन महाविद्यालय, नागरकोएल (एससीसीएन) में संग्रहित किया गया है। इस शोध को आर.श्रीभा एवं ए. ई. डी. डेनियल्स के द्वारा एक्टा. बॉट. हंग. 59(3-4):446.2017 में प्रकाशित किया है।

Actinodontium adscendens Schwägr. (DALTONIACEAE)

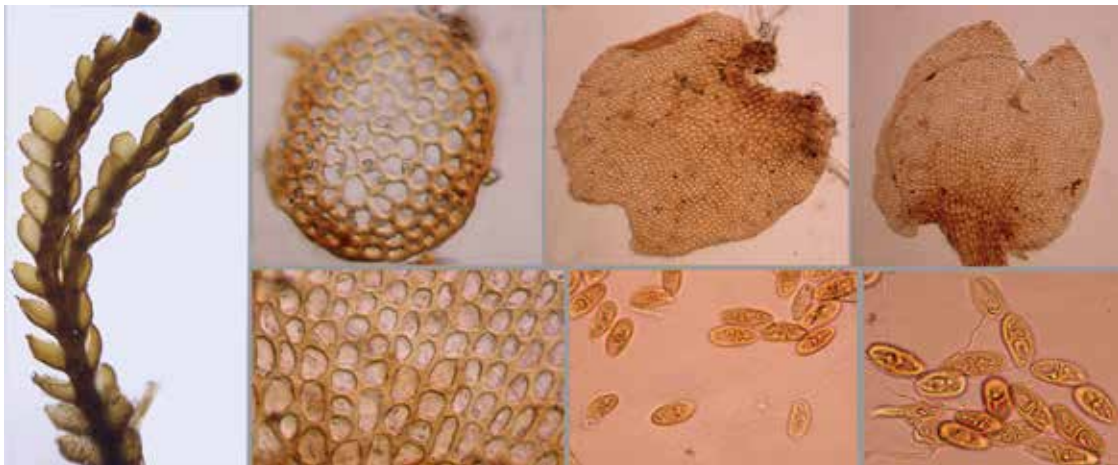
This species, earlier known from Indonesia (Java), Malaysia, Philippines, Sri Lanka and Thailand has been reported for the first time from India based on the collection made from Anali estate, Valparai, Anamalais, Coimbatore district of Tamil Nadu at 960m altitude. The specimen is deposited in herbarium of Scott. Christian College, Nagercoil (SCCN). This has been published by R. Sreebha and A. E. D. Daniels in Acta Bot. Hung. 59(3-4): 446. 2017.

एनस्ट्रोफायलम लिनिकोला र्चील. एवं डी. जी. लॉन्ग (एनास्ट्रोफायल्लेसी)

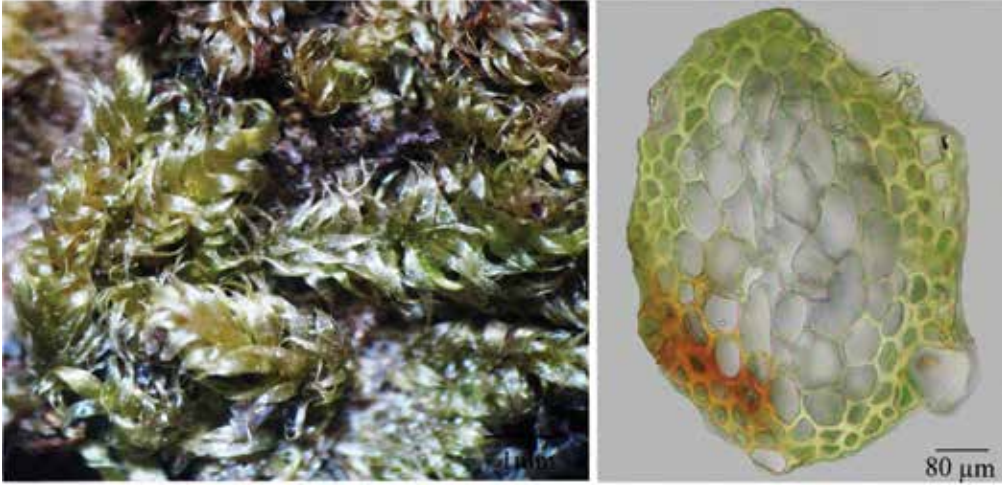
पूर्वतः भूटान एवं चीन से ज्ञात इस जाति का पता भारत में पहली बार अरुणाचल प्रदेश के अन्जाब जनपद में जाछुप मार्ग पर गर्म पानी के झरने में 3400मी. की ऊंचाई से प्राप्त किये गए संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। इसके प्रतिरूप को पादपालय, पूर्वी क्षेत्रीय केंद्र, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, शिलांग (एसएसएसएम) में संग्रहित किया गया है। इस शोध को सुवादीप मजूमदार एवं डी. के. सिंह द्वारा नेशनल अकडेमी ऑफ साइंस लेटर्स. 2017 डीओआई. ओआरजी./10.1007/एस40009-017-0580-3 में प्रकाशित किया है।

Anastrophyllum lignicola Schill & D.G.Long (ANASTROPHYLLACEAE)

This species, earlier known from Bhutan and China has been recorded for the first time from India based on the collection made on way to Jachhup from Hotspring, Anjaw district of Arunachal Pradesh at 3400m altitude. The specimen is deposited in herbarium of Eastern Regional Centre, Botanical Survey of India, Shillong (ASSAM). This has been published by Shuvadeep Majumdar and D. K. Singh in Natl. Acad. Sci. Lett. 2017 doi.org/10.1007/s40009-017-0580-3.



एक्ट्रोपोथेसियम सोडेल (सुल्ल.) मिट्ट (हिपनेसी)



पूर्वतः फिजी, मार्कस द्वीप, न्यू कैलेडोनिया, न्यू गिनी, समोआ एवं सोसाइटी द्वीपों से ज्ञात इस जाति का पता भारत में पहली बार अनाली एस्टेट, करिअन शोला पश्चिमी घाट के वाल्परई में उमायनदीमुदुकू से में 820–1300मी. की ऊंचाई एवं तमिलनाडु राज्य के नमक्कल जनपद के कोल्ली की पहाड़ियाँ,

पेरुमक्का पूर्वी घाट में 1240मी. की ऊंचाई से प्राप्त संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। इसके प्रतिरूप को पादपालय, स्कॉट क्रिश्चियन महाविद्यालय, नागरकोएल (एससीसीएन) में संग्रहित किया गया है। इस शोध को पी.एम बिजू, आर. श्रीभा एवं ए. ई. डी. डेनियल्स ने एक्टा. बॉट. हंग. 59(1–2):10.2017 में प्रकाशित किया है।

Ectropothecium sodale (Sull.) Mitt. (HYPNACEAE)

This species, earlier known from Fiji, Marquesas Islands, New Caledonia, New Guinea, Samoa and Society Islands has been recorded for the first time from India based on the collections made from Anali estate, Karian Shola, Umayandimudukku of Valparai, Western Ghat at 820-1300m altitude; Perumakka shola, Kolli Hills, Namakkal district, Eastern Ghat, Tamil Nadu at 1240m altitude. The specimen is deposited in herbarium of Scott. Christian College, Nagercoil (SCCN). This has been published by P. M. Biju, R. Sreebha and A. E. D. Daniels in Acta Bot. Hung. 59(1–2) : 10.2017.

कॉलूरा कैलिप्ट्रीफोलिया (हुक.) डुमोर्ट. (लेज्यूनिऐसी)

पूर्वतः श्रीलंका, चिली, ताईवान, आयरलैंड, यूरोप, मध्य एवं दक्षिणी अफ्रीका से ज्ञात इस जाति का पता भारत में पहली बार केरल राज्य के इदुक्की जनपद के इडिवारा शोला, अनामुईशोला राष्ट्रीय उद्यान में 2300मी. की ऊंचाई से प्राप्त संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। इसके प्रतिरूप को गुरुवायूरपन कॉलेज पादपालय, केरल (जेडजीसी) में संग्रहित किया गया है। इस शोध को बी. मुफिद, वी. के. चांदनी, सी. एन. मंजू एवं के. पी. राजेश ने निलूम्बो 60(2):148.2018 में प्रकाशित किया है।

Colura calyptrifolia (Hook.) Dumort. (LEJEUNEACEAE)

This species, earlier known from Sri Lanka, Chile, Taiwan, Ireland, Europe, Central & South Africa, has been recorded for the first time from India based on the collection made from Idivara shola, Anamuishola National Park, Idukki district, Kerala, India, at 2300m altitude. The specimen is deposited in Herbarium, Zamorin's Guruvayurappan College, Kerala (ZGC). his has been published by B. Mufeed, V.K. Chandini, C.N. Manju and K.P. Rajesh in Nelumbo 60 (2): 148. 2018.

फिसिडेन्स फोरमोसानस नोगुची (फिसिडेंटेसी)

पूर्वतः चीन एवं जापान से ज्ञात इस जाति का पता भारत में पहली बार मध्य प्रदेश के पंचमढ़ी जैव आरक्षित क्षेत्र, अप्सरा बिहार में 920मी. की ऊंचाई से प्राप्त संग्रहों के आधार पर किया गया है। इसके प्रतिरूप को पादपालय, सीएसआईआर-राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ (एलडब्लूजी) में संग्रहित किया गया है। इस शोध को रीसा गुप्ता, विरेन्द्र नाथ एवं ए. के अस्थना ने नेशनल अकडेमी ऑफ साइंस लेटर्स, 2017 डीओआई. ओआरजी. / 10.1007 / एस40009-017-0556-3 में प्रकाशित किया है।

Fissidens formosanus Noguchi (FISSIDENTACEAE)

This species, earlier known from China and Japan, is first time recorded from India based on the collection from Apsara Bihar, Pachmarhi Biosphere Reserve, Madhya Pradesh at 920m altitude. The specimen is deposited in Herbarium of CSIR-National Botanical Research Institute, Lucknow (LWG). It has been published by Reesa Gupta, Virendra Nath and A.K. Asthana in Natl. Acad. Sci., 2017 Lett. doi.org/10.1007/ s 40009-017-0556-3.

फिसिडेन्स जिम्नोगायनस बेस्च. (फिसिडेंटैसी)

पूर्वतः चीन, कोरिया एवं जापान से ज्ञात इस जाति का पता भारत में पहली बार मेघालय राज्य के शिलांग के मावफलांग वन में 1706मी. की ऊंचाई से प्राप्त संग्रहों के आधार पर किया गया है। इसके प्रतिरूप को पादपालय, सीएसआईआर—राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ (एलडब्लूजी)में संग्रहित किया गया है। इस शोध को अंकिता श्रीवास्तव एवं ए.के अस्थाना ने नेशनल अकडेमी ऑफ साइंस लेटर्स, 2017 डीओआई. ओआरजी.10.1007/एस40009-018-0645-वाई में प्रकाशित किया है।

Fissidens gymnogynus Besch. (FISSIDENTACEAE)

This species, earlier known from China, Korea and Japan is first time recorded from India based on the collection from Mawphlong forest, Shilong of Meghalaya at 1706m altitude. The specimen is deposited in herbarium of CSIR-National Botanical Research Institute, Lucknow (LWG). It has been published by Ankita Srivastava and A.K. Asthana in Natl. Acad. Sci. Lett. doi.org/10.1007/s40009-018-0645-y.

फिसिडेन्स ऑब्लांगीफोलियस हुक. एफ. एवं विलसन (फिसिडेंटैसी)

पूर्वतःअफ्रीका, अंटार्कटिका, आस्ट्रेलिया, ब्राजील, चिली, चीन, फिजी द्वीपों, फ्रेंच पोलिनेसिया, गैबन, न्यूजीलैंड, फिलीपीन्स, दक्षिण प्रशांत द्वीपों, समोआ, टोगो, थाईलैंड एवं वानुयातू से ज्ञात इस जाति का पता भारत में पहली बार मध्य प्रदेश के पंचमढ़ी जैव आरक्षित क्षेत्र, आयरिन पुल में 1015मी. की ऊंचाई से प्राप्त संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। इसके प्रतिरूप को पादपालय, सीएसआईआर—राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ (एलडब्लूजी)में संग्रहित किया गया है। इस शोध को रीसा गुप्ता, विरेन्द्र नाथ एवं ए.के अस्थाना ने नेशनल अकडेमी ऑफ साइंस लेटर्स, 2017 डीओआई. ओआरजी./एस40009-017-0556-3 में प्रकाशित किया है।

Fissidens oblongifolius Hook. f. & Wilson (FISSIDENTACEAE)

This species, earlier known from Africa, Antarctica, Australia, Brazil, Chile, China, Fiji Islands, French Polynesia, Gabon, Japan, New Zealand, Phillipines, South Pacific Islands, Samoa, Togo, Thailand, Vanuatu, is first time recorded from India based on the collection from Irene pool, Pachmarhi Biosphere Reserve, Madhya Pradesh at 1015m altitude. The specimen is deposited in Herbarium of CSIR-National Botanical Research Institute, Lucknow (LWG). It has been published by Reesa Gupta, Virendra Nath and A.K. Asthana in Natl. Acad. Sci. Lett. doi.org/10.1007//s40009-017-0556-3.

हेट्रोफायलम एफिनी (हुक.) एम. प्लेशच. (सेमाटोफायल्लेसी)

पूर्वतः भूटान से ज्ञात इस जाति का पता भारत में पहली बार अरुणाचल प्रदेश के तवांग स्थित तवांग बौद्धमठ मार्ग पर 2999मी. की ऊंचाई से प्राप्त संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। इसके प्रतिरूप को पादपालय सीएसआईआर—राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ (एलडब्लूजी) में संग्रहित किया गया है। इस शोध को के.के. रावत, विनय साहू एवं सी. पी. सिंह ने जियोफायटोलॉजी 48(1):25.2018 में प्रकाशित किया है।

Heterophyllum affine (Hook.) M. Fleisch. (SEMATOPHYLLACEAE)

This species, earlier known from Bhutan is first time recorded from India based on the collection made on way to Tawang Monastery, Tawang, Arunachal Pradesh at 2999m altitude. The specimen is deposited in herbarium of CSIR-National Botanical Research Institute, Lucknow (LWG). It has been published by K. K. Rawat, Vinay Sahu and C.P. Singh in Geophytology 48(1): 25. 2018.

लोफॉलेज्यूनिया बोरनिनेंसिस (स्टेफ.) वर्ड. (लेज्यूनिऐसी)

पूर्वतः इंडोनेशिया एवं मलेशिया से ज्ञात इस जाति का पता भारत में पहली बार तमिलनाडु राज्य के कोयंबटूर जनपद में अन्नामलाई, वालपराई के अनाली एस्टेट में 925 मी. की ऊंचाई से प्राप्त संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। इसके प्रतिरूप को पादपालय, स्कॉट क्रिश्चियन महाविद्यालय, नागरकोएल (एससीसीएन) में संग्रहित किया गया है। इस शोध को ए. ई. डी. डेनियल्स, आर. श्रीभा एवं के. सी. करियप्पा ने ब्रायोप्लोरा ऑफ इंदिरा गाँधी नेशनल पार्क इन अन्नामलाई हिल्स, इंडिया 389.2018 में प्रकाशित किया है।

Lopholejeunea borneensis (Steph.)Verd. (LEJEUNIACEAE)

This species, earlier known from Indonesia and Malaysia is first time recorded from India based on the collection from Anali estate, Valparai, Anamalais, Coimbatore district of Tamil Nadu at 925m altitude. The specimen is deposited in Herbarium of Scott. Christian College, Nagercoil (SCCN). It has been published by A.E.D. Daniels, R. Sreebha and K.C. Kariyappa in Bryoflora of Indira Gandhi National Park in Anamalai Hills, India 389.2018.

राडूला कैविफोलिया हैम्पी एक्स गोस्चे, लिन्डेन्ब एवं नीस (राडूलेसी)

पूर्वतः चीन, इंडोनेशिया, जापान, कोरिया, मलेशिया, फिलीपीन्स, ताईवान, थाईलैंड, वियतनाम एवं हवाई से ज्ञात इस जाति का पता भारत में पहली बार अरुणाचल प्रदेश के अंजाब जनपद जाछुप मार्ग पर गर्म झरने में 3400मी. की ऊंचाई से प्राप्त किये गए संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। इसके प्रतिरूप को पादपालय, पूर्वी क्षेत्रीय केंद्र, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, शिलांग (एसएसएसएम) में संग्रहित किया गया है। इस शोध को देवेन्द्र कुमार सिंह एवं सुवादीप मजुमदार ने ज. जैपनीज बॉट. 93(2):138.2018 में प्रकाशित किया है।

Radula cavifolia Hampe ex Gottsche, Lindenb. & Nees (RADULACEAE)

This species, earlier known from China, Indonesia, Japan, Korea, Malaysia, Philippines, Taiwan, Thailand, Vietnam and Hawaii is first time recorded from India based on the collection from the way to Jachhup from Hotspring, Anjaw district Arunachal Pradesh at 3400m altitude. The specimen is deposited in herbarium of Eastern Regional Centre, Botanical Survey of India, Shillong (ASSAM). It has been published by Devendra Kumar Singh and Shuvadeep Majumdar in J. Jpn. Bot. 93(2): 138. 2018.

सिम्फायसोडोंटेला सिलिन्ड्रेसिया (मोंट.) एम.फ्लैश्च (टेरोब्रायेसी)



पूर्वतः इंडोनेशिया, मलेशिया, न्यू कैलिडोनिया, फिलीपीन्स, पापुआ न्यू गिनी, न्यू हैब्रिड्स, फिजी फोनिक्स द्वीपों, कुक द्वीपों, समोआ द्वीपों, सोसाइटी द्वीपों एवं ताहिती से ज्ञात इस जाति का पता भारत में पहली बार तमिलनाडु राज्य के नमक्कल जनपद के कोल्ली हिल्स शोलक्कडु, शोला में 1240 मी. की ऊंचाई से प्राप्त किये गए संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। इसके प्रतिरूप को पादपालय, स्कॉट क्रिश्चियन महाविद्यालय, नागरकोले (एससीसीएन) में संग्रहित किया गया है। इस शोध को ए. ई. डी. डेनियल्स, एम. एम. प्रीथा, वी. आशा एवं पी. एम. बीजू ने प्लांट साइंस टुडे 5(1):20.2018 में प्रकाशित किया है।

Symphysodontella cylindracea (Mont.) M. Fleisch. (PTEROBRYACEAE)

This species, earlier known from Indonesia, Malaysia, the Philippines, New Caledonia, Papua New Guinea, New Hebrides, Fiji, Phoenix Islands, Cook Islands, Samoan Islands, Society Islands and Tahiti, is first time recorded from India based on the collection from Kuzhivalavu Shola, Sholakkadu, Kolli Hills, Namakkal district of Tamil Nadu at 1240m altitude. The specimen is deposited in herbarium of Scott. Christian College, Nagercoil (SCCN). This has been published by A. E. D. Daniels, M. M. Preetha, V. Asha and P. M. Biju in Plant Science Today 5(1): 20.2018.

ट्राचीफायलम बोरगिनाई (रेनॉल्ड एवं कार्डोट) ब्रॉथ. (फिलायसियाडेलफेसी)

पूर्वतः मेडागास्कर से ज्ञात इस जाति का पता भारत में पहली बार मध्य प्रदेश में पचमाढी जैव आरक्षित क्षेत्र के पांचाली कुंड में 944मी. की ऊंचाई से प्राप्त किये गए संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। इसके प्रतिरूप को पादपालय, सीएसआईआर-राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ (एलडब्लूजी) में संग्रहित किया गया है। इस शोध को रीसा गुप्ता एवं ए. के अस्थाना ने नेशनल अकडेमी ऑफ साइंस लेटर्स, 2017 डीओआई. ओआरजी.10.1007/एस 40009-018-0683-5. 2018 में प्रकाशित किया है।

Trachyphyllum borgenii (Renauld & Cardot) Broth. (PYLAISIADELPHACEAE)

This species, earlier known from Madagascar is first time recorded from India based on the collection from Panchali Kund, Pachmari Biosphere Reserve, Madhya Pradesh at 944m altitude. The specimen is deposited in herbarium of CSIR-National Botanical Research Institute, Lucknow (LWG). It has been published by Reesa Gupta and A.K. Asthana in Natl. Acad. Sci. Lett. doi.org/10.1007/s40009-018-0683-5. 2018.

उपजाति अभिलेख • SUBSPECIES RECORDS

एक्रोलेज्यूनिया सेक्चूरीफोलिया (एन्डल.) वाट्स एक्स स्टेफ. उपजाति **हार्टमैनाई** (स्टेफ.) ग्रडस्ट. (लेज्यूनिऐसी)

पूर्वतः इंडोनेशिया एवं फिलीपीन्स से ज्ञात इस जाति का पता भारत में पहली बार तमिलनाडु राज्य के अन्नामलाई के अनाली इस्टेट में 920मी. की ऊंचाई एवं तिरुनेलवेली जनपद के मुंडनथुरई, थुलुककामोत्ताई में 450मी. की ऊंचाई से प्राप्त किये गए संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। इसके प्रतिरूप को पादपालय, स्कॉट क्रिश्चियन महाविद्यालय, नागरकोएल (एससीसीएन) में संग्रहित किया गया है। इस शोध को ए. ई. डी. डेनियल्स, आर श्रीभा एवं के. सी. करियप्पा ने ब्रायोप्लोरा ऑफ इंदिरा गाँधी नेशनल पार्क इन अनामलाई हिल्स इंडिया 346.2018 में प्रकाशित किया है

Acrolejeunea securifolia (Endl.) Watts. ex Steph. ssp. *hartmannii* (Steph.) Gradst. (LEJEUNEACEAE)

This subspecies, earlier known from Indonesia and Philippines is first time recorded from India based on the collection from Anali estate, Valparai, Anamalais, Tamil Nadu at 920m and Thulukkamottai, Mundanthurai, Tirunelveli district at 450m altitude. The specimen is deposited in herbarium of Scott. Christian College, Nagercoil (SCCN). It has been published by A.E.D. Daniels, R. Sreebha and K.C. Kariyappa in Bryoflora of Indira Gandhi National Park in Anamalai Hills, India, 346.2018.



शैवाक/LICHENS

Parmotrema saccatilobum (Taylor) Hale (Parmeliaceae)
Courtesy : Swarnalatha Ginnaram

शैवाक/LICHENS

शैवाक, कवक एवं सामान्यतः हरे शैवालों अथवा सायनोजीवाणु जैसे प्रकाश संश्लेषी सहयोगी के साथ सहजीवी संबंध बनाते हैं।

शैवाक वैसे तो व्यापक रूप में पाये जाते हैं फिर भी इनकी कई जातियाँ पर्यावरणीय विक्षोभों के प्रति संवेदनशील होती हैं, जिसके फलस्वरूप इनका उपयोग वायु प्रदूषण प्रभाव के आंकलन में किया जा सकता है।

भारतीय वनस्पतिजात में लगभग 5.22 प्रतिशत हिस्सा शैवाकों का है।

हमारी अब तक की जानकारी के अनुसार भारतीय शैवाक की लगभग 2581 जातियाँ हैं।

इस प्रकार अनेकानेक जातियों का अन्वेषण एवं वर्णन अभी भी शेष है।

इस क्रमवार सूचना में वर्ष 2018 के दौरान भारत से 6 नयी जातियाँ, जिनमें

(जम्मू एवं कश्मीर, कर्नाटक, मध्य प्रदेश एवं ओडिशा राज्यों में प्रत्येक से 1 जाति, 2 जातियाँ उत्तराखण्ड राज्य से) तथा 1 प्रभेद छत्तीसगढ़ से नवीन अन्वेषित किया गया है,

इसी क्रम में भारत से 46 नए वितरणपरक अभिलेख सम्मिलित किये गये हैं।

Lichens are symbiotic association of a fungus with a photosynthetic partner usually a green alga or cyanobacterium.

Lichens are widespread, however many species are sensitive to environmental disturbances and may be useful in assessing the effect of air pollution. Lichens have also been used in making dyes and perfumes as well as in traditional medicines.

The lichens account for about 5.22 per cent of the total Indian Flora.

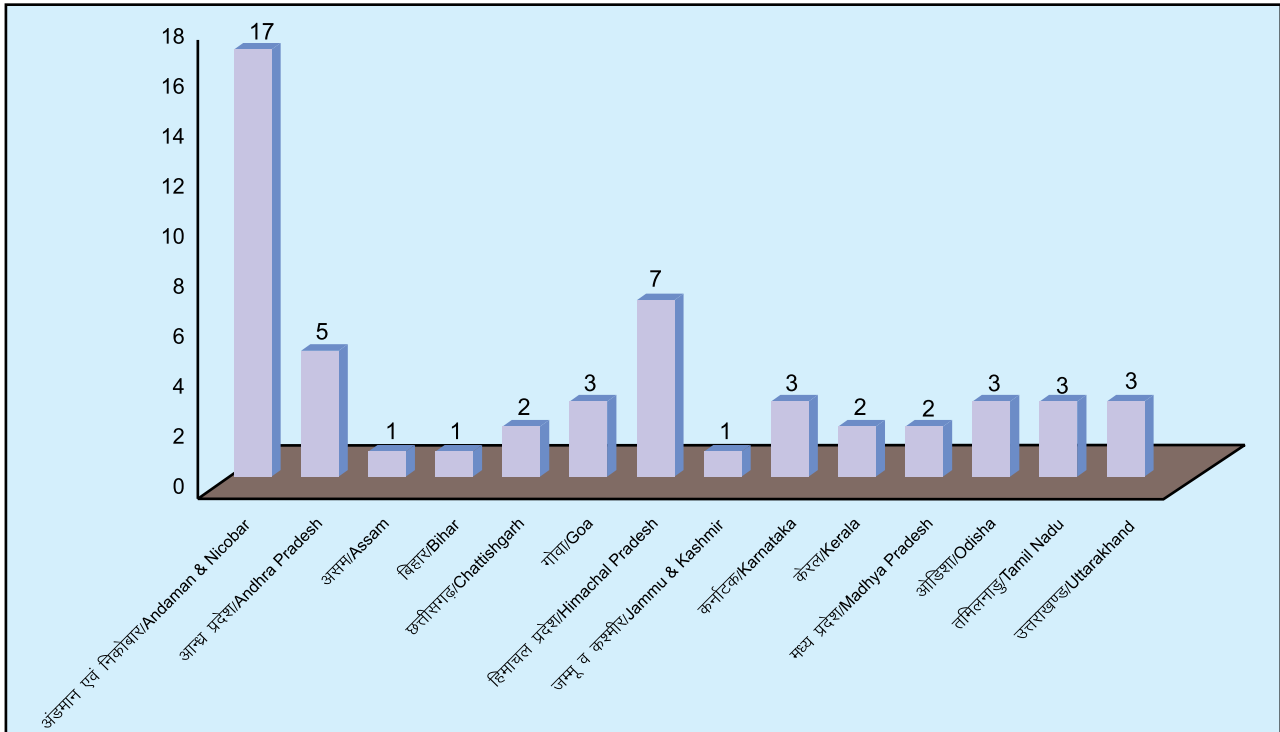
In the present state of our knowledge India has

About 2581 species of lichens. Many more are yet to be Identified and described.

The collated information presented here for year 2018 includes

6 new species (1 species each from Jammu & Kashmir, Karnataka, Madhya Pradesh and Odisha and 2 species from Uttarakhand) with 1 new variety from Chhattisgarh; and

46 new distributional records of lichens from India



भारतीय राज्यों से अन्वेषित शैवाकों की संख्या

NUMBER OF LICHENS DISCOVERED FROM INDIAN STATES

नवीन जाति • NEW SPECIES

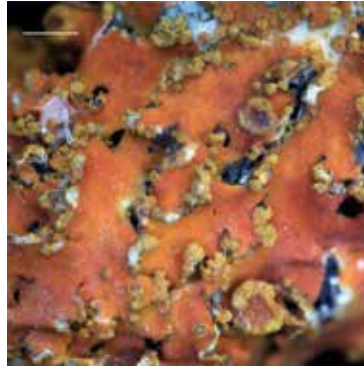
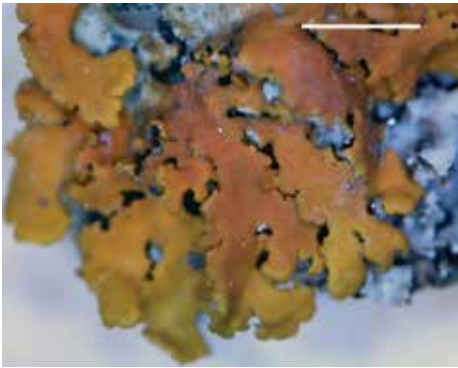
क्रिप्टोथेसिया ओडिशाेंसिस आर.वाजपेयी, एस. जोसफ एवं उप्रेती, क्रिप्टोगेमी मायकोलोजी 39(4):382.2018. (अर्थोनिऐसी)

इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन उड़ीसा में झारसुगुडा जनपद के बेलपहाड़ वन से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर किया गया है। इसके मूल प्ररूप को पादपालय, सीएसआईआर-राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ (एलडब्लूजी) में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण इसके प्राप्ति राज्य ओडिशा के नाम पर आधारित है।

Cryptothecia odishensis R. Bajpai, S. Joseph & Upreti, Cryptogamie Mycologie 39 (4):382.2018. (ARTHONIACEAE)

This new species has been discovered and described based on the collections made from Belpahar forest of Jharsuguda district, Odisha. The holotype was deposited in the herbarium of CSIR-National Botanical Research Institute, Lucknow (LWG). The species is named after state of its type location, Odisha.

गैलोवायिला अवस्थीयाना एस. वाई. कोंड्र. एवं डी.के. उप्रेती, एक्टा बॉटेनिका हंगरिका 60:141.2018. (टिलोसिस्टेसी)



इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन उत्तराखण्ड से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर किया गया है। इसके मूल प्ररूप को पादपालय, सीएसआईआर-राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ (एलडब्लूजी) में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण भारतीय शैवाक विज्ञान के जनक डॉ. डी. डी. अवस्थी के नाम पर आधारित है।

Gallowayella awasthiana S.Y. Kondr. & D. K. Upreti, Acta Botanica Hungarica 60: 141. 2018. (TELOSCHISTACEAE)

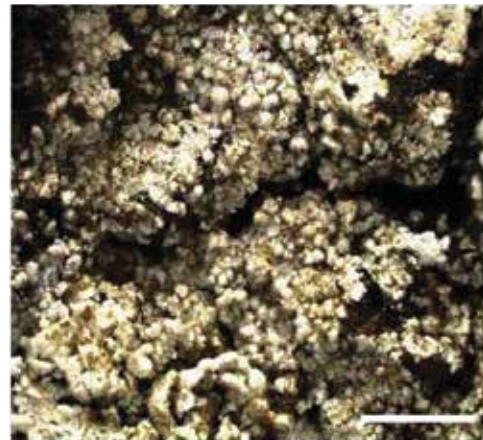
This new species has been discovered and described based on the collections made from Uttarakhand. The holotype was deposited in the herbarium of CSIR-National Botanical Research Institute, Lucknow (LWG). The species is named after the Father of Indian Lichenology Dr. D.D. Awasthi.

लेप्रारिया इंडिका आर.वाजपेयी एवं उप्रेती, फाइटोटैक्सा 356(2):106.2018. (स्टेरियोकॉलेसी)

इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन मध्य प्रदेश के अमरकंटक के मां-की-बगिया वन से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर किया गया है। इसके मूल प्ररूप को पादपालय, सीएसआईआर-राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ (एलडब्लूजी) में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण इसके प्राप्ति देश भारत के नाम पर आधारित है।

Lepraria indica R. Bajpai & Upreti, Phytotaxa 356 (2):106.2018. (STEREOCAULACEAE)

This new species has been discovered and described based on the collections made from Mai-ki-Bagiya forest, Amarkantak, Madhya Pradesh. The holotype was deposited in the herbarium of CSIR-National Botanical Research Institute, Lucknow (LWG). The species is named after its country of occurrence, India.



रुसवाकिया इंडिका एस. वाय.कोंड्रा.,जी. के. मिश्रा एवं एस. नायक, एक्टा बॉटनिका हंगरिका 59:197.2017.(टिलोसिस्टेसी)

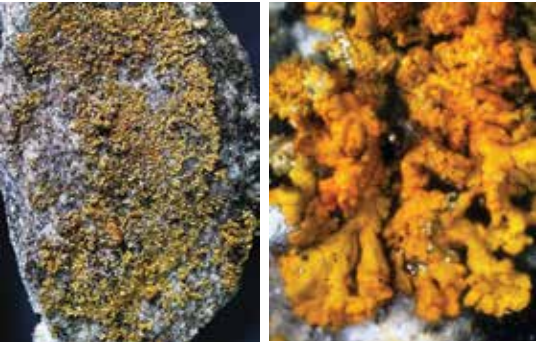


इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह, जम्मू एवं कश्मीर, हिमाचल प्रदेश एवं उत्तराखंड से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर किया गया है। इसके मूल प्ररूप को पादपालय, सीएसआईआर-राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ (एलडब्लूजी) में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण इसके प्ररूप प्राप्ति देश के अंग्रेजी नाम इंडिया के नाम पर आधारित है।

Rusavskia Indica S.Y. Kondr., G. K. Mishra & S. Nayaka, Acta Botanica Hungarica 59: 197. 2017. (TELOSCHISTACEAE)

This new species has been discovered and described based on the collections made from the Andaman and Nicobar Islands, Jammu & Kashmir, Himachal Pradesh and Uttarakhand. The holotype was deposited in the herbarium of CSIR-National Botanical Research Institute, Lucknow (LWG). The species is named after country of type location, India.

रुसवाकिया उप्रेती एस. वाय.कोंड्राट्युक, जी. के. मिश्रा एवं एस. नायक, एक्टा बॉटनिका हंगरिका 59:202.2017.(टिलोसिस्टेसी)



इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन उत्तराखंड के चमोली जनपद से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर किया गया है। इसके मूल प्ररूप को पादपालय, सीएसआईआर-राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ (एलडब्लूजी) में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण भारतीय शैवाकविद् डॉ. डी. के. उप्रेती के सम्मान में किया गया है।

Rusavskia upretii S.Y. Kondr., G. K. Mishra & S. Nayaka, Acta Botanica Hungarica 59: 202.2017. (TELOSCHISTACEAE)

This new species has been discovered and described based on the collections made from Chamoli district Uttarakhand. The holotype was deposited in the herbarium of CSIR-National Botanical Research Institute, Lucknow (LWG). The species is named in honour of Indian Lichenologist Dr. D.K. Upreti.

स्टिरटोनिया घाटेंसिस सुमेश एन. डुडनी, नायका, कोमल इंगले एवं एस. जोसेफ, तुर्किश जर्नल ऑफ बॉटनी 42:347.2018. (एर्थोनिएसी)

इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन कर्नाटक के कन्नड़ जनपद से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर किया गया है। इसके मूल प्ररूप को पादपालय, सीएसआईआर-राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ (एलडब्लूजी) में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण इसके प्राप्ति स्थल पश्चिमी घाट के नाम पर आधारित है।

Stirtonia ghattensis Sumesh N. Dudani, Nayaka, Komal K. Ingle & S. Joseph, Turkish Journal of Botany 42: 347. 2018. (ARTHONIACEAE)

This new species has been discovered and described based on the collections made from Uttara Kannada district, Karnataka. The holotype was deposited in the herbarium of CSIR-National Botanical Research Institute, Lucknow (LWG). The species is named after its type location in Western Ghats.

नवीन प्रभेद • NEW VARIETY

पर्दुसारिया पिलोसुला प्रभेद **इंडिका** क्रिप्टोगेम बायोडायवर्सिटी एवं एसेसमेंट 3:34.2018. (पर्दूसेरिऐसी)

इस नवीन प्रभेद का अन्वेषण एवं वर्णन छत्तीसगढ़ के कोरबा जनपद के पाली क्षेत्र से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर किया गया है। इसके मूल प्ररूप को पादपालय, सीएसआईआर-राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ (एलडब्लूजी) में संग्रहित किया गया है। इस प्रभेद का नामकरण इसके प्ररूप प्राप्ति देश के अंग्रेजी नाम इंडिया पर आधारित है।

Pertusaria pilosula var: *indica* R. Bajpai & Upreti, Cryptogam Biodiversity and Assessment 3: 34. 2018. (PERTUSARIACEAE)

This new variety has been discovered and described based on the collections made from Pali area, Korba district, Chhattisgarh. The holotype was deposited in the herbarium of CSIR-National Botanical Research Institute, Lucknow (LWG). The variety is named after country of its type location, India.

नवीन वितरणपरक अभिलेख • NEW DISTRIBUTION RECORDS

आर्थोनिया एकिनीफॉर्मिस स्टिअर्ट. (एर्थोनिएसी)

पूर्वतः मध्य एवं दक्षिण अमेरिका से ज्ञात इस जाति का पता भारत में पहली बार निकोबार द्वीपसमूह, अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह से प्राप्त किये गए संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। इसके प्रतिरूप को पादपालय भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, अंडमान एवं निकोबार क्षेत्रीय केंद्र, पोर्ट ब्लेयर (पीबीएल) में संग्रहित किया गया है। इस शोध को टी.ए.एम. जगदीश राम एवं जी. पी. सिन्हा ने इंडियन जर्नल ऑफ़ फॉरेस्ट्री 41(2):207.2018 में प्रकाशित किया है।

Arthonia aciniformis Stirt. (ARTHONIACEAE)

This species earlier known from Central and South America has been reported for the first time from India based on collections made from the Nicobar Islands, Andaman and Nicobar Islands. The specimens are deposited in the herbarium of Andaman and Nicobar Regional Centre, Botanical Survey of India, Port Blair (PBL). It has been published by T.A.M. Jagadeesh Ram & G.P. Sinha in Indian Journal of Forestry 41(2): 207. 2018.

आर्थोनिया निगराटुला (मूल. अर्ग.) आर. संत. (एर्थोनिएसी)

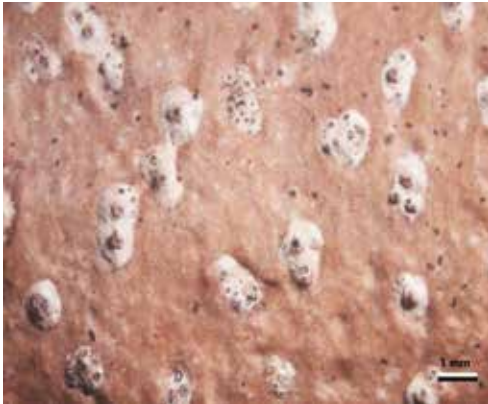
पूर्वतः विश्व के उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों से ज्ञात इस जाति का पता भारत में पहली बार निकोबार द्वीपसमूह, अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह से प्राप्त किये गए संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। इसके प्रतिरूप को पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, अंडमान एवं निकोबार क्षेत्रीय केंद्र, पोर्ट ब्लेयर (पीबीएल) में संग्रहित किया गया है। इस शोध को टी.ए.एम. जगदीश राम एवं जी. पी. सिन्हा ने इंडियन जर्नल ऑफ़ फॉरेस्ट्री 41(2):208.2018 में प्रकाशित किया है।

Arthonia nigratula (Müll. Arg.) R. Sant. (ARTHONIACEAE)

This species earlier known from the tropical regions of the world has been reported for the first time from India based on collections made from the Nicobar Islands, Andaman and Nicobar Islands. The specimens are deposited in the herbarium of Botanical Survey of India, Andaman and Nicobar Regional Centre, Port Blair (PBL). It has been published by T.A.M. Jagadeesh Ram & G.P. Sinha in Indian Journal of Forestry 41(2): 208. 2018.

एस्ट्रोथेलियम इंटरजेक्टम आर. सी. हैरिस (ट्रेपेथेलिएसी)

पूर्वतः मध्य एवं दक्षिण अमेरिका एवं पपुआ न्यू गिनी से ज्ञात इस जाति का पता भारत में पहली बार ओडिशा राज्य के कंधमाल जनपद से प्राप्त किये गए संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। इसके प्रतिरूप को केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा (सीएएल) में संग्रहित किया गया है। इस शोध को जी. स्वर्णलता के ने ऐनल्स ऑफ़ प्लांट साइंसेज 7(12):3478.2018 में प्रकाशित किया है।

**Astrothelium interjectum** R.C. Harris (TRYPETHELIACEAE)

This species earlier known from Central and South America and Papua New Guinea has been reported for the first time from India based on collections made from Kandhamal district, Odisha. The specimens are deposited in the Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah (CAL). It has been published by G. Swarnalatha, in Annals of Plant Sciences 7(12): 3478. 2018.

कोइनोगोनियम डिस्सीफॉर्मि पापोंग, बून्ब्रागोब एवं लुकिंग (कोइनोगोनिएसी)

पूर्वतः ऑस्ट्रेलिया एवं थाईलैंड से ज्ञात इस जाति का पता भारत में पहली बार निकोबार द्वीपसमूह, अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह से प्राप्त किये गए संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। इसके प्रतिरूप को पादपालय अंडमान एवं निकोबार क्षेत्रीय केंद्र, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, पोर्ट ब्लेयर (पीबीएल) में संग्रहित किया गया है। इस शोध को टी.ए.एम. जगदीश राम एवं जी. पी. सिन्हा ने इंडियन जर्नल ऑफ़ फॉरेस्ट्री 41(2):208.2018 में प्रकाशित किया है।

Coenogonium disciforme Papong, Boonbragob & Lücking (COENOGONIACEAE)

This species earlier known from Australia and Thailand has been reported for the first time from India based on collections made from the Nicobar Islands, Andaman and Nicobar Islands. The specimens are deposited in the herbarium of Andaman and Nicobar Regional Centre, Botanical Survey of India, Port Blair (PBL). It has been published by T.A.M. Jagadeesh Ram & G.P. Sinha in Indian Journal of Forestry 41(2): 208. 2018.

क्रिप्टोथेसिया एट्रोपुंकटाटा जी.थोर (एर्थोनिएसी)

पूर्वतः ऑस्ट्रेलिया से ज्ञात इस जाति का पता भारत में पहली बार तमिलनाडु के पालनी हिल्स से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर किया गया है। इसके प्रतिरूप को पादपालय, सीएसआईआर-राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ (एलडब्लूजी) में संग्रहित किया गया है। इस शोध को के. दास एवं अन्य ने क्रिप्टोगैमी, माइकोलॉजी 39(4):384.2018 में प्रकाशित किया है।

***Cryptothecia atropunctata* G.Thor (ARTHONIAACEAE)**

This species earlier known from Australia has been reported for the first time from India based on collections made from the Palni Hills, Tamil Nadu. The specimens are deposited in the herbarium of CSIR-National Botanical Research Institute, Lucknow (LWG). It has been published by K. Das & al. in *Cryptogamie, Mycologie* 39 (4): 384. 2018.

क्रिप्टोथेसिया एक्सिलिस जी.थोर (एर्थोनिएसी)

पूर्वतः ऑस्ट्रेलिया से ज्ञात इस जाति का पता भारत में पहली बार असम के दीमा हसाऊ जनपद से प्राप्त किये गये संग्रहों के आधार पर किया गया है। इसके प्रतिरूप को पादपालय, सीएसआईआर-राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ (एलडब्लूजी) में संग्रहित किया गया है। इस शोध को के. दास एवं अन्य ने क्रिप्टोगैमी, माइकोलॉजी 39(4):384.2018 में प्रकाशित किया है।

***Cryptothecia exilis* G.Thor (ARTHONIAACEAE)**

This species earlier known from Australia has been reported for the first time from India based on collections made from the Dima Hasau district, Assam. The specimens are deposited in the herbarium of CSIR-National Botanical Research Institute, Lucknow (LWG). It has been published by K. Das & al. in *Cryptogamie, Mycologie* 39(4): 384. 2018.

इकाइनोप्लाका डिफफलुअंस (मूल. अर्ग.) आर. संत. (गोमफिल्लिएसी)

पूर्वतः मध्य एवं दक्षिण अमेरिका एवं फिलीपीन्स से ज्ञात इस जाति का पता भारत में पहली बार निकोबार द्वीपसमूह, अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह से प्राप्त किये गए संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। इसके प्रतिरूप को पादपालय, अंडमान एवं निकोबार क्षेत्रीय केंद्र भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, पोर्ट ब्लेयर (पीबीएल) में संग्रहित किया गया है। इस शोध को टी.ए.एम. जगदीश राम एवं जी. पी. सिन्हा ने इंडियन जर्नल ऑफ फॉरेस्ट्री 41(2):209.2018 में प्रकाशित किया है।

***Echinoplaca diffluens* (Müll. Arg.) R. Sant. (GOMPHILLACEAE)**

This species earlier known from Central and South America and the Philippines has been reported for the first time from India based on collections made from the Nicobar Islands, Andaman and Nicobar Islands. The specimens are deposited in the herbarium of Andaman and Nicobar Regional Centre, Botanical Survey of India, Port Blair (PBL). It has been published by T.A.M. Jagadeesh Ram & G.P. Sinha in *Indian Journal of Forestry* 41(2): 209. 2018.

फेलहानेरा पिलोमार्जिनटा लुकिंग (पिलोकार्पिएसी)

पूर्वतः कोस्टा रिका से ज्ञात इस जाति का पता भारत में पहली बार निकोबार द्वीपसमूह, अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह से प्राप्त किये गए संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। इसके प्रतिरूप को पादपालय अंडमान एवं निकोबार क्षेत्रीय केंद्र, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, पोर्ट ब्लेयर (पीबीएल) में संग्रहित किया गया है। इस शोध को टी.ए.एम. जगदीश राम एवं जी. पी. सिन्हा ने इंडियन जर्नल ऑफ फॉरेस्ट्री 41(2):210.2018 में प्रकाशित किया है।

***Fellhanera pilomarginata* Lüking (PILOCARPACEAE)**

This species earlier known from Costa Rica has been reported for the first time from India based on collections made from the Nicobar Islands, Andaman and Nicobar Islands. The specimens are deposited in the herbarium of Andaman and Nicobar Regional Centre, Botanical Survey of India, Port Blair (PBL). It has been published by T.A.M. Jagadeesh Ram & G.P. Sinha in *Indian Journal of Forestry* 41(2): 210. 2018.

ग्राफिस मीकुरायेंसिस वाय. ओहमुरा एवं एम.नाकन (ग्रेफिडेसी)

पूर्वतः जापान से ज्ञात इस जाति का पता भारत में पहली बार उत्तरी अंडमान, अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह से प्राप्त किये गए संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। इसके प्रतिरूप को पादपालय अंडमान एवं निकोबार क्षेत्रीय केंद्र, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, पोर्ट ब्लेयर (पीबीएल) में संग्रहित किया गया है। इस शोध को पी. सिंह एवं अन्य ने इंडियन फॉरेस्टर 144(2):200.2018 में प्रकाशित किया है।

Graphis mikuraensis Y. Ohmura & M. Nakan. (GRAPHIDACEAE)

This species earlier known from Japan has been reported for the first time from India based on collections made from North Andaman, Andaman and Nicobar Islands. The specimens are deposited in the herbarium of Andaman and Nicobar Regional Centre, Botanical Survey of India, Port Blair (PBL). It has been published by P. Singh & al. in Indian Forester 144(2): 200. 2018.

लेप्रारिया अचारिआना फ्लैकस एवं कुकवा (स्टेरियोकॉलेसी)

पूर्वतः दक्षिण अमेरिका से ज्ञात इस जाति का पता भारत में पहली बार केरल में पालघाट जनपद के परमबिकुलम वन्यजीव अभयारण्य से प्राप्त किये गए संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। इसके प्रतिरूप को पादपालय, सीएसआईआर-राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ (एलडब्लूजी) में संग्रहित किया गया है। इस शोध को आर. वाजपेयी एवं अन्य ने फायटोटैक्सा 356(2):102.2018 में प्रकाशित किया है।

Lepraria achariana Flakus & Kukwa (STEREOCAULACEAE)

This species earlier known from South America has been reported for the first time from India based on collections made from Parambikulam Wildlife Sanctuary, Palghat district, Kerala. The specimens are deposited in the herbarium of CSIR-National Botanical Research Institute, Lucknow (LWG). It has been published by R. Bajpai & al., Phytotaxa 356 (2): 102. 2018.

लेप्रारिया औरेंसेस ऑरेंज एवं वोल्सले (स्टेरियोकॉलेसी)

पूर्वतः थाईलैंड से ज्ञात इस जाति का पता भारत में पहली बार उत्तराखंड में पिथौरगढ़ जनपद के लोरी वन से प्राप्त किये गए संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। इसके प्रतिरूप को पादपालय, सीएसआईआर-राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ (एलडब्लूजी) में संग्रहित किया गया है। इस शोध को आर. वाजपेयी एवं अन्य ने फायटोटैक्सा 356(2):102.2018 में प्रकाशित किया है।

Lepraria aurescens Orange & Wolseley (STEREOCAULACEAE)

This species earlier known from Thailand has been reported for the first time from India based on collections made from Lori forest, Pithoragarh district, Uttarakhand. The specimens are deposited in the herbarium of CSIR-National Botanical Research Institute, Lucknow (LWG). It has been published by R. Bajpai & al., Phytotaxa 356 (2):102.2018.

लेप्रारिया कैसिएला आर. सी. हैरिस (स्टेरियोकॉलेसी)

पूर्वतः उत्तरी एवं दक्षिण अमेरिका से ज्ञात इस जाति का पता भारत में पहली बार हिमाचल प्रदेश, जम्मू एवं कश्मीर, मिजोरम, मध्य प्रदेश, उड़ीसा एवं उत्तराखंड राज्यों से प्राप्त किये गए संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। इसके प्रतिरूप को पादपालय, सीएसआईआर-राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ (एलडब्लूजी) में संग्रहित किया गया है। इस शोध को आर. वाजपेयी एवं अन्य ने फायटोटैक्सा 356(2):102.2018 में प्रकाशित किया है।

Lepraria caesiella R. C. Harris (STEREOCAULACEAE)

This species earlier known from North and South America has been reported for the first time from India based on collections made from the states of Himachal Pradesh, Jammu & Kashmir, Mizoram, Madhya Pradesh, Odisha and Uttarakhand. The specimens are deposited in the herbarium of CSIR-National Botanical Research Institute, Lucknow (LWG). It has been published by R. Bajpai & al., Phytotaxa 356(2): 102.2018.

लेप्रारिया कैसिओएल्बा (डि लेस्ड) जे. आर. लौडॉन (स्टेरियोकॉलेसी)

इस सर्वदेशीय जाति का पता भारत में पहली बार हिमाचल प्रदेश, जम्मू एवं कश्मीर, केरल, मध्य प्रदेश, सिक्किम, तमिलनाडु, उत्तराखंड एवं पश्चिम बंगाल राज्यों से प्राप्त किये गए संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। इसके प्रतिरूप को पादपालय, सीएसआईआर-राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ (एलडब्लूजी) में संग्रहित किया गया है। इस शोध को आर. वाजपेयी एवं अन्य ने फायटोटैक्सा 356(2):103.2018 में प्रकाशित किया है।

Lepraria caesioalba (de Lesd) J. R. Laundon (STEREOCAULACEAE)

This cosmopolitan species has been reported for the first time from India based on collections made from the states of Himachal Pradesh, Jammu & Kashmir, Kerala, Madhya Pradesh, Sikkim, Tamil Nadu, Uttarakhand and West Bengal. The specimens are deposited in the herbarium of CSIR-National Botanical Research Institute, Lucknow (LWG). It has been published by R. Bajpai & al., Phytotaxa 356 (2): 103. 2018.

लेप्रारिया क्यूप्रेसिकोला (ह्यू) जे. आर. लौडॉन (स्टेरियोकॉलेसी)

पूर्वतः चीन, ताइवान, श्रीलंका एवं जापान से ज्ञात इस जाति का पता भारत में पहली बार अरुणाचल प्रदेश, हिमाचल प्रदेश, जम्मू एवं कश्मीर, मिजोरम, केरल एवं उत्तराखंड राज्यों से प्राप्त किये गए संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। इसके प्रतिरूप को पादपालय, सीएसआईआर-राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ (एलडब्लूजी) में संग्रहित किया गया है। इस शोध को आर. वाजपेयी एवं अन्य ने फायटोटैक्सा 356(2):103.2018 में प्रकाशित किया है।

Lepraria cupressicola (Hue) J. R. Laundon (STEREOCAULACEAE)

This species earlier known from China, Taiwan, Sri Lanka and Japan has been reported for the first time from India based on collections made from the states of Arunachal Pradesh, Himachal Pradesh, Jammu & Kashmir, Mizoram, Kerala and Uttarakhand. The specimens are deposited in the herbarium of CSIR-National Botanical Research Institute, Lucknow (LWG). It has been published by R. Bajpai & al., Phytotaxa 356 (2): 103. 2018.

लेप्रारिया इबरनिया जे. आर. लौडॉन (स्टेरियोकॉलेसी)

पूर्वतः यूरोप, उत्तरी अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया एवं ग्रीनलैंड से ज्ञात इस जाति का पता भारत में पहली बार मध्य प्रदेश, तमिलनाडु एवं उत्तराखंड राज्यों से प्राप्त किये गए संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। इसके प्रतिरूप को पादपालय, सीएसआईआर-राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ (एलडब्लूजी) में संग्रहित किया गया है। इस शोध को आर. वाजपेयी एवं अन्य ने फायटोटैक्सा 356(2):104.2018 में प्रकाशित किया है।

Lepraria eburnea J. R. Laundon (STEREOCAULACEAE)

This species earlier known from Europe, North America, Australia and Greenland has been reported for the first time from India based on collections made from the states of Madhya Pradesh, Tamil Nadu and Uttarakhand. The specimens are deposited in the herbarium of CSIR-National Botanical Research Institute, Lucknow (LWG). It has been published by R. Bajpai & al., Phytotaxa 356 (2): 104.2018.

लेप्रारिया इकोर्टिकाटा (जे. आर. लौडॉन) कुकवा (स्टेरियोकॉलेसी)

पूर्वतः यूरोप, उत्तरी एवं दक्षिणी अमेरिका एवं चीन से ज्ञात इस जाति का पता भारत में पहली बार छत्तीसगढ़, हिमाचल प्रदेश, जम्मू एवं कश्मीर, मध्य प्रदेश, सिक्किम, तमिलनाडु एवं उत्तराखंड राज्यों से प्राप्त किये गए संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। इसके प्रतिरूप को पादपालय, सीएसआईआर-राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ (एलडब्लूजी) में संग्रहित किया गया है। इस शोध को आर. वाजपेयी एवं अन्य ने फायटोटैक्सा 356(2):104.2018 में प्रकाशित किया है।

Lepraria ecorticata (J.R. Laundon) Kukwa (STEREOCAULACEAE)

This species earlier known from Europe, North and South America and China has been reported for the first time from India based on collections made from the states of Chhatisgarh, Himachal Pradesh, Jammu & Kashmir, Madhya Pradesh, Sikkim, Tamil Nadu and Uttarakhand. The specimens are deposited in the herbarium of CSIR-National Botanical Research Institute, Lucknow (LWG). It has been published by R. Bajpai & al., Phytotaxa 356 (2): 104. 2018.

लेप्रारिया एलोबेटा टॉसबर्ग (स्टेरियोकॉलेसी)

पूर्वतः यूरोप, उत्तरी अमेरिका एवं ग्रीनलैंड से ज्ञात इस जाति का पता भारत में पहली बार हिमाचल प्रदेश, केरल, महाराष्ट्र, सिक्किम, तमिलनाडु एवं उत्तराखंड राज्यों से प्राप्त किये गए संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। इसके प्रतिरूप को पादपालय, सीएसआईआर-राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ (एलडब्लूजी) में संग्रहित किया गया है। इस शोध को आर. वाजपेयी एवं अन्य ने फायटोटैक्सा 356(2):105.2018 में प्रकाशित किया है।

Lepraria elobata Tønsberg (STEREOCAULACEAE)

This species earlier known from Europe, North America and Greenland has been reported for the first time from India based on collections made from the states of Himachal Pradesh, Kerala, Maharashtra, Sikkim, Tamil Nadu and Uttarakhand. The specimens are deposited in the herbarium of CSIR-National Botanical Research Institute, Lucknow (LWG). It has been published by R. Bajpai & al., Phytotaxa 356 (2): 105.2018.

लेप्रारिया फ्रीआबिलिस लेन्डमर, के.कुंडसेन एवं एलिक्स (स्टेरियोकॉलेसी)

पूर्वतः उत्तरी अमेरिका से ज्ञात इस जाति का पता भारत में पहली बार हिमाचल प्रदेश, सिक्किम एवं उत्तराखंड राज्यों से प्राप्त किये गए संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। इसके प्रतिरूप को पादपालय, सीएसआईआर-राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ (एलडब्लूजी) में संग्रहित किया गया है। इस शोध को आर. वाजपेयी एवं अन्य ने फायटोटैक्सा 356(2):105.2018 में प्रकाशित किया है।

Lepraria friabilis Lendemmer, K. Kundsén & Elix (STEREOCAULACEAE)

This species earlier known from North America has been reported for the first time from India based on collections made from the states of Himachal Pradesh, Sikkim and Uttarakhand. The specimens are deposited in the herbarium of CSIR-National Botanical Research Institute, Lucknow (LWG). It has been published by R. Bajpai & al., Phytotaxa 356(2): 105. 2018.

लेप्रारिया ग्रैनुलाटा स्लेव.-बे (स्टेरियोकॉलेसी)

पूर्वतः मध्य एवं पूर्वी यूरोप से ज्ञात इस जाति का पता भारत में पहली बार तमिलनाडु के पालनी हिल्स से प्राप्त किये गए संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। इसके प्रतिरूप को पादपालय, सीएसआईआर-राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ (एलडब्लूजी) में संग्रहित किया गया है। इस शोध को आर. वाजपेयी एवं अन्य ने फायटोटैक्सा 356(2):106.2018 में प्रकाशित किया है।

Lepraria granulata Slav.-Bay (STEREOCAULACEAE)

This species earlier known from Central and Eastern Europe has been reported for the first time from India based on collections made from the Palni Hills of Tamil Nadu. The specimens are deposited in the herbarium of CSIR-National Botanical Research Institute, Lucknow (LWG). It has been published by R. Bajpai & al., Phytotaxa 356(2):106. 2018.

लेप्रारिया इंकाना (एल.) ऐच (स्टेरियोकॉलेसी)

इस वैश्विक जाति का पता भारत में पहली बार हिमाचल प्रदेश, कर्नाटक, केरल, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, मिजोरम, ओडिशा, राजस्थान, तमिलनाडु एवं उत्तराखंड राज्यों से प्राप्त किये गए संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। इसके प्रतिरूप को पादपालय, सीएसआईआर-राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ (एलडब्लूजी) में संग्रहित किया गया है। इस शोध को आर. वाजपेयी एवं अन्य ने फायटोटैक्सा 356(2):106 .2018 में प्रकाशित किया है।

Lepraria incana (L.) Ach (STEREOCAULACEAE)

This cosmopolitan species has been reported for the first time from India based on collections made from the states of Himachal Pradesh, Karnataka, Kerala, Madhya Pradesh, Maharashtra, Mizoram, Odisha, Rajasthan, Tamil Nadu and Uttarakhand. The specimens are deposited in the herbarium of CSIR-National Botanical Research Institute, Lucknow (LWG). It has been published by R. Bajpai & al., Phytotaxa 356 (2): 106. 2018.

लेप्रारिया इसिडियाटा (लिमोना) लिमोना एवं ए. क्रैसपो (स्टेरियोकॉलेसी)

पूर्वतः भूमध्यरेखीय देशों से ज्ञात इस जाति का पता भारत में पहली बार अरुणाचल प्रदेश, हिमाचल प्रदेश, जम्मू एवं कश्मीर, केरल, मिजोरम, तमिलनाडु एवं उत्तराखंड राज्यों से प्राप्त किये गए संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। इसके प्रतिरूप को पादपालय, सीएसआईआर-राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ (एलडब्लूजी) में संग्रहित किया गया है। इस शोध को आर. वाजपेयी एवं अन्य ने फायटोटैक्सा 356(2):107.2018 में प्रकाशित किया है।

Lepraria isidiata (Llimona) Llimona & A. Crespo (STEREOCAULACEAE)

This species earlier known from Mediterranean countries has been reported for the first time from India based on collections made from the states of Arunachal Pradesh, Himachal Pradesh, Jammu & Kashmir, Kerala, Mizoram, Tamil Nadu and Uttarakhand. The specimens are deposited in the herbarium of CSIR-National Botanical Research Institute, Lucknow (LWG). It has been published by R. Bajpai & al., Phytotaxa 356 (2): 107. 2018.

लेप्रारिया ल्यूकर्टियाना (जेड्डा) एल. साग (स्टेरियोकॉलेसी)

पूर्वतः यूरोप, उत्तरी अफ्रीका, दक्षिण अमेरिका से ज्ञात इस जाति का पता भारत में पहली बार बिहार, हिमाचल प्रदेश, जम्मू एवं कश्मीर, केरल, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, मिजोरम, राजस्थान, तमिलनाडु एवं उत्तराखंड राज्यों से प्राप्त किये गए संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। इसके प्रतिरूप को पादपालय, सीएसआईआर-राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ (एलडब्लूजी) में संग्रहित किया गया है। इस शोध को आर. वाजपेयी एवं अन्य ने फायटोटैक्सा 356(2):107.2018 में प्रकाशित किया है।

Lepraria leuckertiana (Zedda) L. Saag (STEREOCAULACEAE)

This species earlier known from Europe, North Africa, South America has been reported for the first time from India based on collections made from the states of Bihar, Himachal Pradesh, Jammu & Kashmir, Kerala, Madhya Pradesh, Maharashtra, Mizoram, Rajasthan, Tamil Nadu and Uttarakhand. The specimens are deposited in the herbarium of CSIR-National Botanical Research Institute, Lucknow (LWG). It has been published by R. Bajpai & al., Phytotaxa 356 (2): 107. 2018.

लेप्रारिया लोबाटा एलिव्स एवं कल्ब (स्टेरियोकॉलेसी)

पूर्वतः ऑस्ट्रेलिया से ज्ञात इस जाति का पता भारत में पहली बार हिमाचल प्रदेश, मध्य प्रदेश एवं राजस्थान राज्यों से प्राप्त किये गए संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। इसके प्रतिरूप को पादपालय, सीएसआईआर-राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ (एलडब्लूजी) में संग्रहित किया गया है। इस शोध को आर. वाजपेयी एवं अन्य ने फायटोटैक्सा 356(2):108.2018 में प्रकाशित किया है।

Lepraria lobata Elix & Kalb (STEREOCAULACEAE)

This species earlier known from Australia has been reported for the first time from India based on collections made from the states of Himachal Pradesh, Madhya Pradesh and Rajasthan. The specimens are deposited in the herbarium of CSIR-National Botanical Research Institute, Lucknow (LWG). It has been published by R. Bajpai & al., Phytotaxa 356 (2): 108. 2018.

लेप्रोकॉलोन एडहाएरेंस (के.कनुडसेन, एलिव्स एवं लेंडमर) लेंडमर एवं हाडकिंसन (लेप्रोकॉलेसी)

पूर्वतः उत्तरी अमेरिका से ज्ञात इस जाति का पता भारत में पहली बार हिमाचल प्रदेश, मध्य प्रदेश एवं राजस्थान राज्यों से प्राप्त किये गए संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। इसके प्रतिरूप को पादपालय, सीएसआईआर-राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ (एलडब्लूजी) में संग्रहित किया गया है। इस शोध को आर. वाजपेयी एवं अन्य ने फायटोटैक्सा 356(2):111.2018 में प्रकाशित किया है।

Leprocaulon adhaerens (K. Knudsen, Elix & Lendemmer) Lendemmer & Hodkinson (LEPROCAULACEAE)

This species earlier known from North America has been reported for the first time from India based on collections made from the states of Himachal Pradesh, Madhya Pradesh and Rajasthan. The specimens are deposited in the herbarium of CSIR-National Botanical Research Institute, Lucknow (LWG). It has been published by R. Bajpai & al., Phytotaxa 356 (2): 111.2018.

लेप्रोकॉलोन टेक्सटम (के.कनुडसेन, एलिक्स एवं लेंडमर) लेंडमर एवं हाडकिंसन (लेप्रोकॉलेसी)

पूर्वतः उत्तरी अमेरिका से ज्ञात इस जाति का पता भारत में पहली बार अरुणाचल प्रदेश, हिमाचल प्रदेश, केरल, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र एवं उत्तराखण्ड राज्यों से प्राप्त किये गए संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। इसके प्रतिरूप को पादपालय, सीएसआईआर-राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ (एलडब्लूजी) में संग्रहित किया गया है। इस शोध को आर. वाजपेयी एवं अन्य ने फायटोटैक्सा 356(2):113.2018 में प्रकाशित किया है।

Leprocaulon textum (K. Knudsen, Elix & Lendemer) Lendemer & Hodkinson (LEPROCAULACEAE)

This species earlier known from North America has been reported for the first time from India based on collections made from the states of Arunachal Pradesh, Himachal Pradesh, Kerala, Madhya Pradesh, Maharashtra and Uttarakhand. The specimens are deposited in the herbarium of CSIR-National Botanical Research Institute, Lucknow (LWVG). It has been published by R. Bajpai & al., Phytotaxa 356 (2): 113. 2018.

ल्यूकोडेक्टॉन मिनीस्पोरम लुकिंग (थेलोट्रेमेटेसी)

पूर्वतः डोमिनिसियन गणराज्य से ज्ञात इस जाति का पता भारत में पहली बार अरुणाचल प्रदेश से प्राप्त किये गए संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। इसके प्रतिरूप को पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, पूर्वी क्षेत्रीय केंद्र, शिलांग (एसएसएसएम) में संग्रहित किया गया है। इस शोध को पी. सिंह एवं के. पी. सिंह ने फायटोटैक्सोनॉमी 17:24.2017 में प्रकाशित किया है।

Leucodecton minisporum Lücking (THELOTREMATAACEAE)

This species earlier known from Dominican Republic has been reported for the first time from India based on collections made from Arunachal Pradesh. The specimens are deposited in the herbarium Eastern Regional Centre, Botanical Survey of India, Shillong (ASSAM). It has been published by P. Singh & K.P. Singh in Phytotaxonomy 17: 24. 2017.

मालमिडिया अटलांटिका (एम. कैसरेस एवं लुकिंग) एम. कैसरेस एवं काल्ब (मालमिडिऐसी)

पूर्वतः ब्राजील से ज्ञात इस जाति का पता भारत में पहली बार अंडमान द्वीपसमूह, अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह से प्राप्त किये गए संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। इसके प्रतिरूप को पादपालय, सीएसआईआर-राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ (एलडब्लूजी) में संग्रहित किया गया है। इस शोध को एस. जोसफ एवं अन्य ने फेडेस रेपर्टोरियम 129:190.2018 में प्रकाशित किया है।

Malmidea atlantica (M. Cáceres & Lücking) M. Cáceres & Kalb (MALMIDEACEAE)

This species earlier known from Brazil has been reported for the first time from India based on collections made from the Andaman Islands, Andaman and Nicobar Islands. The specimens are deposited in the herbarium of CSIR-National Botanical Research Institute, Lucknow (LWVG). It has been published by S. Joseph & al., Feddes Repertorium 129: 190. 2018.

मालमिडिया डूप्लोमार्जिनाटा (पापोंग एवं काल्ब) काल्ब एवं पापोंग (मालमिडिऐसी)

पूर्वतः श्रीलंका एवं थाईलैंड से ज्ञात इस जाति का पता भारत में पहली बार कोटिगाओ वन्यजीव अभयारण्य, गोवा से प्राप्त किये गए संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। इसके प्रतिरूप को पादपालय, सीएसआईआर-राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ (एलडब्लूजी) में संग्रहित किया गया है। इस शोध को एस. जोसफ एवं अन्य ने फेडेस रेपर्टोरियम 129:190.2018 में प्रकाशित किया है।

Malmidea duplomarginata (Papong & Kalb) Kalb & Papong (MALMIDEACEAE)

This species earlier known from Sri Lanka and Thailand has been reported for the first time from India based on collections made from the Cotigao Wildlife Sanctuary, Goa. The specimens are deposited in the herbarium of CSIR-National Botanical Research Institute, Lucknow (LWVG). It has been published by S. Joseph & al., Feddes Repertorium 129: 190. 2018.

मालमिडिया हाइपोमेलियाना (नील.) काल्ब एवं लुकिंग (मालमिडिऐसी)

पूर्वतः उष्णकटिबंधीय प्रदेशों से ज्ञात इस जाति का पता भारत में पहली बार तमिलनाडु के नीलगिरि की पहाड़ियों से प्राप्त किये गए संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। इसके प्रतिरूप को पादपालय, सीएसआईआर-राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ (एलडब्लूजी) में संग्रहित किया गया है। इस शोध को एस. जोसफ एवं अन्य ने फेडेस रेपर्टोरियम 129:191.2018 में प्रकाशित किया है।

Malmidea hypomelaena (Nyl.) Kalb & Lüking (MALMIDEACEAE)

This species earlier known from the tropical regions has been reported for the first time from India based on collections made from the Nilgiri hills, Tamil Nadu. The specimens are deposited in the herbarium of CSIR-National Botanical Research Institute, Lucknow (LWG). It has been published by S. Joseph & al., Feddes Repertorium 129: 191.2018.

मालमिडिया पैपिलोसा वीरक एवं अपट्रूट (मालमिडिऐसी)

पूर्वतः श्रीलंका से ज्ञात इस जाति का पता भारत में पहली बार महावीर वन्यजीव अभयारण्य, गोवा से प्राप्त किये गए संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। इसके प्रतिरूप को पादपालय, सीएसआईआर-राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ (एलडब्लूजी) में संग्रहित किया गया है। इस शोध को एस. जोसफ एवं अन्य ने फेडेस रेपर्टोरियम 129:191.2018 में प्रकाशित किया है।

Malmidea papillosa Weerak. & Aptroot (MALMIDEACEAE)

This species earlier known from Sri Lanka has been reported for the first time from India based on collections made from the Mahavir Wildlife Sanctuary, Goa. The specimens are deposited in the herbarium of CSIR-National Botanical Research Institute, Lucknow (LWG). It has been published by S. Joseph & al., Feddes Repertorium 129:191.2018.

मालमिडिया सबऑरिगेरा (वाइन.) काल्ब एवं अन्य (मालमिडिऐसी)

पूर्वतः फिलीपीन्स एवं श्रीलंका से ज्ञात इस जाति का पता भारत में पहली बार अंडमान द्वीपसमूह, अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह से प्राप्त किये गए संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। इसके प्रतिरूप को पादपालय, सीएसआईआर-राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ (एलडब्लूजी) में संग्रहित किया गया है। इस शोध को एस. जोसफ एवं अन्य ने फेडेस रेपर्टोरियम 129:191.2018 में प्रकाशित किया है।

Malmidea subaurigera (Vain.) Kalb et al. (MALMIDEACEAE)

This species earlier known from the Philippines and Sri Lanka has been reported for the first time from India based on collections made from the Andaman Islands, Andaman and Nicobar Islands. The specimens are deposited in the herbarium of CSIR-National Botanical Research Institute, Lucknow (LWG). It has been published by S. Joseph & al., Feddes Repertorium 129: 191. 2018.

मालमिडिया वेरियाबिलिस काल्ब (मालमिडिऐसी)

पूर्वतः उत्तरी अमेरिका एवं थाईलैंड से ज्ञात इस जाति का पता भारत में पहली बार कोटिगाओ वन्यजीव अभयारण्य, गोवा से प्राप्त किये गए संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। इसके प्रतिरूप को पादपालय, सीएसआईआर-राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ (एलडब्लूजी) में संग्रहित किया गया है। इस शोध को एस. जोसफ एवं अन्य फेडेस रेपर्टोरियम 129:191.2018 में प्रकाशित किया है।

Malmidea variabilis Kalb (MALMIDEACEAE)

This species earlier known from North America and Thailand has been reported for the first time from India based on collections made from the Cotigao Wildlife Sanctuary, Goa. The specimens are deposited in the herbarium of CSIR-National Botanical Research Institute, Lucknow (LWG). It has been published by S. Joseph & al., Feddes Repertorium 129: 191. 2018.

मायरोस्टिग्मा फिलिसिनम (एलिस एवं एवेरच) फ्रिश्च एवं जी. थोर (अर्थोनिएसी)

पूर्वतः मध्य एवं दक्षिण अमेरिका से ज्ञात इस जाति का पता भारत में पहली बार अरुणाचल प्रदेश के पश्चिम सियांग जनपद से प्राप्त किये गए संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। इसके प्रतिरूप को पादपालय, सीएसआईआर-राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ (एलडब्लूजी) में संग्रहित किया गया है। इस शोध को के. दास एवं अन्य ने क्रिप्टोगैमी, मायकोलॉजी 39(4):384. 2018 में प्रकाशित किया है।

Myriostigma filicinum (Ellis & Everch.) Frisch & G.Thor (ARTHONIACEAE)

This species earlier known from Central and South America has been reported for the first time from India based on collections made from the West Siang district, Arunachal Pradesh. The specimens are deposited in the herbarium of CSIR-National Botanical Research Institute, Lucknow (LWG). It has been published by K. Das & al. in Cryptogamie, Mycologie 39 (4): 384.2018.

फियोग्रफिस नीलेन्डरी (वेन.) जाहलब्र (ग्रेफिडेसी)

पूर्वतः अमेरिका एवं ऑस्ट्रेलिया से ज्ञात इस जाति का पता भारत में पहली बार केरल के पथानामथिटा से प्राप्त किये गए संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। इसके प्रतिरूप को क्षेत्रीय पादपालय, केरल (आरएचके) एवं वनस्पति विभाग, एसबी महाविद्यालय, चंगनचेरी, केरल में संग्रहित किया गया है। इस शोध को एस. ए. जकारिया एवं अन्य ने स्टडीज इन फंगी 3(1):354.2018 में प्रकाशित किया है।

Phaeographis nylanderi (Vain.) Zahlbr. (GRAPHIDACEAE)

This species earlier known from America and Australia has been reported for the first time from India based on collections made from the Pathanamthitta district, Kerala. The specimens are deposited in the Regional Herbarium of Kerala (RHK), Department of Botany, SB College, Changanacherry, Kerala. It has been published by S.A. Zachariah & al. in Studies in Fungi 3(1): 354.2018.

पर्टूसारिया मेसोट्रोपा मूल. अर्ग. (पर्टूसारिएसी)

पूर्वतः मैक्सिको एवं श्रीलंका से ज्ञात इस जाति का पता भारत में पहली बार कर्नाटक के उत्तर कन्नड़ जनपद से प्राप्त किये गए संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। इसके प्रतिरूप को पादपालय, सीएसआईआर-राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ (एलडब्लूजी) में संग्रहित किया गया है। इस शोध को एस. एन. डुडनी एवं अन्य ने तुर्किश जर्नल ऑफ बॉटनी 42:349.2018 में प्रकाशित किया है।

Pertusaria mesotropa Müll. Arg. (PERTUSARIACEAE)

This species earlier known from Mexico and Sri Lanka has been reported for the first time from India based on collections made from Uttara Kannada district, Karnataka. The specimens are deposited in the herbarium of CSIR-National Botanical Research Institute, Lucknow (LWG). It has been published by S.N. Dudani & al., Turkish Journal of Botany 42: 349. 2018.

फैसिया फ्रेजाईलसेन्स जाहलब्र (फैसिएसी)

पूर्वतः अफ्रीका एवं इंडोनेशिया से ज्ञात इस जाति का पता भारत में पहली बार निकोबार द्वीपसमूह एवं अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह से प्राप्त किये गए संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। इसके प्रतिरूप को पादपालय, अंडमान एवं निकोबार क्षेत्रीय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, केंद्र, पोर्ट ब्लेयर (पीबीएल) में संग्रहित किया गया है। इस शोध को टी.ए.एम. जगदीश राम एवं जी. पी. सिन्हा ने इंडियन जर्नल ऑफ फॉरेस्ट्री 41(2):210.2018 में प्रकाशित किया है।

Physcia fragilescens Zahlbr. (PHYSICIACEAE)

This species earlier known from Africa and Indonesia has been reported for the first time from India based on collections made from the Nicobar Islands, Andaman and Nicobar Islands. The specimens are deposited in the herbarium of Andaman and Nicobar Regional Centre, Botanical Survey of India, Port Blair (PBL). It has been published by T.A.M. Jagadeesh Ram & G.P. Sinha in Indian Journal of Forestry 41(2): 210. 2018.

पोरिना हॉवियाना पी. एम. मैककार्थी (पोरिनिऐसी)

पूर्वतः ऑस्ट्रेलिया से ज्ञात इस जाति का पता भारत में पहली बार कर्नाटक के सेंट मेरी द्वीपसमूह से प्राप्त किये गए संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। इसके प्रतिरूप को क्षेत्रीय पादपालय केरल (आरएचके), वनस्पति विभाग, एसबी महाविद्यालय, चंगनचेरी, केरल में संग्रहित किया गया है। इस शोध को एस. जोसेफ एवं अन्य ने स्टडीज इन फंगी 3(1):268.2018 में प्रकाशित किया है।

Porina howeana P.M. McCarthy (PORINACEAE)

This species earlier known from Australia has been reported for the first time from India based on collections made from the St. Mary's Islands, Karnataka. The specimens are deposited in the Regional Herbarium of Kerala (RHK), Department of Botany, SB College, Changanacherry, Kerala. It has been published by S. Joseph & al. in Studies in Fungi 3(1): 268. 2018.

पोरिना सबनिटीडूला कालिन एव बी. पेना (पोरिनिऐसी)

पूर्वतः मैक्सिको से ज्ञात इस जाति का पता भारत में पहली बार अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह के निकोबार द्वीप से प्राप्त किये गए संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। इसके प्रतिरूप को पादपालय, अंडमान एवं निकोबार क्षेत्रीय केंद्र, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, पोर्ट ब्लेयर (पीबीएल) में संग्रहित किया गया है। इस शोध को टी. ए. एम. जगदीश राम एवं जी. पी. सिन्हा ने इंडियन जर्नल ऑफ़ फॉरेस्ट्री 41(2):211.2018 में प्रकाशित किया है।

Porina subnitidula Colín & B. Peña (PORINACEAE)

This species earlier known from Mexico has been reported for the first time from India based on collections made from the Nicobar Islands, Andaman and Nicobar Islands. The specimens are deposited in the herbarium of Andaman and Nicobar Regional Centre, Botanical Survey of India, Port Blair (PBL). It has been published by T.A.M. Jagadeesh Ram & G.P. Sinha in Indian Journal of Forestry 41(2): 211.2018.

स्यूडोपायरेनुला सबनुडाटा मुल. अर्ग. (ट्रायपेथेलिऐसी)

पूर्वतः चीन, इंडोनेशिया एवं न्यू कैलेडोनिया से ज्ञात इस जाति का पता भारत में पहली बार अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह के निकोबार द्वीप से प्राप्त किये गए संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। इसके प्रतिरूप को पादपालय, अंडमान एवं निकोबार क्षेत्रीय केंद्र, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, पोर्ट ब्लेयर (पीबीएल) में संग्रहित किया गया है। इस शोध को टी.ए.एम. जगदीश राम एवं जी. पी. सिन्हा ने इंडियन जर्नल ऑफ़ फॉरेस्ट्री 41(2):212.2018 में प्रकाशित किया है।

Pseudopyrenula subnudata Müll. Arg. (TRYPETHELIACEAE)

This species earlier known from China, Indonesia and New Caledonia has been reported for the first time from India based on collections made from the Nicobar Islands, Andaman and Nicobar Islands. The specimens are deposited in the herbarium of Andaman and Nicobar Regional Centre, Botanical Survey of India, Port Blair (PBL). It has been published by T.A.M. Jagadeesh Ram & G.P. Sinha in Indian Journal of Forestry 41(2): 212. 2018.

सार्कोग्राफा डिफोर्मिस (वेन.) जाहलब्र

पूर्वतः मलेशिया, फिलीपीन्स एवं सोलोमन द्वीपसमूह से ज्ञात इस जाति का पता भारत में पहली बार उत्तरी एवं मध्य अंडमान एवं अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह से प्राप्त किये गए संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। इसके प्रतिरूप को पादपालय, अंडमान एवं निकोबार क्षेत्रीय केंद्र, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, पोर्ट ब्लेयर (पीबीएल) में संग्रहित किया गया है। इस शोध को पी.सिंह एवं अन्य ने इंडियन फॉरेस्टर 144(2):201.2018 में प्रकाशित किया है।

Sarcographa difformis (Vain.) Zahlbr. (GRAPHIDACEAE)

This species earlier known from Malaysia, Philippines and the Solomon islands has been reported for the first time from India based on collections made from North & Middle Andaman, Andaman and Nicobar Islands. The specimens are deposited in the herbarium of Andaman and Nicobar Regional Centre, Botanical Survey of India, Port Blair (PBL). It has been published by P. Singh & al. in Indian Forester 144(2): 201. 2018.

सोपोरोपोडियम सबफ्लावेसकेन्स लुकिंग एवं लुम्बश्च (इक्टोलिचिएसी)

पूर्वतः कोस्टा रिका एवं कॉक्स द्वीप से ज्ञात इस जाति का पता भारत में पहली बार अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह के निकोबार द्वीप से प्राप्त किये गए संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। इसके प्रतिरूप को पादपालय, अंडमान एवं निकोबार क्षेत्रीय केंद्र, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, पोर्ट ब्लेयर (पीबीएल) में संग्रहित किया गया है। इस शोध को टी.ए.एम. जगदीश राम एवं जी. पी. सिन्हा ने इंडियन जर्नल ऑफ़ फॉरेस्ट्री 41(2):212.2018 में प्रकाशित किया है।

Sporopodium subflavescens Lücking & Lumbsch (ECTOLECHIACEAE)

This species earlier known from Costa Rica and Cocos Island has been reported for the first time from India based on collections made from the Nicobar Islands, Andaman and Nicobar Islands. The specimens are deposited in the herbarium of Andaman and Nicobar Regional Centre, Botanical Survey of India, Port Blair (PBL). It has been published by T.A.M. Jagadeesh Ram & G.P. Sinha in Indian Journal of Forestry 41(2): 212. 2018.

सिंसेसिया अलबिसेड़ा (नील.) टेलर (रॉस्सिलेसी)

पूर्वतः ऑस्ट्रेलिया न्यू कैलेडोनिया, न्यू हेब्रिड्स एवं श्रीलंका से ज्ञात इस जाति का पता भारत में पहली बार अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह के निकोबार द्वीप से प्राप्त किये गए संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। इसके प्रतिरूप को पादपालय अंडमान एवं निकोबार क्षेत्रीय केंद्र, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, पोर्ट ब्लेयर (पीबीएल) में संग्रहित किया गया है। इस शोध को टी.ए.एम. जगदीश राम एवं जी. पी. सिन्हा ने इंडियन जर्नल ऑफ़ फॉरेस्ट्री 41(2):212.2018 में प्रकाशित किया है।

Synnesia albiseda (Nyl.) Tehler (ROCCELLACEAE)

This species earlier known from Australia, New Caledonia, New Hebrides and Sri Lanka has been reported for the first time from India based on collections made from the Nicobar Islands, Andaman and Nicobar Islands. The specimens are deposited in the herbarium of Andaman and Nicobar Regional Centre, Botanical Survey of India, Port Blair (PBL). It has been published by T.A.M. Jagadeesh Ram & G.P. Sinha in Indian Journal of Forestry 41(2): 212. 2018.

ट्राइकोथेलियम सिपमन्नाई लुकिंग (ट्राइकोथेलिएसी)

पूर्वतः मध्य एवं दक्षिण अमेरिका से ज्ञात इस जाति का पता भारत में पहली बार अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह के निकोबार द्वीप से प्राप्त किये गए संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। इसके प्रतिरूप को पादपालय भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, अंडमान एवं निकोबार क्षेत्रीय केंद्र, पोर्ट ब्लेयर (पीबीएल) में संग्रहित किया गया है। इस शोध को टी.ए.एम. जगदीश राम एवं जी. पी. सिन्हा ने इंडियन जर्नल ऑफ़ फॉरेस्ट्री 41(2):213.2018 में प्रकाशित किया है।

Trichothelium sipmanii Lücking (TRICHOTHELIACEAE)

This species earlier known from Central and South America has been reported for the first time from India based on collections made from the Nicobar Islands, Andaman and Nicobar Islands. The specimens are deposited in the herbarium of Andaman and Nicobar Regional Centre, Botanical Survey of India, Port Blair (PBL). It has been published by T.A.M. Jagadeesh Ram & G.P. Sinha in Indian Journal of Forestry 41(2): 213. 2018.

ट्रायचेरिया सेंटैसोनियाना काल्ब एवं जेदा (गोम्फिलेसी)

पूर्वतः मध्य एवं दक्षिण अमेरिका से ज्ञात इस जाति का पता भारत में पहली बार अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह के निकोबार द्वीप से प्राप्त किये गए संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। इसके प्रतिरूप को पादपालय अंडमान एवं निकोबार क्षेत्रीय केंद्र, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, पोर्ट ब्लेयर (पीबीएल) में संग्रहित किया गया है। इस शोध को टी.ए.एम. जगदीश राम एवं जी. पी. सिन्हा ने इंडियन जर्नल ऑफ़ फॉरेस्ट्री 41(2):213.2018 में प्रकाशित किया है।

Tricharia santessoniana Kalb & Vězda (GOMPHILLACEAE)

This species earlier known from Central and South America and the Philippines has been reported for the first time from India based on collections made from the Nicobar Islands, Andaman and Nicobar Islands. The specimens are deposited in the herbarium of Andaman and Nicobar Regional Centre, Botanical Survey of India, Port Blair (PBL). It has been published by T.A.M. Jagadeesh Ram & G.P. Sinha in Indian Journal of Forestry 41(2): 213. 2018.

ट्रायपेथेलियम जानथोप्लेटिसटोमम फ्लेक्स एवं एपट्रूट (ट्रायपेथेलिएसी)



पूर्वतः बोलीविया से ज्ञात इस जाति का पता भारत में पहली बार ओडिशा राज्य के कंधमाल जनपद से प्राप्त किये गए संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। इसके प्रतिरूप को केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा (सीएएल) में संग्रहित किया गया है। इस शोध को जी. स्वर्णलता ने ऐनल्स ऑफ प्लांट साइंसेस 7(12):3479. 2018 में प्रकाशित किया है।

Trypethelium xanthoplatystomum Flakus & Aptroot
(TRYPETHELIACEAE)

This species earlier known from Bolivia has been reported for the first time from India based on collections made from Kandhamal district, Odisha. The specimens are deposited in the herbarium

Botanical Survey of India, Central National herbarium, Howrah (CAL). It has been published by G. Swarnalatha, in *Annals of Plant Sciences* 7(12): 3479. 2018.

प्रभेद अभिलेख • VARIETAL RECORDS

परटुसरिया डेहिसेन्स प्रभेद सेकिकाइका ए.डब्लू. आर्चर एवं एलिक्स (पर्टूसेरिएसी)

पूर्वतः ऑस्ट्रेलिया से ज्ञात इस जाति का पता भारत में पहली बार कर्नाटक राज्य के सेंट मेरी द्वीप समूह से प्राप्त किये गए संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। इसके प्रतिरूप को पादपालय, सीएसआईआर-राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ (एलडब्लूजी) में संग्रहित किया गया है। इस शोध को एस. जोसेफ एवं अन्य ने स्टडीज इन फंगी 3(1):267.2018 में प्रकाशित किया है।

Pertusaria dehiscens var. *sekikaica* A.W. Archer & Elix (PERTUSARIACEAE)

This species earlier known from Australia has been reported for the first time from India based on collections made from the St. Mary's Islands, Karnataka. The specimens are deposited in the herbarium of CSIR-National Botanical Research Institute, Lucknow (LWG). It has been published by S. Joseph & al. in *Studies in Fungi* 3(1): 267. 2018.



शैवाल/ALGAE

Caulerpa racemosa (Forssk) J. Agardh (Caulerpaceae)
Courtesy : M. Palanisamy

शैवाल/ALGAE

शैवाल एककोशीय से बहुकोशीय संरचना वाले सरल, प्ररूपी तौर स्वपोषी जीव का विशाल एवं विविधतापूर्ण समूह है। विश्व स्तर पर शैवालों का अत्यधिक दोहन होने के साथ ही भारत में भी शैवालों के बारे में जानकारी में लगातार में गुणात्मक वृद्धि हो रही है।

भारतीय वनस्पतिजात में लगभग 14.98 प्रतिशत हिस्सा शैवालों का है।

हमारी अब तक की जानकारी अनुसार भारतीय शैवालों की लगभग 7411 जातियाँ हैं।

इस प्रकार अनेकानेक जातियों का अन्वेषण एवं वर्णन अभी भी शेष है।

इस क्रमवार सूचना में वर्ष 2018 के दौरान भारत से 05 नयी जातियाँ, जिनमें (अरुणाचल प्रदेश से 03 जातियाँ, सिक्किम एवं पश्चिम बंगाल में प्रत्येक से 01 जाति) का अन्वेषण विज्ञान के लिये नयी जातियों के रूप में हुआ है तथा

भारतीय वनस्पतिजात के लिये 7 जातियों 2 प्रभेदों एवं 1 रूप के नए वितरणपरक अभिलेख सम्मिलित किये गये हैं।

Algae are large and diverse group of simple, typically autotrophic organisms from unicellular to multicellular forms.

Though algae are becoming more and more open to exploitation worldwide,

Knowledge on algae in India increasing tremendously in recent times.

The Indian algae account for about 14.98 per cent of the total species of the India.

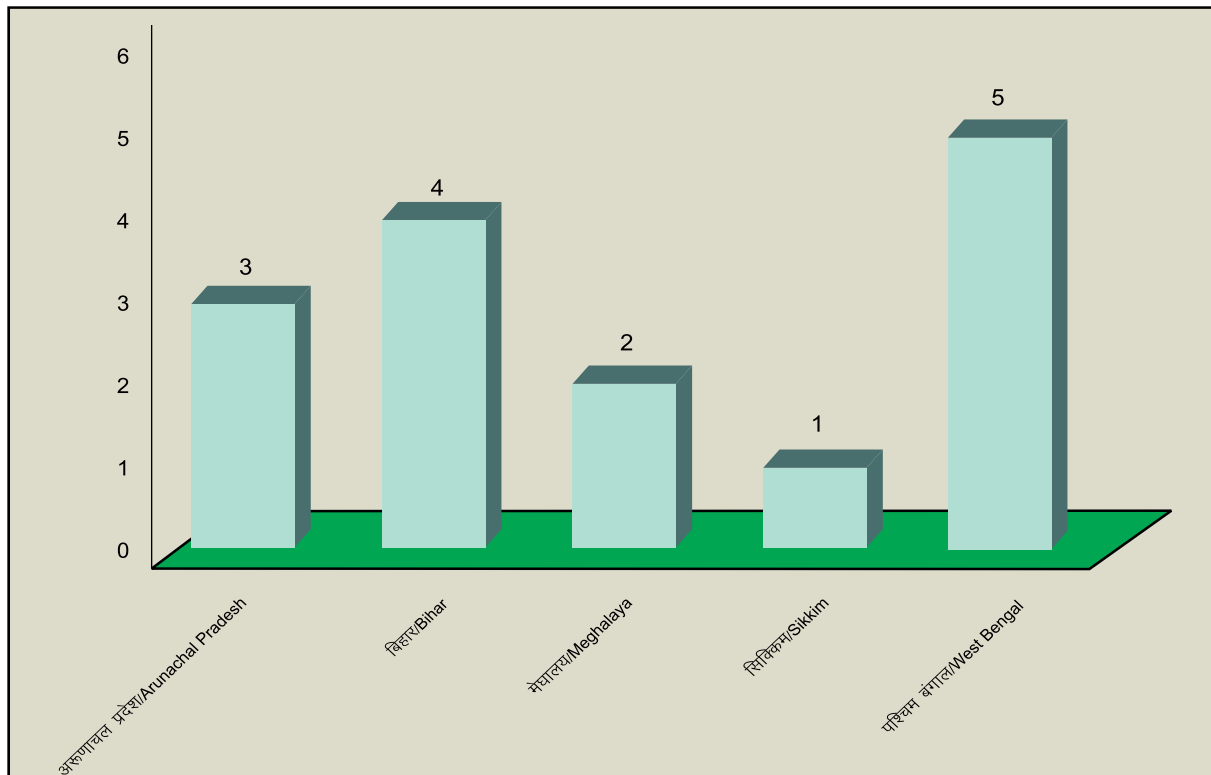
In the present state of our knowledge India has

about 7411 species of algae. Many more are yet to be Identified and described.

The collated information presented here for year 2018 includes 5 new species (03 species from Arunachal Pradesh, 01 species each from Sikkim and West Bengal);

and

7 species, 2 varieties and 1 forma as new distributional records for India.



भारतीय राज्यों से अन्वेषित शैवालों की संख्या

NUMBER OF ALGAE DISCOVERED FROM INDIAN STATES

नवीन जाति • NEW SPECIES

बुल्बोकिटा थांगुयेंसिस एम. मंडल एवं डी. मैती, फायटोटैक्सा 346(3):281.2018. (ओडोगोनिऐसी)

इस नवीन शैवाल जाति का अन्वेषण एवं वर्णन भारत में सिक्किम राज्य के थांगू चोपता घाटी में 4006मी. की ऊंचाई से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। इसका मूल प्ररूप पादपालय, वनस्पति विज्ञान विभाग, कलकत्ता विश्वविद्यालय, कोलकाता (सीयूएच) में संग्रहित है। इस जाति का नामकरण इसके प्ररूप प्राप्ति स्थल थांगू घाटी के नाम पर आधारित है।

Bulbochaete thanguensis M. Mandal & D. Maity, Phytotaxa 346(3): 281. 2018 (OEDOGONIACEAE)

This new algal species has been discovered and described based on the collection made from Chopta Valley, Thangu, Sikkim, India, at 4006m altitude. The holotype is deposited in Calcutta University Herbarium (CUH). The species is named after its type locality i.e. Thangu Valley.

गोम्फोनीमा दिरांगेन्से सुदिप्ता कु. दास, सी. राधाकृष्णन, कोसिओलेक एवं बी. कार्तिक, नोवा हेडविजिया 147:360.2018.

(गोम्फोनिमैटेसी)

इस नवीन शैवाल जाति का अन्वेषण एवं वर्णन भारत में अरुणाचल प्रदेश के पश्चिम कामेंग जनपद के दिरांग एवं सांगे, सापर एवं दिरांग नदी के मध्य ग्रामों में 1594मी. की ऊंचाई से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। इसका मूल प्ररूप डायटम पादपालय, आघरकर अनुसंधान संस्थान, पुणे (एएचएमए) में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण इसके प्ररूप प्राप्ति स्थल में बहने वाली दिरांग नदी के नाम पर आधारित है।

Gomphonema dirangense Sudipta K. Das, C. Radhakrishnan, Kociolek & B. Karthick, Nova Hedwigia Beiheft 147: 360. 2018. (GOMPHONEMATACEAE)

This new algal species has been discovered and described based on the collection made from a village between Dirang and Sangey, in Sapar, Dirang river, West Kameng district, Arunachal Pradesh at 1594m altitude. The holotype is deposited in herbarium of Agharkar Research Institute, Pune (AHMA). The species is named after river Dirang in its type locality.

गोम्फोनीमा मायामाई सुदिप्ता कु. दास, सी. राधाकृष्णन, कोसिओलेक एवं बी. कार्तिक, नोवा हेडविजिया 147:360.2018.

(गोम्फोनिमैटेसी)

इस नवीन शैवाल जाति का अन्वेषण एवं वर्णन भारत में अरुणाचल प्रदेश के पश्चिम कामेंग जनपद के सापर ग्राम में 1594मी. की ऊंचाई से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। इसका मूल प्ररूप डायटम पादपालय, आघरकर अनुसंधान संस्थान, पुणे (एएचएमए) में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण टोकियो विश्वविद्यालय, कोगनेई-शी, टोकियो जापान जीव विज्ञान विभाग के प्रोफेसर डॉ. शेंगकी मायामा के सम्मान में किया गया है।

Gomphonema mayamae Sudipta K. Das, C. Radhakrishnan, Kociolek & B. Karthick, Nova Hedwigia Beiheft 147: 360. 2018. (GOMPHONEMATACEAE)

This new algal species has been discovered and described based on the collection made from Sapar Village, Dirang River, West Kameng district, Arunachal Pradesh at 1594m altitude. The holotype is deposited in Diatom Collection, Agharkar Research Institute Herbarium, Pune (AHMA). The species is named in honor of Prof. Dr. Shigeki Mayama, Depart. of Biology, Tokyo Gakugei University, Koganei-shi, Tokyo, Japan.

गोम्फोनीमा सापारेन्से सुदिप्ता कु. दास, सी. राधाकृष्णन, कोसिओलेक एवं बी. कार्तिक, नोवा हेडविजिया 147:364.2018.

(गोम्फोनिमैटेसी)

इस नवीन शैवाल जाति का अन्वेषण एवं वर्णन भारत में अरुणाचल प्रदेश के पश्चिम कामेंग जनपद के दिरांग एवं सांगे, सापर एवं दिरांग नदी के मध्य स्थित ग्राम से 1594मी. की ऊंचाई से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। इसका मूल प्ररूप डायटम पादपालय, आघरकर अनुसंधान संस्थान, पुणे (एएचएमए) में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण इसके प्ररूप प्राप्ति स्थल सापर ग्राम के नाम पर आधारित है।

Gomphonema saparense Sudipta K. Das, C. Radhakrishnan, Kociolek & B. Karthick, Nova Hedwigia Beiheft 147: 364. 2018. (GOMPHONEMATACEAE)

This new algal species has been discovered and described based on the collection made from a village between Dirang and Sangey, in Sapar, Dirang River, West Kameng district, Arunachal Pradesh at 1594m altitude. The holotype is deposited in Diatom Collection, Agharkar Research Institute Herbarium, Pune (AHMA). The specific epithet is named after name of the village, Sapar in which it was found.

ओसिल्लाटोरिया स्यूडोएनग्वीना केशरी एवं दास, फायकोज 47 (1):36.2017. (ओसिल्लाटोरिऐसी)

इस नवीन शैवाल जाति का अन्वेषण एवं वर्णन भारत में पश्चिम बंगाल राज्य के कोचबिहार जनपद में दिवानहाट में जल टैंक से प्राप्त किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। इसका मूल प्ररूप पादपालय, वनस्पति विज्ञान विभाग, वर्द्धमान विश्वविद्यालय, वर्द्धमान (बीयूआरडी) में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण अन्य जाति *ओसिल्लाटोरिया एनग्वीना* से इसकी समानता पर आधारित है।

Oscillatoria pseudoanguina Keshri et Das, Phykos 47(1): 36. 2017 (OSCILLATORIACEAE)

This new algal species has been discovered and described based on the collection made from a water tank in Dewanhat, Koch Bihar, West Bengal, India. The holotype is deposited in algae herbarium, Department of Botany, University of Burdwan (BURD). The specific epithet refers its resemblance with *O. anguina*.

नवीन वितरणपरक अभिलेख • NEW DISTRIBUTION RECORDS

जातिपरक अभिलेख • SPECIES RECORDS

कारा मस्कोसा जे. गूक्स एवं बोल्ल.—वेबस्ट.

पूर्वतः फ्रांस एवं आयरलैंड से ज्ञात इस शैवाल जाति का पता भारत में प्रथम बार बिहार राज्य के वैशाली जनपद में स्थित सलीम अली जुब्बा साहनी पक्षी अभयारण्य की बारेला झील से प्राप्त किए गए संग्रहों के आधार पर किया गया है। इसके प्रतिरूप को केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा (सीएएल) में संग्रहित किया गया है। इस शोध को कुमार अविनाश भारती एवं सुदिप्ता कुमार दास ने इंडियन जर्नल ऑफ फॉरेस्ट्री 41(4):322.2018 में प्रकाशित किया है।

Chara muscosa J.Groves & Boll.-Webst.

This algal species, earlier known from France and Ireland has been reported for the first time from India based on collection made from Baraila lake Salim Ali Jubba Sahni Bird Sanctuary, Vaishali district of Bihar. The specimens are deposited in Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah (CAL). This study has been published by Kumar Avinash Bharati and Sudipta Kumar Das in Indian J. Forest. 41(4):322.2018.

गिल्द्रीनेमा सैंडबर्गाई मुरील डबल्यू. ए. (एगोरिकेसी)

इस शैवाल जाति का पता भारत में प्रथम बार पश्चिम बंगाल राज्य के कोच बिहार के दिवान हाट से किए गए संग्रहों के आधार पर किया गया है। इसके प्रतिरूप को शैवाल पादपालय, वनस्पति विज्ञान विभाग, वर्द्धमान विश्वविद्यालय, वर्द्धमान (बीयूआरडी) में संग्रहित किया गया है। इस शोध को मौसमी दास एवं जय प्रकाश केशरी ने फायकोज 47 (1):33.2017 में प्रकाशित किया है।

Geitlerinema sandbergii (Skuja) Anagnostidis (COLEOFASCICULACEAE)

This algal species has been reported for the first time from India based on collection made from Dewanhat, Koch Bihar, West Bengal. The specimen is deposited in algae herbarium, Department of Botany, The University of Burdwan (BURD). This study has been published by Mousumi Das and Jai Prakash Keshri in Phykos 47 (1): 33. 2017.

होरमोस्सीला फेल्डमन्नाई एनागनोस्टीडिस (गोमोन्टील्लासी)

इस शैवाल जाति का पता भारत में प्रथम बार पश्चिम बंगाल राज्य के कोच बिहार के वटकुवरपार से किए गए संग्रहों के आधार पर किया गया है। इसके प्रतिरूप को शैवाल पादपालय, वनस्पति विज्ञान विभाग, वर्द्धमान विश्वविद्यालय, वर्द्धमान (बीयूआरडी) में संग्रहित किया गया है। इस शोध को मौसमी दास एवं जय प्रकाश केशरी ने फायकोज 47(1):35.2017 में प्रकाशित किया है।

Hormoscilla feldmannii Anagnostidis (GOMONTIELLACEAE)

This algal species has been reported for the first time from India based on collection made from Vatkuar par, Koch Bihar, West Bengal. The specimen is deposited in algae herbarium, Department of Botany, The University of Burdwan (BURD). This study has been published by Mousumi Das and Jai Prakash Keshri in Phykos 47 (1): 35. 2017.

ओसिल्लाटोरिया लियोनार्डाई कोम्पेरे (ओरिल्लोटोरिऐसी)

इस शैवाल जाति का पता भारत में प्रथम बार पश्चिम बंगाल राज्य के कोच बिहार के गौरंगा बाजार से किए गए संग्रहों के आधार पर किया गया है। इसके प्रतिरूप को शैवाल पादपालय, वनस्पति विज्ञान विभाग, वर्द्धमान विश्वविद्यालय, वर्द्धमान (बीयूआरडी) में संग्रहित किया गया है। इस शोध को मौसमी दास एवं जय प्रकाश केशरी ने फायकोज 47 (1):37.2017 में प्रकाशित किया है।

Oscillatoria leonardii Compère (OSCILLATORIAACEAE)

This algal species has been reported for the first time from India based on collection made from Gouranga Bazar, Koch Bihar, West Bengal. The specimen is deposited in algae herbarium, Department of Botany, The University of Burdwan (BURD). This study has been published by Mousumi Das and Jai Prakash Keshri in Phykos 47(1): 37. 2017.

ओसिल्लाटोरिया निटिडा स्कोरबटोव ख्स्कोरबटोव, (ओरिल्लोटोरिऐसी)

इस शैवाल जाति का पता भारत में प्रथम बार पश्चिम बंगाल राज्य के राजबाड़ी पार्क से किए गए संग्रहों के आधार पर किया गया है। इसके प्रतिरूप को शैवाल पादपालय, वनस्पति विज्ञान विभाग, वर्द्धमान विश्वविद्यालय, वर्द्धमान (बीयूआरडी) में संग्रहित किया गया है। इस शोध को मौसमी दास एवं जय प्रकाश केशरी ने फायकोज 47(1):37.2017 में प्रकाशित किया है।

Oscillatoria nitida Schorbatov [Škorbatov] (OSCILLATORIAACEAE)

This algal species has been reported for the first time from India based on collection made from Rajbari Park, West Bengal. The specimen is deposited in algae herbarium, Department of Botany, The University of Burdwan (BURD). This study has been published by Mousumi Das and Jai Prakash Keshri in Phykos 47(1): 37. 2017.

स्फैरिल्लोसिस्टीस इल्लिपसोडिया इंट्टल

पूर्वतः अर्जेन्टिना एवं इराक से ज्ञात इस शैवाल जाति का पता भारत में प्रथम बार बिहार राज्य के वैशाली जनपद में स्थित सलीम अली जुब्बा साहनी पक्षी अभयारण्य की बारेला झील से प्राप्त किए गए संग्रहों के आधार पर किया गया है। इसके प्रतिरूप को केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा (सीएएल) में संग्रहित किया गया है। इस शोध को कुमार अविनाश भारती एवं सुदिप्ता कुमार दास ने इंडियन जर्नल ऑफ फारेस्ट्री 41(4):321.2018 में प्रकाशित किया है।

Sphaerellocystis ellipsoidea Ettl

This algal species, earlier known from Argentina and Iraq has been reported for the first time from India based on collection made from Baraila lake Salim Ali Jubba Sahni Bird Sanctuary, Vaishali district of Bihar. The specimens are deposited in Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah (CAL). This study has been published by Kumar Avinash Bharati and Sudipta Kumar Das in Indian J. Forest. 41(4):321.2018.

स्टोरोनिस स्मीथियाई (ग्रूनॉउ) (स्टोरोनिडेसी)

पूर्वतः अल्बानिया, बाल्टिक सागर, ब्रिटेन, फ्रांस, चेक गणराज्य, जर्मनी, आयरलैंड, इटली, निदरलैंड, पोलैंड, रूस, तुर्की, अलास्का, कैलिफॉर्निया, कनाडा, संयुक्त राज्य अमेरिका, इजराइल, चीन एवं मंगोलिया से ज्ञात इस शैवाल जाति का पता भारत में प्रथम बार मेघालय में वेस्ट गारो हिल्स, वारीबुक झरने से प्राप्त किए गए संग्रहों के आधार पर किया गया है। इसके प्रतिरूप को शैवाल पादपालय, नार्थ ईस्ट हिल विश्वविद्यालय, शिलांग में संग्रहित किया गया है। इस शोध को प्रानिता हाजोंग एवं पापिया रामानुजम ने फायकोज 48(1):86.2018 में प्रकाशित किया है।

Stauroneis smithii (Grunow) (STAURONEIDACEAE)

This algal species, earlier known from Albania, Baltic Sea, Britain, France, Czech Republic, Germany, Ireland, Italy, Netherland, Poland, Russia, Turkey, Alaska, California, Canada, United States of America, Isreal, China and Mongolia, has been reported for the first time from India based on collection made from Warribok stream, West Garo Hills, Meghalaya. The specimens are deposited in Algal Ecology Laboratory, North Eastern Hill University, Shillong. This study has been published by Pranita Hajong and Papiya Ramanujam in Phykos 48 (1): 86. 2018.

प्रभेद अभिलेख • VARIETAL RECORDS

निट्श्चीया सायनुआटा प्रभेद टेबेल्लेरिया (ग्रूनॉउ) (बेसिल्लेरिएसी)

पूर्वतः ब्रिटेन, चेक गणराज्य, फ्रांस, जर्मनी, हंगरी, आयरलैंड, स्पेन, तुर्की, आइसलैंड, अलास्का, संयुक्त राज्य अमेरिका, इराक, ताईवान, आस्ट्रेलिया एवं न्यूजीलैंड से ज्ञात इस शैवाल प्रभेद का पता भारत में प्रथम बार मेघालय में वेस्ट गारो हिल्स, गालोन नदी से प्राप्त किए गए संग्रहों के आधार पर किया गया है। इसके प्रतिरूप को शैवाल पादपालय, नार्थ ईस्ट हिल विश्वविद्यालय, शिलांग में संग्रहित किया गया है। इस शोध को प्रानिता हाजोंग एवं पापिया रामानुजम ने फायकोज 48(1):86.2018 में प्रकाशित किया है।

Nitzschia sinuata var. *tabellaria* (Grunow) (BACILLARIACEAE)

This algal variety, earlier known from Britain, Czech Republic, France, Germany, Hungary, Ireland, Spain, Turkey, Ice land, Alaska, United States of America, Iraq, Taiwan, Australia and New Zealand, has been reported for the first time from India based on collection made from Ganol river, West Garo Hills, Meghalaya. The specimens are deposited in Algal Ecology Laboratory, North Eastern Hill University, Shillong. This study has been published by Pranita Hajong and Papiya Ramanujam in *Phykos* 48(1): 86. 2018.

ओडोगोनियम उन्डूलाटम ए. ब्राउन एक्स हिर्न प्रभेद ईंसिसम हैंसग्रिग

पूर्वतः यूरोपीय क्षेत्रों से ज्ञात इस शैवाल जाति का पता भारत में प्रथम बार बिहार राज्य के वैशाली जनपद में स्थित सलीम अली जुब्बा साहनी पक्षी अभयारण्य की बारेला झील से प्राप्त किए गए संग्रहों के आधार पर किया गया है। इसके प्रतिरूप को केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा (सीएएल) में संग्रहित किया गया है। इस शोध को कुमार अविनाश भारती एवं सुदिप्ता कुमार दास ने इंडियन जर्नल ऑफ फॉरेस्ट्री 41(4):322.2018 में प्रकाशित किया है।

Oedogonium undulatum A. Braun ex Hirn var. *incisum* Hansgirg

This algal variety, earlier known from several localities of Europe has been reported for the first time from India based on collection made from Baraila lake Salim Ali Jubba Sahni Bird Sanctuary, Vaishali district of Bihar. The specimens are deposited in Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah (CAL). This study has been published by Kumar Avinash Bharati and Sudipta Kumar Das in *Indian J. Forest.* 41(4):322.2018.

रूप अभिलेख • FORMA RECORD

ओडोगोनियम प्राटेन्से ट्रासाउ रूप माइनस म्रोजिन्सिका-वेब

पूर्वतः यूरोपीय क्षेत्रों से ज्ञात इस शैवाल का पता भारत में प्रथम बार बिहार राज्य के वैशाली जनपद में स्थित सलीम अली जुब्बा साहनी पक्षी अभयारण्य की बारेला झील से प्राप्त किए गए संग्रहों के आधार पर किया गया है। इसके प्रतिरूप को केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा (सीएएल) में संग्रहित किया गया है। इस शोध को कुमार अविनाश भारती एवं सुदिप्ता कुमार दास ने इंडियन जर्नल ऑफ फॉरेस्ट्री 41(4): 321.2018 में प्रकाशित किया है।

Oedogonium pratense Transeau f. *minus* Mrozi ska-Webb

This algal forma species, earlier known from Europe has been reported for the first time from India based on collection made from Baraila lake Salim Ali Jubba Sahni Bird Sanctuary, Vaishali district of Bihar. The specimens are deposited in Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah (CAL). This study has been published by Kumar Avinash Bharati and Sudipta Kumar Das in *Indian J. Forest.* 41(4):321.2018.



कवक/FUNGI

Russula Kanadii A. K. Dutta & K. Acharya (Russulaceae)
Courtesy : Manoj E. Hembrom

कवक/FUNGI

दुनिया भर में व्याप्त कवक कार्बनिक पदार्थों के विघटन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं तथा पोषण चक्र के लिए अरिहार्य हैं। लंबे समय से इनका उपयोग एक खाद्य स्रोत के रूप में तथा विभिन्न खाद्य सामग्रियों को किण्वित करने में होता रहा है,

अब ये प्रतिजैविक के रूप में भी महत्वपूर्ण स्रोत बन गये हैं।

भारतीय वनस्पतिजात में लगभग 31.14 प्रतिशत हिस्सा कवकों का है।

हमारी अब तक की जानकारी अनुसार भारतीय कवकों की लगभग 15396 जातियाँ हैं।

इस प्रकार अनेकानेक जातियों का अन्वेषण एवं वर्णन अभी भी शेष है।

इस क्रमवार सूचना में वर्ष 2018 के दौरान भारत से 04 नए वंश एवं 73 नयी जातियाँ, जिनमें (हिमाचल प्रदेश, ओडिशा एवं पंजाब राज्यों में प्रत्येक से 1 जाति, उत्तर प्रदेश, झारखंड एवं मध्य प्रदेश से क्रमशः 02 जातियाँ जबकि महाराष्ट्र, मेघालय एवं पश्चिम बंगाल में प्रत्येक से 03 जाति, तमिलनाडु से 05 जातियाँ, सिक्किम से 09 जातियाँ, उत्तराखंड से 10 जातियाँ, केरल से 14 एवं केरल राज्य से 17 जातियाँ) विज्ञान के लिये नयी अन्वेषित की गई हैं तथा भारत के लिये 96 नए वितरणपरक अभिलेख सम्मिलित किये गये हैं।

Fungi distributed worldwide, perform an essential role in nature by decomposing organic matter and are indispensable in nutrient cycling. They have long been used as source of food and in fermentation of various food products and now they are an important source of antibiotics.

The Indian fungi account for about 31.14 per cent of the total plant species of the India.

In the present state of our knowledge India has

About 15396 species of fungi. Many more are yet to be Identified and described.

The collated information presented here for year 2018 includes 04 new genera 73 new species from India

(01 species each from Himachal Pradesh, Odisha and Punjab; 02 species each from Uttar Pradesh,

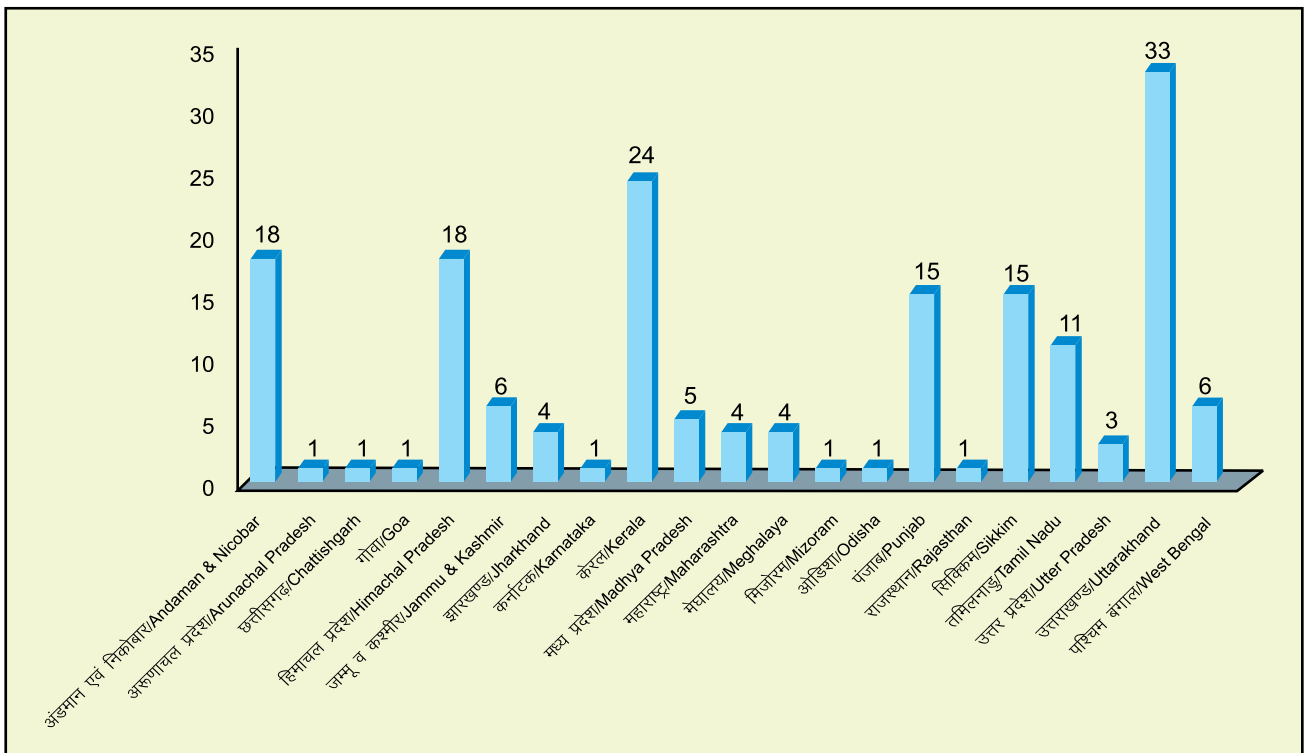
Jharkhand and Madhya Pradesh; 03 species each from Maharashtra, Meghalaya and West Bengal;

05 species from Tamil Nadu; 09 species from Sikkim;

10 from Uttarakhand; 14 from Kerala and 17 species from Andaman & Nicobar)

and

1 Genera, 93 species and 2 varieties as new distributional records for India.



भारतीय राज्यों से अन्वेषित कवकों की संख्या

NUMBER OF FUNGI DISCOVERED FROM INDIAN STATES

नवीन वंश • NEW GENUS

क्राउसोब्राउनिएल्ला शैम. कुमार, राघव. सिंह, धर्मेंद्र व कमल, कवक 50:64.2018.

इस नवीन वंश का अन्वेषण एवं वर्णन भारत में भिंगा वन, श्रावस्ती, उत्तर प्रदेश में *शोरिया रोबस्टा* गार्टन. (डिप्टेरोकार्पेसी) की सजीव पत्तियों से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। इस वंश का मूल प्ररूप पादपालय, भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, क्रिप्टोगैमी इंडी ओरियेंटेलिस, नई दिल्ली (एचसीआईओ) तथा समप्ररूप डी.डी.यू. गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर (जीपीयू) के वनस्पति विभाग के पादपालय में संग्रहित हैं। इस कवक के वंश नाम के दो घटक, 'क्राउसो' और 'ब्राउनिएला' क्रमशः प्रो. (डॉ.) पी. डबल्यू. क्राउस एवं प्रो. (डॉ.) यूवे ब्राउन के सम्मान में रखे गए हैं।

Crousobrauniella Sham. Kumar; Raghv. Singh, Dharmendra & Kamal, KAVAKA 50: 64. 2018.

This new fungal genus has been discovered and described based on the collection made from living leaves of *Shorea robusta* Gaertn. (Dipterocarpaceae), in Bhinga forest, Shravasti, Uttar Pradesh, India. The holotype is deposited in Herbarium of Indian Agriculture Research Institute, Cryptogamae Indiae Orientalis, New Delhi (HCIO) and isotype is in mycological herbarium of the Dept. of Botany, D.D.U. Gorakhpur University, Gorakhpur (GPU). The generic epithet is composed of two components, 'Crouso' and 'Brauniella' and in honour of two renowned mycologists, Prof (Dr.) P.W. Crous and Prof (Dr.) Uwe Braun, respectively.

इंडोपोरस ए. परिहार, के. दास, हेमब्रम एवं विजिनी, क्रिप्टोगैमी माइकोलॉजी 39(4):453.2018. (बोलेटेसी)

इस नवीन वंश का अन्वेषण एवं वर्णन झारखंड, भारत में *शोरिया* वृक्ष की अधिकता वाले शुष्क पर्णपाती वनों से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। इसका मूल प्ररूप केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा (सीएएल) में संग्रहित है। इस वंश का नाम दो शब्दों 'इंडो' और 'पोरस' पर आधारित है, जो क्रमशः इसके प्ररूप प्राप्ति देश भारत और पोरोइड हाइमेनोफोर को दर्शाते हैं।

Indoporus A. Parihar; K. Das, Hembrom & Vizzini, Cryptogamie Mycologie 39 (4): 453 2018. (BOLETACEAE)

This new mushroom genus has been discovered and described based on the collection made from tropical dry deciduous *Shorea* dominated forests in Jharkhand, India. The holotype is deposited in Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah (CAL). The genus name is given from two words, 'Indo' refers to the country India from where it is discovered and 'porous' refers to the poroid hymenophore.

सक्सेनामाइसेस सूर्यवंशी, ए. एन. राय व पी. एन. सिंह, माइकोटैक्सॉन 133:424.2018.

इस नवीन वंश का अन्वेषण एवं वर्णन भारत में बैहर, उत्तरी बालाघाट वनखंड, मध्य प्रदेश में *शोरिया रोबस्टा* गार्टन. (डिप्टेरोकार्पेसी) की सजीव पत्तियों से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। इसका मूल प्ररूप आजरेकर कवक पादपालय, आघरकर अनुसंधान संस्थान, पुणे (एएमएच) में तथा समप्ररूप डॉ. हरि सिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (आरजेएम) के राय जयश्री पादपालय में संग्रहित हैं। इस कवक के वंश का नामकरण अंतर्राष्ट्रीय ख्यातिप्राप्त स्वर्गीय प्रो. एस. बी. सक्सेना के सम्मान और उनकी श्रद्धांजलि में कवक विज्ञान के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए किया गया है।

Saksenamyces Surywanshi, A. N. Rai & P. N. Singh, Mycotaxon 133: 424.2018.

This new fungal genus has been discovered and described based on the collection made from living leaves of *Shorea robusta* Gaertn. (Dipterocarpaceae), Baihar; North Balaghat forest Division, Madhya Pradesh, India. The holotype is deposited in Ajrekar Mycological Herbarium, Agharkar Research Institute, Pune (AMH) and isotype is in Rai Jaishri Mycology Herbarium, Dr. Hari Singh Gour University, Sagar (RJM). The genus named after Prof. S.B. Saksena for his significant contributions in the field of Mycology.

थाइरिडेरिएल्ला बी. देवदत्त, वी. वी. शर्मा, के. डी. हाइडे, वानस. व ई. बी. जी. जॉस, माइकोलॉजिकल प्रोग्रेस डिओइ . ऑर्ग./ 10. 1007/एस11557-018-1387-4

इस नवीन वंश का अन्वेषण एवं वर्णन भारत में तिरुवरूर, तमिलनाडु के मुथुपेट मैंग्रोव से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। इसका मूल प्ररूप आजरेकर कवक पादपालय, आघरकर अनुसंधान संस्थान, पुणे (एएमएच) में संग्रहित हैं। इस कवक के वंश का नामकरण पहले से ज्ञात *थाइरिडेरिया* वंश से सामानता के आधार पर किया गया है।

Thyridariella B. Devadatha, V.V. Sarma, K.D. Hyde, Wanas. & E.B.G Jones, Mycological Progress doi.org/10.1007/s11557-018-1387-4.

This new genus has been discovered and described based on the collection made from Muthupet Mangroves, Tiruvarur, Tamil Nadu, India. The holotype is deposited in Ajrekar Mycological Herbarium, Agharkar Research Institute, Pune (AMH). The generic name refers to its resemblance to the existing genus *Thyridaria*.

नवीन जाति • NEW SPECIES

एगोरिकस डूप्लोसिंग्यूलाट्वाइडिस तरफदार, ए. के. दत्ता एवं के. आचार्य, फायटोटैक्सा 374(2):142.2018. (एगोरिकेसी)

इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन भारत में पश्चिम बंगाल राज्य के पूर्वी मिदनापुर जिले के रामनगर, कासाफलतल्या में 10मी. की ऊंचाई से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। इसका मूल प्ररूप केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा (सीएएल) में संग्रहित है। इस जाति का नामकरण इसके एक अन्य जाति *एगोरिकस डूप्लोसिंग्यूलेटस* से बाह्याकार समानता होने के आधार पर किया गया है।

Agaricus duplocingulatoides Tarafder, A.K. Dutta & K. Acharya, Phytotaxa 374 (2): 142. 2018. (AGARICACEAE)

This new fungal species has been discovered and described based on the collection made from Ramnagar, Kasafaltalya, East Midnapur district of West Bengal at 10m altitude. The holotype is deposited in Calcutta University Herbarium (CUH). The specific epithet refers to its morphological closeness with the taxon *Agaricus duplocingulatus*.

अमानिता अर्जेटियोएल्बा महमूद, के. दास, इकबाल होसेन, आर. पी. भट्ट एवं उनियाल, फायटोटैक्सा 367(367):222.2018. (अमानितेसी)



इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन भारत में उत्तराखंड के बागेश्वर जिले के ढाकुरी (पिण्डारी ट्रेक) से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। इसका मूल प्ररूप केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा (सीएएल) में संग्रहित है। इस कवक जाति का नामकरण लैटिन शब्द 'अर्जेटियोएल्बा' का अभिप्राय चमकीले सफेद बिसिडियोकार्प से है।

Amanita argenteoalba Mehmood, K. Das, Iqbal Hosen, R.P. Bhatt & Uniyal, Phytotaxa 367 (3): 222.2018. (AMANITACEAE)

This new fungal species has been discovered and described based on the collection made from Dhakuri (on pindari trek), Bageshwar district, Uttarakhand, India. The holotype is deposited in Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah (CAL). The name refers to the Latin word 'argenteoalba' meaning silvery white thus its basidiocarp.

अमानिता ढाकुरियाना महमूद, के. दास, इकबाल होसेन, आर. पी. भट्ट एवं उनियाल, फायटोटैक्सा 367(3):226.2018. (अमानितेसी)

इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन भारत में उत्तराखंड के बागेश्वर जिले के ढाकुरी (पिण्डारी ट्रेक) से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। इसका मूल प्ररूप केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा (सीएएल) में संग्रहित है। इस कवक जाति का नामकरण इसके प्राप्ति स्थल 'ढाकुरी' को दर्शाते हैं।



Amanita dhakuriana Mehmood, K. Das, Iqbal Hosen, R.P. Bhatt & U. Singh, Phytotaxa 367 (3): 226. 2018 (AMANITACEAE)

This new fungal species has been discovered and described based on the collection made from Dhakuri, Bageshwar district, Uttarakhand, India. The holotype is deposited in Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah (CAL). The name is named after its type locality 'dhakuri'.

अमानिता तुल्लोशियाना महमूद, इकबाल होसेन, के. दास एवं आर. पी. भट्ट, माइकोकिज 37:79.2018. (अमानितेसी)



इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन भारत में उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग जिले के बनियाकुंड में *क्यूर्कस सेमिकार्पिफोलिया* और *एबियस पिंड्रो* की अधिकता वाले समशीतोष्ण मिश्रित वन में 2350–2655 मी की ऊंचाई से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। इसका मूल प्ररूप अमेनिटारम रूसेवेल्टेंसिस पादपालय, न्यू जर्सी (आरईटी) तथा समप्ररूप केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा (सीएएल) में संग्रहित हैं। इस कवक जाति का नामकरण विश्व भर में *अमानिता* वंश के अध्ययन में उनके योगदान के लिए डॉ. रोधम ई. टूलश के सम्मान में दिया गया है।

Amanita tullossiana Mehmood, Iqbal Hosen, K. Das & R.P. Bhatt, MycoKeys 37: 79. 2018. (AMANITACEAE)

This new fungal species has been discovered and described based on the collection made from *Quercus semicarpifolia* and *Abies pindrow* dominated temperate mixed forest at Baniyakund, Rudraprayag district, Uttarakhand, India, at 2350-2655m altitude. The holotype is deposited in Herbarium Amanitarum

Rooseveltensis, New Jersey (RET) and isotype is in CAL. The species is named in honour of 'Dr. Rodham E. Tulloss' for his great contributions to the study of the genus *Amanita*.

एस्कोबोलस गोमायाप्रिया एम. निरंजन व वी. वी. शर्मा, स्टडिज इन फंजाई 3(1):74.2018. (एस्कोबोलेसी)

इस नवीन जाति को भारत में राष्ट्रीय समुद्र-विज्ञान संस्थान क्षेत्रीय परिसर, पोर्ट ब्लेयर, दक्षिणी अंडमान, अंडमान व निकोबार द्वीपसमूह में *कोकस न्यूसिफेरा* लि. *एरेका कैटेचु* लि. एवं अनेक दूसरी वनस्पतियों वाले बड़े बागान क्षेत्र में गाय के गोबर के नमूने से पृथक किया गया है। इसका मूल प्ररूप आजरेकर कवक पादपालय, आधारकर अनुसंधान संस्थान, पुणे (एएमएच) में संग्रहित है। यह कवक गाय के गोबर पर अच्छी तरह पनपती है, इसलिए इसके जाति के नामकरण को व्युत्पत्ति संस्कृत के दो शब्द 'गोमाया' अर्थात् गाय का गोबर व 'प्रिय' अर्थात् प्यारा/प्यारी पर आधारित है।

Ascobolus gomayapriya M. Niranjana & V.V. Sarma, Studies in Fungi 3(1): 74. 2018 (ASCOBOLACEAE)

This new species has been isolated from cow dung sample collected from the National Institute of Oceanography (NIO) regional campus, Port Blair; South Andaman, Andaman & Nicobar Islands, India beneath a big plantation of *Cocos nucifera* L., *Areca catechu* L. and many other plants. The holotype is deposited in Ajrekar Mycological Herbarium, Agharkar Research Institute, Pune (AMH). The specific epithet is derived from two Sanskrit words viz., 'gomaya' meaning cow dung and 'priya' meaning loving or fond; thus meaning, a fungus which loves to thrive on cow dung.

ऑरियोबेसिडियम खासियानम प्रतिभा एवं प्रभुग., फायटोटैक्सा 374(3):260.2018. (ऑरियोबेसिडिईसी)

इस नवीन जाति को भारत में खासी की पहाड़ियां, मेघालय में पुरियांग गांव के आसपास *वाइटिया स्पेसियोसिशिमा* (डी. डॉन) मेर. (पौलोवनिईसी) की सड़ी हुई पत्तियों के नमूने से पृथक किया गया है। इसका मूल प्ररूप भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, क्रिप्टोगैमी इंडी ओरियेंटलिस, नई दिल्ली (एचसीआईओ) के पादपालय में तथा समप्ररूप एएसएसएसएम में संग्रहित है। इस जाति का नामकरण इसके प्राप्ति-स्थल खासी की पहाड़ियां के नाम पर आधारित है।

Aureobasidium khasianum Pratibha & Prabhu., Phytotaxa 374(3):260.2018. (AUREOBASIDIACEAE)

This new fungal species has been isolated from decomposing fallen leaves of *Wightia speciosissima* (D. Don) Merr. (Paulowniaceae), near Puriang village, Khasi hills, Meghalaya, India. The holotype is deposited in herbarium of Indian Agriculture Research Institute, Cryptogamae Indiae Orientalis, New Delhi (HCIO) and isotype is in ASSAM. The specific epithet refers to its place of occurrence i.e. Khasi hills.

बोलिटेलस शोराई ए. परिहार, के. दास एवं विजिनी, नॉर्डिक जे. बॉटनी डिओआई :10-1111/एनजेबी.02089.2018. (बोलिटेसी)



इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन भारत में 368मी. की ऊंचाई पर चतरबार, कोडरमा जनपद, झारखंड से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। इसका मूल प्ररूप केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा (सीएएल) में संग्रहित है। इस जाति का नामकरण इसके पोषक जाति *शोरिया रोबस्टा* पर आधारित है।

Boletellus shoreae A. Parihar, K. Das & Vizzini, Nordic J. Botany doi: 10.1111/njb.02089.2018. (BOLETACEAE)

This new fungal species has been discovered and described based on the collection made

from Chatarbar, Koderma district, Jharkhand, at 368m altitude. The holotype is deposited in Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah (CAL). The species name refers to the host plant *Shorea robusta*.

बोट्रियोबैम्बूसा एपिक्यूलिफॉर्मिस्पोरा एम. निरंजन व वी. वी. शर्मा, कवक 50:84.2018. (बोट्रियोस्फैरिएसी)

इस नवीन जाति को भारत में मोहनपुर, उत्तरी अंडमान, अंडमान व निकोबार द्वीपसमूह में *कैलेमस अंडमानिकस* कुर्ज की सड़ी हुई टहनियों के नमूने से पृथक किया गया है। इसका मूल प्ररूप आजरेकर कवक पादपालय, आघरकर अनुसंधान संस्थान, पुणे (एएमएच) में संग्रहित है। इस जाति का नामकरण ऐस्कसबीजाणु में एपिकुलस की उपस्थिति पर आधारित है।

Botryobambusa apiculiformispora M. Niranjana & V.V. Sarma, Kavaka 50: 84. 2018 (BOTRYOSPHAERIAACEAE)

This new fungal species has been isolated from the decaying twigs of *Calamus andamanicus* Kurz, collected from Mohanpur, North Andaman, Andaman and Nicobar Islands, India. The holotype is deposited in Ajrekar Mycological Herbarium, Agharkar Research Institute, Pune (AMH). The species name refers to the presence of apiculus in ascospores.

ब्रूनेइएपियोस्पारा एपेंडिकुलाटा एम. निरंजन व वी. वी. शर्मा, कवक 50:85.2018. (क्लाइओइयोस्फैरिएसी)

इस नवीन जाति को भारत में कलातन, दक्षिणी अंडमान, अंडमान व निकोबार द्वीपसमूह में *ग्लिरिसिडिया सेपियम* (जैक.) कुंथ व वाल्प. (फैबेसी) की टहनियों के नमूने से पृथक किया गया है। इसका मूल प्ररूप आजरेकर कवक पादपालय, आघरकर अनुसंधान संस्थान, पुणे (एएमएच) में संग्रहित है। इस जाति का नामकरण बृहत् ऐस्कसबीजाणु की एपिकुलस कोशिकाओं में उपस्थित उपांगों पर आधारित है।

Brunneiapiospora appendiculata M. Niranjana & V.V. Sarma, Kavaka 50: 85.2018 (CLYPEOSPHAERIAACEAE)

This new fungal species has been isolated from the twig of *Gliricidia sepium* (Jacq.) Kunth ex Walp. (Fabaceae), from Kalatan, South Andaman, Andaman and Nicobar Islands, India. The holotype is deposited in Ajrekar Mycological Herbarium, Agharkar Research Institute, Pune (AMH). The species name refers to the appendages attached to larger apical cells of the ascospores.

सिलियोप्लिया मैक्रोस्पोरा एम. निरंजन व वी. वी. शर्मा, कवक 50:86.2018 (डोथिडियोमाइसिटस)

इस नवीन जाति को भारत में कलातन, दक्षिणी अंडमान, अंडमान व निकोबार द्वीपसमूह में एक अज्ञात टहनी के नमूने से पृथक किया गया है। इसका मूल प्ररूप आजरेकर कवक पादपालय, आघरकर अनुसंधान संस्थान, पुणे (एएमएच) में संग्रहित है। इस जाति का नामकरण सिलियोप्लिया वंश की अन्य जातियों की तुलना में बृहत् ऐस्कसबीजाणु पर आधारित है।

Cilioplea macrospora M. Niranjana & V.V. Sarma, Kavaka 50: 86.2018 (DOTHIDEOMYCETES)

This new fungal species has been isolated from an unidentified twig in Kalatan, South Andaman, Andaman & Nicobar Islands, India. The holotype is deposited in Ajrekar Mycological Herbarium, Agharkar Research Institute, Pune (AMH). The name refers to larger ascospores as compared to the other species of the genus *Cilioplea*.

क्लीटोसायबुला एल्बिडा ए. के. दत्ता, के. आचार्या एवं एंटोनीन, नोवा हेड्विगिया 107(1-2):198.2018.(मरास्मिऐसी)



इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन भारत में बालीगंज साइंस कॉलेज परिसर, कोलकाता, पश्चिम बंगाल से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। इसका मूल प्ररूप कलकत्ता विश्वविद्यालय, कोलकाता के वनस्पति विभाग के पादपालय

(सीयूएच) में संग्रहित है। इस जाति का नामकरण 'एल्बिडा' से तात्पर्य छत्रक का सफेद रंग है।

Clitocybula albida A. K. Dutta, K. Acharya & Antonín, Nova Hedwigia 107 (1-2):198.2018. (MARASMIACEAE)

This new fungal species has been discovered and described based on the collection made from botanical garden of Ballygunge Science college campus, West Bengal, at 14m altitude. The holotype is deposited in Herbarium, Botany Department, Calcutta University, Kolkata (CUH). The specific epithet 'albida' means whitish colour of the pileus.

क्लीटोपाइलस एल्बिडस के. एन. ए. राज एवं मणिम., फायटोटैक्सा 343(1):50.2018. (एंटोलोमैटेसी)



इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन भारत में अगस्त्यामाला वन्यजीव रिजर्व, तिरुवनंतपुरम, केरल से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। इसका मूल प्ररूप केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा (सीएएल) में संग्रहित है। इस जाति का नामकरण इसके सफेद बेसिडियोकार्पस पर आधारित है।

Clitopilus albidus K. N. A. Raj & Manim., Phytotaxa 343(1):50.2018. (ENTOLOMATACEAE)

This new fungal species has been discovered and described based on the collection made from Agastyamala Biosphere Reserve,

Thiruvananthapuram district, Kerala, India. The holotype is deposited in Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah (CAL). The species name refers to the whitish basidiocarps of this species.

क्लोनोस्टैकिस इंडिकस इंदू भूषण पराशर एवं राधा चौहान, कवक 48(1):22.2018.

इस नवीन जाति को भारत में 355 की ऊंचाई पर पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ के वनस्पति विभाग में *फाइकस वाइरेंस* की निर्जीव टहनियों की छाल से किए गए संग्रह के आधार पर पृथक एवं वर्णित किया गया है। इसका प्ररूप पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ (पीएएन) के वनस्पति विभाग में संग्रहित है। इसका नामकरण इसके प्ररूप प्राप्ति देश के अंग्रेजी नाम इंडिया पर आधारित है।

Clonostachys indicus Indu Bhushan Prasher & Radha Chauhan, Kavaka 48(1): 22. 2018.

This new fungal species has been isolated and described from the bark of dead twigs of *Ficus virens*, collected from Dept. of Botany, Panjab University, Chandigarh, India, at 355m altitude. The ex-type is deposited in dept. of Botany, Panjab University, Chandigarh (PAN). The name refers the country of origin i.e. India.

कोरिनेस्पोरा क्रिप्टोस्टेगी ठाकुर आरएस, एएन राय व एन कांगो, इंटरन. जे. एडव. रिस. 2(5):93.2018. (कोरिनेस्पोरास्केसी)

इस नवीन जाति को भारत में बेटुल भैंसदेही दक्षिणी वनखंड, मध्य प्रदेश में *क्रिप्टोस्टेगिया ग्रैंडिफ्लोरा* आर. ब्र. (एस्कलेपिडेसी) की सजीव पत्तियों से पृथक एवं वर्णित किया गया है। इसका मूल प्ररूप डॉ. एच. एस. गौर विश्वविद्यालय, सागर, मध्य प्रदेश के वनस्पति विभाग, माइक्रोबायोलॉजी एंड प्लांट पैथोलॉजी लेबोरेटरी तथा समप्ररूप भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, क्रिप्टोगैमी इंडी ओरियेंटलिस, नई दिल्ली (एचसीआईओ) के पादपालय में संग्रहित है। इस जाति का नामकरण इसके पोषक पौधे के वंश के नाम पर आधारित है।

Corynespora cryptostegiae Thakur RS ,AN Rai & N Kango, Intern. J. Adv. Res. 2(5): 93. 2018
(CORYNESPORASCACEAE)

This new fungal species has been isolated and described from the living leaves of *Cryptostegia grandiflora* R.Br. (Asclepiadaceae), from Betul Bhainsdehi South Forest Division, Madhya Pradesh, India. The holotype is deposited in Dept. of Botany, Microbiology and Plant Pathology laboratory, Dr. H.S. Gour University, Sagar and isotype is in Herbarium of Indian Agriculture Research Institute, Cryptogamae Indiae Orientalis, New Delhi (HCIO). The species is named after genus of its host plant.

क्रैटेरेलस एल्बोस्ट्रिगोसस सी. के. प्रदीप व के. बी वृंदा, फायटोटैक्सा 346(2):159.2018. (कैंथारेलेसी)



इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन भारत में जेएनटीबीजीआरआई परिसर, पैलोड, तिरुवनंतपुरम, केरल से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। इसका मूल प्ररूप केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा (सीएएल) में संग्रहित है। इस जाति का नामकरण लैटिन शब्द '*एल्बोस्ट्रिगोस*' पर आधारित है जिसका तात्पर्य छत्रक और डंठल के सफेद रोमों से है।

Craterellus albostrigosus C. K. Pradeep & K.B.Vrinda, Phytotaxa 346 (2): 159. 2018. (CANTHARELLACEAE)

This new fungal species has been discovered and described from JNTBGRI Campus, Palode, Thiruvananthapuram, Kerala, India. The holotype is deposited in Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah (CAL). The specific epithet refers to the Latin word '*albostrigosus*' meaning white strigose hairs of pileus and stipes.

क्रैटेरेलस इनुसिटेस सी. के. प्रदीप व के. बी वृंदा, फायटोटैक्सा 346(2):162.2018. (कैंथारेलेसी)

इस नवीन कवक जाति का अन्वेषण एवं वर्णन भारत में जेएनटीबीजीआरआई परिसर, पैलोड, तिरुवनंतपुरम, केरल से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। इसका मूल प्ररूप केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा (सीएएल) में

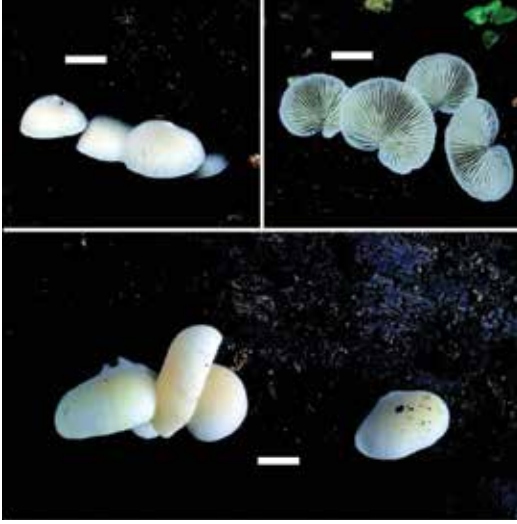


संग्रहित है। इस जाति का नाम लैटिन शब्द '*इनुसिटेस*' पर आधारित है, जिसका तात्पर्य बेसिडिओकार्प की अस्वाभाविक आकृति है।

Craterellus inusitatus C.K. Pradeep & K.B.Vrinda, Phytotaxa 346 (2): 162. 2018. (CANTHARELLACEAE)

This new fungal species has been discovered and described from JNTBGRI Campus, Palode, Thiruvananthapuram, Kerala, India. The holotype is deposited in Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah (CAL). The species name '*inusitatus*' refers to the unusual shape of the basidiomata.

क्रेपिडोटस इंडिकस ए. एम. कुमार व सी. के. प्रदीप, क्रिप्टोगैमी माइकोलॉजी 39(3):290.2018. (क्रेपिडोटेसी)

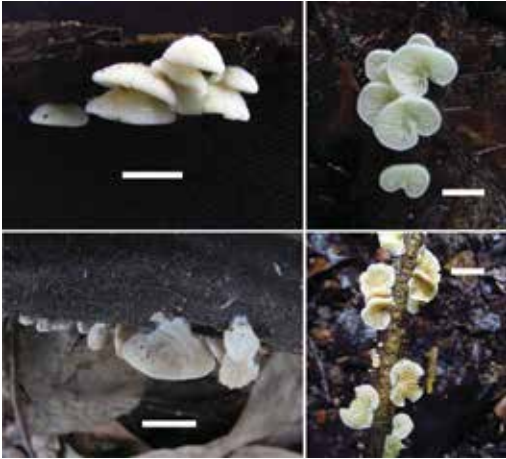


कुकुरमुत्ता (मशरूम) की इस छोटी नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन भारत में पलावारा, पैलोड, तिरुवनंतपुरम, केरल में निर्जीव वृक्ष के कुंदाओं और लकड़ियों से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। इसका मूल प्ररूप केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा (सीएएल) में संग्रहित है। इस जाति का नाम 'इंडिकस' इसके प्राप्ति-स्थल देश भारत को दर्शाता है।

Crepidotus indicus A.M. Kumar & C.K. Pradeep, Cryptogamie Mycologie, 39(3): 290. 2018. (CREPIDOTACEAE)

This new tiny mushroom species has been discovered and described from dead decaying plant material at Plavara, Palode, Thiruvananthapuram district, Kerala. The holotype is deposited in Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah (CAL). The name 'indicus' refers to India, the country from where this species was first described.

क्रेपिडोटस पैलोडेंसिस सी. के. प्रदीप एवं ए. एम. कुमार, फायटोटैक्सा 372(1):74.2018. (क्रेपिडोटेसी)



इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन भारत में जेएनटीबीजीआरआई परिसर, पैलोड, तिरुवनंतपुरम, केरल से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। इसका मूल प्ररूप केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा (सीएएल) में संग्रहित है। इस जाति का नामकरण इसके प्ररूप प्राप्ति स्थान के नाम पर आधारित है।

Crepidotus palodensis C.K. Pradeep & A.M. Kumar, Phytotaxa 372 (1): 74. 2018. (CREPIDOTACEAE)

This new fungal species has been discovered and described from JNTBGR Campus, Palode, Thiruvananthapuram, Kerala, India. The holotype is deposited in Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah (CAL). The species name refers to its type locality.

क्रेपिडोटस वॉल्यूबिलिस सी. के. प्रदीप एवं ए. एम. कुमार, फायटोटैक्सा 372(1):71.2018. (क्रेपिडोटेसी)



इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन भारत में जेएनटीबीजीआरआई परिसर, पैलोड, तिरुवनंतपुरम, केरल से किए गए संग्रह पर आधारित है। इसका मूल प्ररूप केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा (सीएएल) में संग्रहित है। इस जाति का नाम पाइलैपेलिस की कुंडलित संरचना पर आधारित है।

Crepidotus volubilis C.K. Pradeep & A.M. Kumar, Phytotaxa 372 (1): 71. 2018. (CREPIDOTACEAE)

This new fungal species has been discovered and described from JNTBGR Campus, Palode, Thiruvananthapuram, Kerala, India. The holotype is deposited in Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah (CAL). The species name refers to the coiled pileal structures of pileipellis.

क्राउसोब्रोनिएला लॉन्गिस्पोरा शैम. कुमार, राघव. सिंह, धर्मेंद्र एवं कमल, कवका 50:64.2018.

कवक के इस नवीन जाति को भारत में भिंगा वन, श्रावस्ती, उत्तर प्रदेश में *शोरिया रोबस्टा* गार्टन. (डिप्टेरोकार्पेसी) की सजीव पत्तियों से पृथक व वर्णित किया गया है। इसका मूल प्ररूप पादपालय, भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, क्रिप्टोगैमी इंडी ओरियेंटेलिस, नई दिल्ली (एचसीआईओ) तथा समप्ररूप वनस्पति विभाग पादपालय, डी.डी. यू. गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर (जीपीयू) में संग्रहित हैं। इस जाति का नाम इसके लंबे और घुमावदार कोनिडीया पर आधारित है।

Crousobrauniella longispora Sham. Kumar, Raghv. Singh, Dharmendra & Kamal, Kavaka 50: 64. 2018.

This new species has been isolated and described from the living leaves of *Shorea robusta* Gaertn., collected from Bhinga Forest, Shravasti, Uttar Pradesh, India. The holotype is deposited in Herbarium of Indian Agriculture Research Institute, Cryptogamae Indiae Orientalis, New Delhi (HCIO) and isotype GPU. The name of the species refers to its long, flexuous conidia.

क्रिप्टैस्कोमा शोडसबीजी एम. निरंजन व वी. वी. शर्मा, कवक 50:87.2018. (वालसैसी)

इस नवीन कवक जाति को भारत में बड़ाभालू, चिड़ियाटापु, दक्षिणी अंडमान, अंडमान व निकोबार द्वीपसमूह में अज्ञात टहनियों के नमूने से पृथक व वर्णित किया गया है। इसका मूल प्ररूप आजरेकर कवक पादपालय, आघरकर अनुसंधान संस्थान, पुणे (एएमएच) में संग्रहित है। इस जाति का नामकरण इसके प्रति ऐस्कस में 16 ऐस्कसबीजाणु की विद्यमानता के संदर्भ में है, जिसका नामार्थ संस्कृत में शोडस अर्थात् सोलह बीज अर्थात् बीजाणु होता है।

Cryptascoma shodasabeejiae M. Niranjana and V.V. Sarma, Kavaka 50: 87. 2018 (VALSACEAE)

This new species has been isolated and described from the unidentified twig, collected from Badabhalu, Chidiyatapu, South Andaman, Andaman and Nicobar Islands, India. The holotype is deposited in Ajrekar Mycological Herbarium, Agharkar Research Institute, Pune (AMH). The name of the species refers to the presence of 16 ascospores per ascus (Sanskrit - 'Shodasa' means sixteen and 'beejiae' means spores).

क्रिप्टोथिसिया ओडिशासिस आर. बाजपेई, एस. जोसेफ एवं उप्रेती, क्रिप्टो. मायकोल. 39(4):382.2018.(अर्थोनिऐसी)

इस नवीन कवक जाति को भारत में ओडिशा राज्य के खाडु बाबा आश्रम, बेलपहाड़ वन, झासुरगोड़ा जनपद में 250मी. की ऊंचाई से प्राप्त किए गए संग्रहों के आधार पर किया गया है। इसका मूल प्ररूप आजरेकर कवक पादपालय, आघरकर अनुसंधान संस्थान, पुणे (एएमएच) में संग्रहित हैं। इस जाति का नामकरण इसके प्ररूप प्राप्ति राज्य ओडिशा पर आधारित है।

Cryptothecia odishensis R. Bajpai, S. Joseph, & Upreti, Cryptog. Mycol. 39(4): 382. 2018. (ARTHONIACEAE)

This new fungal species has been discovered and described based on collection made from Khadu Baba Ashram, Belpahar forest, Jharsuguda district, Odisha, India, at 250m altitude. The holotype is deposited in Herbarium of National Botanical Research Institute, Lucknow (LWG). The specific epithet refers to the state of Odisha, the type locality of the species.

कर्वुलेरिया मार्टिनियाईकोला शैम. कुमार व राघव सिंह, स्टडिज इन फंजाई 3(1):28.2018.

इस नवीन कवक जाति को भारत में उत्तर प्रदेश के तराई क्षेत्र में गोरखपुर विश्वविद्यालय परिसर के बुद्ध पुरुष छात्रावास में *मार्टिनिया एन्नुआ* एल. की सजीव पत्तियों से किए गए संग्रह से पृथक किया गया है। इसका मूल प्ररूप आजरेकर कवक पादपालय, आघरकर अनुसंधान संस्थान, पुणे (एएमएच) में संग्रहित हैं। इस जाति का नामकरण इसके पोषक पादप पर आधारित है।

Curvularia martyniicola Sham. Kumar & Raghv. Singh, Studies in Fungi 3(1): 28.2018

This new species has been isolated from living leaves of *Martynia annua* L., collected from Buddha Men's Hostel, Gorakhpur University campus, Terai region of Uttar Pradesh, India. The holotype is deposited in Ajrekar Mycological Herbarium, Agharkar Research Institute, Pune (AMH). The species name refers to the name of the host plant.

डेनिक्यूलेटा विट्टलियाई देवदत्त, वी. वी. शर्मा व ई. बी. जी. जॉस, माइकोस्फेयर 9(3):565.2018.

इस नवीन कवक जाति को भारत में तिरुवरूर, तमिलनाडु के मुथुपट मैंग्रोव से किए गए संग्रह के आधार पर पृथक व वर्णित किया गया है। इसका मूल प्ररूप आजरेकर कवक पादपालय, आघरकर अनुसंधान संस्थान, पुणे (एएमएच) में संग्रहित हैं। इस जाति का नामकरण मद्रास विश्वविद्यालय के भूतपूर्व प्राध्यापक प्रो. बी. पी. आर. विट्टल के सम्मान में भारतीय कवक विज्ञान के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए किया गया है।

Deniquelata vittalii Devadatha, V.V. Sarma & E.B.G. Jones, Mycosphere 9(3): 565.2018.

This new species has been isolated and described from Muthupet mangroves, Tiruvarur, Tamil Nadu, India. The holotype is deposited in Ajrekar Mycological Herbarium, Agharkar Research Institute, Pune (AMH). The species is named after the famous Indian mycologist, Prof. B.P.R. Vittal, former Prof. of University of Madras for his contributions to Indian Mycology.

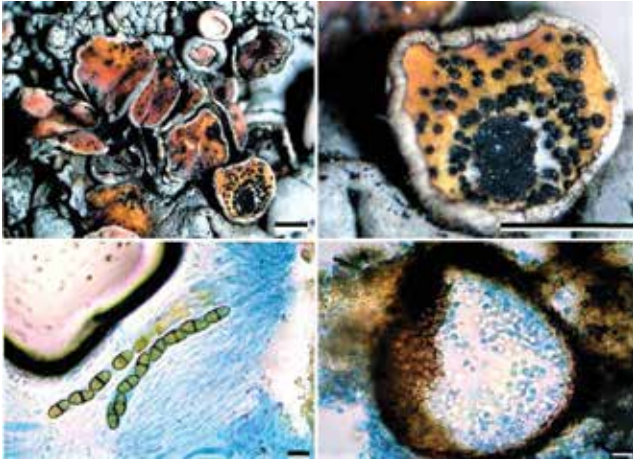
डायट्रिपेला मैक्रोएस्का एम. निरंजन व वी. वी. शर्मा, कवका 50:88.2018. (डायट्रिपेसी)

इस नवीन कवक जाति को भारत में वियू प्वायंट, मुंडाफाड़ तट, दक्षिणी अंडमान, अंडमान व निकोबार द्वीपसमूह में अज्ञात टहनियों के नमूने से पृथक व वर्णित किया गया है। इसका मूल प्ररूप आजरेकर कवक पादपालय, आघरकर अनुसंधान संस्थान, पुणे (एएमएच) में संग्रहित है। इस जाति का नामकरण इसमें बृहत् ऐस्कस की विद्यमानता को दर्शाता है।

Diatrypella macroasca M. Niranjana and V.V. Sarma, Kavaka 50: 88. 2018. (DIATRYPACEAE)

This new species has been isolated and described from the unidentified twig, collected from View Point, Mundaphad Beach, South Andaman, Andaman and Nicobar Islands, India. The holotype is deposited in Ajrekar Mycological Herbarium, Agharkar Research Institute, Pune (AMH). The name of the species refers to the occurrence of broader asci.

डिडाय्मोसिर्टिस राइजोप्लाका वाई. जोशी व के. बिष्ट, कवक 50:26.2018



इस नवीन कवक जाति को भारत में 3295मी की ऊंचाई पर बुर्फु-बिलजू, मुन्सियारी पिथौरागढ़ जनपद, उत्तराखंड मार्ग पर राइजोप्लेका क्राइसोल्यूका के भंडार चक्र से किए गए संग्रह के आधार पर पृथक व वर्णित किया गया है। इसका मूल प्ररूप वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद-राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ (एलडबल्यूजी) के पादपालय में संग्रहित है। इस जाति का नाम इसके पोषक शैवाक वंश राइजोप्लेका पर आधारित है।

Didymocyrtis rhizoplacae Y. Joshi & K. Bisht, Kavaka 50: 26.2018

This new species has been isolated and described from apothecial disc of *Rhizoplaca chrysoleuca*, collected en route to Burfu-Bilju, Munsiyari, Pithoragarh district, Uttarakhand,

India, at 3295m altitude. The holotype is deposited in herbarium of CSIR-National Botanical Research Institute, Lucknow (LWG). The name refers to the host lichen genus *Rhizoplaca* on which the fungus colonizes.

एपिक्लेडोनिया हेटरोडर्मी वाई. जोशी, फलस्वाल एवं आर. जोशी, कवक 48:42.2017.

इस नवीन कवक जाति को भारत में 2566मी. की ऊंचाई पर नारायण आश्रम, पिथौरागढ़ जनपद, उत्तराखंड में हेटरोडर्मिया और क्यूर्कस ल्यूकोट्रिकोफोरा की टहनियों से किए गए संग्रह के आधार पर पृथक व वर्णित किया गया है। इसका मूल प्ररूप वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद-राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ (एलडबल्यूजी) के पादपालय में संग्रहित है। इस जाति का नामकरण इसके पोषक शैवाक वंश हेटरोडर्मिया पर आधारित है।

Epicladonia heterodermiae Y. Joshi, Falswal & R. Joshi, Kavaka 48: 42. 2017.

This new species has been isolated and described from *Heterodermia* twigs of *Quercus leucotrichophora*, Narayan Ashram, Pithoragarh district, Uttarakhand, at 2566m altitude. The holotype is deposited in herbarium of CSIR-National Botanical Research Institute, Lucknow (LWG). The species named after its host lichen genus *Heterodermia* on which this fungus was found growing.

फिशूरोमा कवचबीजाई एम. निरंजन व वी. वी. शर्मा, करेंट रिसर्च इन एंवायरन्मेंटल एंड एप्लाइड माइक्रोलॉजी 8(3):353.2018.

इस नवीन कवक जाति को भारत में मोहन नगर, उत्तरी अंडमान, अंडमान व निकोबार द्वीपसमूह में *कैलेमस अंडमानिकस* कुर्ज की टहनियों से किए गए संग्रह के आधार पर पृथक व वर्णित किया गया है। इसका मूल प्ररूप आजरेकर कवक पादपालय, आघरकर अनुसंधान संस्थान, पुणे (एएमएच) में संग्रहित है। इस जाति का नाम संस्कृत के दो पृथक शब्द 'कवच' व 'बीज' पर आधारित है जिनके अर्थ क्रमशः आवरण व बीजाणु होते हैं।

Fissuroma kavachabeejae M. Niranjana & V.V. Sarma, Curr. Res. Environ. App. Mycol. 8(3): 353.2018.

This new species has been isolated and described from twigs of *Calamus andamanicus* Kurz, collected from seven kilometre away from Mohan Nagar, North Andaman, Andaman and Nicobar Islands, India. The holotype is deposited in Ajrekar Mycological Herbarium, Agharkar Research Institute, Pune (AMH). The name derived from two Sanskrit words 'kavacha' means cover or shield or sheath around ascospores and 'beejae' means spores.

फिशूरोमा माइक्रोस्पोरम एम. निरंजन व वी. वी. शर्मा, करंट. रि. इन्वा. एप्ला. मायकोल. 8(3):354.2018.

इस नवीन कवक जाति को भारत में पानीहाटी, मायाबंदर, उत्तरी अंडमान, अंडमान व निकोबार द्वीपसमूह में *बोरेसस फ्लैबेलिफर* एल., के सड़े हुए रेकिस से किए गए संग्रह के आधार पर पृथक व वर्णित किया गया है। इसका मूल प्ररूप आजरेकर कवक पादपालय, आघरकर अनुसंधान संस्थान, पुणे (एएमएच) में संग्रहित है। इस जाति का नामकरण *फिशूरोमा* वंश की अन्य जातियों की तुलना में इसके छोटे एस्कस बीजाणु पर आधारित है।

Fissuroma microsporium M. Niranjana & V.V. Sarma, Curr. Res. Environ. App. Mycol. 8(3): 354. 2018.

This new species has been isolated and described from decaying rachis of *Borassus flabellifer* L., collected from Panihati, Mayabunder, North Andaman, Andaman and Nicobar Islands, India. The holotype is deposited in Ajrekar Mycological Herbarium, Agharkar Research Institute, Pune (AMH). The name refers to the smaller ascospores in genus *Fissuroma*.

ग्लाइफोरस ग्लूटिनोसस के. दास, डी. चक्र. व विजिनी, माइको किज, 44:128.2018. (हाइग्रोफोरेसी)



मशरूम की इस छोटी नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन भारत में 1962मी. की ऊंचाई पर सिक्किम के साउथ जिले के थांगसे से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। इसका मूल प्ररूप केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा (सीएएल) में संग्रहित है। इस जाति का नाम लैटिन शब्द 'ग्लूटिनोसस' को दर्शाता है जिससे तात्पर्य इसके अत्यधिक चिपचिपे डठल पृष्ठ से है।

Gliophorus glutinosus K. Das, D. Chakr. & Vizzini, MycoKeys 44: 128. 2018. (HYGROPHORACEAE)

This tiny new mushroom species has been discovered and described from Thangse of South district of Sikkim, at 1962m altitude. The holotype is deposited in Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah (CAL). The specific epithet 'glutinosus' refers to the highly glutinous stipe surface.

गेरोनेमा केरलेंसे के. पी. डी. एवं मणिम., फायटोटैक्सा 364(1):85.2018 (मरासमिएसी)

इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन भारत में केरल राज्य के कुट्टमपुझा पंचायत, कोथामंगलम तालुक, एर्नाकुलम जिले में पूयमकुट्टी नदी की द्वीपिकाओं से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। इसका मूल प्ररूप केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा (सीएएल) में संग्रहित है। इस जाति का नाम इसके प्राप्ति-स्थल राज्य केरल पर आधारित है।



Gerronema keralense K. P. D. Latha & Manim., Phytotaxa 364 (1): 85. 2018 (MARASMIACEAE)

This new species has been discovered and described from islets on River Pooyamkutty, Pooyamkutty, Kuttampuzha Panchayat, Kothamangalam Taluk, Ernakulam district, Kerala, India. The holotype is deposited in Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah (CAL). The species named after Kerala State, from where it collected.

गेरोनेमा कुरुवेंसे के. पी. डी. लता एवं मणिम., फायटोटैक्सा 364(1):82.2018. (मरासमिएसी)



इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन भारत में केरल राज्य के बवली, मननथावादि तालुक, वायनाड जिले में कबनी नदी की द्वीपिकाओं से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। इसका मूल प्ररूप केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा (सीएएल) में संग्रहित है। इस जाति का नाम इसके प्राप्ति-स्थल में कबनी नदी में कूरुवा द्वीपों के नाम पर आधारित है।

Geronema kuruvense K. P. D. Latha & Manim., Phytotaxa 364 (1): 82. 2018. (MARASMIACEAE)

This new species has been discovered and described from Kuruva islets on River Kabani, Bavali, Mananthavady Taluk, Wayanad district, Kerala. The holotype is deposited in Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah (CAL). The species named after the name of Kuruva Islets on River Kabani in Kerala where this species was first observed.

हाइग्रोसाइबे इंडिका के. पी. डी. लता व मणिम., फायटोटैक्सा 385(1) :14.2018. (हाइग्रोफोरेसी)



इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन भारत में कालीकट विश्वविद्यालय परिसर, मलाप्पुरम जनपद, केरल से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। इसका मूल प्ररूप केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा (सीएएल) में संग्रहित है। इस जाति का नाम इसके प्राप्ति-स्थल देश के अंग्रेजी नाम पर आधारित है।

Hygrocybe indica K. P. D. Latha & Manim., Phytotaxa 385 (1): 14. 2018 (HYGROPHORACEAE)

This new species has been discovered and described from Calicut University Campus, Malappuram district, Kerala, India. The holotype is deposited in Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah (CAL). The name refers to India, the country where this species was first observed.

हाइग्रोसाइबे राजेंद्राई यू. सिंह, के. दास, उनियाल एवं महमूद, नॉर्डिक जे. बॉट. 36(1-2):2.2018. (हाइग्रोफोरेसी)

इस नवीन कवक जाति का अन्वेषण एवं वर्णन भारत में 2354मी. ऊंचाई पर पबधर वन, रुद्रप्रयाग जनपद, उत्तराखंड से किए गए संग्रह के आधार पर पृथक व वर्णित किया गया है। इसका मूल प्ररूप केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा

(सीएएल) में संग्रहित है। इस कवक जाति का नामकरण प्रो. राजेंद्र पी. भट्ट के सम्मान में उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश के जंगली मशरूमों के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए किया गया है।

Hygrocybe rajendrae U. Singh, K. Das, Uniyal & Mehmood, Nordic J. Bot. 36(1-2): 2. 2018. (HYGROPHORACEAE)

This new species has been discovered and described from Pabdhara forest, Rudraprayag district, Uttarakhand, India, at 2354m altitude. The holotype is deposited in Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah (CAL). The species is named after Prof. Rajendra P. Bhatt for his significant contributions to the wild mushrooms of Uttarakhand and Himachal Pradesh.



इंडोपोरस शोरियाई ए. परिहार, के. दास, हेम्ब्रम व विजिनी, क्रिप्टो. मायकोल. 39(4):453.2018. (बोलेटेसी)



इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन भारत में 357 मी ऊँचाई पर कोडरमा वन्यजीव अभयारण्य, कोडरमा, झारखंड में शोरिया वृक्ष वाले शुष्क पर्णपाती वन से किए गए संग्रह के आधार पर पृथक व वर्णित किया गया है। इसका मूल प्ररूप केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा (सीएएल) में संग्रहित है। इस जाति का नामकरण इसके पोषक वृक्ष शोरिया रोबस्टा पर आधारित है।

Indoporus shoreae A. Parihar, K. Das, Hembrom & Vizzini, *Crypto. Mycol.* 39 (4): 453. 2018. (BOLETACEAE)

This new species has been discovered and described based on a collection from dry deciduous forest and under the *Shorea* tree in Koderma Wild Life Sanctuary, Koderma, Jharkhand, at 357 m altitude. The holotype is deposited in Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah, West Bengal, India (CAL). The species is named after its host tree.

कमालोमाइसिस पोलिसेप्टेटस एम. निरंजन व वी. वी. शर्मा, स्टडिज इन फंजाई 3(1):116.2018. (ट्यूब्युफिएसी)

इस नवीन कवक जाति को भारत में खालीघाट, अंडमान व निकोबार द्वीपसमूह में उत्तरी अंडमान के संरक्षित वनों के तल से किए गए संग्रह के आधार पर पृथक व वर्णित किया गया है। इसका मूल प्ररूप आजरेकर कवक पादपालय, आघरकर अनुसंधान संस्थान, पुणे (एएमएच) में संग्रहित है। इस जाति का नाम अनगिनत पटीकृत एस्कसबीजाणु को दर्शाता है।

Kamalomyces polyseptatus M. Niranjana & V.V. Sarma, *Studies in Fungi* 3(1): 116. 2018. (TUBEUFIAACEAE)

This new fungal species has been isolated and described from an unidentified bamboo twig collected from Khalighat, forest floor in the reserved forests of North Andaman Islands, India. The holotype is deposited at Ajrekar Mycological Herbarium, Agharkar Research Institute, Pune (AMH). The name of the species refers to multiple septate ascospores.

लेप्टोस्फेरिया सदविभाजनाबीजाई एम. निरंजन व वी. वी. शर्मा, कवका 50:89.2018. (लेप्टोस्फेरिएसी)

इस नवीन कवक जाति को भारत में कलातन, दक्षिणी अंडमान, अंडमान व निकोबार द्वीपसमूह में अज्ञात टहनी से किए गए संग्रह के आधार पर पृथक व वर्णित किया गया है। इसका मूल प्ररूप आजरेकर कवक पादपालय, आघरकर अनुसंधान संस्थान, पुणे (एएमएच) में संग्रहित है। इस जाति का नाम छः पटीकृत एस्कसबीजाणु पर आधारित है, जो संस्कृत के शब्द 'सद' अर्थात् छः, विभाजन अर्थात् अलग करना एवं 'बीजी' अर्थात् बीजाणु से बना है।

Leptosphaeria sadvibhajanabeejae M. Niranjana & V.V. Sarma, *Kavaka* 50: 89. 2018. (LEPTOSPHAERIAACEAE)

This new fungal species has been isolated and described from the unidentified twig, collected from Kalatan, South Andaman, Andaman and Nicobar Islands, India. The holotype is deposited in Ajrekar Mycological Herbarium, Agharkar Research Institute, Pune (AMH). The name of species is based on presence of six septate ascospores (in Sanskrit, 'Sad' means six, 'vibhajan' means partition or septa and 'beejae' means spores).

लेप्टोस्फेरिया वेरुकुलोसा एम. निरंजन व वी. वी. शर्मा, कवका 50:90.2018. (लेप्टोस्फेरिएसी)

इस नवीन कवक जाति को भारत में चिड़िया टापु, दक्षिणी अंडमान, अंडमान व निकोबार द्वीपसमूह में अज्ञात टहनी से किए गए संग्रह के आधार पर पृथक व वर्णित किया गया है। इसका मूल प्ररूप आजरेकर कवक पादपालय, आघरकर अनुसंधान संस्थान, पुणे (एएमएच) में संग्रहित है। इस जाति का नाम एस्कसबीजाणु पृष्ठ की सामान्य प्रवृत्ति को दर्शाता है।



Leptosphaeria verruculosa M. Niranjana & V.V. Sarma, *Kavaka* 50: 90.2018. (LEPTOSPHAERIAACEAE)

This new fungal species has been isolated and described from the unidentified twig, collected from Chidiya Tapu, South Andaman, Andaman and Nicobar Islands, India. The holotype is deposited at Ajrekar Mycological Herbarium, Agharkar Research Institute, Pune (AMH). The specific epithet refers to the verruculose nature of ascospores surface.

लैक्टेरियस इंडोजोनेरिअस उनियाल, के. दास एवं न्यूटिंक, क्रिप्टो. मायकोल. 39(4):471.2018. (रुसुलेसी)

इस नवीन जाति को भारत में उत्तराखंड राज्य के पौड़ी जनपद के चौरीखाल, सबअल्पाइन वन के *क्यूर्कस ल्यूकोट्रिकोफोरा* के साहचर्य में *क्यूर्कस*, *रोडोडेंड्रॉन*, *मिरिका*, *सेडरस* एवं *पाइनस* जातियों की बहुलता वाले वन क्षेत्र में 1989मी. की ऊंचाई से किए गए संग्रहों के आधार पर पृथक व वर्णित किया गया है। इसका प्ररूप एचएनबी गढ़वाल विश्वविद्यालय, श्रीनगर, उत्तराखंड के वनस्पति विभाग (जीयूएच) के पादपालय में संग्रहित है। इस जाति का नामकरण इसकी समानता यूरोपियन जाति *लैक्टेरियस जोनारियस* से होने पर आधारित है।

Lactarius indozonarius Uniyal, K. Das & Nuytinck, Cryptogamie Mycologie 39(4): 471.2018. (RUSSULACEAE)

This new fungal species has been discovered and described based on collection made from mixed temperate forests dominated by *Quercus*, *Rhododendron*, *Myrica*, *Cedrus* and *Pinus* sp., at Chaurikhal, Pauri district, Uttarakhand, India, at 1989m altitude. The holotype is deposited in Herbarium of the Botany Department, HNB Garhwal University, Srinagar, Uttarakhand, India (GUH). The specific epithet refers to the morphological resemblance and close affinity with a European species, *L. zonarius*.

लैक्टेरियस थिंडियाई उनियाल, के. दास एवं न्यूटिंक, क्रिप्टोगैमी माइकोलॉजी 39(4):476.2018. (रुसुलेसी)

इस नवीन जाति को भारत में उत्तराखंड राज्य के रुद्रप्रयाग जिले के चोपता-बनियाकुंड के मिश्रित समशीतोष्ण वन में *क्यूर्कस सेमेकार्पिफोलिया* के साहचर्य से *क्यूर्कस*, *रोडोडेंड्रॉन*, *लायोनिया* एवं *एबियस* जातियों की बहुलता वाले वन क्षेत्र में 2653 मी. की ऊंचाई से किए गए संग्रहों के आधार पर पृथक व वर्णित किया गया है। मूल प्ररूप एचएनबी गढ़वाल विश्वविद्यालय, श्रीनगर, उत्तराखंड के वनस्पति विभाग (जीयूएच) के पादपालय में संग्रहित है। इस जाति का नामकरण प्रो. के. एस. थिंड के सम्मान में उनके द्वारा भारतीय कवकविज्ञान पर किये गये उल्लेखनीय कार्यों के आधार पर किया गया है।

Lactarius thindii Uniyal, K. Das & Nuytinck, Cryptogamie Mycologie 39(4): 476. 2018. (RUSSULACEAE)

This new fungal species has been discovered and described based on collection made from mixed subalpine forest dominated by *Quercus*, *Rhododendron*, *Lyonia*, *Myrica* and *Abies* spp., at Chopta-Baniyakund, Rudraparyag district of Uttarakhand state, India, at of 2653m. altitude. The specimen is deposited in Herbarium of the Botany department, H.N.B. Garhwal University, Srinagar, Uttarakhand, India (GUH). The specific epithet is given to commemorate Prof. K.S.Thind for his contributions in Indian Mycobiota.

मरास्मियस सिस्टिडिएटस एस. ए. शरफुद्दीन एवं मणिम., फायटोटैक्सा 364(1):93.2018. (मरास्मिऐसी)

इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन भारत में कालीकट विश्वविद्यालय वनस्पति उद्यान, मलाप्पुरम जनपद केरल से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। इसका मूल प्ररूप केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा (सीएएल) में संग्रहित है। इस जाति का नामकरण लैटिन शब्द '*सिस्टिडिआटस*' पर आधारित है, जो इस जाति में प्लियूरोसिस्टिडिया की विद्यमानता को दर्शाता है।



Marasmius cystidiatus S.A. Sharafudheen & Manim., Phytotaxa 364(1): 93. 2018. (MARASMIACEAE)

This new species has been discovered and described from Calicut University Botanical Garden, Malappuram district, Kerala. The holotype is deposited in Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah (CAL). The species name refers to the presence of pleurocystidia in this species.

मोंटेग्नूला वक्रबीजाई एम. निरंजन व वी. वी. शर्मा, कवका 50:90.2018. (डिडिमोस्फैरिएसी)

इस नवीन कवक जाति को भारत में कौशल्या नगर, मध्य अंडमान, अंडमान व निकोबार द्वीपसमूह में संरक्षित वनों के तल से अज्ञात टहनी से किए गए संग्रह के आधार पर पृथक व वर्णित किया गया है। इसका मूल प्ररूप आजरेकर कवक पादपालय, आघरकर अनुसंधान संस्थान, पुणे (एएमएच) में संग्रहित है। इस जाति का नाम संस्कृत के दो शब्दों 'वक्र' अर्थात् 'विशुंखल' तथा 'बीजी' अर्थात् 'बीजाणु' पर आधारित है जो एस्कसबीजाणु की कोशिकाओं के असममित आकृति और आकार को दर्शाते हैं।

Montagnula vakrabeejae M. Niranjana and V.V. Sarma, Kavaka 50: 90. 2018. (DIDYMOSPHERIACEAE)

This new fungal species has been isolated and described from the unidentified twig, collected from Kausalya Nagar, Middle Andaman, Andaman and Nicobar Islands, India. The holotype is deposited in Ajrekar Mycological Herbarium, Agharkar Research Institute, Pune (AMH). The species is named after two Sanskrit words 'vakra' means 'disorderly' and 'beejae' means 'spores' which refers asymmetrical shape and size of cells of ascospores.

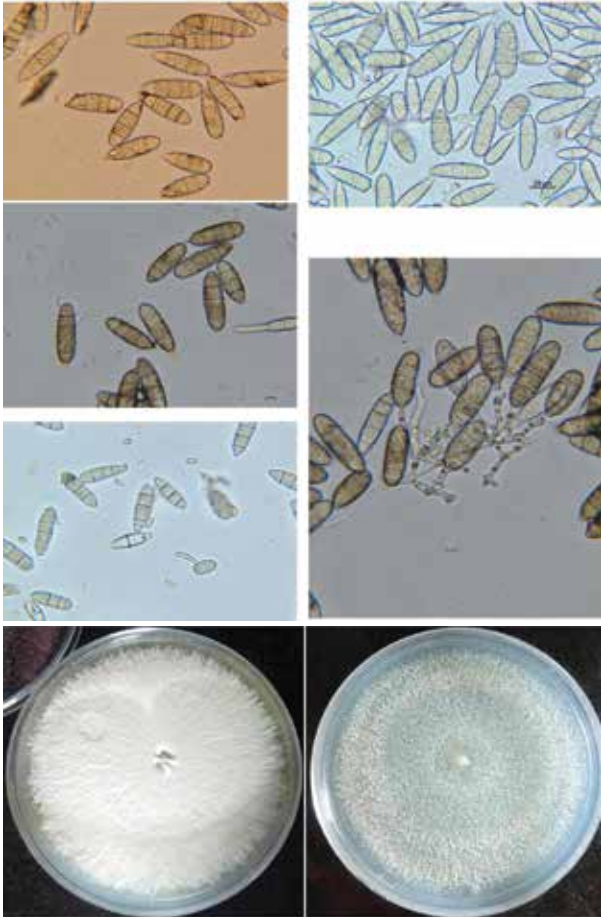
मोरोस्फियरिया मुथुपेटेंसिस देवदत्त, वी. वी. शर्मा व ई. बी. जी. जॉस, बोटैनिका मेरिना 61(4):401.2018. (मोरोस्फेयरिएसी)

इस नवीन कवक जाति को भारत में तिरुवरूर, तमिलनाडु के मुथुपेट मैंग्रोव में *रिजोफोरा मूक्रोनाटा* (रिजोफोरेसी) अंतरुज्वारीय काष्ठ से किए गए संग्रह के आधार पर पृथक व वर्णित किया गया है। इसका मूल प्ररूप आजरेकर कवक पादपालय, आघरकर अनुसंधान संस्थान, पुणे (एएमएच) में संग्रहित है। इस जाति का नामकरण इसके प्राप्ति-स्थल मुथुपेट मैंग्रोव पर आधारित है।

Morosphaeria muthupetensis B. Devadatha, V.V. Sarma. et E.B.G. Jones, Botanica Marina 61(4): 401.2018. (MOROSPHERIACEAE)

This new fungal species has been isolated and described from the intertidal wood of *Rhizophora mucronata* (Rhizophoraceae), Muthupet mangroves, Tiruvarur, Tamil Nadu, India. The holotype is deposited in Ajrekar Mycological Herbarium, Agharkar Research Institute, Pune (AMH). The species is named after Muthupet mangroves the type locality of the species.

नैन्जिजा ग्रासेरी राहुल शर्मा व साउचे, कवक 50:17.2018 (आर्थ्रोडर्मेटेसी)



इस नवीन कवक जाति को भारत में देवलगांव राजा, बुलदाना जनपद, महाराष्ट्र में एक नाई की दूकान से मिट्टी में पड़े हुए इंसानी बाल से लिए गए नमूने के आधार पर पृथक एवं वर्णित किया गया है। इस जाति के प्ररूप को माइक्रोबियल कल्चर क्लेशन, नेशनल सेंटर फॉर सेल साइंस, पुणे (एमसीसी) तथा सेंट्रल ब्यूरो वूर शिम्लेकल्चर, वेस्टरडिजक फंगल बायोडाइवर्सिटी इंस्टिट्यूट, यूट्रेक्ट, नीदरलैंड (सीबीएस) में संग्रहित हैं। इसका नामकरण हमबोल्ट विश्वविद्यालय, बर्लिन के प्रो. वाई वोन्नेग्रेसर के सम्मान में इस जाति के कुल की आणविक जातिवृत्त के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान पर आधारित है।

Nannizzia graeserae Rahul Sharma & Shouche, Kavaka 50: 17. 2018 (ARTHRODERMATACEAE)

This new fungal species has been isolated and described from defatted human hair from soil sample from barber's shop, Deolgaon Raja, Buldana district, Maharashtra, India. The ex-type culture of the new species is submitted to the Microbial Culture Collection, National Centre for Cell Science, Pune (MCC) and Central Bureau voor Schimmelcultures, Westerdijk Fungal Biodiversity Institute, Utrecht, The Netherlands (CBS). The species is named in honour of Prof. Yvonne Gräser (Humboldt University, Berlin) for her contribution to the molecular phylogeny of family, especially the dermatophytes.

नियोएस्ट्रोस्फेरिएला अलंकृताबीजी एम. निरंजन व वी. वी. शर्मा, करंट. रि. इन्वा. एप्ला. मायकोल. 8(3):351.2018. (ऐगिऐलेसी)

इस नवीन कवक जाति को भारत में भरतपुर, मध्य अंडमान, अंडमान व निकोबार द्वीपसमूह में *कैलेमस अंडमानिकस* कुर्ज की टहनियों से किए गए संग्रह के आधार पर पृथक व वर्णित किया गया है। इसका मूल प्ररूप आजरेकर कवक पादपालय, आघरकर अनुसंधान संस्थान, पुणे (एएमएच) में संग्रहित है। इस जाति का नामकरण संस्कृत के दो शब्दों 'अलंकृत' अर्थात् 'सजाया हुआ' तथा 'बीजी' अर्थात् 'बीजाणु' पर आधारित है जो अलंकृत एक्सबीजाणु को दर्शाते हैं।

Neoastrophaeriella alankrithabeejae M. Niranjana & V.V. Sarma, Curr. Res. Environ. App. Mycol. 8(3): 351. 2018. (AIGIALACEAE)

This new fungal species has been isolated and described from twigs of *Calamus andamanicus* Kurz, collected from Bharatpur, Middle Andaman, Andaman and Nicobar Islands, India. The holotype is deposited in Ajrekar Mycological Herbarium, Agharkar Research Institute, Pune (AMH). The name is derived from two Sanskrit words – 'alankritha' means 'ornamented' and 'beejae' means 'spores' denotes the ornamented ascospores.

नियोस्पोरिडेस्मियम गारोएंसे प्रतिभा व प्रभुग., माइकोबायोटा 8:10.2018.

इस नवीन कवक जाति को भारत में बाघमरा, गारो की पहाड़ियां, मेघालय में *बैम्बूसा* जाति की निर्जीव कल्म से किए गए संग्रह के आधार पर पृथक व वर्णित किया गया है। इसका मूल प्ररूप भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, क्रिप्टोगैमी इंडी ओरियेंटेल्सिस, नई दिल्ली (एचसीआईओ) के पादपालय में तथा समप्ररूप एएसएसएएम में संग्रहित हैं। इस जाति का नाम इसके प्राप्ति-स्थल गारो पहाड़ी, मेघालय पर आधारित है।

Neosporidesmium garoense J. Pratibha & Prabhug., Mycobiota 8: 10. 2018.

This new fungal species has been isolated and described from dead culms of *Bambusa* sp., Baghmara, Garo hills, Meghalaya, India. The holotype is deposited in Herbarium of Indian Agriculture Research Institute, Cryptogamae Indiae Orientalis, New Delhi (HCIO) and isotype is in ASSAM. The species name refers to Garo hills, Meghalaya, the type locality of the species.

नियोस्पोरिडेस्मियम खासियानम प्रतिभा व प्रभुग., माइकोबायोटा 8:10.2018

कवक के इस नवीन वंश व जाति को भारत में 1280मी. की ऊंचाई पर पुरियन गांव, पूर्वी खासी की पहाड़ियां, मेघालय के वनखंड में *वाइटिया स्पेसियोसिशिमा* के कचड़े से किए गए संग्रह के आधार पर पृथक व वर्णित किया गया है। इसका मूल प्ररूप भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, क्रिप्टोगैमी इंडी ओरियेंटेल्सिस, नई दिल्ली (एचसीआईओ) के पादपालय में तथा समप्ररूप एएसएसएएम में संग्रहित हैं। इस जाति का नाम इसके प्राप्ति-स्थल खासी पहाड़ी, मेघालय पर आधारित है।

Neosporidesmium khasianum Prabhug. & J. Pratibha, Mycobiota 8: 10. 2018.

This new fungal species has been isolated and described from litter of *Wightia speciosissima*, forest patch near Purian village, East Khasi Hills, Meghalaya, India, at 1280m altitude. The holotype is deposited in Herbarium of Indian Agriculture Research Institute, Cryptogamae Indiae Orientalis, New Delhi (HCIO) and isotype is in ASSAM. The species named after Khasi hills, type locality of the species.

ओस्ट्रेइकनियन बीजकोशाई एम. निरंजन व वी. वी. शर्मा, कवक 50:91.2018 (हिस्टेरिएसी)

इस नवीन कवक जाति को भारत में मोहनपुर, उत्तरी अंडमान, अंडमान व निकोबार द्वीपसमूह में अज्ञात कंटली टहनी से किए गए संग्रह के आधार पर पृथक व वर्णित किया गया है। इसका मूल प्ररूप आजरेकर कवक पादपालय, आघरकर अनुसंधान संस्थान, पुणे (एएमएच) में संग्रहित है। इसका नामकरण संस्कृत के दो शब्दों 'बीजी' अर्थात् 'बीजाणु' तथा 'कोश' अर्थात् 'आवरण' पर आधारित है।

Ostrechnion beejakoshae M. Niranjana & V.V. Sarma, Kavaka 50: 91. 2018. (HYSTERIACEAE)

This new fungal species has been isolated and described from the unidentified thorny twig, collected from Mohanpur, North Andaman, Andaman and Nicobar Islands, India. The holotype is deposited in Ajrekar Mycological Herbarium, Agharkar Research Institute, Pune (AMH). The species name is derived from two Sanskrit words viz. 'beeja' means 'seed' or 'spore' and 'kosha' means 'outer covering (sheath)'.

पारसोला पार्वुला के. जी.जी. गंगा व मणिम., फायटोटैक्सा 369(4):262.2018. (सैथिरेलेसी)



इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन भारत में चिम्मिनी वन, त्रिशूर जनपद, केरल में हाथी के विष्ट से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। इसका मूल प्ररूप केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा (सीएएल) में संग्रहित है। इस जाति का नामकरण लैटिन शब्द 'पार्वुला' अर्थात् 'छोटा' पर आधारित है, जो इस जाति के छोटे बेसिडियोकार्प को दर्शाता है।

Parasola parvula K. G. G. Ganga & Manim., Phytotaxa 369 (4):262.2018. (PSATHYRELLACEAE)

This new fungal species has been isolated and described from elephant dung, collected from Chimmini Forest, Thrissur district,

Kerala. The holotype is deposited in Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah, West Bengal, India (CAL). The name of the species derived from Latin word '*parvula*' means 'small', referring small basiodiocarp of this species.

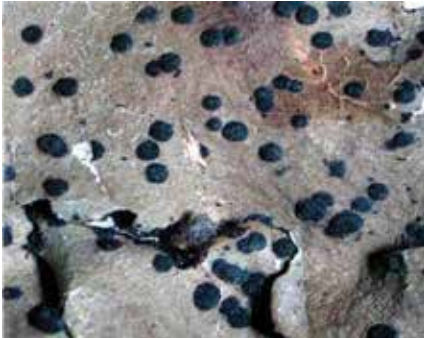
प्लेक्टोकार्पन डिचेडर्टजियानम वाई. जोशी, उपाध्याय व चंद्रा, एक्टा बोटैनिक हंगरिका 58:258.2016.

इस नवीन कवक जाति का अन्वेषण एवं वर्णन भारत में उत्तराखंड से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। इसका मूल प्ररूप वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद—राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ (एलडबल्यूजी) के पादपालय में संग्रहित है। इसका नामकरण शैवाक वैज्ञानिक (लाइकेनोलॉजिस्ट) डॉ. पॉल डिइडेरिक व डॉ. डेमियन अर्ट्ज के सम्मान में किया गया है।

Plectocarpon diedertianum Y. Joshi, Upadhyay & Chandra, Acta Botanica Hungarica 58: 258. 2016.

This new species has been discovered and described based on the collections made from Uttarakhand. The holotype was deposited in the Herbarium of National Botanical Research Institute, Lucknow (LWG). The species is named after two lichenologists Dr. Paul Diederich and Dr. Damien Ertz.,

प्लेक्टोकार्पन पार्मेलियेरम वाई. जोशी, कवक 50 :27.2018.



इस नवीन कवक जाति को भारत में उत्तराखंड राज्य के उत्तरकाशी जनपद में गोविंद वन्य जीव अभयारण्य में खाड के आसपास हर की दून से ओसला मार्ग पर 3222मी. की ऊंचाई से किए गए संग्रह के आधार पर पृथक व वर्णित किया गया है। इसका मूल प्ररूप वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद—राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ (एलडबल्यूजी) के पादपालय में संग्रहित है। इस जाति का नाम इसके पोषक शैवाक वंश *पार्मेलिया* पर आधारित है।

Plectocarpon parmeliarum Y. Joshi, Kavaka 50: 27. 2018

This new fungal species has been isolated and described based on collection made from on route to Har ki Dun from Osla, near Khad, Govind Wild Life Sanctuary, Uttarkashi district, Uttarakhand, India, at 3222m altitude. The holotype is deposited at the lichenological herbaria of CSIR-National Botanical Research Institute (LWG), Lucknow. The name refers to the host lichen genus *Parmelia* Ach.

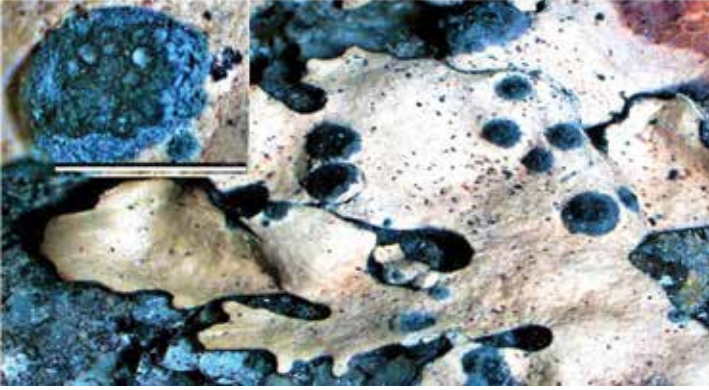
पोन्टोपोरिया मैन्ग्रुवाई देवदत्त, वी. वी. शर्मा, करंट रिसर्च इन इन्वायरमेंटल एंड एप्लाइड मायकोलॉजी 8(2):239.2018.

इस नवीन जाति को भारत में मूथुपेट मैंग्रोव, थिरुवरूर, तमिलनाडु से किए गए संग्रह के आधार पर पृथक व वर्णित किया गया है। इसका मूल प्ररूप आजरेकर कवक पादपालय, आघरकर अनुसंधान संस्थान, पुणे (एएमएच) में संग्रहित है। इसका नामकरण इसके प्राप्ति प्रकृतवास मैन्ग्रूव के नाम पर आधारित है।

Pontoporeia mangrovei Devadatha, V.V Sarma, Curr. Res. Environ. App. Mycol. 8(2): 239. 2018.

This new fungal species has been isolated and described from collections made from Muthupet mangroves, Tiruvarur, Tamil Nadu, India. The holotype is deposited at Ajrekar Mycological Herbarium, Agharkar Research Institute, Pune (AMH) and isotype is in Pondicherry University, Pondicherry (PUHD). The species name refers to the habitat where the fungus was found.

पाइरेनिडियम हाइपोट्रैकिनी वाई. जोशी, कवक 50:28.2018.



इस नवीन कवक जाति को भारत में वलाक्कड, साइलेंट वैली राष्ट्रीय उद्यान, पलाक्कड जनपद, केरल में हाइपोट्रैकिना कूर्गियाना के थैलस से किए गए संग्रह के आधार पर पृथक व वर्णित किया गया है। इसका मूल प्ररूप वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद—राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ (एलडबल्यूजी) के पादपालय में संग्रहित है। इस जाति का नाम इसके पोषक शैवाक वंश हाइपोट्रैकिना (वेन.) हेल. पर आधारित है।

Pyrenidium hypotrachynae Y. Joshi, Kavaka 50: 28. 2018

This new fungal species has been isolated and described from the thallus of *Hypotrachyna coorgiana*, collected from Walakkad, SilentValley National Park, Palakkad district, Kerala, India. The holotype is deposited in the lichenological herbaria of CSIR-National Botanical Research Institute (LWG), Lucknow. The species is named after the host lichen genus *Hypotrachyna* (Vain.) Hale.

रोडोकॉलिबिया ब्रेविपस के. एन. ए. राज व मणिम., फायटोटैक्सा 340(2):161.2018. (ओम्फेलोटेसी)



इस नवीन कवक जाति का अन्वेषण एवं वर्णन भारत में मट्टुपेटी बांध मार्ग पर, मुनार, इदुक्की जनपद, केरल में नीलगिरी (यूकेलिप्टस) के खेत से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। इसका मूल प्ररूप केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा (सीएएल) में संग्रहित है। इस जाति का नामकरण लैटिन के दो शब्दों 'ब्रेविस' अर्थात् 'छोटा' तथा 'पेस' अर्थात् 'पाद' पर आधारित है, जो इस जाति की छोटी ऊंचाई को दर्शाता है।

Rhodocollybia brevipes K.N.A. Raj & Manim., Phytotaxa 340(2): 161.2018. (OMPHALOTACEAE)

This new fungal species has been discovered and described from the way to Mattupetti Dam, Munnar, Idukki-district, Kerala. The holotype is deposited in Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah, (CAL). The species name refers to two Latin words 'brevis' means 'short' and 'pes' means 'foot' reflecting short stature of the species.

रोडोकॉलिबिया सिलिएटोमार्जिनाटा के. पी. डी. लता व मणिम., फायटोटैक्सा 340(2):159.2018. (ओम्फेलोटेसी)

गिल्ड मशरूम के इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन भारत में वायनाड जनपद, केरल के कुरावा द्वीपिका से मधुका



नेरीफोलिया वृक्षों के आसपास बलुई मिट्टी किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। इस मूल प्ररूप केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा (सीएएल) में संग्रहित है। इसका जाति का नाम इसके सरोम छत्रक के किनारे को दर्शाता है।

Rhodocollybia ciliatomarginata K.P.D. Latha & Manim., Phytotaxa 340(2): 159.2018. (OMPHALOTACEAE)

This new gilled mushroom species has been discovered and described from Kurava islets collected from decaying litter around *Madhuca neriifolia* trees, in Wayanad district, Kerala, India. The holotype is deposited in Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah (CAL). The name 'ciliatomarginata' refers to the ciliate margin of pileus in the species.

राइजालिया फाल्कटा एम. निरंजन व वी. वी. शर्मा, कवक 50:92.2018. (ट्राइकोस्फेरिएसी)

इस नवीन कवक जाति को भारत में कलातन, दक्षिणी अंडमान, अंडमान व निकोबार द्वीपसमूह में एक अज्ञात टहनी से किए गए संग्रह के आधार पर पृथक व वर्णित किया गया है। इसका मूल प्ररूप आजरेकर कवक पादपालय, आघरकर अनुसंधान संस्थान, पुणे (एएमएच) में संग्रहित है। इस जाति का नाम इसमें हंसुए के आकार के एस्कसबीजाणु पर आधारित है।

Rizalia falcata M. Niranjana & V.V. Sarma, Kavaka 50: 92. 2018. (TRICHOSPHERACEAE)

This new fungal species has been isolated and described from the unidentified twig, collected from Kalatan, South Andaman, Andaman and Nicobar Islands, India. The holotype is deposited at Ajrekar Mycological Herbarium, Agharkar Research Institute, Pune (AMH). The name refers to the presence of sickle shaped ascospores.

रोसेलिनिया अट्टेनुयाटा एम. निरंजन व वी. वी. शर्मा, कवक 50:93.2018. (जाइलेरिएसी)

इस नवीन कवक जाति को भारत में राम नगर, उत्तरी अंडमान, अंडमान व निकोबार द्वीपसमूह में एक अज्ञात टहनी से किए गए संग्रह के आधार पर पृथक व वर्णित किया गया है। इसका मूल प्ररूप आजरेकर कवक पादपालय, आघरकर अनुसंधान संस्थान, पुणे (एएमएच) में संग्रहित है। इस जाति का नाम इसमें लंबे और पतले छोर वाले एस्कसबीजाणु की विद्यमानता पर आधारित है।

Rosellinia attenuata M. Niranjana & V.V. Sarma, Kavaka 50: 93.2018. (XYLARIACEAE)

This new fungal species has been isolated and described from the unidentified twig, collected from Ram Nagar, North Andaman, Andaman and Nicobar Islands, India. The holotype is deposited in Ajrekar Mycological Herbarium, Agharkar Research Institute, Pune (AMH). The species name refers to the presence of long tapering ends of the ascospores.

रोसेलिनिया टेट्रास्पोरा एम. निरंजन व वी. वी. शर्मा, कवक 50:94.2018. (जाइलेरिएसी)

इस नवीन कवक जाति को भारत में राम नगर, उत्तरी अंडमान, अंडमान व निकोबार द्वीपसमूह में एक अज्ञात टहनी से किए गए संग्रह के आधार पर पृथक व वर्णित किया गया है। इसका मूल प्ररूप आजरेकर कवक पादपालय, आघरकर अनुसंधान संस्थान, पुणे (एएमएच) में संग्रहित है। इस जाति का नाम इसमें चार बीजाणुओं वाले एस्कसबीजाणु को दर्शाता है।

Rosellinia tetraspora M. Niranjana & V.V. Sarma, Kavaka 50: 94.2018 (XYLARIACEAE)

This new species has been isolated and described from the unidentified twig, collected from Ram Nagar, North Andaman, Andaman and Nicobar Islands, India. The holotype is deposited in Ajrekar Mycological Herbarium, Agharkar Research Institute, Pune (AMH). The name of the species refers to the presence of 4-spored asci.

रुसुला ब्यूटिरोइंडिका के. दास एवं बी. ब्यूक, नोवा हेड्विगिया 106(3-4):298.2018. (रुसुलेसी)

इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन भारत में 2159 मी की ऊंचाई पर मायनम वन्यजीव अभयारण्य, साउथ जनपद, सिक्किम से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। इसका मूल प्ररूप केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा (सीएएल) एवं समप्ररूप बीएसएचसी में संग्रहित है। इस जाति का नाम छत्रक और डंठल के मक्खन रंग को दर्शाता है।

Russula butyroindica K. Das & B. Buyck, Nova Hedwigia 106 (3-4):298.2018. (RUSSULACEAE)

This novel mushroom species has been discovered and described from Maenam Wild Life Sanctuary, Sikkim, South district, India, at 2159m altitude. The holotype is deposited in Central National Herbarium, Howrah (CAL) and isotype is in BSHC. The name refers to the butter-colored pileus and stipe of the species.

रुसुला दार्जीलिंगेंसिस एस. पैलोई, के. आचार्या व के. दास, फायटोटेक्सा 358(1):84.2018. (रुसुलेसी)

इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन भारत में 2084 मी की ऊंचाई पर लव रोड के पास दार्जीलिंग जनपद, पश्चिम बंगाल में समशीतोष्ण वन (चौड़ी पत्तियों वाले *क्यूर्कस* की जातियाँ) से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। इसका मूल प्ररूप केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा (सीएएल) में संग्रहित है। इस जाति का नाम इसके प्राप्ति-स्थल पर आधारित है।

Russula darjeelingensis S. Paloi, K. Acharya & K. Das, Phytotaxa 358(1): 84.2018. (RUSSULACEAE)

This new species has been discovered and described from temperate broadleaved forest (under *Quercus*) of West Bengal, near Love Road, Darjeeling district, West Bengal, India, at 2084 m altitude. The holotype is deposited in Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah (CAL). The name refers to its type locality Darjeeling.



रुसुला नाथनगेंसिस के. दास, हेम्ब्रम व ब्यूक, क्रिप्टो. मायकोल. 39(4):40.2018. (रुसुलेसी)

मशरूम के इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन भारत में 3539 मी की ऊंचाई पर मेमेइंचु झील, ईस्ट जनपद, सिक्किम में मिश्रित सब अल्पाइन वन से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। इसका मूल प्ररूप केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा (सीएएल) में संग्रहित है। इस जाति का नामकरण इसके प्राप्ति-स्थल के नाम पर आधारित है।

Russula gnathangensis K. Das, Hembrom & Buyck, *Crypto. Mycol.* 39(4): 40. 2018. (RUSSULACEAE)

This new mushroom species has been discovered and described based on the collection made from *Abies densa* associated subalpine mixed forest near Memeinchu lake in East district of Sikkim at 3539m altitude. The holotype is deposited in Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah (CAL). The name of the species refers to its type locality.

रुसुला इंडोहिमालयाना के. दास, आई. बेरा, ए. घोष एवं ब्यूक, क्रिप्टो. मायकोल. 39(4):405.2018. (रुसुलेसी)

मशरूम के इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन भारत में किंगोस्ला, ईस्ट जनपद सिक्किम में *एबियस डेंसा* मिश्रित सब अल्पाइन वन से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। इसका मूल प्ररूप केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा (सीएएल) में संग्रहित है। इस जाति का नामकरण इसकी प्राप्ति हिमालय स्थल पर आधारित है।

Russula indohimalayana K. Das, I. Bera, A. Ghosh & Buyck, *Crypto. Mycol.* 39(4): 405. 2018. (RUSSULACEAE)

The species discovered and described from a collection made in *Abies densa* dominated subalpine mixed forest at Kyangnosla, East district of Sikkim. The holotype is deposited in Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah, West Bengal, India (CAL). The species name refers to its occurrence in the Indian part of Himalaya.

रुसुला स्यूडॉक्रोम्बोलिज्याई के. दास, हेम्ब्रम, ए. घोष एवं ब्यूक, क्रिप्टो. मायकोल. 39(4):409.2018. (रुसुलेसी)

इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन भारत में गंथांग, ईस्ट जनपद, सिक्किम में 3885मी. की ऊंचाई पर से किए गए संग्रहों के आधार पर किया गया है। यह जाति मिश्रित सब अल्पाइन वन में *एबियस डेंसा* के साहचर्य में वास करती है। इसका मूल प्ररूप केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा (सीएएल) में संग्रहित है। इस जाति का नामकरण अन्य यूरोपियन जाति *आर. क्रोम्बोलिज्याई* इसकी समानता के आधार पर किया गया है।

Russula pseudokrombolzii K. Das, Hembrom, A. Ghosh & Buyck, *Crypto. Mycol.* 39(4): 409.2018. (RUSSULACEAE)

This species is discovered and described from a collection made from the forest opposite to firing range at Gnathang, Sikkim, East district at an elevation of 3885m. The holotype is deposited in Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah, West Bengal, India (CAL). The specific epithet refers to morphological similarity with *R. krombolzii*, a European species.

रुसुला सबअल्पाइनोग्रिसिया के. दास, आई. बेरा, ए. घोष एवं ब्यूक, क्रिप्टो. मायकोल. 39(4):412.2018. (रुसुलेसी)

इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन भारत में 3352मी. की ऊंचाई पर चिपसु, ईस्ट जनपद, सिक्किम से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। यह जाति मिश्रित सब अल्पाइन वन में *एबियस डेंसा* के साहचर्य में वास करती है। इसका मूल प्ररूप केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा (सीएएल) में संग्रहित है। इस जाति का नामकरण *रुसुला ग्रिसिया* से इसकी समानता पर आधारित है।

Russula subalpinogrisea K. Das, I. Bera, A. Ghosh & Buyck, *Crypto. Mycol.* 39(4):412. 2018. (RUSSULACEAE)

This species discovered and described from a collection made under *Abies densa* tree in subalpine mixed forest at Chipsu in East district of Sikkim state, India at an elevation of 3352 m. The specimen is deposited in Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah, West Bengal, India (CAL). The specific epithet refers to its look alike species *Russula grisea*.

सक्सेनामाइक्स कमालियाई सूर्यवंशी, ए. एन. राय व पी. एन. सिंह, माइकोटैक्सॉन 133:424.2018.

इस नवीन कवक जाति को भारत में बालाघाट, मध्यप्रदेश में *शोरिया रोबस्टा* गार्टन. (डिप्टेरोकार्पेसी) की सजीव पत्तियों से पृथक व वर्णित किया गया है। इसका मूल प्ररूप आजरेकर कवक पादपालय, आघरकर अनुसंधान संस्थान, पुणे (एएमएच) में तथा समप्ररूप आरजेएम पादपालय में संग्रहित हैं। इस कवक जाति का नामकरण प्रसिद्ध भारतीय कवक वैज्ञानिक प्रो. कमाल के सम्मान में कवक विज्ञान के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए किया गया है।

Saksenamyces kamalii Surywanshi, A.N. Rai & P.N. Singh, Mycotaxon 133(3): 424.2018.

This new fungal species has been isolated and described from living leaves of *Shorea robusta* Gaertn., collected from Balaghat, Madhya Pradesh, India. The holotype is deposited in Ajrekar Mycological Herbarium, Agharkar Research Institute, Pune, India (AMH) and an isotype is in RJM. The species is named after Prof. Kamal, for his contribution in the field of Mycology.

सिस्टोट्रेमा मैक्रोस्पोरम मन. कौर, आर. कौर, अविना. पी. सिंह व ढिंगरा, माइकोटैक्सॉन 133:676.2018. (हाइडनेसी)



इस नवीन कवक जाति को भारत में चौपाल, शिमला, हिमाचल प्रदेश में *सेडरस देवदारा* (रॉक्स. व डी. डॉन) जी. डॉन की सड़ी हुई लकड़ियों से पृथक व वर्णित किया गया है। इसका मूल प्ररूप पंजाबी विश्वविद्यालय के पादपालय (पीयूएन) में संग्रहित हैं। इस जाति का नाम इसके बड़े आकार के बेसिडियो बीजाणु पर आधारित है।

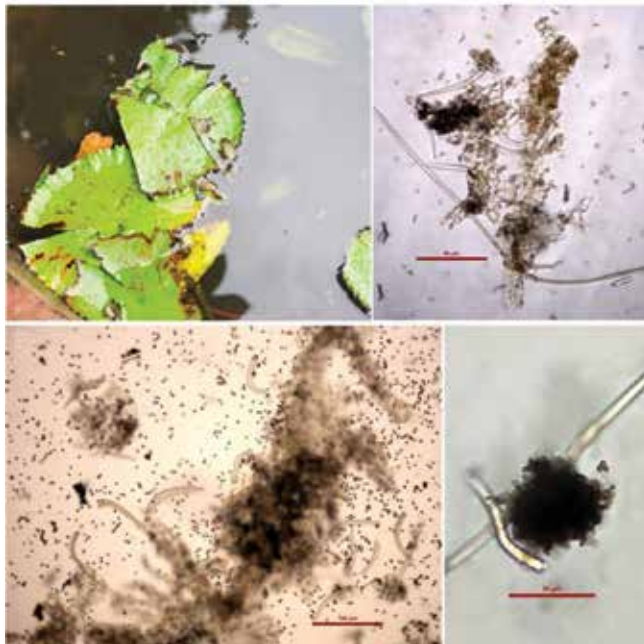
Sistotrema macrosporum Man. Kaur, R. Kaur, Avn. P. Singh & Dhingra, Mycotaxon 133: 676. 2018. (HYDNACEAE)

This new fungal species has been isolated and described from the bark of decaying

wood of *Cedrus deodara* (Roxb. ex D. Don) G. Don, collected from Chaupal, Shimla, Himachal Pradesh, India. The holotype is deposited in Punjabi University Herbarium, Patiala (PUN). The specific epithet refers to the large basidiospore size.

टेमेरारियोमाइक्स इंडिकम दुबे, जर्नल ऑन नियू बायोलॉजिकल रिपोर्ट्स 7(2):106.2018

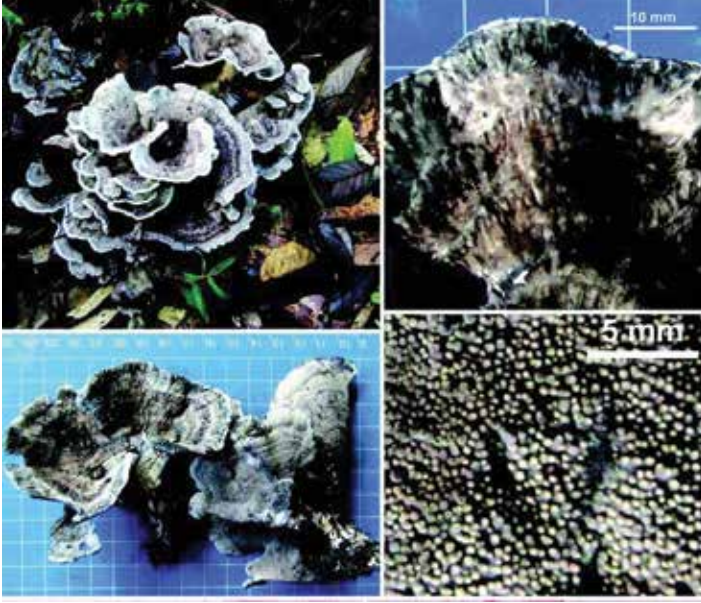
इस नवीन कवक जाति को भारत में महाराष्ट्र में संजय गांधी राष्ट्रीय उद्यान में *निम्फी रुब्रा* रॉक्स. व एंडर्यूज के पर्ण रेशों से पृथक व वर्णित किया गया है। इसका मूल प्ररूप पश्चिमी क्षेत्रीय केंद्र, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, पुणे के पादपालय (बीएसआई) में संग्रहित हैं। इस जाति का नाम इसके प्राप्ति-स्थल देश भारत के संदर्भ में है।



Temerariomyces indicum Dubey, Journal New Biological Reports 7(2): 106.2018.

This new fungal species has been isolated and described from the leaf hairs of *Nymphae rubra* Roxb. ex Andrews, collected from Sanjay Gandhi National Park, Maharashtra, India. The holotype is deposited in herbarium of Western Regional Centre, Botanical Survey of India (BSI). The name of the specis refers to the country (India) from where it was found.

थेलेफोरा सिक्किमेंसिस के. दास, हेम्ब्रम व कुहार, नोवा हेड्विगिया 107(3-4):341.2018. (थेलेफोरेसी)



इस नवीन वृहत् कवक जाति का अन्वेषण एवं वर्णन भारत में 2069 मी की ऊंचाई पर मायनम वन्यजीव अभयारण्य, साउथ जनपद, सिक्किम से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। इसका मूल प्ररूप केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा (सीएएल) में संग्रहित है। इस जाति का नाम इसके प्राप्ति-स्थल सिक्किम राज्य पर आधारित है।

Thelephora sikkimensis K. Das, Hembrom & Kuhar, Nova Hedwigia 107(3-4): 341. 2018. (THELEPHORACEAE)

This new species has been collected and described from Maenam Wild Life Sanctuary, Sikkim, South district, India, at 2096m altitude. The holotype is deposited in Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah (CAL). The is named after its type locality i.e., Sikkim state.

थिरुमलाचारिया थाणेंसिस दुबे, स्पेशिज 19:3.2018

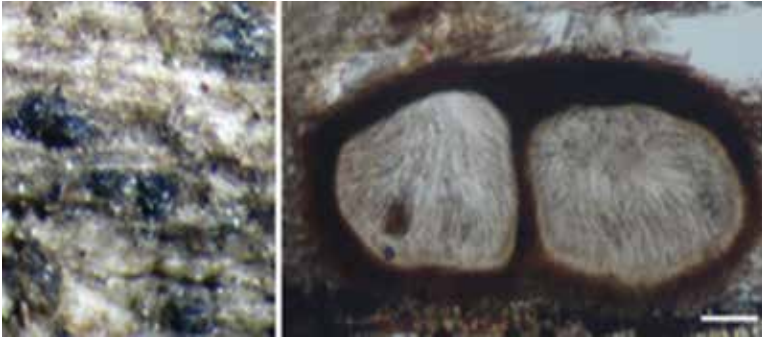
इस नवीन कवक जाति को भारत में पुलाचीवाड़ी, थाने जनपद कोंकण खंड, महाराष्ट्र में *कोइकस लैक्रिमा-जोबी* एल. की सजीव पत्तियों से पृथक व वर्णित किया गया है। इसका मूल प्ररूप पश्चिमी क्षेत्रीय केंद्र, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, पुणे के पादपालय (बीएसआई) में संग्रहित हैं। इस जाति का नाम इसके प्राप्ति-स्थल थाणे जनपद पर आधारित है। ।

Thirumalacharia thanensis Dubey, Species 19:3. 2018

This new fungal species has been isolated and described from the living leaves of *Coix lacryma-jobi* L., collected from Pulachiwadi, Thane district Konkan Division, Maharashtra, India. The holotype is deposited in herbarium of Western Regional Centre, Botanical Survey of India (BSI). The name of the specis given after its type locality, i.e., Thane district.

थाइरिडेरिएला महाकोशी देवदत्त, वी. वी. शर्मा, वनस., के. डी. हाइडे व ई. बी. जी. जॉस, माइकोलॉजिकल प्रॉग्रेस 17(7):798.2018

इस नवीन कवक जाति को भारत में मुथुपेट मैंग्रोव, थिरुवरूर, तमिलनाडु में *एविसेन्निया मैरिना* से किए गए संग्रह के आधार पर

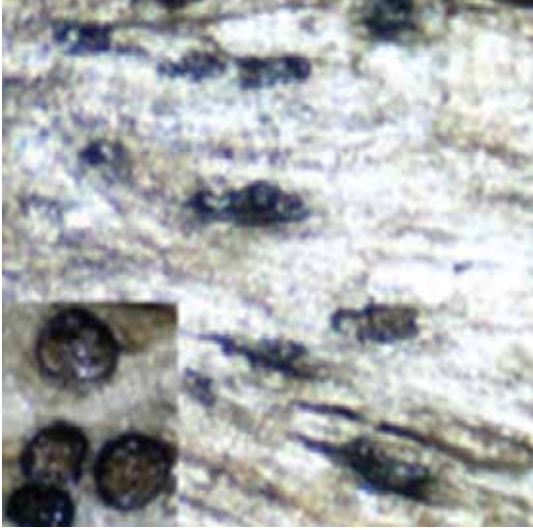


पृथक व वर्णित किया गया है। इसका मूल प्ररूप आजरेकर कवक पादपालय, आघरकर अनुसंधान संस्थान, पुणे (एएमएच) में संग्रहित है। इस जाति का नाम संस्कृत के दो शब्दों 'महा' अर्थात् 'विशाल' व 'कोशी' अर्थात् 'आवरण' पर आधारित है जो इसके एस्कसबीजाणु के वृहत् चिपचिपे कोश को दर्शाता है।

Thyridariella mahakoshae Devadatha, V.V. Sarma, Wanas., K.D. Hyde & E.B.G. Jones, Mycological Progress 17(7): 798. 2018.

This new fungal species has been isolated and described from decaying wood of *Avicennia marina*, Muthupet mangroves, Thiruvarur, Tamil Nadu, India. The holotype is deposited in Ajrekar Mycological Herbarium, Agharkar Research Institute, Pune, India (AMH). The name of the species derived from two Sanskrit words, '*maha*' means 'big' and '*koshae*' means 'sheath' referring a wide mucilaginous sheath of the ascospores.

थाइरिडेरिएला मैंग्रोवेई बी. देवदत्त, वी. वी. शर्मा, वनस., के. डी. हाइडे व ई. बी. जी. जॉस, माइकोलॉजिकल प्रॉग्रेस 17(7):798.2018.



इस नवीन कवक जाति को भारत में मुथुपेट मैंग्रोव, थिरुवरूर, तमिलनाडु में *एविसेन्निया मैरिना* से किए गए संग्रह के आधार पर पृथक एवं वर्णित किया गया है। इसका मूल प्ररूप आजरेकर कवक पादपालय, आघरकर अनुसंधान संस्थान, पुणे (एएमएच) में संग्रहित है। इस जाति का नाम इसके मैंग्रोव प्रकृतवास पर आधारित है।

Thyridariella mangrovei B. Devadatha, V.V. Sarma, K.D. Hyde, Wanas. and E.B.G Jones, Mycological Progress 17(7): 798. 2018.

This new fungal species has been isolated and described from decaying wood of *Avicennia marina*, Muthupet mangroves, Thiruvapur, Tamil Nadu, India. The holotype is deposited in Ajrekar Mycological Herbarium, Agharkar Research Institute, Pune, India (AMH) and ex-culture and isotype are in NFCC. The name refers to the mangrove habitat where the fungal species occurs.

टाइलोपाइलस हिमालयानस डी. चक्र., के. दास एवं विजिनी, माइकोकिज 33 :109.2018. (बोलेटेसी)



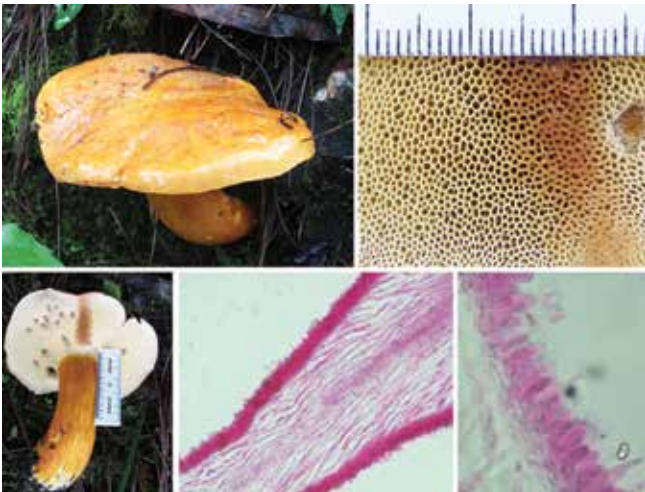
इस नवीन बेलोटॉयड मशरूम जाति का अन्वेषण एवं वर्णन भारत में 1977मी की ऊंचाई पर चांदमाड़ी, ईस्ट जनपद, सिक्किम से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। इसका मूल प्ररूप केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा (सीएएल) में संग्रहित है। इस जाति का नामकरण इसके प्राप्ति-स्थल भारतीय हिमालय पर आधारित है।

Tylopilus himalayanus D. Chakr., K. Das & Vizzini, Mycokeys 33: 109. 2018. (BOLETACEAE)

This new boletoid mushroom species has been discovered from upper Chandmari, East district, Sikkim, India, at 1977m altitude. The holotype is deposited in Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah (CAL). The name of the species refers to its type locality, Indian Himalaya.

टाइलोपाइलस स्यूडोबैलोई के. दास, डी. चक्र. एवं विजिनी, माइकोकिज 33:112.2018. (बोलेटेसी)

इस नवीन बेलोटॉयड मशरूम जाति का अन्वेषण एवं वर्णन भारत में 2136मी. की ऊंचाई पर मायनम वन्यजीव अभयारण्य, साउथ



जनपद, सिक्किम में *क्यूर्कस* जाति से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। इसका मूल प्ररूप केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा (सीएएल) में संग्रहित है। इस जाति का नाम उत्तरी अमेरिकी इसकी जाति *टी. बैलोई* से समानता पर आधारित है।

Tylopilus pseudoballoui K. Das, D. Chakr & Vizzini, Mycokeys 33: 112. 2018. (BOLETACEAE)

This boletoid mushroom species has been discovered from *Quercus* sp. in temperate mixed forests, Maenam Wild Life sanctuary, South district, Sikkim at 2136 m altitude.

The holotype is deposited in Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah (CAL). The name refers to its similarity with North American species, *T. balloui*.

नवीन वितरणपरक अभिलेख • NEW DISTRIBUTION RECORDS

वंशपरक अभिलेख • GENERIC RECORDS

टेमेरेरियोमाइसिस सूट्टॉन

पूर्वतः माउंट मुलांजे, चम्बे (एशिया) से ज्ञात कवक के इस वंश का पता भारत में प्रथम बार पता महाराष्ट्र राज्य के मुंबई स्थित संजय गांधी राष्ट्रीय उद्यान से किए गए संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। इस वंश के प्रतिरूप को पश्चिमी क्षेत्रीय केंद्र, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, पुणे के पादपालय (बीएसआई) में संग्रहित किया गया है। इस शोध को आर. दुबे ने जर्न. न्यू बायोल. रिपोर्ट्स 7(2):107.2018 में प्रकाशित किया है।

Temerariomyces Sutton

This fungal genus, earlier known from Mt. Mulanje, Chambe (Asia), has been reported for the first time from India based on the collection made from Sanjay Gandhi National Park, Maharashtra, India. The specimen is deposited in Western Regional Centre, Botanical Survey of India, Pune (BSI). This has been published by R. Dubey in J. New Biol. Reports 7(2): 107. 2018.

जातिगत अभिलेख • SPECIES RECORDS

एब्रोथैलस माइक्रोस्पर्मस ट्यूल. पता

पूर्वतः यूरोप और संयुक्त राज्य अमेरिका से ज्ञात शैवाक पर उगने वाली कवक की इस जाति का पता भारत में प्रथम बार मिलम, बुर्हु, पिथौरागढ़ जनपद उत्तराखंड में 3290मी. की ऊंचाई पर लैंगिक अवस्था में तथा 2966मी. की ऊंचाई पर अलैंगिक अवस्था में प्राप्त किए गए संग्रहों के आधार पर लगाया गया है। इसके प्रतिरूप को वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद-राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ (एलडबल्यूजी) के पादपालय में संग्रहित किया गया है। इस शोध को वाई. जोशी, मनीष त्रिपाठी, कपिल बिष्ट, शशि उपाध्याय, विशाल कुमार, नेहा पाल, अंकिता गायरा, सुगंधा पंत, कमल एस. रावत, सुनीता बिष्ट, राजेश वाजपेयी व जोसेफ पी. हाल्दा ने कवक 50 : 29. 2018 में प्रकाशित किया है।

Abrothallus microspermus Tul.

This lichenicolous fungal species, earlier known from Europe and U.S.A., has been reported for the first time from India based on collections made from way to Milam, Burfu, Pithoragarh district, Uttarakhand, at 3290m altitude (sexual stage) and Tawang district, Arunachal Pradesh, at 2966m altitude (asexual stage). The specimen is deposited in herbarium of National Botanical Research Institute, Lucknow (LWG). It has been published by Y. Joshi, Manish Tripathi, Kapil Bisht, Shashi Upadhyay, Vishal Kumar, Neha Pal, Ankita Gaira, Sugandha Pant, Kamal S. Rawat, Sunita Bisht, Rajesh Bajpai and Josef P. Halda in Kavaka 50: 29. 2018.

एब्रोथैलस वेल्विट्सचियाई मोंट.

पूर्वतः यूरोप और उत्तरी अमेरिका से ज्ञात शैवाक पर उगने वाले कवक के इस जाति का पता भारत में प्रथम बार नीलगिरी पहाड़ी, तमिलनाडु से किए गए संग्रह के आधार पर लगाया गया है। इसके प्रतिरूप को वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद-राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ (एलडबल्यूजी) के पादपालय में संग्रहित किया गया है। इस शोध को वाई. जोशी मनीष त्रिपाठी, कपिल बिष्ट, शशि उपाध्याय, विशाल कुमार, नेहा पाल, अंकिता गायरा, सुगंधा पंत, कमल एस. रावत, सुनीता बिष्ट, राजेश वाजपेयी एवं जोसेफ पी. हाल्दा ने कवक 50 : 29. 2018 में प्रकाशित किया है।

Abrothallus welwitschii Mont.

This lichenicolous fungal species, earlier known from Europe and N. America, has been reported for the first time from India based on collections made from Nilgiri hills, Tamil Nadu. The specimen is deposited in herbarium of National Botanical Research Institute, Lucknow (LWG). It has been published by Y. Joshi, Manish Tripathi, Kapil Bisht, Shashi Upadhyay, Vishal Kumar, Neha Pal, Ankita Gaira, Sugandha Pant, Kamal S. Rawat, Sunita Bisht, Rajesh Bajpai and Josef P. Halda in Kavaka 50: 29. 2018.

एगोरिकस एंड्र्यूवियाई फ्रीमैन ए. ई. एच. (एगोरिकेसी)

पूर्वतः उत्तरी कैरोलिना से ज्ञात इस कवक जाति का पता भारत में प्रथम बार बाजाखाना, फरीदकोट, पंजाब में 196मी ऊंचाई से किए गए संग्रह के आधार पर लगाया गया है। इसके प्रतिरूप को पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला (पीयूएन) के वनस्पति विभाग के पादपालय में संग्रहित किया गया है। इस शोध को हरविंदर कौर, मुनरुची कौर व नजीर अहमद ने कवक 48(2):88.2017 में प्रकाशित किया है।

Agaricus andrewii Freeman A.E.H. (AGARICACEAE)

This species, earlier known from North Carolina, has been reported for the first time from India based on collections made from Bajakhana, Faridkot, Punjab at 196m altitude. The specimens are deposited in Punjabi University Herbarium, Patiala, Punjab (PUN). It has been published by Harwinder Kaur, Munruchi Kaur and Nazir Ahmad Malik in Kavaka 48 (2): 88. 2017.

एगोरिकस ब्लेजेई मुरील डबल्यू. ए. (एगोरिकेसी)



पूर्वतः फ्लोरिडा और दक्षिणी कैरोलिना से ज्ञात इस कवक जाति का पता भारत में प्रथम बार भजौली, मोहाली, पंजाब में 316मी. ऊंचाई से तथा हलन मंजगम, दमहल हॉजी पोरा, दक्षिणी कश्मीर में 2800मी. की ऊंचाई से किए गए संग्रहों के आधार पर किया गया है। इसके प्रतिरूप को पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला (पीयूएन) के वनस्पति विभाग के पादपालय में संग्रहित किया गया है। इस शोध को हरविंदर कौर, मुनरुची कौर व नजीर अहमद ने कवक 48(2) : 87. 2017 में प्रकाशित किया है।

Agaricus blazei Murrill W.A. (AGARICACEAE)

This species, earlier known from Florida and South Carolina, has been reported for the first time from India based on collections made from Bhajauli, Mohali, Punjab at 316m altitude and village Hallan Manzgam, Damhal Hanji Pora, South Kashmir at 2800m altitude. The specimen is deposited in Punjabi University Herbarium, Patiala, Punjab (PUN). It has been published by Harwinder Kaur, Munruchi Kaur and Nazir Ahmad Malik in Kavaka 48 (2): 87. 2017.

एगोरिकस बोलोराइझस बर्क. व ब्रूम (एगोरिकेसी)

पूर्वतः पेरिडेन्या, श्रीलंका से ज्ञात इस कवक जाति का पता भारत में प्रथम बार बाजाखाना, फरीदकोट, पंजाब के एक गांव में 196मी. की ऊंचाई किए गए संग्रह के आधार पर लगाया गया है। इसके प्रतिरूप को पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला (पीयूएन) के वनस्पति विभाग के पादपालय में संग्रहित किया गया है। इस शोध को हरविंदर कौर, मुनरुची कौर व नजीर अहमद ने कवक 48(2):87.2017 में प्रकाशित किया है।

Agaricus bolorizhus Berk. & Broome (AGARICACEAE)

This species, earlier known from Peridenya, Sri Lanka, has been reported for the first time from India based on collections made from village Bajakhana, Faridkot, Punjab at 196m altitude. The specimen is deposited in Punjabi University Herbarium, Patiala, Punjab (PUN). It has been published by Harwinder Kaur, Munruchi Kaur and Nazir Ahmad Malik in Kavaka 48 (2): 87. 2017.

एगोरिकस कैलिफोर्निकस पेक (एगोरिकेसी)

पूर्वतः कैलिफोर्निया से ज्ञात इस कवक जाति का पता भारत में प्रथम बार भटिंडा, पंजाब में जोधपुर के आसपास के गांव में 211मी. की ऊंचाई पर किए गए संग्रह के आधार पर लगाया गया है। इसके प्रतिरूप को पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला (पीयूएन) के वनस्पति विभाग के पादपालय में संग्रहित किया गया है। इस शोध को हरविंदर कौर, मुनरुची कौर व नजीर अहमद ने कवक 48(2):85.2017 में प्रकाशित किया है।

Agaricus californicus Peck (AGARICACEAE)

This species, earlier known from California, has been reported for the first time from India based on collections made from village Jodhpur, Bathinda, Punjab at 211m altitude. The specimen is deposited in Punjabi University Herbarium, Patiala, Punjab (PUN). It has been published by Harwinder Kaur, Munruchi Kaur and Nazir Ahmad Malik in Kavaka 48 (2): 85. 2017.

एगोरिकस फुस्कोवेलेटस केरिगन आर. डबल्यू. (एगोरिकेसी)



पूर्वतः कैलिफोर्निया से ज्ञात इस कवक जाति का पता भारत में प्रथम बार डोड, फरीदकोट, पंजाब में 196मी की ऊंचाई से किए गए संग्रह के आधार पर लगाया गया है। इसके प्रतिरूप को पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला (पीयूएन) के वनस्पति विभाग के पादपालय में संग्रहित किया गया है। इस शोध को हरविंदर कौर, मुनरूची कौर व नजीर अहमद ने कवक 48(2) : 86. 2017 में प्रकाशित किया है।

Agaricus fuscovelatus Kerrigan R.W. (AGARICACEAE)

This species, earlier known from California, has been reported for the first time from India based on collections made from village Dod, Faridkot, Punjab at 196m altitude. The specimen is deposited in Punjabi

University Herbarium, Patiala, Punjab (PUN). It has been published by Harwinder Kaur, Munruchi Kaur and Nazir Ahmad Malik in Kavaka 48 (2): 86. 2017.

एगोरिकस पार्वटीग्राइनस ग्यूनब. एवं कैलेक (एगोरिकेसी)



पूर्वतः पश्चिमी फ्रांस से ज्ञात इस कवक जाति का पता भारत में प्रथम बार बरादारी उद्यान, पटियाला, पंजाब से किए गए संग्रह के आधार पर लगाया गया है। यह जाति खतीली मिट्टी से मिली हुई पत्तियों के कचरे पर 251मी की ऊंचाई पर गुच्छित समूह में उगती है। इसके प्रतिरूप को पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला (पीयूएन) के वनस्पति विभाग के पादपालय में संग्रहित किया गया है। इस शोध को हरविंदर कौर, मुनरूची कौर व नजीर अहमद ने कवक 48(2):88.2017 में प्रकाशित किया है।

Agaricus parvitigrinus Guinb. & Callac (AGARICACEAE)

This species, earlier known from Western France, has been reported for the first time from India based on collections made from Baradari garden, Patiala, Punjab, growing in scattered caespitose clusters on leaf litter, mixed with manure soil, at 251m altitude. The specimen is deposited in Punjabi University Herbarium, Patiala, Punjab (PUN). It has been published by Harwinder Kaur, Munruchi Kaur and Nazir Ahmad Malik in Kavaka 48(2): 88. 2017.

एगोरिकस पोर्फायरोसिफैलस एफ. एच. मोलर (एगोरिकेसी)

पूर्वतः यूरोप से ज्ञात इस कवक जाति का पता भारत में प्रथम बार बाजाखाना, फरीदकोट, पंजाब के एक गांव में 196मी की ऊंचाई से गए संग्रह के आधार पर लगाया गया है। इसके प्रतिरूप को पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला (पीयूएन) के वनस्पति विभाग के



पादपालय में संग्रहित किया गया है। इस शोध को हरविंदर कौर, मुनरूची कौर व नजीर अहमद ने कवक 48(2):93.2017 में प्रकाशित किया है।

Agaricus porphyrocephalus F.H.Møller (AGARICACEAE)

This species, earlier known from Europe, has been reported for the first time from India based on collections made from village Bajakhana, Faridkot, Punjab at 196m altitude. The specimen is deposited in Punjabi University Herbarium, Patiala, Punjab (PUN). It has been published by Harwinder Kaur, Munruchi Kaur and Nazir Ahmad Malik in Kavaka 48(2): 93. 2017.

एगोरिकस रुब्रिब्रुन्नेसेंस मुर्रील, डबल्यू. ए. (एगोरिकेसी)



पूर्वतः न्यूयार्क शहर और लॉन्ग आइलैंड से ज्ञात इस कवक जाति का पता भारत में प्रथम बार भटिंडा, पंजाब के जीधा गांव में 211मी की ऊंचाई से किए गए संग्रह के आधार पर लगाया गया है। इसके प्रतिरूप को पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला (पीयूएन) के वनस्पति विभाग के पादपालय में संग्रहित किया गया है। इस शोध को हरविंदर कौर, मुनरूची कौर व नजीर अहमद ने कवक 48(2):91.2017 में प्रकाशित किया है।

Agaricus rubribrunnescens Murrill, W.A. (AGARICACEAE)

This species, earlier known from New York City and Long Island, has been reported for the first time from India based on collections made from village Jeedha, Bathinda,

Punjab at 211 m altitude. The specimen is deposited in Punjabi University Herbarium, Patiala, Punjab (PUN). It has been published by Harwinder Kaur, Munruchi Kaur and Nazir Ahmad Malik in *Kavaka* 48 (2): 91. 2017.

एगोरिकस सुब्रुटिलेसेंस (कौफमैन) होस्टन व स्टूट्ज (एगोरिकेसी)



पूर्वतः कैलिफोर्निया से ज्ञात इस कवक जाति का पता भारत में प्रथम बार रोपर, पंजाब के भादल गांव में 394मी. की ऊंचाई से किए गए संग्रह के आधार पर लगाया गया है। इसके प्रतिरूप को पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला (पीयूएन) के वनस्पति विभाग के पादपालय में संग्रहित किया गया है। इस शोध को हरविंदर कौर, मुनरूची कौर व नजीर अहमद ने कवक 48(2):92.2017 में प्रकाशित किया है।

Agaricus subrutilescens (Kauffman) Hotson & Stuntz (AGARICACEAE)

This species, earlier known from California, has been reported for the first time from India based on collections made from village Bhaddal, Ropar, Punjab at 394m altitude. The specimen is deposited in Punjabi University Herbarium, Patiala, Punjab (PUN). It has been published by Harwinder Kaur, Munruchi Kaur and Nazir Ahmad Malik in *Kavaka* 48 (2): 92. 2017.

अमानिता ग्राइसेयोवैरुकोसा झू एल. यांग (अमानितेसी)

पूर्वतः चीन से ज्ञात इस कवक जाति का पता भारत में प्रथम बार उत्तराखंड राज्य के पौड़ी जिले के फेडखाल में 1900मी. की ऊंचाई पर से किए गए संग्रह के आधार पर लगाया गया है। इसके प्रतिरूप को एच. एन. बी. गढ़वाल विश्वविद्यालय, श्रीनगर, उत्तराखंड (जीयूएच) के वनस्पति विभाग के पादपालय में संग्रहित किया गया है। इस शोध को मो. आई. हुस्सैन, टी. महमूद, एल. वी. कुड्जमा व आर. पी. भट्ट ने माइकोकिज 37:84.2018 में प्रकाशित किया है।

Amanita griseoverrucosa Zhu L. Yang. (AMANITACEAE)



This fungal species, earlier known from China, is reported for the first time from India based on collections made from Phedkhal, Pauri district, Uttarakhand at 1900m altitude. The specimen is deposited in herbarium of the Botany Department, H.N.B. Garhwal University, Srinagar, Uttarakhand, India (GUH). This study is published by Md. I. Hosen, T. Mehmood, K. Das, L.V. Kudzma and R.P. Bhatt in *Myckeys* 37: 84. 2018.

अमानिता स्पाइशेसिया एस. इमाई (अमानितेसी)



पूर्वतः बेल्जियम, कोरिया गणराज्य और जापान से ज्ञात इस कवक जाति का पता भारत में प्रथम बार मिजोरम विश्वविद्यालय परिसर, ऐजवल, मिजोरम में 330–880मी की ऊंचाई पर से किए गए संग्रह के आधार पर लगाया गया है। इसके प्रतिरूप को मिजोरम विश्वविद्यालय पादपालय में

संग्रहित किया गया है। इस शोध को हमर लालरीनवमी, जॉन जोथांथेंजामा, बेंजामिन डब्ल्यू हेल्ड, जोसिया एम. सी. वैबैखोखेई, जोह्मांगाइहा व रोबर्ट ए. ब्लान्चेट्टे ने जर्न. थ्रेटेन्ड टैक्सा 10(10):12414.2018 में प्रकाशित किया है।

Amanita spissacea S. Imai (AMANITACEAE)

This fungal species, earlier known from Belgium, Republic of Korea and Japan, has been reported for the first time from India based on collections made from Mizoram University Campus, Mizoram, Aizawl at 330-880m altitude. The specimen is deposited in Mizoram University Herbarium. This study is published by Hmar Lalrinawmi, John Zothanzama, Benjamin W. Held, Josiah M.C. Vabeikhokhei, Zohmangaiha & Robert A. Blanchette in Journ. Threatened Taxa 10(10): 12414. 2018.

अमानिता वर्जिनियोइडस बैस (अमानितेसी)



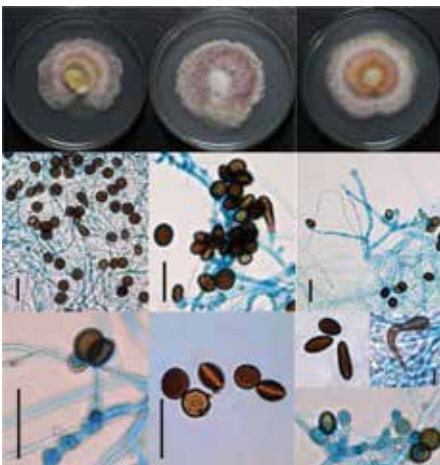
पूर्वतः चीन, दक्षिण कोरिया और थाइलैंड से ज्ञात इस कवक जाति का पता भारत में प्रथम बार उत्तराखंड राज्य के पौड़ी में फेडखाल में क्यूर्कस लियूकोट्राइकोफोरा और सिड्रस देवदारा की अधिकता वाले मिश्रित शीतोष्ण वन में 1850–2050मी की ऊंचाई पर से किए गए संग्रह के आधार पर लगाया गया है। इसके प्रतिरूप को एच. एन. बी. गढ़वाल विश्वविद्यालय, श्रीनगर, उत्तराखंड (जीयूएच) के वनस्पति विभाग के पादपालय में संग्रहित किया गया है। इस शोध को मो. आई. हुस्सैन, टी. महमूद, के. दास, एल. वी. कुड्जमा व आर. पी. भट्ट ने माइकोकिज 37:86.2018 में प्रकाशित किया है।

Amanita virgineoides Bas (AMANITACEAE)

This fungal species, earlier known from China, South Korea, Thailand and, has been reported for the first time from India based on the collections growing on soil in temperate mixed forest dominated by *Quercus leucotrichophora* and *Cedrus deodara*, in Phedkhal, Pauri district, Uttarakhand, at 1850-2050m altitude. The specimen is deposited in herbarium of the Botany Department, HNB Garhwal University, Srinagar, Uttarakhand, India (GUH). This study is published by Md. I. Hosen, T. Mehmood, K. Das, L.V. Kudzma and R.P. Bhatt in Mycokeys 37: 86.2018.

आर्थिनियम रसिकरवींद्राई एस. एम. सिंह, एल. एस. यादव, पी. एन. सिंह, आर. शर्मा व एस. के. सिंह (जाइलेरिएसी)

पूर्वतः ब्राजील, चीन, जापान, नीदरलैंड्स, नॉर्वे, थाइलैंड और स्वीट्जरलैंड से ज्ञात इस कवक जाति का पता भारत में प्रथम बार सिम्बल, बैजनाथ, हिमाचल प्रदेश से किए गए संग्रह के आधार पर लगाया गया है। इसके प्रतिरूप को भारतीय राष्ट्रीय कवक संवर्धन संग्रह (एनएफसीसीआई) में संग्रहित किया गया है। इस शोध को शिवाली राणा पारस नाथ सिंह, सुभाष बी गायकवाड व संजय के सिंह ने कवक 49: 2.2017 में प्रकाशित किया है।



Arthriniium rasikravindrae S.M. Singh, L.S. Yadav, P.N., Singh, R. Sharma & S.K. Singh (XYLARIACEAE)

This fungal species, earlier known from Brazil, China, Japan, Netherlands, Norway, Thailand and Switzerland, has been reported for the first time from India based on the collections made from Simbal, Baijnath, Himachal Pradesh. The specimen is deposited in National Fungal Culture Collection of India (NFCCI). This study is published by Shiwali Rana, Paras Nath Singh, Subhash B Gaikwad and Sanjay K Singh in Kavaka 49: 2. 2017.

बासिडिया किल्लियासियाई (हेप्प) डी. हौकशॉ.

पूर्वतः यूरोप से ज्ञात वाले कवक के इस जाति का पता भारत में प्रथम बार चमोली जनपद, उत्तराखंड के लता इलाके में 3200 मी की ऊंचाई से किए गए संग्रह के आधार पर लगाया गया है। इसके प्रतिरूप को वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद-राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ (एलडबल्यूजी) के पादपालय में संग्रहित किया गया है। इस शोध को योगेश जोशी, मनीष त्रिपाठी, कपिल बिष्ट, शशि उपाध्याय, विशाल कुमार, नेहा पाल, अंकिता गायरा, सुगंधा पंत, कमल एस. रावत, सुनीता बिष्ट, राजेश वाजपेयी व जोसेफ पी. हाल्दा ने कवक 50:29.2018 में प्रकाशित किया है।

Bacidia killiasii (Hepp) D.Hawksw.

This fungal species, earlier known from Europe, has been reported for the first time from India based on the collections made from Lata area, Chamoli district, Uttarakhand, at 3200m altitude. The specimen is deposited in herbarium of National Botanical Research Institute, Lucknow (LWG). It has been published by Yogesh Joshi, Manish Tripathi, Kapil Bisht, Shashi Upadhyay, Vishal Kumar, Neha Pal, Ankita Gaira, Sugandha Pant, Kamal S. Rawat, Sunita Bisht, Rajesh Bajpai and Josef P. Halda in Kavaka 50:29. 2018.

ब्यूलीऐल्ला इनॉप्स (ट्राइबेल व रैमबोल्ड) हैफेलनर

पूर्वतः ऑस्ट्रेलिया और उत्तरी अमेरिका से ज्ञात कवक के इस जाति का पता भारत में प्रथम बार उत्तराखंड के बागेश्वर जिले में पिण्डारी हिमनदी, जीरो प्वायंट में 3881मी की ऊंचाई से किए गए संग्रह के आधार पर लगाया गया है। इसके प्रतिरूप को वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद-राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ (एलडबल्यूजी) के पादपालय में संग्रहित किया गया है। इस शोध को वाई. जोशी, मनीष त्रिपाठी, कपिल बिष्ट, शशि उपाध्याय, विशाल कुमार, नेहा पाल, अंकिता गायरा, सुगंधा पंत, कमल एस. रावत, सुनीता बिष्ट, राजेश वाजपेयी व जोसेफ पी. हाल्दा ने कवक 50:29.2018 में प्रकाशित किया है।

Buelliella inops (Triebel & Rambold) Hafellner

This species, earlier known from Australia and North America, has been reported for the first time from India based on collections made from Zero point, Pindari glacier, Bageshwar district, Uttarakhand at 3881m altitude. The specimen is deposited in herbarium of National Botanical Research Institute, Lucknow (LWG). It has been published by Y. Joshi, Manish Tripathi, Kapil Bisht, Shashi Upadhyay, Vishal Kumar, Neha Pal, Ankita Gaira, Sugandha Pant, Kamal S. Rawat, Sunita Bisht, Rajesh Bajpai and Josef P. Halda in Kavaka 50: 29.2018.

ब्यूलीऐल्ला फाइसीकोला पोएल्ट एवं हैफेलनर

पूर्वतः यूरोप, जापान, अफ्रीका, उत्तरी अमेरिका और दक्षिणी अमेरिका से ज्ञात कवक के इस जाति का पता भारत में प्रथम बार पालमपुर, कांगरा जनपद, हिमाचल प्रदेश में 1200मी की ऊंचाई से किए गए संग्रह के आधार पर लगाया गया है। इसके प्रतिरूप को वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद-राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ (एलडबल्यूजी) के पादपालय में संग्रहित किया गया है। इस शोध को वाई. जोशी, मनीष त्रिपाठी, कपिल बिष्ट, शशि उपाध्याय, विशाल कुमार, नेहा पाल, अंकिता गायरा, सुगंधा पंत, कमल एस. रावत, सुनीता बिष्ट, राजेश वाजपेयी व जोसेफ पी. हाल्दा ने कवक 50:30.2018 में प्रकाशित किया है।

Buelliella physciicola Poelt & Hafellner

This species, earlier known from Europe, Japan, Africa, North & South America, has been reported for the first time from India based on collections made from Palampur, Kangra district, Himachal Pradesh, at 1200m altitude. The specimen is deposited in herbarium of National Botanical Research Institute, Lucknow (LWG). It has been published by Y. Joshi, Manish Tripathi, Kapil Bisht, Shashi Upadhyay, Vishal Kumar, Neha Pal, Ankita Gaira, Sugandha Pant, Kamal S. Rawat, Sunita Bisht, Rajesh Bajpai and Josef P. Halda in Kavaka 50: 30. 2018.

कैथेरेलेस वैजिनेटस एस. सी. शाव, एक्स. एफ. टियान व पी. जी. लियू (कैथेरेलेसी)



पूर्वतः दक्षिण-पश्चिमी चीन से ज्ञात कवक के इस जाति का पता भारत में प्रथम बार चूर्तेन, ईस्ट जनपद, सिक्किम में 1531 मी की ऊंचाई से किए गए संग्रह के आधार पर लगाया गया है। इसके प्रतिरूप को केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा (सीएएल) में संग्रहित किया गया है। इस शोध को बी. बाइयक, वी. एंटोनीन, डी. चक्रवर्ती, ए. बाघेला व वी. हॉफस्टेटर ने माइकोलॉजिकल प्रॉग्रेस. डीओआई 10-1007/एस11557-018-1403-8 में प्रकाशित किया है।

Cantharellus vaginatus S.C. Shao, X.F.Tian & P.G. Liu
(CANTHARELLACEAE)

This fungal species, earlier known from south western China, has been reported for the first time from India based on collections made from Churten, East district, Sikkim, at 1531m altitude. The specimen is deposited in Central National Herbarium, Botanical Survey of India,

Howrah (CAL). It has been published by B. Buyck, V. Antonín, D. Chakraborty, A. Baghela, K. Das, and V. Hofstetter IN Mycological Progress. DOI 10.1007/s11557-018-1403-8.

कार्बोनिया सुपरस्पार्सा (नाइल.) हर्टेल

पूर्वतः बेल्जियम से ज्ञात शैवाक पर उगने वाले कवक के इस जाति का पता भारत में प्रथम बार अचालगढ़, माउंट अबु, सिरौही जनपद, राजस्थान में 1383 मी की ऊंचाई पर चट्टानों पर उगने वाले *लेकानोरा* से किए गए संग्रह के आधार पर लगाया गया है। इसके प्रतिरूप को वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद-राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ (एलडबल्यूजी) के पादपालय में संग्रहित किया गया है। इस शोध को वाई. जोशी, मनीष त्रिपाठी, कपिल बिष्ट, शशि उपाध्याय, विशाल कुमार, नेहा पाल, अंकिता गायरा, सुगंधा पंत, कमल एस. रावत, सुनीता बिष्ट, राजेश वाजपेयी व जोसेफ पी. हाल्दा ने कवक 50:30.2018 में प्रकाशित किया है।

Carbonea supersparsa (Nyl.) Hertel

This lichenicolous fungal species, earlier known from Belgium, has been reported for the first time from India based on collections made from Achalgarh, Mt. Abu, Sirohi district, Rajasthan, on *Lecanora* colonizing rocks, at 1383m altitude. The specimen is deposited in herbarium of National Botanical Research Institute, Lucknow (LWG). It has been published by Y. Joshi, Manish Tripathi, Kapil Bisht, Shashi Upadhyay, Vishal Kumar, Neha Pal, Ankita Gaira, Sugandha Pant, Kamal S. Rawat, Sunita Bisht, Rajesh Bajpai and Josef P. Halda in Kavaka 50: 30. 2018.

सर्कीडोस्पोरा इपिकार्फिनिया (नाइल.) ग्रुबे व हैफेलनर

शैवाक पर उगने वाले कवक के इस जाति का पता भारत में प्रथम बार उत्तराखंड राज्य के बागेश्वर जनपद में पिण्डारी हिमनदी में 3500मी. की ऊंचाई पर पत्थर पर उगने वाले *कैलोप्लैका* से किए गए संग्रह के आधार पर लगाया गया है। इसके प्रतिरूप को वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद-राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ (एलडबल्यूजी) के पादपालय में संग्रहित किया गया है। इस शोध को वाई. जोशी, मनीष त्रिपाठी, कपिल बिष्ट, शशि उपाध्याय, विशाल कुमार, नेहा पाल, अंकिता गायरा, सुगंधा पंत, कमल एस. रावत, सुनीता बिष्ट, राजेश वाजपेयी व जोसेफ पी. हाल्दा ने कवक 50:30.2018 में प्रकाशित किया है।

Cercidospora epicarphinea (Nyl.) Grube & Hafellner

This lichenicolous fungal species has been reported for the first time from India based on collections made from Phurkia to Pindari glacier, Bageshwar district, Uttarakhand, on *Caloplaca* colonizing stone, at 3500m altitude. The specimen is deposited in herbarium of National Botanical Research Institute, Lucknow (LWG). It has been published by Y. Joshi, Manish Tripathi, Kapil Bisht, Shashi Upadhyay, Vishal Kumar, Neha Pal, Ankita Gaira, Sugandha Pant, Kamal S. Rawat, Sunita Bisht, Rajesh Bajpai and Josef P. Halda in Kavaka 50:30.2018.

क्लैवुलिसियम वेनोसम (बर्क. व रैवेनल) गिंस (क्लैवुलिनेसी)

पूर्वतः दक्षिण कैरोलिना से ज्ञात इस एगेरिकोमाइसिटस कवक जाति का पता भारत में प्रथम बार बोट क्लब, रूपनगर में *लियूकैना लियूकोसेफाला* की तनों से किए गए संग्रह के आधार पर लगाया गया है। इसके प्रतिरूप को पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला (पीयूएन) के वनस्पति विभाग के पादपालय में संग्रहित किया गया है। इस शोध को गुरप्रीत कौर, अवनीत पाल सिंह व गुरपाल सिंह ढिंगरा ने कवक 48(1):65.2017 में प्रकाशित किया है।

Clavulicium venosum (Berk.& Ravenel) Ginns (CLAVULINACEAE)

This non-poroid Agaricomycetous fungi, earlier known from South Carolina, has been reported for the first time from India based on collections made from Boat Club, Rupnagar, India, on trunk of *Leucaena leucocephala*. The specimen is deposited in Punjabi University herbarium, Patiala (PUN). It has been published by Gurpreet Kaur, Avneet Pal Singh and Gulpaul Sing Dhinghra in Kavaka 48(1): 65. 2017.

क्लाइपियोकोकम ग्रोशम (कोर्ब.) डी. हॉकशॉ

पूर्वतः ग्रेट ब्रिटेन से ज्ञात शैवाक पर उगने वाले कवक के इस जाति का पता भारत में प्रथम बार व्यास घाटी, धारचुला प्रखंड, पिथौरागढ़ जनपद, उत्तराखंड के कुटी गांव में 3872मी की ऊंचाई पर किए गए संग्रह के आधार पर लगाया गया है। इसके प्रतिरूप को वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद-राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ (एलडबल्यूजी) के पादपालय में संग्रहित किया गया है। इस शोध को वाई. जोशी, मनीष त्रिपाठी, कपिल बिष्ट, शशि उपाध्याय, विशाल कुमार, नेहा पाल, अंकिता गायरा, सुगंधा पंत, कमल एस. रावत, सुनीता बिष्ट, राजेश वाजपेयी व जोसेफ पी. हाल्दा ने कवक 50:30.2018 में प्रकाशित किया है।

Clypeococcum grossum (Körb.) D. Hawksw.

This lichenicolous fungal species, earlier known from Great Britain, has been reported for the first time from India based on collections made from Kuti village, Byans Valley, Dharchula block, Pithoragarh district, Uttarakhand, at 3872m altitude. The specimen is deposited in herbarium of National Botanical Research Institute, Lucknow (LWG). It has been published by Y. Joshi, Manish Tripathi, Kapil Bisht, Shashi Upadhyay, Vishal Kumar, Neha Pal, Ankita Gaira, Sugandha Pant, Kamal S. Rawat, Sunita Bisht, Rajesh Bajpai and Josef P. Halda in Kavaka 50: 30. 2018.

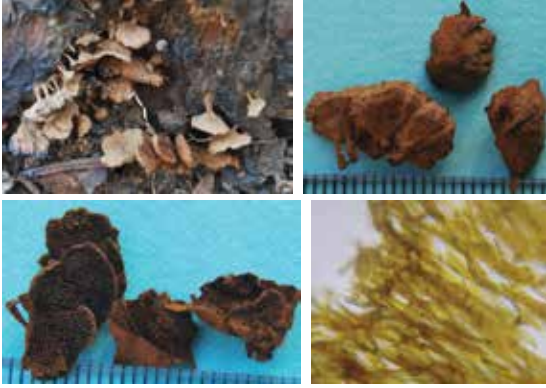
कोल्ट्रिसिया फोसिकोला (बर्क. व एम. ए. कर्टिस) मुर्रील (हाइमेनोकैटेसी)

पूर्वतः यूरोप, चीन, मंगोलिया और पूर्वी उत्तरी अमेरिका से ज्ञात कवक के इस जाति का पता भारत में प्रथम बार हाटु चोटी, नरकंडा, शिमला, हिमाचल प्रदेश से 4 किमी की दूरी पर शंकुधारी वन की मिट्टी से किए गए संग्रह के आधार पर लगाया गया है। इसके प्रतिरूप को पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला (पीयूएन) के वनस्पति विभाग के पादपालय में संग्रहित किया गया है। इस शोध को नवप्रीत कौर, अवनीत पाल सिंह व गुरपाल सिंह ढिंगरा ने कवक 47:135.2016 में प्रकाशित किया है।

Coltricia focicola (Berk.&M.A. Curtis) Murrill (HYMENOCHAETACEAE)

This fungal species, earlier known from Europe, China, Mongolia and eastern North America, has been reported for the first time from India based on collections made from 4 km from Narkanda towards Hatu Peak, Narkanda, Shimla, Himachal Pradesh, on soil in coniferous forest. The specimen is deposited in Punjabi University herbarium, Patiala (PUN). It has been published by Navpreet Kaur, Avneet Pal Singh and Gulpaul Singh Dhingrain Kavaka 47: 135. 2016.

कोल्ट्रिसिएला डिपेंडेस (बर्क. व एम. ए. कर्टिस) मुरील (हाइमेनोकैटेसी)



पूर्वतः चीन, जापान, उत्तरी थाइलैंड, सिंगापुर, न्यूजीलैंड, उत्तरी और दक्षिणी अमेरिका, सेशेल्स और ऑस्ट्रेलिया से ज्ञात कवक के इस जाति का पता भारत में प्रथम बार नॉर्थ ईस्टर्न हिल यूनिवर्सिटी परिसर, शिलांग, मेघालय में *पाइनस केसिया* रॉयले व गॉर्डन के अंशतः जले हुए स्तंभ से किए गए संग्रह के आधार पर लगाया गया है। इसके प्रतिरूप को सेंटर फॉर एडवांस्ड स्टडिज इन बॉटनी, नॉर्थ-ईस्टर्न हिल यूनिवर्सिटी, शिलांग के वनस्पति विभाग के पादपालय में तथा फंगोरम ऑफ फॉरेस्ट पैथोलॉजी डिवीजन, एफआरआई, देहरादून में संग्रहित हैं। इस शोध को अयांगला एस. पोंगेन, कुनो चुझो, एन. एस. के. हर्ष, एम. एस. दखर व मनोज कुमार ने जे. थ्रेटेंड टैक्सा 10(8):12140.2018 में प्रकाशित किया है।

Coltriciella dependens (Berk. & M.A. Curtis) Murrill (HYMENOGYNIACEAE)

This fungal species, earlier known from China, Japan, North Thailand, Singapore, New Zealand, North and South America, Seychelles and Australia, has been reported for the first time from India based on collections made from the partially burnt base of *Pinus kesiya* Royle ex Gordon, campus of North Eastern Hill University, Shillong, Meghalaya. The specimen is deposited in herbarium of Centre for Advanced Studies in Botany, North-Eastern Hill University, Shillong and Fungorum of Forest Pathology Division, FRI, Dehradun. It has been published by Ayangla S. Pongen, Kuno Chuzho, N.S.K. Harsh, M.S. Dkhar and Manoj Kumar in J. Threatened Taxa 10(8): 12140. 2018.

क्रिप्टोमेरसमियस एक्सुस्टोइडस (देसजर्दीन व ई. होराका) टी. एस. जेंकिंसन व देसजर्दीन (फिफिसैलेक्रिएसी)



पूर्वतः संयुक्त राज्य अमेरिका से ज्ञात कवक के इस जाति का पता भारत में प्रथम बार बालीगंज साइंस कॉलेज परिसर, कोलकाता, पश्चिम बंगाल से किए गए संग्रह के आधार पर लगाया गया है। इसके प्रतिरूप को कलकत्ता विश्वविद्यालय के वनस्पति विभाग के पादपालय (सीयूएच) में संग्रहित किया गया है। इस शोध को अरुण कुमार दत्त व कृष्णेंदु आचार्या ने जे. थ्रेटेंड टैक्सा 10(3):11465.2018 में प्रकाशित किया है।

Cryptomarasmium exustoides (Desjardin & E. Horak) T.S. Jenkinson & Desjardin (PHYSALACRIACEAE)

This fungal species, earlier known from USA, has been reported for the first time from India based on collections made from botanical garden of Ballygunge Science college campus, Kolkata,

West Bengal. The specimen is deposited in Calcutta University herbarium (CUH). It has been published by Arun Kumar Dutta and Krishnendu Acharya in J. Threatened Taxa 10 (3): 11465. 2018.

डैक्टिलोस्पोरा प्रोटोथैलिना (अंजी) हैफेलनर (डैक्टिलोस्पोरेसी)

शैवाक पर उगने वाले कवक के इस जाति का पता भारत में प्रथम बार अंगिंडा, साइलेंट वैली घाटी, पलाक्कड जनपद, केरल में 2200 मी की ऊंचाई पर किए गए संग्रह के आधार पर लगाया गया है। इसके प्रतिरूप को केरल वन अनुसंधान संस्थान, पीची (केएफआरआई) के पादपालय में संग्रहित किया गया है। इस शोध को वाई. जोशी, मनीष त्रिपाठी, कपिल बिष्ट, शशि उपाध्याय, विशाल कुमार, नेहा पाल, अंकिता गायरा, सुगंधा पंत, कमल एस. रावत, सुनीता बिष्ट, राजेश वाजपेयी व जोसेफ पी. हाल्दा ने कवक 50:30.2018 में प्रकाशित किया है।

Dactylospora protothallina (Anzi) Hafellner (DACTYLOSPORACEAE)

This lichenicolous fungal species has been reported for the first time from India based on collections made from Anginda, Silent Valley, Palakkad district, Kerala, at 2200m altitude. The specimen is deposited in herbarium of Kerala Forest Research Institute, Peechi (KFRI). It has been published by Y. Joshi, Manish Tripathi, Kapil Bisht, Shashi Upadhyay, Vishal Kumar, Neha Pal, Ankita Gaira, Sugandha Pant, Kamal S. Rawat, Sunita Bisht, Rajesh Bajpai and Josef P. Halda in Kavaka 50: 30. 2018.

डैक्टिलोस्पोरा राइमुलिकोला (मुल. आर्ग.) हैफेलनर (डैक्टिलोस्पोरेसी)

कवक के इस जाति का पता भारत में प्रथम बार खितौली, कटनी जनपद, मध्य प्रदेश से किए गए संग्रह के आधार पर लगाया गया है। इसके प्रतिरूप को वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद-राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ (एलडबल्यूजी) के पादपालय में संग्रहित किया गया है। इस शोध को वाई. जोशी, मनीष त्रिपाठी, कपिल बिष्ट, शशि उपाध्याय, विशाल कुमार, नेहा पाल, अंकिता गायरा, सुगंधा पंत, कमल एस. रावत, सुनीता बिष्ट, राजेश वाजपेयी व जोसेफ पी. हाल्दा ने कवक 50:30.2018 में प्रकाशित किया है।

Dactylospora rimulicola (Müll.Arg.) Hafellner (DACTYLOSPORACEAE)

This species has been reported for the first time from India based on collections made from Khitauli, Katni district, Madhya Pradesh. The specimen is deposited in herbarium of National Botanical Research Institute, Lucknow (LWG). It has been published by Y. Joshi, Manish Tripathi, Kapil Bisht, Shashi Upadhyay, Vishal Kumar, Neha Pal, Ankita Gaira, Sugandha Pant, Kamal S. Rawat, Sunita Bisht, Rajesh Bajpai and Josef P. Halda in Kavaka 50: 30. 2018.

डिडाइमोसिर्टिस कॉन्सिमिलिस वेन. (फियोस्फेरिएसी)

कवक की इस जाति का पता भारत में प्रथम बार उत्तराखंड राज्य के उत्तरकाशी जनपद में गोमुख, गंगोत्री, मार्ग पर गंगा-भागीरथी नदी के आसपास चीड़वासा में 3555मी की ऊंचाई पर किए गए संग्रह के आधार पर लगाया गया है। इसके प्रतिरूप को वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद-राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ (एलडबल्यूजी) के पादपालय में संग्रहित किया गया है। इस शोध को वाई. जोशी, मनीष त्रिपाठी, कपिल बिष्ट, शशि उपाध्याय, विशाल कुमार, नेहा पाल, अंकिता गायरा, सुगंधा पंत, कमल एस. रावत, सुनीता बिष्ट, राजेश वाजपेयी व जोसेफ पी. हाल्दा ने कवक 50:30.2018 में प्रकाशित किया है।

Didymocyrtis consimilis Vain. (PHAEOSPHAERIACEAE)

This lichenicolous fungal species has been reported for the first time from India based on collections made from Chirwasa, near riverside, in route to Gomukh, Gangotri, Uttarkashi district, Uttarakhand, at 3555m altitude. The specimen is deposited in herbarium of National Botanical Research Institute, Lucknow (LWG). It has been published by Y. Joshi, Manish Tripathi, Kapil Bisht, Shashi Upadhyay, Vishal Kumar, Neha Pal, Ankita Gaira, Sugandha Pant, Kamal S. Rawat, Sunita Bisht, Rajesh Bajpai and Josef P. Halda in Kavaka 50: 30.2018.

डिडाइमोसिर्टिस एपिफिससिया एर्टज व डियेडेरिक (फियोस्फेरिएसी)

पूर्वतः यूरोप और उत्तरी अमेरिका से ज्ञात शैवाक पर उगने वाले कवक के इस जाति का पता भारत में प्रथम बार विश्वविद्यालय परिसर, जम्मू जनपद, जम्मू और कश्मीर में पर्यावरणीय विज्ञान विभाग से गेस्ट हाउस के रास्ते में 305 मी की ऊंचाई पर किए गए संग्रह के आधार पर लगाया गया है। इसके प्रतिरूप को वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद-राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ (एलडबल्यूजी) के पादपालय में संग्रहित किया गया है। इस शोध को वाई. जोशी, मनीष त्रिपाठी, कपिल बिष्ट, शशि उपाध्याय, विशाल कुमार, नेहा पाल, अंकिता गायरा, सुगंधा पंत, कमल एस. रावत, सुनीता बिष्ट, राजेश वाजपेयी व जोसेफ पी. हाल्दा ने कवक 50 : 30. 2018 में प्रकाशित किया है।

Didymocyrtis epiphyscia Ertz and Diederich (PHAEOSPHAERIACEAE)

This lichenicolous fungal species, earlier known from Europe and North America, has been reported for the first time from India based on collections made from way to department of Environmental Science from guest house, University campus, Jammu district, Jammu & Kashmir, at 305m altitude. The specimen is deposited in herbarium of National Botanical Research Institute, Lucknow (LWG). It has been published by Y. Joshi, Manish Tripathi, Kapil Bisht, Shashi Upadhyay, Vishal Kumar, Neha Pal, Ankita Gaira, Sugandha Pant, Kamal S. Rawat, Sunita Bisht, Rajesh Bajpai and Josef P. Halda in Kavaka 50: 30. 2018.

डिडाइमोसिर्टिस रामालिनाई (रोबर्ग व डेस्म.) एर्ट्ज, डिडेरिक व हैफेलनर (फियोस्फेयरिएसी)

पूर्वतः ग्रेट ब्रिटेन और आयरलैंड से ज्ञात शैवाक पर उगने वाले कवक के इस जाति का पता भारत में प्रथम बार अंगिंडा, साइलेंट वैली घाटी राष्ट्रीय उद्यान, पलाक्कड जनपद, केरल में 2200 मी की ऊंचाई पर किए गए संग्रह के आधार पर लगाया गया है। इसके प्रतिरूप को केरल वन अनुसंधान संस्थान, पीची (केएफआरआई) के पादपालय में संग्रहित किया गया है। इस शोध को वाई. जोशी, मनीष त्रिपाठी, कपिल बिष्ट, शशि उपाध्याय, विशाल कुमार, नेहा पाल, अंकिता गायरा, सुगंधा पंत, कमल एस. रावत, सुनीता बिष्ट, राजेश वाजपेयी व जोसेफ पी. हाल्दा ने कवक 50 : 30. 2018 में प्रकाशित किया है।

Didymocrytis ramalinae (Roberge ex Desm.) Ertz, Diederich & Hafellner (PHAEOSPHAERIAEAE)

This lichenicolous fungal species, earlier known from Great Britain and Ireland, has been reported for the first time from India based on collections made from Anginda, Silent Valley National Park, Palakkad district, Kerala, at 2200m altitude. The specimen is deposited in herbarium of Kerala Forest Research Institute, Peechi (KFRI). It has been published by Y. Joshi, Manish Tripathi, Kapil Bisht, Shashi Upadhyay, Vishal Kumar, Neha Pal, Ankita Gaira, Sugandha Pant, Kamal S. Rawat, Sunita Bisht, Rajesh Bajpai and Josef P. Halda Kavaka 50: 30. 2018.

डिप्लोलेवियोप्सिस रैनुला गिराल्ट व डी. हॉकशॉ (कॉर्डियेरिटिडेसी)

शैवाक पर उगने वाले कवक के इस जाति का पता भारत में प्रथम बार पतसियो, स्पिति जनपद, हिमाचल प्रदेश में 3800 मी की ऊंचाई पर किए गए संग्रह के आधार पर लगाया गया है। इसके प्रतिरूप को वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद-राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ (एलडबल्यूजी) के पादपालय में संग्रहित किया गया है। इस शोध को वाई. जोशी, मनीष त्रिपाठी, कपिल बिष्ट, शशि उपाध्याय, विशाल कुमार, नेहा पाल, अंकिता गायरा, सुगंधा पंत, कमल एस. रावत, सुनीता बिष्ट, राजेश वाजपेयी व जोसेफ पी. हाल्दा ने कवक 50 : 30. 2018 में प्रकाशित किया है।

Diplolaeviopsis ranula Giralt and D. Hawksw. (CORDIERITIDACEAE)

This lichenicolous fungal species has been reported for the first time from India based on collections made from Patsio, Spiti district, Himachal Pradesh, at 3800m altitude. The specimen is deposited in the Herbarium of National Botanical Research Institute, Lucknow (LWVG). It has been published by Y. Joshi, Manish Tripathi, Kapil Bisht, Shashi Upadhyay, Vishal Kumar, Neha Pal, Ankita Gaira, Sugandha Pant, Kamal S. Rawat, Sunita Bisht, Rajesh Bajpai and Josef P. Halda in Kavaka 50: 30. 2018.

डिप्लोमिटोपोरस एलांटोस्पोरस रिवार्डन व इटुर. (पोलिपोरेसी)

पूर्वतः वेनेजुला और ब्राजील से ज्ञात कवक के इस जाति का पता भारत में प्रथम बार राजगढ़, सिरमौर जनपद, हिमाचल प्रदेश से किए गए संग्रह के आधार पर लगाया गया है। इसके प्रतिरूप को पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला (पीयूएन) के वनस्पति विभाग के पादपालय में संग्रहित किया गया है। इस शोध को आर. कौर, एच. कौर, ए. पी. सिंह, जी. कौर व जी. एस. ढिंगरा ने कवक 49 : 10. 2017 में प्रकाशित किया है।

Diplomitoporus allantosporus Ryvarden & Iturr. (POLYPORACEAE)

This fungal species, earlier known from Venezuela and Brazil, has been reported for the first time from India based on collections made from Rajgarh, Sirmaur district, Himachal Pradesh. The specimen is deposited in herbarium of Department of Botany, Punjabi University Patiala, Patiala (PUN). This study is published by R. Kaur, H. Kaur, A.P. Singh, G. Kaur and G.S. Dhingra in Kavaka 49: 10. 2017.

डिप्लोमिटोपोरस फ्लेवेसेंस (ब्रेस.) डोमांस्की (पोलिपोरेसी)

पूर्वतः ऑस्ट्रिया, पोलैंड, जेकोस्लोवाकिया, जर्मनी, फ्रांस, इटली, चीन और जापान से ज्ञात कवक के इस जाति का पता भारत में प्रथम बार अहला पंजपुला वन, डल्हौसी, चम्बा जनपद, हिमाचल प्रदेश से किए गए संग्रह के आधार पर लगाया गया है। इसके प्रतिरूप को पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला (पीयूएन) के वनस्पति विभाग के पादपालय में संग्रहित किया गया है। इस शोध को आर. कौर, एच. कौर, ए. पी. सिंह, जी. कौर व जी. एस. ढिंगरा ने कवक 49 : 11. 2017 में प्रकाशित किया है।

Diplomitoporus flavescens (Bres.) Doma ski (POLYPORACEAE)

This fungal species, earlier known from Austria, Poland, Czechoslovakia, Germany, France, Italy, China and Japan, has been reported for the first time from Indiabased on collections made from Ahla Panjpula forest, Dalhousie, Chamba district, Himachal Pradesh. The specimen is deposited in herbarium of Department of Botany, Punjabi University Patiala, Patiala (PUN). This study is published by R. Kaur, H. Kaur, A.P. Singh, G. Kaur and G.S. Dhingra in Kavaka 49: 11. 2017.

डिप्लोमिटोपोरस ओवरहोल्त्सियाई (पिलैट) गिल्ब. व रिवार्डन (पोलिपोरेसी)

पूर्वतः एरीजोना और उत्तरी अमेरिका से ज्ञात कवक के इस जाति का पता भारत में प्रथम बार गुरुद्वारा साहिब के नजदीक पाओंता साहिब, सिरमौर जनपद, हिमाचल प्रदेश से किए गए संग्रह के आधार पर लगाया गया है। इसके प्रतिरूप को पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला (पीयूएन) के वनस्पति विभाग के पादपालय में संग्रहित किया गया है। इस शोध को आर. कौर, एच. कौर, ए. पी. सिंह, जी. कौर व जी. एस. ढिंगरा ने कवक 49 : 11. 2017 में प्रकाशित किया है।

Diplomitoporus overholtsii (Pilát) Gilb.& Ryvarden (POLYPORACEAE)

This fungal species, earlier known from Arizona and North America, has been reported for the first time from India based on collections made from Paonta Sahib, near Gurudwara Sahib, Sirmaur district, Himachal Pradesh. The specimen is deposited in herbarium of Department of Botany, Punjabi University Patiala, Patiala (PUN). This study is published by R. Kaur, H. Kaur, A.P. Singh, G. Kaur and G.S. Dhingra in Kavaka 49: 11. 2017.

एंडोकोकस एपिसाईकोला (जे. स्टेनर) आर. सैंट.

शैवाक पर उगने वाले कवक के इस जाति का पता भारत में प्रथम बार मुन्नार, लोकार्ट दरार, इदुक्की जनपद, केरल में 1600 मी की ऊंचाई पर किए गए संग्रह के आधार पर लगाया गया है। इसके प्रतिरूप को केरल वन अनुसंधान संस्थान, पीची (केएफआरआई) के पादपालय में संग्रहित किया गया है। इस शोध को वाई. जोशी, मनीष त्रिपाठी, कपिल बिष्ट, शशि उपाध्याय, विशाल कुमार, नेहा पाल, अंकिता गायरा, सुगंधा पंत, कमल एस. रावत, सुनीता बिष्ट, राजेश वाजपेयी व जोसेफ पी. हाल्दा ने कवक 50:30.2018 में प्रकाशित किया है।

Endococcus apiciicola (J. Steiner) R. Sant.

This lichenicolous fungal species has been reported for the first time from India based on collections made from Munnar, Lockart gap, Idukki district, Kerala, India, at 1600m altitude. The specimen is deposited in the Herbarium of Kerala Forest Research Institute, Peechi, Kerala (KFRI). It has been published by Y. Joshi, Manish Tripathi, Kapil Bisht, Shashi Upadhyay, Vishal Kumar, Neha Pal, Ankita Gaira, Sugandha Pant, Kamal S. Rawat, Sunita Bisht, Rajesh Bajpai and Josef P. Halda in Kavaka 50: 30. 2018.

एंडोकोकस ओरेइनी हैफेलनर

पूर्वतः संयुक्त राज्य अमेरिका और मेक्सिको से ज्ञात शैवाक पर उगने वाले कवक के इस जाति का पता भारत में प्रथम बार कोठी, कुलु जनपद, हिमाचल प्रदेश में 2500 मी की ऊंचाई पर किए गए संग्रह के आधार पर लगाया गया है। इसके प्रतिरूप को वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद—राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ (एलडब्ल्यूजी) के पादपालय में संग्रहित किया गया है। इस शोध को वाई. जोशी, मनीष त्रिपाठी, कपिल बिष्ट, शशि उपाध्याय, विशाल कुमार, नेहा पाल, अंकिता गायरा, सुगंधा पंत, कमल एस. रावत, सुनीता बिष्ट, राजेश वाजपेयी व जोसेफ पी. हाल्दा ने कवक 50:30.2018 में प्रकाशित किया है।

Endococcus oreinae Hafellner

This lichenicolous fungal species, earlier known from U.S.A. and Mexico, has been reported for the first time from India based on collections made from Kothi, Kullu district, Himachal Pradesh, India, at 2500m altitude. The specimen is deposited in herbarium of National Botanical Research Institute, Lucknow (LWG). It has been published by Y. Joshi, Manish Tripathi, Kapil Bisht, Shashi Upadhyay, Vishal Kumar, Neha Pal, Ankita Gaira, Sugandha Pant, Kamal S. Rawat, Sunita Bisht, Rajesh Bajpai and Josef P. Halda in Kavaka 50: 30. 2018.

फरासैनीस्पोरा एविसेन्नी अब्दल-वहाब, बहकली व ई. बी. जॉस

पूर्वतः फरासन द्वीप से ज्ञात कवक के इस जाति का पता भारत में मुथुपेट मैंग्रोव, तिरुवरूर, तमिलनाडु से किए गए संग्रह के आधार पर लगाया गया है। इसके प्रतिरूप को आजरेकर कवक विज्ञान पादपालय, आघरकर अनुसंधान संस्थान, पुणे (एएमएच) में संग्रहित किया गया है। इस शोध को बी. देवदत्त, वी. वी. शर्मा, एच. ए. अरियावंसा व ई. बी. गारेथ जॉस ने माइकोस्फेयर 9(3) : 574. 2018 में प्रकाशित किया है।

Farasanispora avicenniae Abdel-Wahab, Bahkali & E.B.G. Jones

This fungal species, earlier known from Farasan Island, has been reported for the first time from India based on collections made from Muthupet mangroves, Tiruvarur, Tamil Nadu. The specimen is deposited in Ajrekar Mycological Herbarium, Agharkar Research Institute, Pune (AMH). It has been published by B. Devadatha, V.V. Sarma, H.A. Ariyawansa and E.B. Gareth Jones in Mycosphere 9(3): 574. 2018.

गैनोडर्मा कैपेंसे (लॉयड) टेंग (गैनोडर्मेटेसी)

पूर्वतः दक्षिण अफ्रीका और चीन से ज्ञात ब्रैकेट कवक के इस जाति का पता भारत में प्रथम बार संघशासित प्रदेश चंडीगढ़ के सेक्टर 19-बी से किए गए संग्रह के आधार पर लगाया गया है। इसके प्रतिरूप को पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला (पीयूएन) के वनस्पति विभाग के पादपालय में संग्रहित किया गया है। इस शोध को जे. के. बरार, आर. कौर, जी. कौर, ए. पी. सिंह व जी. एस. ढिंगरा ने कवक 51:37.2018 में प्रकाशित किया है।

***Ganoderma capense* (Lloyd) Teng (GANODERMATACEAE)**

This bracket fungus, earlier known from South Africa and China, has been reported for the first time from India based on the collection from Sector 19B, Union Territory of Chandigarh. The specimen is housed in herbarium of Department of Botany, Punjabi University Patiala, Patiala (PUN). This study is published by J.K. Barar, R. Kaur, G. Kaur, A.P. Singh and G.S. Dhingra in Kavaka 51: 37. 2018.

हेलिकोग्लोइया ग्लोबोसा ची जे. चेन व ओबर्व. (फिलियोजीनेसी)

पूर्वतः ताइवान से ज्ञात सड़ी हुई लकड़ियों की पपड़ी पर उगने वाले कवक के इस जाति का पता भारत में प्रथम बार राजमहल की पहाड़ी, गरियापानी (दुमका जनपद, गोपीकंदर प्रखंड) में 136मी. की ऊंचाई पर तथा अमरपुर-पुरियाबंदर (गोड्डा जनपद, बोअरीजोर प्रखंड) में 369मी. की ऊंचाई पर उष्णकटिबंधीय इलाके में निर्जीव और सड़े हुए आवृतबीजी टूट से किए गए संग्रह के आधार पर लगाया गया है। इसके प्रतिरूप को केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा (सीएएल) में संग्रहित किया गया है। इस शोध को एम. ई. हेम्ब्रम, के. दास, सी. सेनगुप्ता व ए. परिहार ने एंविस् न्यूजलेटर 23(1):5.2018 में प्रकाशित किया है।

***Helicogloea globosa* Chee J. Chen & Oberw. (PHLEOGENACEAE)**

This wood rotting crust fungal species, earlier known from Taiwan, has been reported for the first time from India based on the collections growing on dead and decaying angiospermic stumps in tropical areas of Rajmahal hills, Gariapani (Dumka-district, Gopikandar block) and Amarpur-Puriabandar (Godda-district, Boarijor block) at 136m and 369m altitude respectively. The specimen is deposited in herbarium of Botanical Survey of India, Central National Herbarium, Howrah (CAL). This study is published by M.E. Hembrom, K. Das, C. Sengupta and A. Parihar in ENVIS Newsletter 23(1): 5. 2018.

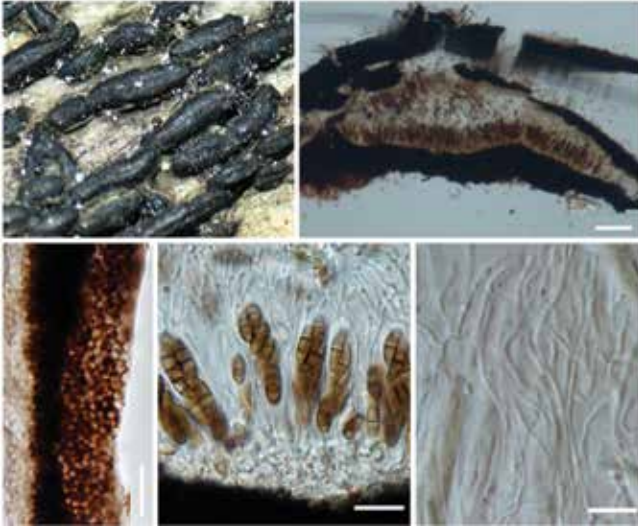
हेटरोसेफालेक्रिया फिससियासिर्म् (डियेडेरिक) मिलानेस व वेडिन (फिलोबेसिडिएसी)

शैवाक पर उगने वाले कवक के इस जाति का पता भारत में प्रथम बार सोनमार्ग, जम्मू और कश्मीर में 1800-2100मी. की ऊंचाई पर किए गए संग्रह के आधार पर लगाया गया है। इसके प्रतिरूप को वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद-राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ (एलडब्ल्यूजी) के पादपालय में संग्रहित किया गया है। इस शोध को वाई. जोशी, मनीष त्रिपाठी, कपिल बिष्ट, शशि उपाध्याय, विशाल कुमार, नेहा पाल, अंकिता गायरा, सुगंधा पंत, कमल एस. रावत, सुनीता बिष्ट, राजेश वाजपेयी व जोसेफ पी. हाल्दा ने कवक 50:30.2018 में प्रकाशित किया है।

***Heterocephalacria physciacearum* (Diederich) Millanes & Wedin (FILOBASIDIACEAE)**

This lichenicolous fungal species has been reported for the first time from India based on collections made from Sonmarg, Jammu & Kashmir, at 1800-2100m altitude. The specimen is deposited in herbarium of National Botanical Research Institute, Lucknow (LWG). It has been published by Y. Joshi, Manish Tripathi, Kapil Bisht, Shashi Upadhyay, Vishal Kumar, Neha Pal, Ankita Gaira, Sugandha Pant, Kamal S. Rawat, Sunita Bisht, Rajesh Bajpai and Josef P. Halda in Kavaka 50: 30. 2018.

हायस्टेरियम राइजोफोराई दयारथनेव के. डी. हाइडे (हिस्टेरिएसी)



पूर्वतः थाइलैंड से ज्ञात कवक के इस जाति का पता भारत में मुथुपेट मैंग्रोव, तिरुवरूर, तमिलनाडु से किए गए संग्रह के आधार पर लगाया गया है। इसके प्रतिरूप को आजरेकर कवक विज्ञान पादपालय, आघरकर अनुसंधान संस्थान, पुणे (एएमएच) में संग्रहित किया गया है। इस शोध को बी. देवदत्त, वी. वी. शर्मा, एच. ए. अरियावंसा व ई. बी. गारेथ जॉन्स ने माइक्रोस्फेयर 9(3):576.2018 में प्रकाशित किया है।

Hysterium rhizophorae Dayarathne & K. D. Hyde
(HYSTERIACEAE)

This fungal species, earlier known from Thailand, has been reported for the first time from India based on collections made from Muthupet mangroves, Tiruvarur, Tamil Nadu. The specimen is deposited in Ajrekar Mycological Herbarium, Agharkar Research Institute, Pune (AMH). It has been

published by B. Devadatha, V.V. Sarma, H.A. Ariyawansa and E.B. Gareth Jones in Mycosphere 9(3): 576. 2018.

कार्शिया टैल्कोफिला (ऐक.) कोर्ब.

पूर्वतः अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया, यूरोप, कोलम्बिया, संयुक्त राज्य अमेरिका, मेक्सिको से ज्ञात शैवाक पर उगने वाले कवक के इस जाति का पता भारत में प्रथम बार कोडाई कनल, पलनी पहाड़ी, तमिलनाडु में 2200मी. की ऊंचाई पर किए गए संग्रह के आधार पर लगाया गया है। इसके प्रतिरूप को वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद-राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ (एलडबल्यूजी) के पादपालय में संग्रहित किया गया है। इस शोध को वाई. जोशी, मनीष त्रिपाठी, कपिल बिष्ट, शशि उपाध्याय, विशाल कुमार, नेहा पाल, अंकिता गायरा, सुगंधा पंत, कमल एस. रावत, सुनीता बिष्ट, राजेश वाजपेयी व जोसेफ पी. हाल्दा ने कवक 50:30.2018 में प्रकाशित किया है।

Karschia talcophila (Ach.)Körb.

This lichenicolous fungal species, earlier known from Africa, Australia, Europe, Colombia, U.S.A., Mexico, has been reported for the first time from India based on collections made from Pillar rocks area, Kodai Kanal, Palni hills, Tamil Nadu, at 2200m altitude. The specimen is deposited in herbarium of National Botanical Research Institute, Lucknow (LWG). It has been published by Y. Joshi, Manish Tripathi, Kapil Bisht, Shashi Upadhyay, Vishal Kumar, Neha Pal, Ankita Gaira, Sugandha Pant, Kamal S. Rawat, Sunita Bisht, Rajesh Bajpai and Josef P. Halda in Kavaka 50: 30. 2018.

लेसियोस्फेरिऑप्सिस सैलिसब्यूरियाई डी. हॉकशॉ. व सिवन. (निट्सकिऐसी)

शैवाक पर उगने वाले कवक के इस जाति का पता भारत में प्रथम बार गोविंद घाट, चमोली जनपद, उत्तराखंड में 1828 मी की ऊंचाई पर किए गए संग्रह के आधार पर लगाया गया है। इसके प्रतिरूप को वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद-राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ (एलडबल्यूजी) के पादपालय में संग्रहित किया गया है। इस शोध को वाई. जोशी, मनीष त्रिपाठी, कपिल बिष्ट, शशि उपाध्याय, विशाल कुमार, नेहा पाल, अंकिता गायरा, सुगंधा पंत, कमल एस. रावत, सुनीता बिष्ट, राजेश वाजपेयी व जोसेफ पी. हाल्दा ने कवक 50:31.2018 में प्रकाशित किया है।

Lasiosphaeriopsis salisburyi D. Hawksw. and Sivan.(NITSCHKIACEAE)

This lichenicolous fungalspecieshas been reported for the first time from India based on collections made from Govind ghat, Chamoli district, Uttarakhand, at 1828m altitude. The specimen is deposited in herbarium of National Botanical Research Institute, Lucknow (LWG). It has been published by Y. Joshi, Manish Tripathi, Kapil Bisht, Shashi Upadhyay, Vishal Kumar, Neha Pal, Ankita Gaira, Sugandha Pant, Kamal S. Rawat, Sunita Bisht, Rajesh Bajpai and Josef P. Halda in Kavaka 50: 31. 2018.

लॉवलरिया लिकानोराई डियेडेरिक

शैवाक पर उगने वाले कवक के इस जाति का पता भारत में प्रथम बार कुष्ठरोग अस्पताल, चंदक, पिथौरागढ़ जनपद, उत्तराखंड से किए गए संग्रह के आधार पर लगाया गया है। इसके प्रतिरूप को वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद-राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ (एलडबल्यूजी) के पादपालय में संग्रहित किया गया है। इस शोध को वाई. जोशी, मनीष त्रिपाठी, कपिल बिष्ट, शशि उपाध्याय, विशाल कुमार, नेहा पाल, अंकिता गायरा, सुगंधा पंत, कमल एस. रावत, सुनीता बिष्ट, राजेश वाजपेयी व जोसेफ पी. हाल्दा ने कवक 50:31.2018 में प्रकाशित किया है।

Lawalreea lecanorae Diederich

This lichenicolous fungal species has been reported for the first time from India based on collections made from leprosy hospital, Chandak, Pithoragarh district, Uttarakhand. The specimen is deposited in herbarium of National Botanical Research Institute, Lucknow (LWG). It has been published by Y. Joshi, Manish Tripathi, Kapil Bisht, Shashi Upadhyay, Vishal Kumar, Neha Pal, Ankita Gaira, Sugandha Pant, Kamal S. Rawat, Sunita Bisht, Rajesh Bajpai and Josef P. Halda in Kavaka 50: 31. 2018.

ल्यूकोग्रायोफाना स्यूडोमोलूस्का (परमास्टो) परमास्टो (हाइग्रोफोरोप्सिडेसी)

पूर्वतः बेल्जियम, कॉकस, एस्टोनिया, फ्रांस, जर्मनी, इटली, स्पेन, पुर्तगाल और सोल्वेनिया से ज्ञात क्रस्ट कवक के इस जाति का पता भारत में प्रथम बार सायचु, पांगी, चम्बा जनपद, हिमाचल प्रदेश से किए गए संग्रह के आधार पर लगाया गया है। इसके प्रतिरूप को पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला (पीयूएन) के वनस्पति विभाग के पादपालय में संग्रहित किया गया है। इस शोध को पूनम, ए. पी. सिंह व जी. एस. धिंगरा ने कवक 49:79.2017 में प्रकाशित किया है।

Leucogyrophana pseudomollusca (Parmasto) Parmasto (HYGROPHOROPSIDACEAE)

This crust fungi species, earlier known from Belgium, Caucasus, Estonia, France, Germany, Italy, Spain, Portugal and Slovenia, has been reported for the first time from India based on collections made from Saichu, Pangji, Chambadistrict, Himachal Pradesh. The specimen is deposited in herbarium of Department of Botany, Punjabi University, Patiala, Patiala (PUN). This study is published by Poonam, A.P. Singh & G.S. Dhingra in Kavaka 49: 79. 2017.

लाइकेनोकोनियम एरोडेंस एम. एस. क्राइस्ट व डी. हॉकशॉ.

पूर्वतः उत्तरी और दक्षिणी अमेरिका से ज्ञात शैवाक पर उगने वाले कवक के इस जाति का पता भारत में प्रथम बार अनाईमुंडी ढलान, इदुक्की जनपद, केरल में 2300 मी की ऊंचाई से किए गए संग्रह के आधार पर लगाया गया है। इसके प्रतिरूप को केरल वन अनुसंधान संस्थान, पीची (केएफआरआई) के पादपालय में संग्रहित किया गया है। इस शोध को वाई. जोशी, मनीष त्रिपाठी, कपिल बिष्ट, शशि उपाध्याय, विशाल कुमार, नेहा पाल, अंकिता गायरा, सुगंधा पंत, कमल एस. रावत, सुनीता बिष्ट, राजेश वाजपेयी व जोसेफ पी. हाल्दा ने कवक 50:31.2018 में प्रकाशित किया है।

Lichenocodium erodens M.S. Christ. & D. Hawksw.

This lichenicolous fungal species, earlier known from North and South America, has been reported for the first time from India based on collections made from Anaimundi slope, Idukki district, Kerala, at 2300m altitude. The specimen is deposited in herbarium of Kerala Forest Research Institute, Peechi (KFRI). It has been published by Y. Joshi, Manish Tripathi, Kapil Bisht, Shashi Upadhyay, Vishal Kumar, Neha Pal, Ankita Gaira, Sugandha Pant, Kamal S. Rawat, Sunita Bisht, Rajesh Bajpai and Josef P. Halda in Kavaka 50: 31. 2018.

लाइकेनोपेल्टेला रैमेलिनी एटयो व डियेडेरिक (माइक्रोथाइरिएसी)

शैवाक पर उगने वाले कवक के इस जाति का पता भारत में प्रथम बार परम्बिकुलम टाइगर रिजर्व, पलाक्कड जनपद, केरल में 243मी. की ऊंचाई से किए गए संग्रह के आधार पर लगाया गया है। इसके प्रतिरूप को केरल वन अनुसंधान संस्थान, पीची (केएफआरआई) के पादपालय में संग्रहित किया गया है। इस शोध को वाई. जोशी, मनीष त्रिपाठी, कपिल बिष्ट, शशि उपाध्याय, विशाल कुमार, नेहा पाल, अंकिता गायरा, सुगंधा पंत, कमल एस. रावत, सुनीता बिष्ट, राजेश वाजपेयी व जोसेफ पी. हाल्दा ने कवक 50:31.2018 में प्रकाशित किया है।

Lichenopeltella ramalinae Etayo & Diederich (MICROTHYRIACEAE)

This species has been reported for the first time from India based on collections made from Top slip of Parambikulam Tiger Reserve, Palakkad district, Kerala, at 243 m altitude. The specimen is deposited in herbarium of Kerala Forest Research Institute, Peechi (KFRI). It has been published by Y. Joshi, Manish Tripathi, Kapil Bisht, Shashi Upadhyay, Vishal Kumar, Neha Pal, Ankita Gaira, Sugandha Pant, Kamal S. Rawat, Sunita Bisht, Rajesh Bajpai and Josef P. Halda in Kavaka 50: 31. 2018.

लाइकेनोस्टिग्मा इलोनोटम नॉव रॉस. व हैफेलनर (फैइयोकोमाइसेटेसी)

पूर्वतः अफ्रीका, एशिया, अस्ट्रेलिया, यूरोप और उत्तरी अमेरिका से ज्ञात शैवाक पर उगने वाले कवक के इस जाति का पता भारत में प्रथम बार गोमुख, उत्तरकाशी जनपद, उत्तराखंड मार्ग पर हिमनदी के मुहाने में 4036 मी की ऊंचाई से किए गए संग्रह के आधार पर लगाया गया है। इसके प्रतिरूप को वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद-राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ (एलडबल्यूजी) के पादपालय में संग्रहित किया गया है। इस शोध को वाई. जोशी, मनीष त्रिपाठी, कपिल बिष्ट, शशि उपाध्याय, विशाल कुमार, नेहा पाल, अंकिता गायरा, सुगंधा पंत, कमल एस. रावत, सुनीता बिष्ट, राजेश वाजपेयी व जोसेफ पी. हाल्दा ने कवक 50:31.2018 में प्रकाशित किया है।

Lichenostigma elongatum Nov. Ros.& Hafellner (PHAEOCOCCOMYCETACEAE)

This lichenicolous fungal species, earlier known from Africa, Asia, Australia, Europe and North America, has been reported for the first time from India based on collections made from glacier snout, in route to Gomukh, Uttarkashi district, Uttarakhand, at 4036m altitude. The specimen is deposited in herbarium of National Botanical Research Institute, Lucknow (LWVG). It has been published by Y. Joshi, Manish Tripathi, Kapil Bisht, Shashi Upadhyay, Vishal Kumar, Neha Pal, Ankita Gaira, Sugandha Pant, Kamal S. Rawat, Sunita Bisht, Rajesh Bajpai and Josef P. Halda in Kavaka 50: 31. 2018.

लाइकेनोथेलिया रूगोसा (जी. थॉर) एर्ट्ज व डियेडरिक (फैइयोकोमाइसेटेसी)

शैवाक पर उगने वाले कवक के इस जाति का पता भारत में प्रथम बार थोंडाकुलम, पलाक्कड जनपद, केरल से किए गए संग्रह के आधार पर लगाया गया है। इसके प्रतिरूप को केरल वन अनुसंधान संस्थान, पीची (केएफआरआई) के पादपालय में संग्रहित किया गया है। इस शोध को वाई. जोशी, मनीष त्रिपाठी, कपिल बिष्ट, शशि उपाध्याय, विशाल कुमार, नेहा पाल, अंकिता गायरा, सुगंधा पंत, कमल एस. रावत, सुनीता बिष्ट, राजेश वाजपेयी व जोसेफ पी. हाल्दा ने कवक 50:31.2018 में प्रकाशित किया है।

Lichenothelia rugosa (G.Thor) Ertz & Diederich (PHAEOCOCCOMYCETACEAE)

This lichenicolous fungal species has been reported for the first time from India based on collections made from Thondakulam, Palakkad district, Kerala. The specimen is deposited in herbarium of Kerala Forest Research Institute, Peechi (KFRI). It has been published by Y. Joshi, Manish Tripathi, Kapil Bisht, Shashi Upadhyay, Vishal Kumar, Neha Pal, Ankita Gaira, Sugandha Pant, Kamal S. Rawat, Sunita Bisht, Rajesh Bajpai and Josef P. Halda in Kavaka 50: 31. 2018.

लिन्टनेरिया कोर्डुलाटा (डी. पी. रोगर्स) हजोर्टस्टम (स्टेफेनोस्पोरेसी)

पूर्वतः ऑस्ट्रिया, चेक गणराज्य, फिनलैंड, फ्रांस, जर्मनी, इटली, केन्या, मैसेडोनिया, नॉर्वे, स्लोवेनिया, स्पेन, स्वेडन और स्वीटजरलैंड से ज्ञात स्वीटजरलैंड विपर्यस्त (रेसुपिनेट) कवक के इस जाति का पता भारत में प्रथम बार फॉरेस्ट रेस्ट हाउस, रूपनगर, पंजाब से किए गए संग्रह के आधार पर लगाया गया है। इसके प्रतिरूप को पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला (पीयूएन) के वनस्पति विभाग के पादपालय में संग्रहित किया गया है। इस शोध को गुरप्रीत कौर, अवनीत पाल सिंह व गुरुपाल सिंह ढिंगरा ने कवक 48(1):65. 2017 में प्रकाशित किया है।

Lindtneria chordulata (D.P.Rogers) Hjortstam (STEPHANOSPORACEAE)

This resupinate fungal species, earlier known from Austria, Czech Republic, Finland, France, Germany, Italy, Kenya, Macedonia, Norway, Slovenia, Spain, Sweden and Switzerland, has been reported for the first time from India based on collections made from Forest Rest house, Rupnagar, Punjab. The specimen is deposited in herbarium of Department of Botany, Punjabi University, Patiala, Patiala (PUN). It has been published by Gurpreet Kaur, Avneet Pal Singh and Gurpaul Sing Dhinghra in Kavaka 48(1): 65. 2017.

मोनोडिक्टिस सेलुलोसा एस. ह्यूज्स

पूर्वतः बेल्जियम से ज्ञात शैवाक पर उगने वाले कवक के इस जाति का पता भारत में प्रथम बार खिरसु, पौड़ी गढ़वाल जनपद, उत्तराखंड से किए गए संग्रह के आधार पर लगाया गया है। इसके प्रतिरूप को वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद-राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ (एलडबल्यूजी) के पादपालय में संग्रहित किया गया है। इस शोध को वाई. जोशी, मनीष त्रिपाठी, कपिल बिष्ट, शशि उपाध्याय, विशाल कुमार, नेहा पाल, अंकिता गायरा, सुगंधा पंत, कमल एस. रावत, सुनीता बिष्ट, राजेश वाजपेयी व जोसेफ पी. हाल्दा ने कवक 50:31.2018 में प्रकाशित किया है।

Monodictys cellulose S. Hughes

This lichenicolous fungal species, earlier known from Belgium, has been reported for the first time from India based on collections made from Khirsu, Pauri Garhwal, Uttarakhand. The specimen is deposited in herbarium of National Botanical Research Institute, Lucknow (LWVG). It has been published by Y. Joshi, Manish Tripathi, Kapil Bisht, Shashi Upadhyay, Vishal Kumar, Neha Pal, Ankita Gaira, Sugandha Pant, Kamal S. Rawat, Sunita Bisht, Rajesh Bajpai and Josef P. Halda in *Kavaka* 50: 31. 2018.

निट्सकिया मैक्रोस्पोरा टेंग (निट्सकिएसी)



पूर्वतः चीन और रूस से ज्ञात कवक के इस जाति का पता भारत में प्रथम बार जम्बेकोप्पा, शिवमोगा जनपद, कर्नाटक में अज्ञात लकड़ी के टूठ से किए गए संग्रह के आधार पर लगाया गया है। इसके प्रतिरूप को एप्लाइड बॉटनी, कुवेम्पु विश्वविद्यालय, शंकराघाटा (केयूएवीएमके) के पादपालय में संग्रहित किया गया है। इस शोध को के. जे. नंदन पटेल,

एम. कृष्णाप्पा व वी. कृष्णा ने जर्न. थ्रेटेनड टैक्सा 10(7):11995.2018 में प्रकाशित किया है।

Nitschkiaceae Teng (NITSCHKIACEAE)

This fungal species, earlier known from China and Russia, has been reported for the first time from India based on collections made from unidentified wood log, Jambekoppa, Shivamogga District, Karnataka. The specimen is deposited in herbarium, department of Applied Botany, Kuvempu University, Shankaraghatta (KUABMK). This study has been published by K.J. Nandan Patel, M. Krishnappa and V. Krishna in *J. Threatened Taxa* 10(7): 11995. 2018.

पारासोला लिलैटिक्टा (बेंडर व उल्जे) रेडहेड, विल्गोसिस व होप्पले (सैथिरेलेसी)

पूर्वतः यूरोप और पाकिस्तान से ज्ञात कवक के इस जाति का पता भारत में प्रथम बार अरालम वन, कन्नौर जनपद, केरल से किए गए संग्रह के आधार पर लगाया गया है। इसके प्रतिरूप को केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा (सीएएल)



में संग्रहित किया गया है। इस शोध को के. जी. ग्रीष्मा गंगा व पटिनजरेवेटिल मणिमोहन ने फाइटोटैक्सा 369(4):267.2018 में प्रकाशित किया है।

Parasola lilatincta (Bender & Uljé) Redhead, Vilgalys & Hopple (PSATHYRELLACEAE)

This fungal species, earlier known from Europe and Pakistan, has been reported for the first time from India based on collections made from Aralam forest, Kannur district, Kerala. The specimen is deposited in Central National Herbarium, Howrah (CAL). This study has been published by K. G. Greeshma Ganga & Patinjareveettil Manimohan in *Phytotaxa* 369 (4):267. 2018.

पैक्सिलस ओरिजेंटेलिस गेलार्डी, विज्जीनी, ई. होराक व जी. वु (पैक्सिलेसी)



पूर्वतः चीन से ज्ञात कवक के इस जाति का पता भारत में प्रथम बार टेंडोंग बायोडाइवर्सिटी पार्क, साउथ जनपद, सिक्किम से किए गए संग्रह के आधार पर लगाया गया है। इसके प्रतिरूप को केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा (सीएएल) में संग्रहित किया गया है। इस शोध को

कनाद दास, अनिकेत घोष, एस. संतोष व अल्फ्रेडो विज्जीनी ने कवक 49:7.2017 में प्रकाशित किया है।

Paxillus orientalis Gelardi, Vizzini, E. Horak & G. Wu (PAXILLACEAE)

This fungal species, earlier known from China, has been reported for the first time from India based on collections made from Tendong Biodiversity Park, South district, Sikkim. The specimen is deposited in Central National Herbarium, Howrah (CAL). This study has been published by Kanad Das, Aniket Ghosh, S. Santhosh and Alfredo Vizzini in Kavaka 49: 7. 2017.

पेनियोफोरा स्यूडोवर्सिकोलर बोइडिन (पेनियोफोरेसी)

पूर्वतः बेल्जियम, कॉकस, एस्टोनिया, फ्रांस, जर्मनी, इटली, स्पेन, पुर्तगाल और सोल्वेनिया से ज्ञात क्रस्ट कवक के इस जाति का पता भारत में प्रथम बार उदयपुर, चम्बा जनपद, हिमाचल प्रदेश से किए गए संग्रह के आधार पर लगाया गया है। इसके प्रतिरूप को पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला (पीयूएन) के वनस्पति विभाग के पादपालय में संग्रहित किया गया है। इस शोध को पूनम, ए. पी. सिंह व जी. एस. ढिंगरा ने कवक 49:79.2017 में प्रकाशित किया है।

Peniophora pseudoversicolor Boidin (PENIOPHORACEAE)

This species earlier reported from Belgium, Caucasus, Estonia, France, Germany, Italy, Portugal, Slovenia and Spain, has been reported for the first time from India based on collections made from Udaipur, Chamba district, Himachal Pradesh. The specimen is deposited in herbarium of Department of Botany, Punjabi University Patiala, Patiala (PUN). This study is published by Poonam, A. P. Singh, G.S. Dhingra in Kavaka 49: 80. 2017.

पेजिजेला एपिथैलिना (डबल्यू. फिलिप्स व प्लावर) सैक. (थेलेबोलेसी)

शैवाक पर उगने वाले कवक के इस जाति का पता भारत में प्रथम बार बोमडिला, पश्चिमी कामेंग जनपद, अरुणाचल प्रदेश में 2491 मी की ऊंचाई से किए गए संग्रह के आधार पर लगाया गया है। इसके प्रतिरूप को वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद-राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ (एलडबल्यूजी) के पादपालय में संग्रहित किया गया है। इस शोध को वाई. जोशी, मनीष त्रिपाठी, कपिल बिष्ट, शशि उपाध्याय, विशाल कुमार, नेहा पाल, अंकिता गायरा, सुगंधा पंत, कमल एस. रावत, सुनीता बिष्ट, राजेश वाजपेयी व जोसेफ पी. हाल्दा ने कवक 50 : 31. 2018 में प्रकाशित किया है।

Pezizella epithallina (W. Philips & Plower) Sacc.(THELEBOLACEAE)

This lichenicolous fungal species has been reported for the first time from India based on collections made from Bomdila, West Kameng district, Arunachal Pradesh, at 2491m altitude. The specimen is deposited in herbarium of National Botanical Research Institute, Lucknow (LWG). It has been published by Y. Joshi, Manish Tripathi, Kapil Bisht, Shashi Upadhyay, Vishal Kumar, Neha Pal, Ankita Gaira, Sugandha Pant, Kamal S. Rawat, Sunita Bisht, Rajesh Bajpai and Josef P. Halda in Kavaka 50: 31. 2018.

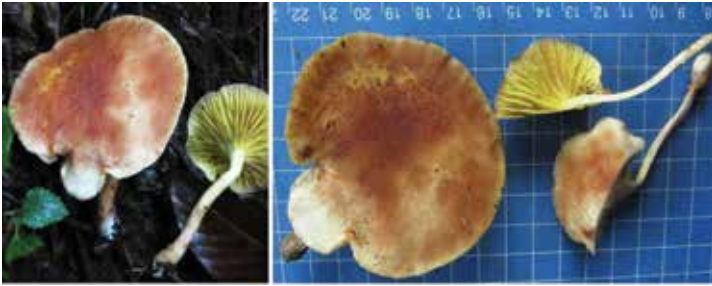
फैइयोपिक्सिस पंक्टम (ए. मैसल.) रैमोबोल्ड

पूर्वतः ऑस्ट्रेलेशिया, यूरोप, उत्तरी और दक्षिणी अमेरिका से ज्ञात शैवाक पर उगने वाले कवक के इस जाति का पता भारत में प्रथम बार चितकुल वनखंड, किन्नौर जनपद, हिमाचल प्रदेश में 4000मी. की ऊंचाई पर तथा गोमुख, उत्तरकाशी जनपद, उत्तराखंड मार्ग पर किए गए संग्रह के आधार पर लगाया गया है। इसके प्रतिरूप को वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद-राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ (एलडबल्यूजी) के पादपालय में संग्रहित किया गया है। इस शोध को वाई. जोशी, मनीष त्रिपाठी, कपिल बिष्ट, शशि उपाध्याय, विशाल कुमार, नेहा पाल, अंकिता गायरा, सुगंधा पंत, कमल एस. रावत, सुनीता बिष्ट, राजेश वाजपेयी व जोसेफ पी. हाल्दा ने कवक 50:31.2018 में प्रकाशित किया है।

Phaeopyxis punctum (A. Massal.) Ramobold

This lichenicolous fungal species, earlier reported from Australasia, Europe, North and South America, has been reported for the first time from India based on collections made from Chitkul forest area, Kinnaur district, Himachal Pradesh, at 4000m and way to Gomukh, Uttarkashi district, Uttarakhand. The specimens are deposited in herbarium of National Botanical Research Institute, Lucknow (LWG). It has been published by Y. Joshi, Manish Tripathi, Kapil Bisht, Shashi Upadhyay, Vishal Kumar, Neha Pal, Ankita Gaira, Sugandha Pant, Kamal S. Rawat, Sunita Bisht, Rajesh Bajpai and Josef P. Halda in Kavaka 50: 31. 2018.

फाइलोपोरस मैकुलेटस एन. के. जेंग, झु एल. यांग व एल. पी. टैंग (बोलेटेसी)



पूर्वतः चीन से ज्ञात कवक के इस जाति का पता भारत में प्रथम बार केवजिंग, साउथ जनपद, सिक्किम में 2015 मी की ऊंचाई से किए गए संग्रह के आधार पर लगाया गया है। इसके प्रतिरूप को केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा (सीएएल) में संग्रहित किया गया है। इस शोध को डी. चक्रवर्ती, एम. ई. हेम्ब्रम, ए. परिहार, मो. आई. हुस्सैन व के. दास ने कवक 50 : 22.2018 में प्रकाशित किया है।

Phylloporus maculatus N.K. Zeng, Zhu L.Yang & L.P.Tang (BOLETACEAE)

This gilled boletus fungal species, earlier known from China, has been reported for the first time from India based on collections made from Kewzing, South district, Sikkim, at 2015 m altitude. The specimen is deposited in herbarium of Botanical Survey of India, Central National Herbarium, Howrah (CAL). This study is published by D. Chakraborty, M.E. Hembrom, A. Parihar, Md. I. Hosen and K. Das in Kavaka 50: 22. 2018.

फाइलोपोरस यूनानेंसिस एन. के. जेंग, झु एल. यांग व एल. पी. टैंग (बोलेटेसी)



पूर्वतः चीन से ज्ञात कवक के इस जाति का पता भारत में प्रथम बार झंडीधर-ढाकुरी मार्ग, ढाकुरी वनखंड, बागेश्वर जनपद, उत्तराखंड में 2857मी. की ऊंचाई से किए गए संग्रह के आधार पर लगाया गया है। इसके प्रतिरूप को केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा (सीएएल) में संग्रहित किया गया है। इस शोध को डी. चक्रवर्ती, एम. ई. हेम्ब्रम,

ए. परिहार, मो. आई. हुस्सैन व के. दास ने कवक 50:23.2018 में प्रकाशित किया है।

Phylloporus yunnanensis N.K. Zeng, Zhu L.Yang & L.P.Tang (BOLETACEAE)

This gilled boletus fungal species, earlier known from China, has been reported for the first time from India based on collections made from Jhandidhar-Dhakuri pathway, Dhakuri forest area, Bageshwar district, Uttarakhand, at 2857 m altitude. The specimen is deposited in Central National Herbarium, Howrah (CAL). This study is published by D. Chakraborty, M.E. Hembrom, A. Parihar, Md. I. Hosen and K. Das in Kavaka 50: 23. 2018.

पाइलोडर्मा लैनेटम (जुलीच) जे. एरिक्श. व एच. जोर्टस्टम (एथेलिएसी)

पूर्वतः चीन, जर्मनी, एस्टोनिया, रूस, इटली, डेनमार्क, नॉर्वे, फिनलैंड और स्पेन से ज्ञात कवक के इस जाति का पता भारत में प्रथम बार पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला, पंजाब के उद्यान विज्ञान विभाग से किए गए संग्रह के आधार पर लगाया गया है। इसके प्रतिरूप को पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला (पीयूएन) के वनस्पति विभाग के पादपालय में संग्रहित किया गया है। इस शोध को गुरप्रीत कौर, अवनीत पाल सिंह व गुरपाल सिंह ढिंगरा ने कवक 48:66.2017 में प्रकाशित किया है।

***Piloderma lanatum* (Julich) J. Erikss. & H. Jortstam (ATHELIACEAE)**

This fungal species, earlier known from China, Germany, Estonia, Russia, Italy, Denmark, Norway, Finland and Spain, has been reported for the first time from India based on collections made from Horticulture department, Punjabi University, Patiala, Punjab. The specimen is deposited in herbarium of Department of Botany, Punjabi University, Patiala, Patiala (PUN). It has been published by Gurpreet Kaur, Avneet Pal Singh and Gurpaul Singh Dhingra in Kavaka 48: 66.2017.

प्लेक्टोकार्पन लाइकेनम (सोमेर्फ.) डी. हॉकशॉ (लेकैनोग्रैफेसी)

पूर्वतः अफ्रीका, रूस, तुर्की, यूरोप और उत्तरी अमेरिका से ज्ञात शैवाक पर उगने वाले कवक के इस जाति का पता भारत में प्रथम बार चंशल घाटी, लैरोटे, रोहोदु, शिमला जनपद, हिमाचल प्रदेश मार्ग पर 2725मी की ऊंचाई पर किए गए संग्रह के आधार पर लगाया गया है। इसके प्रतिरूप को वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद-राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ (एलडबल्यूजी) के पादपालय में संग्रहित किया गया है। इस शोध को वाई. जोशी, मनीष त्रिपाठी, कपिल बिष्ट, शशि उपाध्याय, विशाल कुमार, नेहा पाल, अंकिता गायरा, सुगंधा पंत, कमल एस. रावत, सुनीता बिष्ट, राजेश वाजपेयी व जोसेफ पी. हाल्दा ने कवक 50:31.2018 में प्रकाशित किया है।

***Plectocarpon lichenum* (Sommerf.) D. Hawksw. (LECANOGRAPHACEAE)**

This lichenicolous fungal species, earlier known from Africa, Russia, Turkey, Europe and North America, has been reported for the first time from India based on collections made from in route to Chanshal pass, Larote, Rohodu, Shimla district, Himachal Pradesh, at 2725m altitude. The specimen is deposited in herbarium of National Botanical Research Institute, Lucknow (LWG). It has been published by Y. Joshi, Manish Tripathi, Kapil Bisht, Shashi Upadhyay, Vishal Kumar, Neha Pal, Ankita Gaira, Sugandha Pant, Kamal S. Rawat, Sunita Bisht, Rajesh Bajpai and Josef P. Halda in Kavaka 50: 31. 2018.

पोलिकोकम टिनैटियाई डियेडरिक (डैकेम्पिएसी)

शैवाक पर उगने वाले कवक के इस जाति का पता भारत में प्रथम बार रतन कॉलेज, नैनीताल जनपद, उत्तराखंड में 2100मी की ऊंचाई पर से किए गए संग्रह के आधार पर लगाया गया है। इसके प्रतिरूप को वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद-राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ (एलडबल्यूजी) के पादपालय में संग्रहित किया गया है। इस शोध को वाई. जोशी, मनीष त्रिपाठी, कपिल बिष्ट, शशि उपाध्याय, विशाल कुमार, नेहा पाल, अंकिता गायरा, सुगंधा पंत, कमल एस. रावत, सुनीता बिष्ट, राजेश वाजपेयी व जोसेफ पी. हाल्दा ने कवक 50:31.2018 में प्रकाशित किया है।

***Polycoccum tinantii* Diederich (DACAMPIACEAE)**

This lichenicolous fungal species has been reported for the first time from India based on collections made from Ratan College, Nainital district, Uttarakhand, at 2100m altitude. The specimen is deposited in herbarium of National Botanical Research Institute, Lucknow (LWG). It has been published by Y. Joshi, Manish Tripathi, Kapil Bisht, Shashi Upadhyay, Vishal Kumar, Neha Pal, Ankita Gaira, Sugandha Pant, Kamal S. Rawat, Sunita Bisht, Rajesh Bajpai and Josef P. Halda in Kavaka 50: 31. 2018.

राइजोकार्पोन ओक्रोलेची (पोयेल्ट व निमिस) हैफेलनर

शैवाक पर उगने वाले कवक के इस जाति का पता भारत में प्रथम बार हर-की-धुन मार्ग पर ओसला, गोविंद वन्यजीव अभयारण्य (जीडबल्यूएलएस), उत्तरकाशी जनपद, उत्तराखंड से किए गए संग्रह के आधार पर लगाया गया है। इसके प्रतिरूप को वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद-राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ (एलडबल्यूजी) के पादपालय में संग्रहित किया गया है। इस शोध को वाई. जोशी, मनीष त्रिपाठी, कपिल बिष्ट, शशि उपाध्याय, विशाल कुमार, नेहा पाल, अंकिता गायरा, सुगंधा पंत, कमल एस. रावत, सुनीता बिष्ट, राजेश वाजपेयी व जोसेफ पी. हाल्दा ने कवक 50:31.2018 में प्रकाशित किया है।

Rhizocarpon ochrolechia (Poelt & Nimis) Hafellner

This lichenicolous fungal species has been reported for the first time from India based on collections made from Osla, in route to Har-ki-Dun, Govind Wildlife Sanctuary (GWLS), Uttarakashi district, Uttarakhand, at 3205m altitude. The specimen is deposited in herbarium of National Botanical Research Institute, Lucknow (LWG). It has been published by Y. Joshi, Manish Tripathi, Kapil Bisht, Shashi Upadhyay, Vishal Kumar, Neha Pal, Ankita Gaira, Sugandha Pant, Kamal S. Rawat, Sunita Bisht, Rajesh Bajpai and Josef P. Halda in Kavaka 50: 31. 2018.

रोसेलिनिएला क्लैडोनी (अंजी) मतजर व हैफेलनर

शैवाक पर उगने वाले कवक के इस जाति का पता भारत में प्रथम बार मुन्नार, सिलवन घाटी, इदुक्की जनपद, केरल में 1500मी. की ऊंचाई पर किए गए संग्रह के आधार पर लगाया गया है। इसके प्रतिरूप को केरल वन अनुसंधान संस्थान, पीची (केएफआरआई) के पादपालय में संग्रहित किया गया है। इस शोध को वाई. जोशी, मनीष त्रिपाठी, कपिल बिष्ट, शशि उपाध्याय, विशाल कुमार, नेहा पाल, अंकिता गायरा, सुगंधा पंत, कमल एस. रावत, सुनीता बिष्ट, राजेश वाजपेयी व जोसेफ पी. हाल्दा ने कवक 50:31.2018 में प्रकाशित किया है।

Roselliniella cladoniae (Anzi) Matzer and Hafellner

This lichenicolous fungal species has been reported for the first time from India based on collections made from Munnar, Sylvan Valley, Idukki district, Kerala, at 1500m altitude. The specimen is deposited in herbarium of Kerala Forest Research Institute, Peechi (KFRI). It has been published by Y. Joshi, Manish Tripathi, Kapil Bisht, Shashi Upadhyay, Vishal Kumar, Neha Pal, Ankita Gaira, Sugandha Pant, Kamal S. Rawat, Sunita Bisht, Rajesh Bajpai and Josef P. Halda in Kavaka 50: 31. 2018.

सिमोसाइबे अमारा (मुर.) सिंग. (इनोसाइबेसी)



पूर्वतः जापान, उत्तरी अमेरिका, संयुक्त राज्य अमेरिका से ज्ञात मशरूम के इस जाति का पता भारत में प्रथम बार पलावारा, पैलोड, तिरुवनंतपुरम जनपद, केरल से किए गए संग्रह के आधार पर लगाया गया है। इसके प्रतिरूप को जवाहरलाल ट्रॉपिकल बोटैनिक गार्डन एंड रिसर्च इंस्टिट्यूट, त्रिवंद्रम (टीबीजीटी) के कवक पादपालय में संग्रहित किया गया है। इस शोध को ए. मनोज कुमार, के. बी. वृन्दा व सी. के. प्रदीप ने क्रिप्टोगैमी, माइकोलॉजी 39(3):293.2018 में प्रकाशित किया है।

Simocybe amara (Murr.) Sing. (INOCYBACEAE)

This mushroom species, earlier known from Japan, N. America USA, has been reported for the first time from India based on collections made from Plavara, Palode, Thiruvananthapuram district, Kerala. The specimen is deposited at Mycological Herbarium of Jawaharlal Nehru Tropical Botanic Garden and Research Institute, Trivandrum (TBGT). This study is published by A. Manoj Kumar, K.B. Vrinda & C.K. Pradeep in Cryptogamie, Mycologie, 39(3): 293. 2018.

सिस्टोट्रेमा डायडेमिफेरम (बोरडॉट व गलजीन) डॉक (हिडनेसी)

पूर्वतः कनाडा, तुर्की, फ्रांस, जर्मनी, इटली, इंग्लैंड, बेल्जियम, डेनमार्क, फिनलैंड, रूस और कॉकस से ज्ञात क्रस्ट कवक के इस जाति का पता भारत में प्रथम बार सरायन, शिमला, हिमाचल प्रदेश से किए गए संग्रह के आधार पर लगाया गया है। इसके प्रतिरूप को पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला (पीयूएन) के वनस्पति विभाग के पादपालय में संग्रहित किया गया है। इस शोध को एम. कौर, आर. कौर, ए. पी. सिंह व जी. एस. ढिंगरा ने कवक 50:69.2018 में प्रकाशित किया है।

Sistotrema diademiferum (Bourdot & Galzin) Donk (HYDNACEAE)

This crust fungus, earlier known from Canada, Turkey, France, Germany, Italy, United Kingdom, Belgium, Denmark, Finland, Russia and the Caucasus, has been reported for the first time from India based on collections made from Sarain, Shimla, Himachal Pradesh. The specimen is housed in herbarium of Department of Botany, Punjabi University Patiala, Patiala (PUN). This study is published by M. Kaur, R. Kaur, A.P. Singh and G.S. Dhingra in Kavaka 50: 69.2018.

सिस्टोट्रेमा किर्घिजिसम (परमास्टो) डोमैन्स्की (हाइडनेसी)

पूर्वतः किर्गिजस्तान से ज्ञात कवक के इस जाति का पता भारत में प्रथम बार शिमला (शालाघाट से शिमला की ओर 23 किमी), हिमाचल प्रदेश से किए गए संग्रह के आधार पर लगाया गया है। इसके प्रतिरूप को पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला (पीयूएन) के वनस्पति विभाग के पादपालय में संग्रहित किया गया है। इस शोध को एम. कौर, आर. कौर, ए. पी. सिंह व जी. एस. ढिंगरा ने कवक 50:70.2018 में प्रकाशित किया है।

Sistotrema kirghizicum (Parmasto) Doma ski (HYDNACEAE)

This fungal species, earlier known from Kyrgyzstan, has been reported for the first time from India based on collections made from Shimla (about 23 km from Shalaghat towards Shimla), Himachal Pradesh. The specimen is deposited in herbarium of Department of Botany, Punjabi University Patiala, Patiala (PUN). This study is published by M. Kaur, R. Kaur, A.P. Singh and G.S. Dhingra in Kavaka 50: 70.2018.

स्फैरेलोथेसियम क्लैडोनी (अल्सट्रूप व झुर्व.) हैफेलनर (माइकोस्फैरेलेसी)

शैवाक पर उगने वाले कवक के इस जाति का पता भारत में प्रथम बार फुर्किया से जीरो प्वायंट मार्ग पर पिंडारी हिमनदी, बागेश्वर जनपद, उत्तराखंड में 3210–3660मी. की ऊंचाई पर किए गए संग्रह के आधार पर लगाया गया है। इसके प्रतिरूप को वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद—राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ (एलडबल्यूजी) के पादपालय में संग्रहित किया गया है। इस शोध को वाई. जोशी, मनीष त्रिपाठी, कपिल बिष्ट, शशि उपाध्याय, विशाल कुमार, नेहा पाल, अंकिता गायरा, सुगंधा पंत, कमल एस. रावत, सुनीता बिष्ट, राजेश वाजपेयी व जोसेफ पी. हाल्दा ने कवक 50:31.2018 में प्रकाशित किया है।

Sphaerellothecium cladoniae (Alstrup & Zhurb.) Hafellner (MYCOSPHERELLACEAE)

This lichenicolous fungal species has been reported for the first time from India based on collections made from in route to Pindari glacier from Phurkia to Zero Point, Bageshwar district, Uttarakhand, at 3210-3660m altitude. The specimen is deposited in herbarium of National Botanical Research Institute, Lucknow (LWG). It has been published by Y. Joshi, Manish Tripathi, Kapil Bisht, Shashi Upadhyay, Vishal Kumar, Neha Pal, Ankita Gaira, Sugandha Pant, Kamal S. Rawat, Sunita Bisht, Rajesh Bajpai and Josef P. Halda in Kavaka 50: 31. 2018.

स्फैरेलोथेसियम पार्मेली डियेडेरिक व एटयो (माइकोस्फैरेलेसी)

पूर्वतः एशिया, यूरोप और उत्तरी अमेरिका से ज्ञात शैवाक पर उगने वाले कवक के इस जाति का पता भारत में प्रथम बार बद्रीनाथ के आसपास मना से वसुधरा मार्ग पर, चमोली जनपद, उत्तराखंड में 3340मी. की ऊंचाई पर किए गए संग्रह के आधार पर लगाया गया है। इसके प्रतिरूप को वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद—राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ (एलडबल्यूजी) के पादपालय में संग्रहित किया गया है। इस शोध को वाई. जोशी, मनीष त्रिपाठी, कपिल बिष्ट, शशि उपाध्याय, विशाल कुमार, नेहा पाल, अंकिता गायरा, सुगंधा पंत, कमल एस. रावत, सुनीता बिष्ट, राजेश वाजपेयी व जोसेफ पी. हाल्दा ने कवक 50:31.2018 में प्रकाशित किया है।

Sphaerellothecium parmeliae Diederich & Etayo (MYCOSPHERELLACEAE)

This lichenicolous fungal species, earlier known from Asia, Europe and North America, has been reported for the first time from India based on collections made from the way from Mana to Vasudhara, near Badrinath, Chamoli district, Uttarakhand, at 3340m altitude. The specimen is deposited in herbarium of National Botanical Research Institute, Lucknow (LWG). It has been published by Y. Joshi, Manish Tripathi, Kapil Bisht, Shashi Upadhyay, Vishal Kumar, Neha Pal, Ankita Gaira, Sugandha Pant, Kamal S. Rawat, Sunita Bisht, Rajesh Bajpai and Josef P. Halda in Kavaka 50: 31. 2018.

स्फैरेलोथेसियम प्यूमिलम (लेट्टाउ) नैव.–रोस., क्ल. राउक्स व हैफेलनर (माइकोस्फैरेलेसी)

शैवाक पर उगने वाले कवक के इस जाति का पता भारत में प्रथम बार पिंडारी हिमनदी के आसपास मिरतोली से मोरैन चोटी मार्ग पर, बागेश्वर जनपद, उत्तराखंड में 3600मी. की ऊंचाई पर किए गए संग्रह के आधार पर लगाया गया है। इसके प्रतिरूप को वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद—राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ (एलडबल्यूजी) के पादपालय में संग्रहित किया गया है। इस शोध को वाई. जोशी, मनीष त्रिपाठी, कपिल बिष्ट, शशि उपाध्याय, विशाल कुमार, नेहा पाल, अंकिता गायरा, सुगंधा पंत, कमल एस. रावत, सुनीता बिष्ट, राजेश वाजपेयी व जोसेफ पी. हाल्दा ने कवक 50:32.2018 में प्रकाशित किया है।

Sphaerellothecium pumilum (Lettau) Nav.-Ros., Cl. Roux & Hafellner (MYCOSPHAERELLACEAE)

This lichenicolous fungal species has been reported for the first time from India based on collections made from Mirtoli to ridge of moraine, near Pindari glacier, Bageshwar district, Uttarakhand, at 3600m altitude. The specimen is deposited in herbarium of National Botanical Research Institute, Lucknow (LWG). It has been published by Y. Joshi, Manish Tripathi, Kapil Bisht, Shashi Upadhyay, Vishal Kumar, Neha Pal, Ankita Gaira, Sugandha Pant, Kamal S. Rawat, Sunita Bisht, Rajesh Bajpai and Josef P. Halda in Kavaka 50: 32. 2018.

स्फैरेलोथेसियम थैमनोली झुर्ब. (माइकोस्फैरेलेसी)

शैवाक पर उगने वाले कवक के इस जाति का पता भारत में प्रथम बार थांगु के ऊपरी भाग के चुबुक, नॉर्थ जनपद, सिक्किम में 4100 मी की ऊंचाई पर किए गए संग्रह के आधार पर लगाया गया है। इसके प्रतिरूप को वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद—राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ (एलडबल्यूजी) के पादपालय में संग्रहित किया गया है। इस शोध को वाई. जोशी, मनीष त्रिपाठी, कपिल बिष्ट, शशि उपाध्याय, विशाल कुमार, नेहा पाल, अंकिता गायरा, सुगंधा पंत, कमल एस. रावत, सुनीता बिष्ट, राजेश वाजपेयी व जोसेफ पी. हाल्दा ने कवक 50:32.2018 में प्रकाशित किया है।

Sphaerellothecium thamnoliae Zhurb. (MYCOSPHAERELLACEAE)

This lichenicolous fungal species has been reported for the first time from India based on collections made from Chubuk, above Thanngu, North district, Sikkim, at 4100m altitude. The specimen is deposited in herbarium of National Botanical Research Institute, Lucknow (LWG). It has been published by Y. Joshi, Manish Tripathi, Kapil Bisht, Shashi Upadhyay, Vishal Kumar, Neha Pal, Ankita Gaira, Sugandha Pant, Kamal S. Rawat, Sunita Bisht, Rajesh Bajpai and Josef P. Halda in Kavaka 50: 32. 2018.

स्फैरोपेजिया पर्टुसेराई (एटेयो, डियेडेरिक व कॉपिंस) बैलोच व वेडिन (ओडोंटोट्रेमैटेसी)

शैवाक पर उगने वाले कवक के इस जाति का पता भारत में प्रथम बार खमरिया, बैकुंठपुर, रेवा जनपद, मध्य प्रदेश से किए गए संग्रह के आधार पर लगाया गया है। इसके प्रतिरूप को वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद—राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ (एलडबल्यूजी) के पादपालय में संग्रहित किया गया है। इस शोध को वाई. जोशी, मनीष त्रिपाठी, कपिल बिष्ट, शशि उपाध्याय, विशाल कुमार, नेहा पाल, अंकिता गायरा, सुगंधा पंत, कमल एस. रावत, सुनीता बिष्ट, राजेश वाजपेयी व जोसेफ पी. हाल्दा ने कवक 50:32.2018 में प्रकाशित किया है।

Sphaeropezia pertusariae (Etayo, Diederich & Coppins) Baloch and Wedin (ODONTOTREMATAACEAE)

This lichenicolous fungal species has been reported for the first time from India based on collections made from Khamariya, Baikunthpur, Rewa district, Madhya Pradesh. The specimen is deposited in herbarium of National Botanical Research Institute, Lucknow (LWG). It has been published by Y. Joshi, Manish Tripathi, Kapil Bisht, Shashi Upadhyay, Vishal Kumar, Neha Pal, Ankita Gaira, Sugandha Pant, Kamal S. Rawat, Sunita Bisht, Rajesh Bajpai and Josef P. Halda in Kavaka 50: 32. 2018.

स्फिक्ट्रिना ल्यूकोपोडा नाइल. (माइकोस्फैरेलेसी)

पूर्वतः यूरोप और उत्तरी अमेरिका से ज्ञात शैवाक पर उगने वाले कवक के इस जाति का पता भारत में प्रथम बार चम्पावत प्रोपर, चम्पावत जनपद, उत्तराखण्ड के आसपास गेस्ट हाउस से किए गए संग्रह के आधार पर लगाया गया है। इसके प्रतिरूप को वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद—राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ (एलडबल्यूजी) के पादपालय में संग्रहित किया गया है। इस शोध को वाई. जोशी, मनीष त्रिपाठी, कपिल बिष्ट, शशि उपाध्याय, विशाल कुमार, नेहा पाल, अंकिता गायरा, सुगंधा पंत, कमल एस. रावत, सुनीता बिष्ट, राजेश वाजपेयी व जोसेफ पी. हाल्दा ने कवक 50:32.2018 में प्रकाशित किया है।

Sphinctrina leucopoda Nyl. (SPHINCTRINACEAE)

This lichenicolous fungal species, earlier known from Europe and North America, has been reported for the first time from India based on collections made near guest house Champawat proper, Champawat district, Uttarakhand. The specimen is deposited in herbarium of National Botanical Research Institute, Lucknow (LWG). It has been published by Y. Joshi, Manish Tripathi, Kapil Bisht, Shashi Upadhyay, Vishal Kumar, Neha Pal, Ankita Gaira, Sugandha Pant, Kamal S. Rawat, Sunita Bisht, Rajesh Bajpai and Josef P. Halda in *Kavaka* 50: 32. 2018.

स्टेकेरिनम क्रेमिकॉलर एच. एस. युआन व शेंग एच. वु (मेरुलिऐसी)

पूर्वतः ताइवान से ज्ञात कवक के इस जाति का पता भारत में प्रथम बार कुफरी की ओर चौल से 2 किमी, शिमला, हिमाचल प्रदेश से किए गए संग्रह के आधार पर लगाया गया है। इसके प्रतिरूप को पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला (पीयूएन) के वनस्पति विभाग के पादपालय में संग्रहित किया गया है। इस शोध को मनीनंदर कौर, रमनदीप कौर, अवनीत पाल सिंह व जी. एस. ढिंगरा ने जर्न ऑन न्यू बायोल. रिपोर्ट्स 7(1):46.2018 में प्रकाशित किया है।

Steccherinum cremicolor H.S. Yuan & Sheng H. Wu (MERULIACEAE)

This fungal species, earlier known from Taiwan, has been reported for the first time from India based on collections made from 2 km from Chail towards Kufri, Shimla, Himachal Pradesh. The specimen is deposited in herbarium of Department of Botany, Punjabi University Patiala, Patiala (PUN). This study is published by Maninder kaur, Ramandeep Kaur, Avneet Pal Singh and Gurpaul Singh Dhingra in *Journ on New Biol. Reports* 7(1): 46. 2018.

स्टिगमिडियम फस्केटी (अरनोल्ड) आर. सेंट. (माइकोस्फैरेलेसी)

पूर्वतः अफ्रीका, यूरोप और उत्तरी अमेरिका से ज्ञात शैवाक पर उगने वाले कवक के इस जाति का पता भारत में प्रथम बार भदरेवा, डोडा जनपद, जम्मू और कश्मीर में 2350मी. की ऊंचाई से किए गए संग्रह के आधार पर लगाया गया है। इसके प्रतिरूप को वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद—राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ (एलडबल्यूजी) के पादपालय में संग्रहित किया गया है। इस शोध को वाई. जोशी, मनीष त्रिपाठी, कपिल बिष्ट, शशि उपाध्याय, विशाल कुमार, नेहा पाल, अंकिता गायरा, सुगंधा पंत, कमल एस. रावत, सुनीता बिष्ट, राजेश वाजपेयी व जोसेफ पी. हाल्दा ने कवक 50:32.2018 में प्रकाशित किया है।

Stigmidium fuscatae (Arnold) R. Sant. (MYCOSPHAERELLACEAE)

This lichenicolous fungal species, earlier known from Africa, Europe and North America, has been reported for the first time from India based on collections made from Bhaderwah, Doda district, Jammu & Kashmir; at 2350m altitude. The specimen is deposited in herbarium of National Botanical Research Institute, Lucknow (LWG). It has been published by Y. Joshi, Manish Tripathi, Kapil Bisht, Shashi Upadhyay, Vishal Kumar, Neha Pal, Ankita Gaira, Sugandha Pant, Kamal S. Rawat, Sunita Bisht, Rajesh Bajpai and Josef P. Halda in *Kavaka* 50: 32. 2018.

स्टिगमिडियम हेटेरोडर्मी एटयो (माइकोस्फैरेलेसी)

शैवाक पर उगने वाले कवक के इस जाति का पता भारत में प्रथम बार परथोडु, कोट्टायम जनपद, केरल में 900मी. की ऊंचाई से किए गए संग्रह के आधार पर लगाया गया है। इसके प्रतिरूप को केरल वन अनुसंधान संस्थान, पीची (केएफआरआई) के पादपालय में संग्रहित किया गया है। इस शोध को वाई. जोशी, मनीष त्रिपाठी, कपिल बिष्ट, शशि उपाध्याय, विशाल कुमार, नेहा पाल, अंकिता गायरा, सुगंधा पंत, कमल एस. रावत, सुनीता बिष्ट, राजेश वाजपेयी व जोसेफ पी. हाल्दा ने कवक 50:32.2018 में प्रकाशित किया है।

Stigmidium heterodermiae Etayo (MYCOSPHAERELLACEAE)

This lichenicolous fungal species has been reported for the first time from India based on collections made from Parathodu, Kottayam district, Kerala, at 900m altitude. The specimen is deposited in herbarium of Kerala Forest Research Institute, Peechi (KFRI). It has been published by Y. Joshi, Manish Tripathi, Kapil Bisht, Shashi Upadhyay, Vishal Kumar, Neha Pal, Ankita Gaira, Sugandha Pant, Kamal S. Rawat, Sunita Bisht, Rajesh Bajpai and Josef P. Halda in *Kavaka* 50: 32. 2018.

स्टिगमिडियम माइकोबाइलिम्बी क्ल. राउक्स, ट्राइबेल व एटयो (माइकोस्फैरेलेसी)

शैवाक पर उगने वाले कवक के इस जाति का पता भारत में प्रथम बार दार्जीलिंग, दार्जीलिंग जनपद, पश्चिम बंगाल से 7 मील की दूरी पर पुषोक रोड पर 1950मी. की ऊंचाई से किए गए संग्रह के आधार पर लगाया गया है। इसके प्रतिरूप को वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद-राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ (एलडबल्यूजी) के पादपालय में संग्रहित किया गया है। इस शोध को वाई. जोशी, मनीष त्रिपाठी, कपिल बिष्ट, शशि उपाध्याय, विशाल कुमार, नेहा पाल, अंकिता गायरा, सुगंधा पंत, कमल एस. रावत, सुनीता बिष्ट, राजेश वाजपेयी व जोसेफ पी. हाल्दा ने कवक 50:32.2018 में प्रकाशित किया है।

Stigmidium mycobilimbiae Cl. Roux, Triebel & Etayo (MYCOSPHAERELLACEAE)

This lichenicolous fungal species has been reported for the first time from India based on collections made from Pushok Road, 7 miles from Darjeeling, Darjeeling district, at 1950m altitude, West Bengal. The specimen is deposited in herbarium of National Botanical Research Institute, Lucknow (LWG). It has been published by Y. Joshi, Manish Tripathi, Kapil Bisht, Shashi Upadhyay, Vishal Kumar, Neha Pal, Ankita Gaira, Sugandha Pant, Kamal S. Rawat, Sunita Bisht, Rajesh Bajpai and Josef P. Halda in Kavaka 50: 32. 2018.

स्टिगमिडियम स्व्वावैमेरी (बी. डे लेसड.) क्ल. राउक्स व ट्राइबेल (माइकोस्फैरेलेसी)

पूर्वतः अफ्रीका, यूरोप और उत्तरी अमेरिका (संयुक्त राज्य अमेरिका और मेक्सिको) से ज्ञात शैवाक पर उगने वाले कवक के इस जाति का पता भारत में प्रथम बार भदरवा, डोडा जनपद, जम्मू और कश्मीर में 2350 मी की ऊंचाई से किए गए संग्रह के आधार पर लगाया गया है। इसके प्रतिरूप को वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद-राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ (एलडबल्यूजी) के पादपालय में संग्रहित किया गया है। इस शोध को वाई. जोशी, मनीष त्रिपाठी, कपिल बिष्ट, शशि उपाध्याय, विशाल कुमार, नेहा पाल, अंकिता गायरा, सुगंधा पंत, कमल एस. रावत, सुनीता बिष्ट, राजेश वाजपेयी व जोसेफ पी. हाल्दा ने कवक 50:32.2018 में प्रकाशित किया है।

Stigmidium squamariae (B. de Lesd.) Cl. Roux & Triebel (MYCOSPHAERELLACEAE)

This lichenicolous fungal species, earlier known from Africa, Europe, North America (U.S.A. & Mexico), has been reported for the first time from India based on collections made from Baderwah, Doda district, Jammu & Kashmir, at 2350m altitude. The specimen is deposited in herbarium of National Botanical Research Institute, Lucknow (LWG). It has been published by Y. Joshi, Manish Tripathi, Kapil Bisht, Shashi Upadhyay, Vishal Kumar, Neha Pal, Ankita Gaira, Sugandha Pant, Kamal S. Rawat, Sunita Bisht, Rajesh Bajpai and Josef P. Halda in Kavaka 50: 32. 2018.

स्यूलस फ्लेविडस (फ्र.) सिंगर (स्यूलेसी)

पूर्वतः पाकिस्तान से ज्ञात कवक के इस जाति का पता भारत में प्रथम बार बगही, शिमला, हिमाचल प्रदेश में 2685 मी की ऊंचाई से तथा मंडी, करसोग, चिंदी में 1825 मी की ऊंचाई से किए गए संग्रह के आधार पर लगाया गया है। इसके प्रतिरूप को पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला (पीयूएन) के वनस्पति विभाग के पादपालय में संग्रहित किया गया है। इस शोध को बलवंत वर्मा व एम. सुधाकर रेड्डी ने कवक 47:118.2016 में प्रकाशित किया है।

Suillus flavidus (Fr.) Singer (SUILLACEAE)

This fungal species, earlier known from Pakistan, has been reported for the first time from India based on collections made from Baghi, Shimla, at 2685m and Mandi, Karsog, Chindi, at 1825m altitude. The specimen is deposited in Punjabi University Herbarium, Patiala, Punjab (PUN). This study has been published by Balwant Verma and M. Sudhakara Reddy in Kavaka 47: 118.2016.

स्यूलस प्लेसिडस (बोनोर्ड.) सिंगर (स्यूलेसी)

पूर्वतः मैसाचुसेट्स, न्यूयार्क और यूरोप से ज्ञात कवक के इस जाति का पता भारत में प्रथम बार थियोग, शिमला, हिमाचल प्रदेश में 1965मी. की ऊंचाई से तथा टिहरी, टिहरी गढ़वाल, उत्तराखंड में 1750मी. की ऊंचाई से किए गए संग्रह के आधार पर लगाया गया है। इसके प्रतिरूप को पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला (पीयूएन) के वनस्पति विभाग के पादपालय में संग्रहित किया गया है। इस शोध को बलवंत वर्मा व एम. सुधाकर रेड्डी ने कवक 47:119.2016 में प्रकाशित किया है।

Suillus placidus (Bonord.) Singer (SUILLACEAE)

This fungal species, earlier known from Massachusetts, New York and Europe, has been reported for the first time from India based on collections made from Theog, Shimla, Himachal Pradesh, at 1965m and Tehri, Tehri Garhwal, Uttarakhand, at 1750m altitude. The specimen is deposited in Punjabi University Herbarium, Patiala, Punjab (PUN). This study has been published by Balwant Verma and M. Sudhakara Reddy in Kavaka 47:119.2016.

टर्मिटोमाइकस बुल्बोरिजिस टी. जेड. वेइ (स्यूलेसी)

पूर्वतः चीन, नाइजर और थाइलैंड से ज्ञात कवक के इस जाति का पता भारत में प्रथम बार टैलेईगाओ, तिसवादी, गोवा तथा लतामबर्सेम, बिचोलम, उत्तरी गोवा से किए गए संग्रह के आधार पर लगाया गया है। इसके प्रतिरूप को गोवा विश्वविद्यालय, गोवा के मशरूम पादपालय (जीयूएमएच) में संग्रहित किया गया है। इस शोध को रोजी आग्नेस डिसूजा और नंदकुमार मुकुंद कामत ने कवक 49:33.2017 में प्रकाशित किया है।

Termitomyces bulborhizus T.Z. Wei (LYOPHYLLACEAE)

This fungal species, earlier known from China, Niger and Thailand, has been reported for the first time from India based on collections made from Taleigao, Tiswadi, Goa and Latambarcem, Bicholim, North Goa. The specimen is deposited in Goa University Mushroom Herbarium (GUMH). This study has been published by Rosy Agnes de Souza and Nandkumar Mukund Kamat in Kavaka 49: 33.2017.

टेट्रामेलस पुल्वरुलेंटस (अंजी) ए. नॉर्डिन व टिबेल (कैलिसिएसी)

पूर्वतः उत्तरी अमेरिका से ज्ञात शैवाक पर उगने वाले कवक के इस जाति का पता भारत में प्रथम बार सोमरेरी, चुमाथंग घाटी, लेह जनपद, जम्मू और कश्मीर से 20 किमी पहले तथा चमोली जनपद, उत्तराखंड में फूलों की घाटी में 3450मी. की ऊंचाई से किए गए संग्रह के आधार पर लगाया गया है। इसके प्रतिरूप को वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद—राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ (एलडबल्यूजी) के पादपालय में संग्रहित किया गया है। इस शोध को वाई. जोशी, मनीष त्रिपाठी, कपिल बिष्ट, शशि उपाध्याय, विशाल कुमार, नेहा पाल, अंकिता गायरा, सुगंधा पंत, कमल एस. रावत, सुनीता बिष्ट, राजेश वाजपेयी व जोसेफ पी. हाल्दा ने कवक 50:32.2018 में प्रकाशित किया है।

Tetramelas pulverulentas (Anzi) A. Nordin & Tibell (CALICIACEAE)

This lichenicolous fungal species, earlier known from North America, has been reported for the first time from India based on collections made from Somreri, 20 km before Somreri, Chumathang valley, Leh district, Jammu & Kashmir and Valley of flowers, Chamoli district, Uttarakhand, at 3450m altitude. The specimen is deposited in herbarium of National Botanical Research Institute, Lucknow (LWG). It has been published by Y. Joshi, Manish Tripathi, Kapil Bisht, Shashi Upadhyay, Vishal Kumar, Neha Pal, Ankita Gaira, Sugandha Pant, Kamal S. Rawat, Sunita Bisht, Rajesh Bajpai and Josef P. Halda in Kavaka 50: 32. 2018.

ट्रेमेल्ला एवरनी डियेडेरिक (ट्रेमेल्लेसी)

शैवाक पर उगने वाले कवक के इस जाति का पता भारत में प्रथम बार गोमुख, गंगोत्री, उत्तराखंड मार्ग पर चिरवासा में 3555मी. की ऊंचाई से किए गए संग्रह के आधार पर लगाया गया है। इसके प्रतिरूप को वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद—राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ (एलडबल्यूजी) के पादपालय में संग्रहित किया गया है। इस शोध को वाई. जोशी, मनीष त्रिपाठी, कपिल बिष्ट, शशि उपाध्याय, विशाल कुमार, नेहा पाल, अंकिता गायरा, सुगंधा पंत, कमल एस. रावत, सुनीता बिष्ट, राजेश वाजपेयी व जोसेफ पी. हाल्दा ने कवक 50:32.2018 में प्रकाशित किया है।

Tremella everniae Diederich (TREMELLACEAE)

This lichenicolous fungal species has been reported for the first time from India based on collections made from Chirwasa, in route to Gomukh, Gangotri, Uttarakhand, at 3555m altitude. The specimen is deposited in herbarium of National Botanical Research Institute, Lucknow (LWG). This study has been published by Y. Joshi, Manish Tripathi, Kapil Bisht, Shashi Upadhyay, Vishal Kumar, Neha Pal, Ankita Gaira, Sugandha Pant, Kamal S. Rawat, Sunita Bisht, Rajesh Bajpai and Josef P. Halda in Kavaka 50: 32. 2018.

ट्रेमेल्ला पारमेलियारम डियेडेरिक (ट्रेमेलेसी)

विश्वभर से ज्ञात शैवाक पर उगने वाले कवक के इस जाति का पता भारत में प्रथम बार बनारी देवी वन, अलमोड़ा जनपद, उत्तराखंड में 1940 मी की ऊंचाई से किए गए संग्रह के आधार पर लगाया गया है। इसके प्रतिरूप को वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद-राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ (एलडबल्यूजी) के पादपालय में संग्रहित किया गया है। इस शोध को वाई. जोशी, मनीष त्रिपाठी, कपिल बिष्ट, शशि उपाध्याय, विशाल कुमार, नेहा पाल, अंकिता गायरा, सुगंधा पंत, कमल एस. रावत, सुनीता बिष्ट, राजेश वाजपेयी व जोसेफ पी. हाल्दा ने कवक 50:32.2018 में प्रकाशित किया है।

Tremella parmeliarum Diederich (TREMELLACEAE)

This lichenicolous fungal species, earlier known from allover world, has been reported for the first time from India based on collections made from Banari devi forest, Almora district, Uttarakhand, at 1940m altitude. The specimen is deposited in herbarium of National Botanical Research Institute, Lucknow (LWG). It has been published by Y. Joshi, Manish Tripathi, Kapil Bisht, Shashi Upadhyay, Vishal Kumar, Neha Pal, Ankita Gaira, Sugandha Pant, Kamal S. Rawat, Sunita Bisht, Rajesh Bajpai and Josef P. Halda in Kavaka 50: 32. 2018.

ट्रेमेल्ला स्टिक्टैड डियेडेरिक (ट्रेमेलेसी)

शैवाक पर उगने वाले कवक के इस जाति का पता भारत में प्रथम बार कोडाइकनाल, शौबागनुर, मदुराई जनपद, तमिलनाडु में हेविंग्स मार्ग के किनारे 1828-1981 मी की ऊंचाई से किए गए संग्रह के आधार पर लगाया गया है। इसके प्रतिरूप को वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद-राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ (एलडबल्यूजी) के पादपालय में संग्रहित किया गया है। इस शोध को वाई. जोशी, मनीष त्रिपाठी, कपिल बिष्ट, शशि उपाध्याय, विशाल कुमार, नेहा पाल, अंकिता गायरा, सुगंधा पंत, कमल एस. रावत, सुनीता बिष्ट, राजेश वाजपेयी व जोसेफ पी. हाल्दा ने कवक 50:32.2018 में प्रकाशित किया है।

Tremella stictae Diederich (TREMELLACEAE)

This species has been reported for the first time from India based on collections made along hevings path, Kodaikanal, Shaubaganur, Madurai district, Tamil Nadu, at 1828-1981 m altitude. The specimen is deposited in herbarium of National Botanical Research Institute, Lucknow (LWG). It has been published by Y. Joshi, Manish Tripathi, Kapil Bisht, Shashi Upadhyay, Vishal Kumar, Neha Pal, Ankita Gaira, Sugandha Pant, Kamal S. Rawat, Sunita Bisht, Rajesh Bajpai and Josef P. Halda in Kavaka 50: 32. 2018.

टाइलोपाइलस नियोफेलस होंगो (बोलेटेसी)

पूर्वतः चीन से ज्ञात कवक के इस जाति का पता भारत में प्रथम बार फैम्बोंग्लो वन्यजीव अभयारण्य, ईस्ट जनपद, सिक्किम में 2021 मी. की ऊंचाई पर शीतोष्ण पृथुपर्णी वन में *कैस्टेनोप्सिस* जाति से किए गए संग्रह के आधार पर लगाया गया है। इसके प्रतिरूप को केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा (सीएएल) में संग्रहित किया गया है। इस शोध को डी. चक्रवर्ती, के. दास व ए. विजिनी ने माइकोकिज 33:115.2018 में प्रकाशित किया है।



Tylopilus neofelleus Hongo (BOLETACEAE)

This fungal species, earlier known from China has been reported for the first time from India based on the collection growing under *Castanopsis* sp. in temperate broadleaf forest, Fambonglo Wild Life sanctuary, East district, Sikkim, at 2021 m altitude. The specimen is housed in herbarium of Botanical Survey of India, Central National Herbarium, Howrah (CAL). This study is published by D. Chakraborty, K. Das, and A. Vizzini in MycoKeys 33:115.2018.

टाइलोस्पोरा फिब्रिलोसा (बर्ट) डॉक (एथेलिएसी)



पूर्वतः एस्टोनिया, फ्रांस, जर्मनी, बेलारूस, आयरलैंड, मैसेडोनिया, अल्बानिया, इंग्लैंड, सोल्वेनिया, रूस, स्वेडन, ऑस्ट्रिया, इटली, डेनमार्क, नॉर्वे और फिनलैंड से ज्ञात कवक के इस जाति का पता भारत में प्रथम बार नाग मंदिर रोड, रामबाण, जम्मू और कश्मीर से किए गए संग्रह के आधार पर लगाया गया है। इसके प्रतिरूप को पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला (पीयूएन) के वनस्पति विभाग के पादपालय में संग्रहित किया गया है। इस शोध को जे. शर्मा, ए. पी. सिंह और जी. एस. दिंगरा ने कवक 48(2):97.2017 में प्रकाशित किया है।

Tylospora fibrillosa (Burt) Donk (ATHELIACEAE)

This fungal species, earlier reported from Estonia, France, Germany, Belarus, Ireland, Macedonia, Albania, United Kingdom, Slovenia, Russia, Sweden, Austria, Italy, Denmark, Norway and Finland, has been reported for the first time

from India based on collections made from Nag Mandir road, Ramban, Jammu & Kashmir. The specimen is deposited in herbarium of Department of Botany, Punjabi University, Patiala (PUN). This study is published by J. Sharma, A.P. Singh and G.S. Dhingra in Kavaka 48(2): 97.2017.

वेरुकैरिया लैटेरिकोला एरिकसन (वेरुकैरिएसी)

शैवाक पर उगने वाले कवक के इस जाति का पता भारत में प्रथम बार उत्तराखंड राज्य के चमोली जिले में नीति से आधा किमी पहले 3430मी की ऊंचाई से किए गए संग्रह के आधार पर लगाया गया है। इसके प्रतिरूप को वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद-राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ (एलडबल्यूजी) के पादपालय में संग्रहित किया गया है। इस शोध को वाई. जोशी, मनीष त्रिपाठी, कपिल बिष्ट, शशि उपाध्याय, विशाल कुमार, नेहा पाल, अंकिता गायरा, सुगंधा पंत, कमल एस. रावत, सुनीता बिष्ट, राजेश वाजपेयी व जोसेफ पी. हाल्दा ने कवक 50:32.2018 में प्रकाशित किया है।

Verrucaria latericola Erichsen (VERRUCARIACEAE)

This lichenicolous fungal species has been reported for the first time from India based on collections made from 1/2 Km before Niti, Chamoli district, Uttarakhand, at 3430m altitude. The specimen is deposited in herbarium of National Botanical Research Institute, Lucknow (LWVG). It has been published by Y. Joshi, Manish Tripathi, Kapil Bisht, Shashi Upadhyay, Vishal Kumar, Neha Pal, Ankita Gaira, Sugandha Pant, Kamal S. Rawat, Sunita Bisht, Rajesh Bajpai and Josef P. Halda in Kavaka 50: 32. 2018.

विरिडोथेलियम सोलोमोनेंसे एप्टरूट (ट्राइपेथेलिएसी)



पूर्वतः अर्जेटीना, ब्राजील और पैराग्वे से ज्ञात कवक के इस जाति का पता भारत में प्रथम बार मनरघाट, दक्षिणी अंडमान, अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह से किए गए संग्रह के आधार पर लगाया गया है। इसके प्रतिरूप को फंगल पुडुचेरी विश्वविद्यालय के बायोटेक्नोलॉजी लेबोरेटरी, बायोटेक्नोलॉजी विभाग में संग्रहित किया गया है। इस शोध को एम. निरंजन और वी. वी. शर्मा ने करेंट रिसर्च इन एन्वायर्नमेंटल – अप्लाइड माइकोलॉजी (सीआरईएम) 8(4):440.2018 में प्रकाशित किया है।

Viridothelium solomonense Aptroot (TRYPETHELIACEAE)

This fungal species, earlier reported from Argentina, Brazil and Paraguay, has been reported for the first time from India based on collections made from Manarghat, South Andaman, Andaman & Nicobar Islands. The specimen is deposited in Fungal Biotechnology Laboratory, Department of Biotechnology, Pondicherry University, India. This study has been published by M. Niranjana and V.V. Sarma in Current Research in Environmental & Applied Mycology (CREAM) 8(4): 440. 2018.

वौऑक्सियोमाइकस रामालिनाई (नॉर्डिन) डी. हॉकशॉ

शैवाक पर उगने वाले कवक के इस जाति का पता भारत में प्रथम बार सिक्किम के नॉर्थ सिक्किम जिले में एचएसपी-दो, काबी-टिंगडा में 3629मी की ऊंचाई से किए गए संग्रह के आधार पर लगाया गया है। इसके प्रतिरूप को वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद-राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ (एलडबल्यूजी) के पादपालय में संग्रहित किया गया है। इस शोध को वाई. जोशी, मनीष त्रिपाठी, कपिल बिष्ट, शशि उपाध्याय, विशाल कुमार, नेहा पाल, अंकिता गायरा, सुगंधा पंत, कमल एस. रावत, सुनीता बिष्ट, राजेश वाजपेयी व जोसेफ पी. हाल्दा ने कवक 50: 33.2018 में प्रकाशित किया है।

Vouauxiomyces ramalinae (Nordin) D. Hawksw.

This lichenicolous fungal species has been reported for the first time from India based on collections made around HSP-II, Kabi-Tingda, North Sikkim district, Sikkim, at 3629m altitude. The specimen is deposited in herbarium of National Botanical Research Institute, Lucknow (LWG). This study has been published by Y. Joshi, Manish Tripathi, Kapil Bisht, Shashi Upadhyay, Vishal Kumar, Neha Pal, Ankita Gaira, Sugandha Pant, Kamal S. Rawat, Sunita Bisht, Rajesh Bajpai and Josef P. Halda in Kavaka 50: 33. 2018.

ज्वाखियोमासेस सोशिएलिस (कोर्ब.) क्ल. रौक्स (जैथोपाइरेनिएसी)

शैवाक पर उगने वाले कवक के इस जाति का पता भारत में प्रथम बार जामतला, पश्चिम बंगाल में गंगा के किनारे में 33 मी की ऊंचाई से किए गए संग्रह के आधार पर लगाया गया है। इसके प्रतिरूप को वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद-राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ (एलडबल्यूजी) के पादपालय में संग्रहित किया गया है। इस शोध को वाई. जोशी, मनीष त्रिपाठी, कपिल बिष्ट, शशि उपाध्याय, विशाल कुमार, नेहा पाल, अंकिता गायरा, सुगंधा पंत, कमल एस. रावत, सुनीता बिष्ट, राजेश वाजपेयी व जोसेफ पी. हाल्दा ने कवक 50:33.2018 में प्रकाशित किया है।

Zwackhiomyces socialis (Körb.) Cl. Roux (XANTHOPYRENIACEAE)

This lichenicolous fungal species has been reported for the first time from India based on collections made from the bank of The Ganges, Jamtala, Farakka, West Bengal, at 33m altitude. The specimen is deposited in herbarium of National Botanical Research Institute, Lucknow (LWG). It has been published by Y. Joshi, Manish Tripathi, Kapil Bisht, Shashi Upadhyay, Vishal Kumar, Neha Pal, Ankita Gaira, Sugandha Pant, Kamal S. Rawat, Sunita Bisht, Rajesh Bajpai and Josef P. Halda in Kavaka 50: 33. 2018.

ज्वाखियोमाइकस स्फिक्ट्रिनोइडस (ज्वाक) ग्रुबे व हैफेलनर (जैथोपाइरेनिएसी)

शैवाक पर उगने वाले कवक के इस जाति का पता भारत में प्रथम बार उत्तराखंड राज्य के नैनीताल जिले में नैना चोटी को जाने वाले रास्ते पर 2500मी. की ऊंचाई से किए गए संग्रह के आधार पर लगाया गया है। इसके प्रतिरूप को वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद-राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ (एलडबल्यूजी) के पादपालय में संग्रहित किया गया है। इस शोध को वाई. जोशी, मनीष त्रिपाठी, कपिल बिष्ट, शशि उपाध्याय, विशाल कुमार, नेहा पाल, अंकिता गायरा, सुगंधा पंत, कमल एस. रावत, सुनीता बिष्ट, राजेश वाजपेयी व जोसेफ पी. हाल्दा ने कवक 50:33.2018 में प्रकाशित किया है।

Zwackhiomyces sphinctrinoides (Zwackh) Grube & Hafellner (XANTHOPYRENIACEAE)

This lichenicolous fungal species has been reported for the first time from India based on collections made on the way to Naina peak, Nainital district, Uttarakhand, at 2500m altitude. The specimen is deposited in herbarium of National Botanical Research Institute, Lucknow (LWG). It has been published by Y. Joshi, Manish Tripathi, Kapil Bisht, Shashi Upadhyay, Vishal Kumar, Neha Pal, Ankita Gaira, Sugandha Pant, Kamal S. Rawat, Sunita Bisht, Rajesh Bajpai and Josef P. Halda in Kavaka 50: 33. 2018.

प्रभेदपरक अभिलेख • VARIETAL RECORDS

एगोरिकस मेलियाग्रिस प्रभेद ऑब्सक्यूटेस (मायरे) हेइनम (एगोरिकेसी)



पूर्वतः होलैंड से ज्ञात कवक के इस ह्यूमिकोलस और झुंड में उगने वाले प्रभेद का पता भारत में प्रथम बार जिराकपुर, मोहाली में 316 मी की ऊंचाई से किए गए संग्रह के आधार पर लगाया गया है। इसके प्रतिरूप को पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला (पीयूएन) के वनस्पति विभाग के पादपालय में संग्रहित किया गया है। इस शोध को हरमिंदर कौर, मुनुरुची कौर और नजीर अहमद मल्लिक ने कवक 48(2):89.2017 में प्रकाशित किया है।

Agaricus meleagriss var. obscuratus (Maire) Heinem (AGARICACEAE)

This fungal variety, earlier known from Holland, has been reported for the first time from India based on collections made from Zirakpur, Mohali, growing gregariously on humicolous soil under hedges, at 316m altitude. The specimen is

deposited in Herbarium of Department of Botany, Punjabi University, Patiala (PUN). This study is published by Harminder Kaur, Munruchi Kaur and Nazir Ahmed Malik in Kavaka 48(2): 89.2017.

एगोरिकस सिल्वेटिकस प्रभेद पैलिडस (एफ. एच. मोलर) एफ. एच. मोलर (एगोरिकेसी)



कवक के इस प्रभेद का पता भारत में प्रथम बार पंजाबी विश्वविद्यालय परिसर, पटियाला, पंजाब में 251 मी की ऊंचाई से किए गए संग्रह के आधार पर लगाया गया है। इसके प्रतिरूप को पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला (पीयूएन) के वनस्पति विभाग के पादपालय में संग्रहित किया गया है। इस शोध को हरमिंदर कौर, मुनुरुची कौर और नजीर अहमद मल्लिक ने कवक 48(2):90.2017 में प्रकाशित किया है।

Agaricus silvaticus var. pallidus (F.H. Møller) F.H. Møller (AGARICACEAE)

This fungal variety has been reported for the first time from India based on collections made from Punjabi University campus, Patiala, Punjab at 251m altitude. The specimen is deposited in herbarium of Department of Botany, Punjabi University, Patiala (PUN). This study is published by Harminder Kaur, Munruchi Kaur and Nazir Ahmed Malik in Kavaka 48(2): 90. 2017.



जीवाणु/MICROBES

Representative image of Microbes
Courtesy : Internet

जीवाणु/MICROBES

सूक्ष्मजीवीय पारिस्थितिक विज्ञानियों ने जीवाणुओं एवं आर्किया की आण्विक आधार पर गणना हेतु 16एस आरआरएनए जीन अनुक्रमण की विधि को अपनाया है। हाल में किये गये शोध के अनुसार कुल 1,411,234 जीवाणुओं एवं 53,546 आर्किया जातियों के विस्तृत जीन अनुक्रमों की पहचान कर ली गई है, जिसमें भारत से लगभग 1223 जातियों को पृथक किया जा चुका है।

भारतीय पर्यावरण में जीवाणुओं तथा आर्किया की विविधता एवं जैव विविधता के संवर्धन और रखरखाव में उनकी भूमिका को समझना बहुत आवश्यक है। हमारी अब तक की जानकारी के अनुसार भारतीय वनस्पतिजात में लगभग 2.47 प्रतिशत हिस्सा जीवाणुओं का है।

इस क्रमवार सूचना में वर्ष 2018 के दौरान

भारत से 02 नवीन वंश (गुजरात एवं महाराष्ट्र राज्यों में प्रत्येक से 01) तथा 25 नयी जातियाँ, जिनमें (गोवा, जम्मू एवं कश्मीर, कर्नाटक, सिक्किम, पश्चिम बंगाल एवं भारतीय हिन्द महासागर में प्रत्येक से 01 जातियाँ, हिमाचल प्रदेश, तेलंगाना एवं गुजरात में प्रत्येक राज्य से 02 जाति, उत्तर प्रदेश एवं महाराष्ट्र में प्रत्येक से 04 एवं राजस्थान से 05 जातियाँ) अन्वेषित की गई हैं।

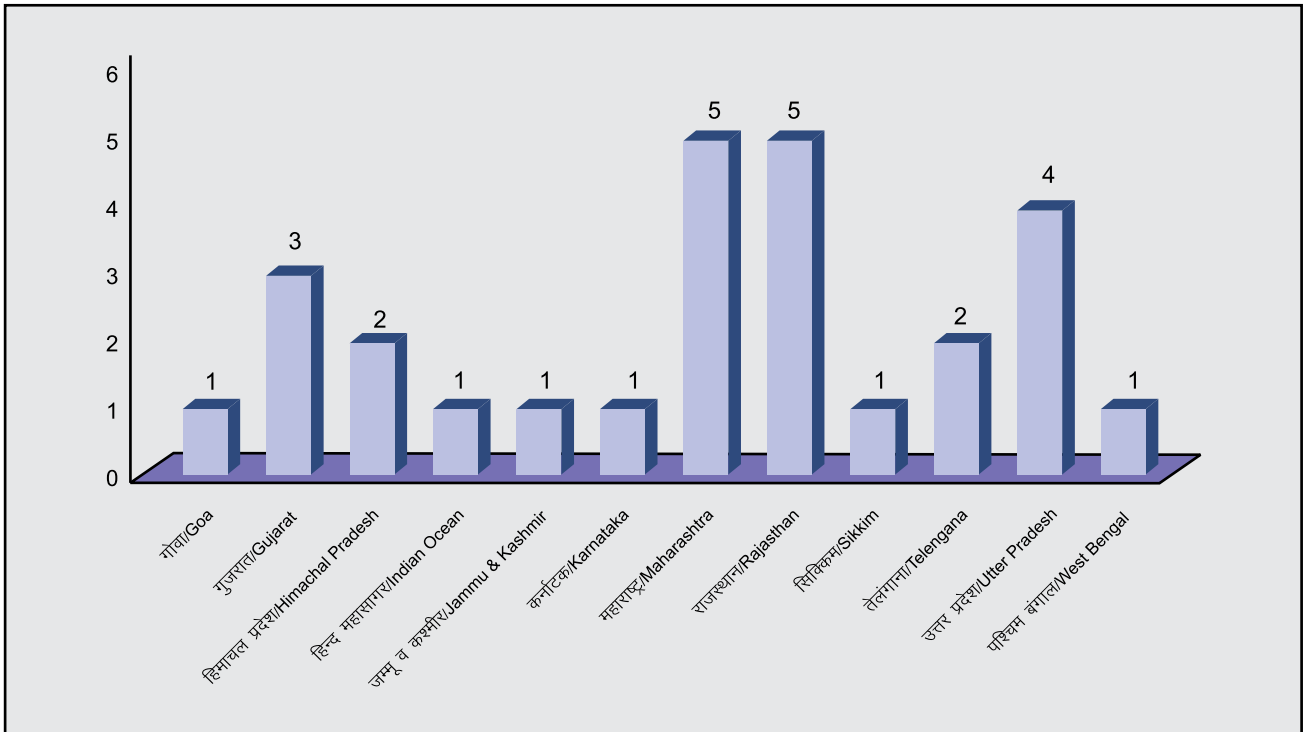
Microbial ecologist now adopted 16S rRNA gene sequencing for developing molecular census database of bacteria and archaea.

In recent studies total 1,411,234 bacterial and 53,546 archaeal full-length sequences has been observed worldwide from which 1223 species have been isolated from India. It is necessary to understand the diversity of bacteria and archaea present in a great variety of Indian environments, and understand their role in biodiversity maintenance. In the present state of our knowledge, Indian microbes represents about 2.47 per cent of the total plant species of India.

The collated information presented here for year 2018 includes

02 new genera (01 each from Gujarat and Maharashtra);

25 new species of microbes from various states of India (01 each from Goa, Jammu & Kashmir, Karnataka, Sikkim, West Bengal and Indian ocean, 02 each from Himachal Pradesh, Telangana and Gujarat, 04 each from Uttar Pradesh and Maharashtra and 05 from Rajasthan)



भारतीय राज्यों से अन्वेषित जीवाणुओं की संख्या

NUMBER OF MICROBES DISCOVERED FROM INDIAN STATES

नवीन वंश • NEW GENUS

कैंडिडेटस मिथाइलोकुकुमिस प्रनिथा एस. पंडित, माइकल होपर्ट, मोनाली सी. रहालकर, एंटोनी वॉन ल्यूवेनहॉक 111(12):2473.2018
जीवाणु प्रभेद एसएन 10-6 नामक इस नवीन ग्राम अग्राही, दंडाकार, खीरे के आकार वाले मिथेनोट्रॉफ जीवाणु वंश को भारत में महाराष्ट्र राज्य के जुन्नार जनपद में धान के खेतों से संग्रहित नमूने से पृथक किया गया है। जीवाणु प्रभेद एसएन 10-6 (=एमसीसी 3492=केसीटीसी 15683) के रूप में संग्रहित है।

Candidatus Methylocucumis Pranitha S. Pandit . Michael Hoppert . Monali C. Rahalkar, Antonie van Leeuwenhoek 111(12):2473. 2018.

This novel Gram-stain-negative rod-shaped, cucumber-shaped methanotroph, bacterium genus (strain Sn10-6) was isolated from near from a rice rhizosphere in, Maharashtra, India. The type strain is Sn10-6 (=MCC 3492 =KCTC 15683) new genus with type species *Candidatus Methylocucumis oryzae*.

थालेशोर्हब्डस विष्णुवर्धन रेड्डी सुल्तानपुरम, थिरुमाला मोथे, इन्टल. जे. सिस्ट. इवोल. माइक्रोबायोल. 68 : 2970. 2018.

जीवाणु प्रभेद जी27टी नामक इस नवीन परिवर्तनशील, शलाकाकार, अगतिशील और बीजाणु रहित वंश को भारत में धुवरन, गुजरात के आसपास से संग्रहित नमूने से पृथक किया गया है। जीवाणु प्रभेद जी27टी (=एमसीसी 3411टी =सीजीएमसीसी 1.15772टी =केसीटीसी 33941टी) के रूप में संग्रहित है।

Thalassorhabdus Vishnuvardhan Reddy Sultanpuram, Thirumala Mothe Int. J. Sys. Evol. Microbiol. 68: 2970.2018.

This novel Gram-stain-variable, rod-shaped, non-motile and non-endospore-forming bacterium genus (strain G27T) was isolated from near Dhuvaran, Gujarat, India . The type strain is G27T (=MCC 3411T=CGMCC 1.15772T=KCTC 33941T).

नवीन जातियां • NEW SPECIES

एसिडोवोरेक्स कलामियाई दीपिका पाल, नवजोत कौर, सरबजीत कौर सुडान, भावना बिष्ट, श्रीनिवासन कृष्णमूर्ति, शंमुगम मयिलराज, इन्टल. जे. सिस्ट. इवोल. माइक्रोबायोल. 68 :1720.2018.

जीवाणु प्रभेद केएनडीएसडबल्यू -टीएसए6टी नामक इस नवीन ग्रैम-अग्राही, वायुजीवी, तृण-पीत, गतिशील जाति को जातिवृत्तीय परिकल्पना के आधार पर एसिडोवोरेक्स वंश में वर्गीकृत किया गया है तथा कानपुर, उत्तर प्रदेश, भारत में गंगा नदी के प्रवाह से संग्रहित पानी के नमूने से पृथक किया गया है। जीवाणु प्रभेद केएनडीएसडबल्यू दूटीएसए6टी (=एमटीसीसी 12652टी =केसीटीसी 52819टी=वीटीसीसी- 910010टी) के रूप में संग्रहित है।

Acidovorax kalamii Deepika Pal, Navjot Kaur, Sarabjeet Kour Sudan, Bhawana Bisht , Srinivasan Krishnamurthi , Shanmugam Mayilraj Int. J. Sys. Evol. Microbiol. 68: 1720.2018.

These novel gram-stain-negative, rod-shaped, aerobic, straw yellow, motile strain, designated KNDSW-TSA6T was classified as an member of genus *Acidovorax* on the basis of phylogenetically related isolated from a water sample of the river Ganges, downstream of the city of Kanpur, Uttar Pradesh, India. The type strain is The type strain is *Acidovorax kalamii* (=MTCC 12652T=KCTC 52819T=VTCC-B-910010T).

बैसिलस अल्काइलिलेसस हरजोध सिंह, मनप्रीत कौर, शिवानी शर्मा, लखविंदर कौर, सुनीता मिश्रा, नागा राधा श्रीनिवास तानुकु, अनिल कुमार पिन्नाका, इन्टल. जे. सिस्ट. इवोल. माइक्रोबायोल. 68:1665.2018.

जीवाणु प्रभेद एके73टी नामक इस नवीन वायुजीवी, अंतर्बीजाणु बनाने वाले, हैलोएल्केन प्रतिरोधी, ग्रैम-ग्राही, गतिशील, शलाकाकार जाति को सांभर झील, जयपुर, राजस्थान, भारत से संग्रहित गाद के नमूने से पृथक किया गया है। जीवाणु प्रभेद एके73टी (=जेसीएम 32184टी =एमटीसीसी 12637टी =केसीटीसी 33880टी) के रूप में संग्रहित है।

Bacillus alkalicoccus Harjodh Singh, Manpreet Kaur , Shivani Sharma, Lakhwinder Kaur , Sunita Mishra, Naga Radha Srinivas Tanuku , Anil Kumar Pinnaka; Int. J. Sys. Evol. Microbiol. 68: 1665.2018.

These novel aerobic, endospore-forming, haloalkali-tolerant, gram-stain-positive, motile, rod-shaped bacterium, designated strain AK73T, was isolated from a sediment sample collected from Sambhar lake, Jaipur, Rajasthan, India. The type strain is AK73T (=JCM 32184T=MTCC 12637T=KCTC 33880T).

बैसिलस लैकस हरजोध सिंह, मनप्रीत कौर, लखविंदर कौर, शिवानी शर्मा, सुनीता मिश्रा, नागा राधा श्रीनिवास तानुकु, अनिल कुमार पिन्नाका, इनटल. जे. सिस्ट. इवोल. माइक्रोबायोल. 68:1665.2018.

जीवाणु प्रभेद एके74टी नामक इस नवीन वायुजीवी, एल्काइलीफिलिक, ग्रैम-ग्राही, गतिशील, शलाकाकार जाति को सांभर झील, जयपुर, राजस्थान, भारत से संग्रहित खारे पानी के नमूने से पृथक किया गया है। जीवाणु प्रभेद एके74टी (=एमटीसीसी 12638टी =केसीटीसी 33946टी =जेसीएम 32185टी) के रूप में संग्रहित है।

Bacillus lacus Harjodh Singh, Manpreet Kaur, Lakhwinder Kaur, Shivani Sharma, Sunita Mishra, Naga Radha Srinivas Tanuku, Anil Kumar Pinnaka Int. J. Sys. Evol. Microbiol. 68: 802.2018.

These novel species of the aerobic, alkaliphilic, gram-stain-positive, motile, rod-shaped bacterium, designated strain AK74T, was isolated from a water sample collected from Sambhar salt lake, Rajasthan, India. The type strain is AK74T (=MTCC 12638T=KCTC 33946T=JCM 32185T).

बैसिलस शिवाजियाई शेखर कुमार, हरजोध सिंह, मनप्रीत कौर, लखविंदर कौर, नागा राधा श्रीनिवास तानुकु, अनिल कुमार पिन्नाका, इनटल. जे. सिस्ट. इवोल. माइक्रोबायोल. 68:3464.2018.

जीवाणु प्रभेद एके72टी नामक इस नवीन ग्रैम-ग्राही, शलाकाकार, गतिशील, बीजाणु बनाने वाले, पूरी तरह से वायुजीवी, एल्काइली और हैलोस्केन प्रतिरोधी जाति को सांभर झील, जयपुर, राजस्थान, भारत से संग्रहित खारे पानी के नमूने से पृथक किया गया है। जीवाणु प्रभेद एके72टी (=एमटीसीसी 12636टी =केसीटीसी 33981टी =जेसीएम 32183टी) के रूप में संग्रहित है।

Bacillus shivajii Shekhar Kumar, Harjodh Sing, Manpreet Kaur, Lakhwinder Kaur, Naga Radha Srinivas Tanuku, Anil Kumar Pinnaka Int. J. Sys. Evol. Microbiol. 68: 3464.2018.

These novel Gram-stain-positive, rod-shaped, motile, spore-forming, strictly aerobic, alkali- and halo- tolerant bacterium, designated strain AK72, was isolated from a water sample collected from Sambhar salt lake, Rajasthan, India. The type strain is AK72T (=MTCC 12636T=KCTC 33981T=JCM 32183T).

ब्लास्टोबोट्रिस बॉम्बिसिस डेलिसिया एविला बैरेटो, रामेश्वर अवचर, क्लौडिया कार्वेल्लो, जोसे पॉलो सैम्पाइयो, श्याम कुमार वूतला, अभिषेक बाघेला, इनटल. जे. सिस्ट. इवोल. माइक्रोबायोल. 68:2638.2018.

जीवाणु प्रभेद आरएएबी001टी नामक इस नवीन जाति को रेशम कीट बॉम्बिक्स मोरि (ऑर्डर लेपिडोप्टेरा) के लार्वा के आंत से पृथक किए गए यीस्ट प्रभेद के आधार पर एस्कोमाइसिटीस वंश ब्लास्टोबोट्रिस में वर्गीकृत किया गया है। जीवाणु प्रभेद आरएएबी001टी (=सीबीएस 15274टी =पीवाईसीसी 8105टी =एमसीसी 1427टी) के रूप में (माइक्रोबैंक अनुवृद्धि संख्या एमबी 825095) संग्रहित है।

Blastobotrys bombycis Delicia Avilla Barretto, Rameshwar Avchar, Cláudia Carvalho, José Paulo Sampaio, Shyam Kumar Vootla, Abhishek Baghela Int. J. Sys. Evol. Microbiol. 68: 2638. 2018.

These novel species of the ascomycetous genus Blastobotrys is proposed based on a yeast strain isolated from the larval gut of the silkworm *Bombyx mori* (Order Lepidoptera). The type strain RAAB001T=CBS 15274T=PYCC 8105T=MCC 1427T; (Mycobank accession number MB 825095).

कैंडिडेटस मिथाइलोकुकुमिस ओरेजाई प्रनिथा एस. पंडित, माइकल होपर्ट, मोनाली सी. रहालकर, एंटोनी वॉन ल्यूवेनहॉक 111 (12):2473.2018

जीवाणु प्रभेद एसएन 10-6 नामक इस नवीन ग्राम अग्राही, दंडाकार, खीरे के आकार वाले मिथेनोट्राफ जीवाणु जाति को भारत में महाराष्ट्र राज्य के जुन्नार जनपद में धान के खेतों की मिट्टी से संग्रहित नमूने से पृथक किया गया है। जीवाणु प्रभेद एसएन 10-6 (=एमसीसी 3492=केसीटीसी 15683) के रूप में संग्रहित है।

Candidatus Methylococcus oryzae Pranitha S. Pandit, Michael Hoppert, Monali C. Rahalkar, Antonie van Leeuwenhoek 111(12):2473. 2018.

This novel Gram-stain-negative rod-shaped, cucumber-shaped methanotroph, bacterium species (strain Sn10-6) was isolated from rice rhizosphere soil from Junnar district of Maharashtra. The type strain is Sn10-6 (=MCC 3492 =KCTC 15683).

क्राइसियोबैक्टेरियम ग्लेसिएई मोहिंदर पाल, मुनेश कुमारी, शशि किरण, रिचा सालवान, शंमुगम मयिलराज, संजय छिब्र, अरविंद गुलाटी, इनटल. जे. सिस्ट. इवोल. माइक्रोबायोल. 68:866.2018.

जीवाणु प्रभेद आईएचबीबी 10212टी नामक इस नवीन ग्रैम-अग्राही, वायुजीवी, बीजाणु रहित, एकल शलाकाकृति वाली, कशाभ रहित तथा पीले और नारंगी वर्णक समूहों में पाई जाने वाली जाति को क्राइसियोबैक्टेरियम वंश में वर्गीकृत किया गया है। इसे भारत में लाहौल-स्पिति, उत्तर-पश्चिमी हिमालय में अवस्थित कुंजम दर्रे के पास एक हिमनदी से संग्रहित नमूने से पृथक किया गया है। जीवाणु प्रभेद आईएचबीबी 10212टी (=एमटीसीसी 12457टी =जेसीएम 31156टी =केएसीसी 19170टी) के रूप में संग्रहित है।

Chryseobacterium glaciei Mohinder Pal, Munesh Kumari, Shashi Kiran, Richa Salwan, Shanmugam Mayilraj, Sanjay Chhibber, Arvind Gulati Int. J. Sys. Evol. Microbiol. 68: 866.2018.

These novel bacterial strain, gram-negative, aerobic, non-sporulating, single rods, lacked flagella, and yellow to orange pigmented colonies as designated IHBB 10212, of the genus Chryseobacterium was isolated from a glacier near the Kunzum Pass located in the Lahaul-Spiti in the North-Western Himalayas of India. The type strain is IHBB 10212T (=MTCC 12457T=JCM 31156T=KACC 19170T).

क्राइसियोबैक्टेरियम सैलिपैलुडिस बी. दिव्यश्री, जी. सुरेश, च. शशिकला, च. वी. रमना, इनटल. जे. सिस्ट. इवोल. माइक्रोबायोल. 68 : 543. 2018.

जीवाणु प्रभेद जेसी490टी नामक इस नवीन ग्रैम-अग्राही, शलाकाकार, अगतिशील, वायुजीवी जाति को गुजरात, भारत में जंगली गधा अभयारण्य से संग्रहित गाद के नमूने से पृथक किया गया है। जीवाणु प्रभेद जेसी490टी (=केसीटीसी 52835टी=एलएमजी 30048टी) के रूप में संग्रहित है।

Chryseobacterium salipaludis B. Divyasree, G. Suresh, Ch. Sasikala, Ch. V. Ramana Int. J. Sys. Evol. Microbiol. 68: 543. 2018

These novel bacterial strain, gram-stain-negative, rod-shaped, non-motile, aerobic bacterium was isolated from a sediment sample obtained from a wild ass sanctuary in Gujarat, India. The type strain is JC490T (=KCTC 52835T=LMG 30048T).

क्राइसियोमाइक्रोबाइयम एक्सक्रेमेंटी तिलक साहा, विश्वनाथ चक्रवर्ती, सायक दास, नागेंद्र ठाकुर, रंधीर चक्रवर्ती, इनटल. जे. सिस्ट. इवोल. माइक्रोबायोल. 68:2166.2018.

जीवाणु प्रभेद ईटी03टी नामक इस नवीन ग्रैम-ग्राही, शलाकाकार, थोड़ी प्रकाशरोधी जाति को भारत में सेंटर ऑफ फ्लोरिकल्चर एंड एग्रिबिजनेस मैनेजमेंट, नॉर्थ बंगाल विश्वविद्यालय, सिलीगुड़ी, पश्चिम बंगाल में पाले गए केंचुए के मल से संग्रहित नमूने से पृथक किया गया है। जीवाणु प्रभेद ईटी 03टी (=केसीटीसी 33943टी =एलएमजी 30119टी =जेसीएम 32415टी) के रूप में संग्रहित है।

Chryseomicrobium excrementi Tilak Saha, Biswanath Chakraborty, Sayak Das, Nagendra Thakur, Ranadhir Chakraborty Int. J. Sys. Evol. Microbiol. 68: 2166. 2018

These novel bacterial strain, a gram-stain-positive, rod-shaped, slightly halotolerant, bacterial strain, designated ET03T, was isolated from the cast of an earthworm (Eiseniafetida) reared at the Centre of Floriculture and Agribusiness Management, University of North Bengal at Siliguri, West Bengal, India. The type strain is ET03T (=KCTC 33943T=LMG 30119T=JCM 32415T).

क्रोरीनेबैक्टेरियम गोदावरियानम कुणाल जानी, कौसतुभ खरे, स्वेतलना सेनिक, प्राची करोदी, वेंकट रमना वेमेलुरी, जयश्री बांदा, योगेश शाउचे, इनटल. जे. सिस्ट. इवोल. माइक्रोबायोल. 68:242.2018.

जीवाणु प्रभेद पीआरडी07टी नामक इस नवीन ग्रैम-ग्राही, शलाकाकार, अगतिशील जाति को भारत में विश्व के सबसे बड़े आध्यात्मिक और धार्मिक स्नान स्थल, कुम्भ मेला के दौरान गोदावरी नदी से संग्रहित नमूने से पृथक किया गया है। जीवाणु प्रभेद पीआरडी07टी (=एमसीसी 3388टी =केसीटीसी 39803टी =एलएमजी 29598टी) के रूप में संग्रहित है।

Corynebacterium godavarianum Kunal Jani, Kaustubh Khare, Svetlana Senik, Prachi Karodi, Venkata Ramana Vemuluri, Jayashree Banda, Yogesh Shouche, Vinay Rale, Avinash Sharma Int. J. Sys. Evol. Microbiol. 68: 242. 2018 .

These novel bacterial strain gram-stain-positive, rod-shaped, non-motile bacterium, strain PRD07T, was isolated from Godavari river, India during the world's largest spiritual and religious mass bathing event 'Kumbh Mela'. The type strain is PRD07T (=MCC 3388T=KCTC 39803T=LMG 29598T).

फिक्टिबैसिलस एक्वैटिक्स दीपिका पाल, अयंका भारद्वाज, नवजोत कौर, सरबजीत कौर सुडान, भावना बिष्ट, इनटल. जे. सिस्ट. इवोल. माइक्रोबायोल. 68:161.2018.

जीवाणु प्रभेद जीडीएसडबल्यू-आर2एटी नामक इस नवीन ग्रैम-ग्राही, विकल्पी अवायुजीवी जाति को भारत में गंगा नदी के प्रवाह से संग्रहित पानी के नमूने से पृथक किया गया है। जीवाणु प्रभेद जीडीएसडबल्यू-आर2एटी (=वीटीसीसी-बी- 910015टी =सीसीएम 8782टी) के रूप में संग्रहित है।

Fictibacillus aquaticus Deepika Pal, Ayanka Bhardwaj, Navjot Kau, SarabjeetKour Sudan, Bhawana Bisht, Munesh Kumari, Bhawna Vyas, Srinivasan Krishnamurthi, Shanmugam Mayilraj Int. J. Sys. Evol.Microbiol. 68: 161. 2018.

These novel bacterial gram-stain-positive, facultative anaerobic bacterial strain, GDSW-R2A3T, was isolated from a downstream water sample collected from the river Ganges, India. The type strain is GDSW-R2A3T (=VTCC-B-910015T=CCM 8782T).

जियोबैसिलस युमथांगेंसिस इशफाक नबी नजर, मिंगमा थुंडु शेरपा, सायक दास, कमलेश वर्मा, विकास कुमार दूबे, नागेंद्र ठाकुर, इनटल. जे. सिस्ट. इवोल. माइक्रोबायोल. 68:3431.2018.

जीवाणु प्रभेद एवाईएन2टी नामक इस नवीन तापरागी, बीजाणु बनाने वाले, शलाकाकार जाति को भारत में उत्तरी सिक्किम के युमथांग गर्म झरने से संग्रहित नमूने से पृथक किया गया है। जीवाणु प्रभेद एवाईएन2टी (=एमटीसीसी 12749टी =केसीटीसी 33950टी =जेसीएम 32596टी) के रूप में संग्रहित है।

Geobacillus yumthangensis IshfaqNabi Najar, MingmaThundu Sherpa, Sayak Das, Kamallesh Verma, Vikash Kumar Dubey, Nagendra Thakur Int. J. Sys. Evol.Microbiol. 68: 3431.2018.

This novel thermophilic, spore-forming, rod-shaped bacterium isolated from the Yumthang hot spring in North Sikkim, India. The type strain is AYN2T (MTCC= 12749= KCTC=33950=JCM 32596).

हेलोमोनस मालपींसिस पीटर कैम्फर, पी. डी. रेखा, हैंस-जुर्गन बुशे, ए. बी. अरुण, पी. प्रियंका, स्टेफनी पी. ग्लेसर, इनटल. जे. सिस्ट. इवोल. माइक्रोबायोल. 68:1038.2018.

जीवाणु प्रभेद वाईयू-पीआरआईएम-29टी नामक इस नवीन ग्रैम-अग्राही, वायुजीवी, बीजाणु रहित जाति को भारत में रेत के टिले में उगने वाले तटीय पौधे के रिजोस्फेयर वाले बालू से संग्रहित नमूने से पृथक किया गया है। जीवाणु प्रभेद वाईयू-पीआरआईएम-29टी (=एलएमजी 28855टी =सीसीएम 8737टी) के रूप में संग्रहित है।

Halomonas malpeensis Peter Kämpfer, P. D. Rekha, Hans-Jürgen Busse, A. B. Arun, P. Priyanka, Stefanie P. Glaeser Int. J. Sys. Evol.Microbiol. 68: 1038.2018

These novel bacterial gram-stain-negative, aerobic, non-endospore-forming organism, isolated from the rhizosphere sand of a coastal sand dune plant. The type strain is YU-PRIM-29T (=LMG 28855T=CCM 8737T).

लिस्टेरिया गोवाएंसिस स्वपनिल पी. दोइजद, कृपाली वी. पोहारकर, सत्यजीत बी. काले, सविता केरकर, देवानंद आर कालोरे, नीतिन वी. कुरकुरे, दीपक बी. रावुल, सत्य वीर सिंह मल्लिक, राफेद वेगल, टॉर्सटन हैन, सुखदेव बी. बरबुद्धे, त्रिनाद चक्रवर्ती, इनटल. जे. सिस्ट. इवोल. माइक्रोबायोल. 68:3236.2018.

जीवाणु प्रभेद आईएलसीसी801टी नामक इस नवीन छोटे, बीजाणु रहित, ग्रैम-ग्राही, शलाकाकार, अगतिशील, ऑक्सीडेस-अग्राही जाति को भारत में गोवा के मैंग्रोव के दलदल से संग्रहित लिस्टेरिया की तरह के एक नमूने से पृथक किया गया है। जीवाणु प्रभेद आईएलसीसी801टी (=केसीटीसी 33909टी =डीएसएम 29886टी =एमसीसी 3285टी) के रूप में संग्रहित है।

Listeria goaensis Swapnil P. Doijad, Krupali V. Poharkar, Satyajit B. Kale, Savita Kerkar, Dewanand R. Kalorey, Nitin V. Kurkure, Deepak B. Rawool, Satya Veer Singh Malik, Rafed Yassin Ahmad, Martina Hudel, Sandeep P. Chaudhari, Birte Abt, Jörg Overmann, Markus Weigel, Torsten Hain, Sukhadeo B. Barbuddhe, Trinad Chakraborty Int. J. Sys. Evol.Microbiol. 68: 3286.2018.

These novel short, non-spore-forming, Gram-positive rods, that were non-motile, oxidase-negative Listeria-like isolates obtained from mangrove swamps in Goa, India. The type strain is ILCC801T (=KCTC 33909;=DSM 29886;=MCC 3285).

माइक्रोबैक्टेरियम टेलिफोनिकम प्रवीण राही, रश्मि कुर्ली, अभीजित एन. पंसारे, मितेश खायरनर, शुभांगी जगताप, निशा बी. पटेल, सैयद जी. दस्तागर, पॉल ए. लॉसन, योगेश एस. शाउचे, इनटल. जे. सिस्ट. इवोल. माइक्रोबायोल. 68:1053.2018.

जीवाणु प्रभेद एस2टी63टी नामक इस नवीन ग्रैम-ग्राही, वायुजीवी, शलाकाकार और बीजाणु रहित जाति को भारत में मोबाइल फोन के स्क्रीन की जीवाणु संबंधी विविधता के संवर्धन आधारित अध्ययन के आधार पर पृथक किया गया है। जीवाणु प्रभेद एस2टी63टी (=एमसीसी 2967टी =केएसीसी 18715टी =एलएमजी 29293टी) के रूप में संग्रहित है।

Microbacterium telephonicum Praveen Rahi, Rashmi Kurli, Aabeejeet N. Pansare, Mitesh Khaimar, Shubhangi Jagtap, Nisha B. Patel, Syed G. Dastager, Paul A. Lawson, Yogesh S. Shouche. Int. J. Sys. Evol. Microbiol. 68: 1053.2018.

A cultivation-based study of the microbial diversity of cellular phone screens led to the isolation of a gram-stain-positive, aerobic, rod-shaped and non-endospore-forming bacterium, designated S2T63T. The type strain is S2T63T (=MCC 2967T=KACC 18715T=LMG 29293T).

प्लैक्टोपाइरस हाइड्रिली सुभाष यादव, राधा वदवल्ली, श्रीनिवास सिरिपुरम, रमाप्रसाद वीर वेंकटा ऐडारा, शिवानी यादव, ओझा रविशंकर, तुषार लोधा, शशिकला चिंतलपटी व वेंकट रमन चिंतलपटी, इनटल. जे. सिस्ट. इवोल. माइक्रोबायोल. 68:576.2018.

जीवाणु प्रभेद जेसी280टी नामक इस नवीन प्रतिजैविक जाति को प्लैक्टोमाइसिट वंश में वर्गीकृत किया गया है। इसे भारत में हैदराबाद विश्वविद्यालय के खारा पानी वाले झील (बुफैलो लेक) में हाइड्रिला वर्टिसिलेटा पौधे के तल से संग्रहित नमूने से पृथक किया गया है। जीवाणु प्रभेद जेसी280टी (=केसीटीसी 42880टी =एलएमजी 29153टी) के रूप में संग्रहित है।

Planctopirus hydrillae Subhash Yadav, Radha Vaddavalli, Srinivas Siripuram, Ramaprasad Veera Venkata Eedara, Shivani Yadav, Ojha Rabishankar, Tushar Lodha, Sasikala Chintalapati & Venkata Ramana Chintalapati, J. Antibiot. 71. 576. 2018.

An antibiotic producing novel Planctomycete strain, designated JC280T, was isolated from the surface of the plant Hydrilla verticillata collected from an alkaline lake (Buffalo lake), University of Hyderabad, Hyderabad, India. The type strain is JC280T (=KCTC 42880T=LMG 29153T).

स्यूडोमोनस फ्लूवियालिस सरबजीत कौर सुडान, दीपिका पाल, भावना बिष्ट, नरेंद्र कुमार, वाष्वी चौधरी, प्रभु पाटिल, गिरिश साहनी, शंभुगम मयिलराज, श्रीनिवासन कृष्णमूर्ति, इनटल. जे. सिस्ट. इवोल. माइक्रोबायोल. 68:403.2018.

जीवाणु प्रभेद एसएस-1टी नामक इस नवीन जाति को भारत में इलाहाबाद में गंगा नदी के गाद से संग्रहित नमूने के आधार पर पृथक और अभिनिर्धारित किया गया है। जीवाणु प्रभेद एसएस-1टी (=केसीटीसी 52437टी =सीसीएम 8778टी) के रूप में संग्रहित है।

Pseudomonas fluvialis Sarabjeet Kour Sudan, Deepika Pal, Bhawana Bisht, Narender Kumar, Vasvi Chaudhry, Prabhu Patil, Girish Sahni, Shanmugam Mayilraj, Srinivasan Krishnamurthi International Int. J. Sys. Evol. Microbiol. 68: 403.2018.

A bacterial strain, designated ASS-IT, was isolated and identified from a sediment sample of the river Ganges, Allahabad, India. The type strain is ASS-IT (=KCTC 52437T=CCM 8778T).

साइक्रोमाइक्रोबियम लैकुसलुनी शशि किरण, पीटर शुमान्न, हैस-जुर्गन बुशे, कैथरिन स्प्रोरर, अदिति राणा, मोहिंदर पाल, सुरेश कोरपोले, रूपिंदर तिवारी, अरविंद गुलाटी, इनटल. जे. सिस्ट. इवोल. माइक्रोबायोल. 68:3417.2018.

जीवाणु प्रभेद आईएचबीबी 11108टी नामक इस नवीन आर्द्रतारोधी और क्षाररोधी जाति को भारत में परहिमालय में अवस्थित लाहौल-स्पति घाटी के चंद्रा ताल झील के सतह से संग्रहित पानी के नमूने से पृथक किया गया है। जीवाणु प्रभेद आईएचबीबी 11108टी (=एमटीसीसी 12460टी =एमसीसी 2780टी =जेसीएम 31143टी =केएसीसी 19070टी) के रूप में संग्रहित है।

Psychromicrobium lacuslunae Shashi Kiran, Peter Schumann, Hans-Jürgen Busse, Cathrin Spröer, Aditi Rana, Mohinder Pal, Suresh Korpole, Rupinder Tewari, Arvind Gulati. Int. J. Sys. Evol. Microbiol. 68: 3417.

The novel psychrotolerant and alkaliphilic bacterium strain IHBB 11108T was isolated from the subsurface water of Chandra Tal Lake in the Lahaul-Spiti valley located in the Indian trans-Himalayas. The type strain is IHBB 11108T (=MTCC 12460T=MCC 2780T=JCM 31143T=KACC 19070T).

रोडोकॉकस इलेक्ट्रोडिफाइलस ई. वी. वी. रमाप्रसाद, गनेश महिधारा, च. शशिकला, च. वी. रमना, इनटल. जे. सिस्ट. इवोल. माइक्रोबायोल. 68 :2645.2018.

जीवाणु प्रभेद जेसी435टी नामक इस नवीन इलेक्ट्रॉन जनित जाति को भारत में समुद्री मूंगा से बहुप्रावस्था विधि से पृथक किया गया है। जीवाणु प्रभेद जेसी435टी (=केसीटीसी 39856टी =एलएमजी 29881टी =एमसीसी 3659टी) के रूप में संग्रहित है।

Rhodococcus electrodiphilus E.V.V. Ramaprasad, Ganesh Mahidhara, Ch. Sasikala, Ch.V. Ramana Int. J. Sys. Evol.Microbiol. 68: 2645. 2018.

This noble electrogenic bacterium was isolated from a marine coral, using a polyphasic approach designated as strain JC435T. The type strain is JC435T (=KCTC 39856T=LMG 29881T=MCC 3659T).

रुब्रोबैक्टर इंडिकोसियानी राउ-वेन चैन, के-जिन वांग, फा-जुआ वांग, यूयान-कियू हे, लि-जुआन लॉन्ग, जिन-पेंग टियान, इनटल. जे. सिस्ट. इवोल. माइक्रोबायोल. 68:3488.2018.

जीवाणु प्रभेद एससीएसआईओ 08198टी नामक इस नवीन समुद्री मध्यतापीय प्रतिजैविक जाति को भारत में हिंद महासागर के तलछट से संग्रहित गाद के नमूने से पृथक किया गया है। जीवाणु प्रभेद एससीएसआईओ 08198टी (=डीएसएम 105148टी =सीजीएमसीसी 1.16398टी) के रूप में संग्रहित है।

Rubrobacter indicoceani Rou-Wen Chen, Ke-Xin Wang, Fa-Zuo Wang, Yuan-Qiu He, Li-Juan Long, Xin-Peng Tian Int. J. Sys. Evol.Microbiol. 68: 3488.2018.

A novel mesophilic marine actinobacterial strain, designated as SCSIO 08198T, was isolated from a deep-sea sediment sample collected from the Indian Ocean. The type strain SCSIO 08198T (=DSM 105148T=CGMCC 1.16398T).

सैकेटोथ्रिक्स थारेन्सिस ए. इबेयैमा, ए. के. सिंह, रूप लाल, संजय गुप्ता, माइकल गुडफेलो, इंदिरा पी. सारेथीएंटोनी वैन लियूवेनहोयक डीओआई.ऑर्ग./ 10.1007 / एस10482-018-1106-9.2017

जीवाणु प्रभेद टीडी-093टी नामक इस नवीन एक्टिनोजीवाणु जाति को भारत में राजस्थान के मरुस्थल से संग्रहित मिट्टी के नमूने से पृथक किया गया है। जीवाणु प्रभेद टीडी-093टी (=केसीटीसी 39724टी =एमसीसी 2832टी) के रूप में संग्रहित है।

Saccharothrix tharensis A. Ibeyaima . A. K. Singh . Rup Lal . Sanjay Gupta . Michael Goodfellow . Indira P. Sarethy Antonie van Leeuwenhoek doi.org/10.1007/s10482-018-1106-9.2017.

These actinobacterial noble strain designated as TD-093 strain isolated from a desert soil of Rajasthan . The type strain is TD-093T (= KCTC 39724T= MCC 2832T).

सैलिबैक्टेरियम नाइट्रेटाइरेडुकेंस हरजोध सिंह, मनप्रीत कौर, श्वेता सिंह, सुनीता मिश्रा, शेखर कुमार, वेंकटारमना वेमुलुरी, नागा राधा श्रीनिवास तानुकु, अनिल कुमार पिन्नाका, इनटल. जे. सिस्ट. इवोल. माइक्रोबायोल. 68:3507.2018.

जीवाणु प्रभेद एसएमबी4टी नामक इस नवीन पूर्णतः वायुजीवी, हैलोएल्केन प्रतिरोधी, ग्रैम-ग्राही, अगतिशील, शलाकाकार जाति को भारत में राजस्थान के खारे पानी वाले सांभर झील से संग्रहित पानी के नमूने से पृथक किया गया है। जीवाणु प्रभेद एसएमबी4टी (=एमटीसीसी 12633टी =केसीटीसी 33876टी=जेसीएम 32187टी) के रूप में संग्रहित है।

Salibacterium nitratireducens Harjodh Sing, Manpreet Kaur, Shweta Singh, Sunita Mishra, Shekhar Kumar, Venkata Ramana Vemuluri, Naga Radha Srinivas Tanuku, Anil Kumar Pinnaka Int. J. Sys. Evol.Microbiol. 68: 3507.2018 .

A strictly aerobic, haloalkali-tolerant, gram-stain-positive, non-motile, rod-shaped bacterium, designated strain SMB4T, was isolated from a water sample collected from Sambhar salt lake, Rajasthan, India. The type strain is SMB4T (=MTCC 12633T=KCTC 33876T=JCM 32187T).

स्फिगोबैक्टेरियम बोविसग्रुन्निएंटीस मनप्रीत कौर, हरजोध सिंह, शिवानी शर्मा, सुनीता मिश्रा, नागा राधा श्रीनिवास तानुकु, अनिल कुमार पिन्नाका, इनटल. जे. सिस्ट. इवोल. माइक्रोबायोल. 68:637.2018.

जीवाणु प्रभेद वाईके2टी नामक इस नवीन ग्रैम-अग्राही, शलाकाकार, अगतिशील जाति को भारत में लेह, जम्मू और कश्मीर में याक के दूध से संग्रहित नमूने से पृथक किया गया है। जीवाणु प्रभेद वाईके2टी (=एमटीसीसी 12631टी =केसीटीसी 52685टी=जेसीएम 31951टी) के रूप में संग्रहित है।

Sphingobacterium bovisgrunniensis Manpreet Kaur, Harjodh Singh, Shivani Sharma, Sunita Mishra, Naga Radha Srinivas Tanuku, Anil Kumar Pinnaka. Int. J. Sys. Evol. Microbiol. 68: 637.2018.

This novel gram-negative, rod shaped, non-motile bacterium, designated strain YK2T, was isolated from yak milk from Leh, India. The type strain is YK2T (=MTCC 12631T=KCTC 52685T=JCM 31951T).

थालेसोहैब्डस अल्कालिटोलेरेंस विष्णुवर्धन रेड्डी सुल्तानपुरम, थिरुमाला मोथे, इनटल. जे. सिस्ट. इवोल. माइक्रोबायोल. 68:2970.2018.

जीवाणु प्रभेद जी27टी नामक इस नवीन परिवर्तनशील, शलाकाकार, अगतिशील और बीजाणु रहित जाति को भारत में धुवरन, गुजरात के आसपास से संग्रहित नमूने से पृथक किया गया है। जीवाणु प्रभेद जी27टी (=एमसीसी 3411टी =सीजीएमसीसी 1.15772टी =केसीटीसी 33941टी) के रूप में संग्रहित है।

Thalassorhabdus alkalitolerans Vishnuvardhan Reddy Sultanpuram, Thirumala Mothe Int. J. Sys. Evol. Microbiol. 68: 2970.2018.

This novel Gram-stain-variable, rod-shaped, non-motile and non-endospore-forming bacterium (strain G27T) was isolated from near Dhuvaran, Gujarat, India. The type strain is G27T (=MCC 3411T=CGMCC 1.15772T=KCTC 33941T).

थाय्यूरा प्रोपियोनिका दीपिका पाल, अयंका भारद्वाज, सरबजीत कौर सुडान, नवजोत कौर, मुनेश कुमारी, भावना बिष्ट, भावना व्यास, श्रीनिवासन कृष्णमूर्ति, शंमुगम मयिलराज, इनटल. जे. सिस्ट. इवोल. माइक्रोबायोल. 68:342.2018.

जीवाणु प्रभेद केएनडीएसएस दृएमएसी4टी नामक इस नवीन ग्रैम-अग्राही, गतिशील तथा छोटी शलाकाकृति वाली जाति को कानपुर, उत्तर प्रदेश, भारत में गंगा नदी के प्रवाह से संग्रहित गाद के नमूने से पृथक किया गया है। जीवाणु प्रभेद केएनडीएसएस दृएमएसी4टी (=केसीटीसी 52820टी=वीटीसीसी-बी- 910017टी) के रूप में संग्रहित है।

Thauera propionica Deepika Pal, Ayanka Bhardwaj, Sarabjeet Kour Sudan, Navjot Kaur, Munesh Kumari, Bhawana Bisht, Bhawana Vyas, Srinivasan Krishnamurthi, Shanmugam Mayilraj Int. J. Sys. Evol. Microbiol. 68: 342. 2018.

A gram-stain-negative, non-endospore-producing, short-rod strain, KNDSS-Mac4T, was isolated from a downstream sediment sample of the river Ganges, Kanpur, India. The type strain is KNDSS-Mac4T (=KCTC 52820T=VTCC-B-910017T).

वनस्पति अन्वेषण में प्रयुक्त पादपालयों के संक्षिप्त नामों की व्याख्या/Acronym of Herbaria used in Plant Discoveries

AILS	पादपालय, वनस्पति विज्ञान विभाग, अभिलाषी जीव विज्ञान संस्थान, मंडी, हिमाचल प्रदेश	Department of Botany, Abhilashi Institute of Life Sciences, Mandi, Himachal Pradesh
AMH	अगरकर मायकोलॉजिकल हरबेरियम, पुणे महाराष्ट्र	Agharkar Mycological Herbarium, Pune, Maharashtra
ARUN*	पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, अरुणाचल प्रदेश क्षेत्रीय केंद्र, ईटानगर, अरुणाचल प्रदेश	Herbarium, Botanical Survey of India, Arunachal Pradesh Regional Centre, Itanagar, Arunachal Pradesh
AL	पादपालय, एल्गेयर विश्वविद्यालय, एल्गेरिया	Herbarium, University of Algiers, Algeria
ASSAM*	भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, पूर्वी क्षेत्रीय केंद्र शिलांग, मेघालय	Botanical Survey of India, Eastern Regional Centre, Shillong, Meghalaya
AUMH	पादपालय, अभिलाषी विश्वविद्यालय, मंडी, हिमाचल प्रदेश	Herbarium, Abhilashi University, Mandi, Himachal Pradesh
AUH	पादपालय, वनस्पति विज्ञान विभाग, आंध्र विश्वविद्यालय, विशाखापट्टनम, आंध्र प्रदेश	Department of Botany, Andhra University, Visakhapatnam, Andhra Pradesh
AURO	शक्ति नर्सरी एवं पादपालय, औरोवेल्ली	Shakti Nursery and Herbarium, Auroville
B	पादपालय, वनस्पति उद्यान एवं म्यूजियम, बर्लिन-डाहलम, फ्रेन विश्वविद्यालय, बर्लिन, जर्मनी	Herbarium, Botany Garden and Museum, Berlin-Dahlem, Freien University, Berlin, Germany
BAMU	पादपालय, डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर मराठवाड़ा विश्वविद्यालय, औरंगाबाद, महाराष्ट्र	Dr. Babasaheb Ambedkar Marathwada University herbarium, Aurangabad, Maharashtra
BLAT	ब्लॉटर पादपालय, वनस्पति विज्ञान विभाग, सेंट जेवियर कॉलेज, मुम्बई, महाराष्ट्र	Blatter Herbarium, Botany Department, St. Xavier's College, Mumbai, Maharashtra
BM	पादपालय, ब्रिटिश संग्रहालय, लंदन, यू.के.	British Museum and Herbarium, London, UK
BF	पादपालय, वर्षा वन अनुसंधान संस्थान, जोरहाट, असम	Herbarium, Rain Forest Research Institute, Jorhat, Assam
BRIT	पादपालय, टेक्सास वनस्पति अनुसंधान संस्थान, टेक्सास	Herbarium, Botanical Research Institute of Texas
BSA*	पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, मध्य क्षेत्रीय केंद्र, इलाहाबाद	Herbarium of Botanical Survey of India, Central Regional Centre, Allahabad
BSD*	पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, उत्तरी क्षेत्रीय केंद्र, देहरादून, उत्तराखण्ड	Herbarium of Botanical Survey of India, Northern Regional Centre, Dehradun, Uttarakhand
BSHC*	पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, सिक्किम हिमालयन क्षेत्रीय केंद्र, गंगतोक, सिक्किम	Herbarium of Botanical Survey of India, Sikkim Himalayan Regional Centre, Gangtok
BSI*	भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, पश्चिमी क्षेत्रीय केंद्र, पुणे (बीएसआई)	Herbarium of Botanical Survey of India, Western Regional Centre, Pune
BSID*	पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, दक्कन क्षेत्रीय केंद्र, हैदराबाद, तेलंगाना	Herbarium of Botanical Survey of India, Deccan Regional Centre, Hyderabad, Telangana
BSJO*	पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, शुष्क क्षेत्रीय केंद्र, जोधपुर, राजस्थान	Herbarium, Botanical Survey of India, Arid Zone Regional Center, Jodhpur, Rajasthan
BUH	पादपालय वनस्पति विज्ञान विभाग, भरतियार विश्वविद्यालय, कोयम्बटूर, तमिलनाडु	Herbarium Department of Botany, Bharathiar University, Coimbatore, Tamil Nadu
BURD	पादपालय, वनस्पति विज्ञान विभाग, वर्द्धमान विश्वविद्यालय, वर्द्धमान पश्चिम बंगाल	Herbarium, Department of Botany, Burdwan University, Burdwan WB
CAL*	केन्द्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा, पश्चिम बंगाल	Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah, West Bengal
CALI	कालीकट विश्वविद्यालय, मल्लापूरम, केरल	Herbarium, Department of Botany, Calicut University, Malappuram, Kerala

CANA	अनुसंधान एवं संग्रहण अनुभाग, कनेडियन म्यूजियम ऑफ नेचर, ओटावा, ओन्टारियो, कनाडा	Research and Collections Division, Canadian Museum of Nature, Ottawa, Ontario, Canada
CATH	चार्ल्स ए. टेलर पादपालय, साउथ डाकोटा स्टेट विश्वविद्यालय, संयुक्त राज्य अमेरिका	Charles A. Taylor Herbarium, South Dakota State University, USA
CMPR	पादपालय, सेन्टर फॉर मेडिसिनल प्लांट रिसर्च, केरल	Centre for Medicinal Plant Research, Kerala
CMS	पादपालय, क्रिश्चियन मिशनरी सोसायटी कॉलेज, कोट्टायम, केरल	Christian Missionary Society College, Kottayam, Kerala
COGCEHR	पादपालय, सेन्टर फॉर आर्किड जीन कन्जरवेशन फॉर इस्टर्न हिमालयन रिजन, हेंगबुग, मणिपुर	Herbarium of Centre for Orchid Gene Conservation for Eastern Himalayan Region, Hengbung, Manipur
COLO	पादपालय, कोलोराडो विश्वविद्यालय, संयुक्त राज्य अमेरिका	Herbarium of University of Colorado, USA
CUH	पादपालय वनस्पति विज्ञान विभाग, कलकत्ता विश्वविद्यालय, कोलकाता पश्चिम बंगाल	Herbarium, Botany Department, Calcutta University, Kolkata, West Bengal
DD*	पादपालय, वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून, उत्तराखंड	Forest Research Institute(FRI) Dehradun, Uttarakhand
DUH	पादपालय, वनस्पति विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली।	Herbarium, Dept. of Botany, Delhi University
E	पादपालय, रॉयल वनस्पति उद्यान, इडनबर्ग, स्कॉटलैंड	Herbarium of Royal botanical Garden, Edinburgh, Scotland
ERRCH	पादपालय, पर्यावरण संसाधन अनुसंधान संस्थान, तिरुवनंतपुरम, केरल	Herbarium, Environment Resource Research Centre, Thiruvananthapuram, Kerala
FRLH	पादपालय, फाउन्डेशन ऑफ रिविटालाइजेशन ऑफ लोकल हेल्थ ट्रेडिशन, बंगलुरु, कर्नाटक	Herbarium of Foundation of Revitalisation of Local Health Tradition, Bengaluru, Karnataka
G	पादपालय,कन्जरवेटोरे एट जार्डिन बोटेनिक डे ला वेल्ली डे जेनेवे, जेनेवा	Herbarium Conservatoire et Jardin botaniques de la Ville de Genève
GENT	पादपालय वनस्पति विज्ञान विभाग, गेंट विश्वविद्यालय, बेल्जियम	Department of Biology, Gent University, Gent, Belgium
GUBH	पादपालय, गोवाहाटी विश्वविद्यालय, गोवाहाटी, असम	Herbarium, Gauhati University, Guwahati, Assam
GUH	पादपालय, वनस्पति विज्ञान विभाग, हे.न.ब.गढ़वाल विश्वविद्यालय, श्रीनगर गढ़वाल उत्तराखंड	Herbarium, H.N.B. Garhwal University, Srinagar Garhwal, Uttarakhand
GUMH	मशरूम पादपालय, गोवा विश्वविद्यालय, गोवा	Mushroom Herbarium, Goa University, Goa
H	वनस्पति संग्रहालय, फिनिश म्यूजियम ऑफ नेचुरल हिस्ट्री, फिनलैंड	Finnish Museum of Natural History, Botanical Museum, Finland
HBJU	पादपालय, वनस्पति विज्ञान विभाग, जम्मू विश्वविद्यालय, जम्मू	Department of Botany, University of Jammu, Jammu
HCIO*	पादपालय, भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, क्रिप्टोगैमी इंडियाई ओरियंटलिस, नई दिल्ली	Herbarium of Indian Agriculture Research Institute, Cryptogamae Indiae Orientalis, New Delhi
HIFP	पादपालय, फ्रेंच संस्थान पांडेचेरी	Herbarium. French Institute of Pondicherry, Pondicherry
HUH	पादपालय, हार्वर्ड विश्वविद्यालय, कैम्ब्रिज यू.एस.ए	Harvard University Herbaria, Cambridge, USA
IBSD	पादपालय, जैवसंसाधन एवं सतत विकास संस्थान, इंपाल, मणिपुर	Institute of Bioresources and Sustainable Development, Takypat, Imphal, Manipur
IBUG	पादपालय, द ग्वाडालाजारा विश्वविद्यालय, मैक्सिको	Herbarium, The University of Guadalajara, Mexico
IPUH	पादपालय, गुरु गोविन्द सिंह इन्द्रप्रस्थ विश्वविद्यालयए द्वारका, दिल्ली	Herbarium, Guru Govind Singh, Indraprastha University, Dwaraka Delhi
JCH	जनेत कोश पादपालय, वोल्लोगोना विश्वविद्यालय, आस्ट्रेलिया	Janet Cosh Herbarium, University of Wollongong, Australia

JCB	पादपालय, भारतीय विज्ञान संस्थान, बेंगलुरु	Herbarium, Indian Institute of Sciences, Bangaluru, Karnataka
JE	पादपालय, हाउस्सकनेक्ट, जेना	Herbarium Haussknecht, Jena
JUH	पादपालय, वनस्पति विज्ञान विभाग, जम्मू विश्वविद्यालय, जम्मू एवं कश्मीर	Herbarium, Dept. of Botany, Jammu University, Jammu & Kashmir
K	रॉयल वानस्पतिक उद्यान, क्यू, यू.के.	Herbarium of Royal Botanic Garden, Kew, U.k.
KASH	पादपालय, वनस्पति विज्ञान विभाग, कश्मीर विश्वविद्यालय, जम्मू एवं कश्मीर	Herbarium, Botany Department, Kashmir University, Jammu & Kashmir
KATH	नेशनल हरबेरियम एंड प्लांट लैबोरेटोरिज, काठमांडू, नेपाल	National Herbarium & Plant Laboratories, Kathmandu
KFRI	केरल वन अनुसंधान संस्थान, पीची (केएफआरआई),	Herbarium of Kerala Forest Research Institute, Peechi
KUBH	पादपालय, केरल विश्वविद्यालय, तिरुवनंतपुरम, केरल	Herbarium, University of Kerala, Thiruvananthapuram, Kerala
LWG*	पादपालय, राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ	Herbarium of National Botanical Research Institute, Lucknow
LWU	लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ, उत्तर प्रदेश	Herbarium of Botany Dept., University of Lucknow, Uttar Pradesh
MBGS	पादपालय, मालाबार वानस्पतिक उद्यान, कोझीकोडे, केरल	Herbarium, Malabar Botanical Garden, Kozhikode, Kerala
MEL	नेशनल हरबेरियम ऑफ विक्टोरिया, रॉयल वनस्पति उद्यान, मेलबर्न, आस्ट्रेलिया	National Herbarium of Victoria, Royal Botanic Gardens Melbourne, Australia
MH*	भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, दक्षिणी क्षेत्रीय केंद्र, कोयम्बटूर, तमिलनाडु	Botanical Survey of India, Southern Regional Centre, Coimbatore, Tamil Nadu
MICH	पादपालय, मिचिगन विश्वविद्यालय, संयुक्त राज्य अमेरिका	Herbarium, Michigan University, USA
MO	मिस्सोरी वानस्पतिक उद्यान, सेंट. लुईस, मिस्सोरी, यू.एस.ए.	Missouri Botanical Garden Herbarium, St. Louis, Missouri, USA
MSSRF	पादपालय, एम एस स्वामीनाथन रिसर्च फाउन्डेशन, पुथूरवयल	Herbarium, M. S. Swaminathan Research Foundation, Puthurvayal
MTCHT	पादपालय, वनस्पति विज्ञान विभाग, मार थोमा कॉलेज, तिरुवाला, केरल	Herbarium, Department of Botany, Mar Thoma College, Thiruvalla
MUBL	पादपालय, वनस्पति विज्ञान विभाग, मद्रास विश्वविद्यालय, चेन्नई	Herbarium, Dept. of Botany, Madras University, Chennai
NBU	पादपालय, नार्थ बंगाल विश्वविद्यालय, सिलिगुड़ी पश्चिम बंगाल	Herbarium, Department of Botany, North Bengal University, Siliguri West Bengal
NFCCI	नेशनल फंगल कल्चर कलेक्शन ऑफ इंडिया, अगरकर अनुसंधान संस्थान, पुणे	National Fungal Culture Collection of India, Agharkar Research Institute, Pune
NGPGR	नैरोजी गोदरेज पादप अनुसंधान केंद्र, सिरवाल, सतारा, महाराष्ट्र	Naoroji Godrej Centre for Plant Research, Shirwal, Satara, Maharashtra
NWU	नार्थ-वेस्ट विश्वविद्यालय, पोस्चेफस्ट्रोम, दक्षिणी अफ्रिका	North-West University, Potchefstroom, South Africa
PAN	पादपालय, वनस्पति विज्ञान विभाग, चंडीगढ़ विश्वविद्यालय, चंडीगढ़, पंजाब	Department of Botany, Panjab University, Chandigarh, Punjab
PBL*	पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, अंडमान एवं निकोबार क्षेत्रीय केंद्र, पोर्टब्लेयर	Herbarium, Botanical Survey of India, Andaman & Nicobar Regional Centre, Portblair
PC	पादपालय, नेशनल म्यूजियम ऑफ नेचुरल हिस्ट्री, फ्रांस	Herbarium of National Museum of Natural History, France
PH	प्राकृतिक विज्ञान अकादमी, फिलाडेल्फिया, संयुक्त राज्य अमेरिका	Academy of Natural Sciences, Philadelphia, USA
PUN	पादपालय, पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला पंजाब	Punjabi University Herbarium, Patiala, Punjab

RET	अमेनितारम रुसेवेल्टेंसिस पादपालय, न्यू जर्सी	Herbarium Amanitarum Rooseveltensis, New Jersey, USA
RFRI*	पादपालय, वर्षा वन अनुसंधान संस्थान, जोरहाट, असम	Herbarium of Rain Forest Research Institute, Jorhat, Assam
RHT	रापिनाट पादपालय एवं सेन्टर फॉर मोलीक्यूलर सिस्टेमैटिक्स, तिरुचिरापल्ली (आरएचटी)	Rapinat Herbarium and Centre for Molecular Systematics, Tiruchirappalli
RRLH	जानकी अम्मल पादपालय, भारतीय इंटीग्रेटिव मेडिसिन संस्थान, जम्मू तवी, जम्मू एवं कश्मीर	Janaki Ammal Herbarium, Indian Institute of Integrative Medicine, Jammu-Tawai, Jammu & Kashmir
S	स्वीडन म्यूजियम ऑफ नेचुरल हिस्ट्री, स्वीडन	Swedish Museum of Natural History, Sweden
SCCN	पादपालय, स्कॉट क्रिश्चियन कॉलेज, नागरकोइल	Herbarium of Scott Christian College, Nagercoil, Kerala
SESH	पादपालय, स्कूल ऑफ इन्वायरमेंटल साइंसेज, महात्मा गांधी विश्वविद्यालय, कोट्टायम केरल	Herbarium, School of Environmental Sciences, Mahatma Gandhi University, Kottayam, Kerala
SING	पादपालय सिंगापुर वानस्पति उद्यान, सिंगापुर	Herbarium of Singapore Botanic Garden, Singapore
SKU	पादपालय श्री कृष्णा कॉलेज, गुरुवयुर, केरल	Herbarium of Srikrishna Collegem Guruvayur, Kerala
SNMH	श्री नारायण कॉलेज पादपालय, कोल्लम, केरल	Sree Narayana College Herbarium, Kollam, Kerala
SUK	शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर, महाराष्ट्र	Shivaji University, Kolhapur, Maharashtra
T	जॉन टी. वॉटरहाउस पादपालय, न्यू साउथ वेल्स विश्वविद्यालय, सिडनी, आस्ट्रेलिया	John T. Waterhouse Herbarium, University of New South Wales, Sydney, Australia
TAIF	पादपालय, ताईवान वन अनुसंधान संस्थान, ताईवान	Herbarium of Taiwan Forestry Research Institute, Taiwan
TBGT	ट्रॉपिकल वानस्पतिक उद्यान एवं अनुसंधान संस्थान, तिरुवनंतपुरम, केरल	Jawaharlal Nehru Tropical Botanic Garden and Research Institute Herbarium, Thiruvananthapuram
THIM	राष्ट्रीय पादपालय, राष्ट्रीय जैवविविधता केंद्र, भूटान	National Herbarium, National Biodiversity Centre, Bhutan
TOSEHIM	रिजिनल आर्किड जर्मप्लाज्म कनजर्वेशन एंड प्रोपेगेशन सेंटर, तिनसुकिया, असम	Regional Orchids Germplasm Conservation & Propagation Centre, Tinsukia, Assam
TUH	पादपालय, तेजपुर विश्वविद्यालय, नपाम, सोनितपुर, असम	Tezpur University, Napaam, Sonitpur, Assam
UASB	पादपालय, कृषि विज्ञान विश्वविद्यालय, बैंगलुरु कर्नाटक	Herbarium, University of Agricultural Sciences, Bengaluru, Karnataka
VKPO	पादपालय, वनस्पति विज्ञान विभाग, वाधिरे कॉलेज, सास्वद, ताल पुरंदर, महाराष्ट्र	Herbarium of Department of Botany, Waghire College, Saswad, Tal-Purandar, Maharashtra
W	पादपालय, वियाना म्यूजियम ऑफ नेचुरल हिस्ट्री, आस्ट्रिया	Herbarium of Vienna Museum of Natural History, Austria
Z	पादपालय, जूरिच विश्वविद्यालय, स्वीजरलैंड	Herbarium of University of Zurich, Switzerland
ZGC	पादपालय, जेमोरिन गुरुवायूनप्पन कॉलेज, केरल	Herbarium, Zamorin's Guruvayurappan College, Kerala

* These are designated as National Repositories vide order no.26-15/2007-CSC, dated 28 Aug 2008 by Ministry of Environment, Forest and Climate Change, Govt. of India.

अनुक्रमणिका

एब्रोथेलस माइक्रोस्पर्मस ट्यूल.	111
एब्रोथेलस वेल्विट्सचियाई मोंट	111
एबुटिलोन पर्सिकम प्रभेद नरासिमहन देवनाथ.	35
एकेशिया निलोटिका उपजाति क्रोउसियाना (बेंथ.) ब्रेनान	47
एसिडोवोरैक्स कलामियाई दीपिका पाल एवं अन्य	143
एक्रोलेज्यूनिया सेक्यूटीफोलिया (एन्डल.) वाट्स एक्स स्टेफ.	64
एक्टिनोडोंटियम एडस्केंडेंस स्वैगर.	60
एगोरिक्स एंड्र्यूवियाई फ्रीमन ए. ई. एच.	112
एगोरिक्स ब्लेजेई मुरील डबल्यू. ए.	112
एगोरिक्स बोलोराइडस बर्क. व ब्लूम	112
एगोरिक्स कैलिफोर्निकस पेक	112
एगोरिक्स डूग्लोसिंग्यूलाट्वाइडिस तरफदार एवं अन्य	90
एगोरिक्स फुस्कोवेलेटस केरिगन आर. डबल्यू.	113
एगोरिक्स मेलियोग्रिस प्रभेद ऑक्सक्यूटेस (मायरे) हेइनम	140
एगोरिक्स पार्विटीग्राइनस ग्यूनब. एवं कैलेक	113
एगोरिक्स पोस्फायरोसिफैलस एफ. एच. मोलर	113
एगोरिक्स रुब्रिब्रुनेसेंस मुरील, डबल्यू. ए.	114
एगोरिक्स सिल्वेटिकस प्रभेद पैलिडस (एफ. एच. मोलर) एफ. एच. मोलर	140
एगोरिक्स सुबरुटिलेसेंस (कोफमैन) होस्टन व स्टूटज	114
एग्लाओनिमा निबूलोसम एन. ई. ब्रे.	38
एग्लाओनेमा तस्साई एच. ताग एवं ए. नांगकर	3
अमानिता अर्जेटियोएल्बा महमूद एवं अन्य	90
अमानिता डाकुरियाना महमूद एवं अन्य	90
अमानिता ग्राइसेयोवेरुकोसा झू एल. यांग	114
अमानिता स्पाइशेसिया एस. इमाई	115
अमानिता टुल्लोशियाना महमूद एवं अन्य	91
अमानिता वर्जिनियोइडस बेस	115
अमोमम निमकिएन्से एम. साबू एवं अन्य	3
अमोमम रिवातचाई एम. साबू एवं हरीश	4
एनस्ट्रोफायलम लिनिकोला स्वील. एवं डी. जी. लॉन्ग	60
एनिसोचिलस कन्याकुमाररीऐंसीस शिनोज एवं सुनोज	4
एरिसेमा एनाटिनम ब्रूग	5
एरिस्टोलोचिया मैक्सिमा जैक.	39
आर्थोनिया एकिनीफॉर्मिस स्टिअर्ट.	69
आर्थोनिया निगरादुला (मूल. अर्ग.) आर. संत.	69
आर्थिनियम रसिकरवींद्राई एस. एम. सिंह एवं अन्य	115
एस्कोबोलस गोमायाप्रिया एम. निरंजन व वी. वी. शर्मा	91
एस्ट्रोथेलियम इंटरजेक्टम आर. सी. हैरिस	69
ऑरियोबेसिडियम खासियानम प्रतिभा एवं प्रभुग	91
बासिडिया किल्लियासियाई (हेप्प) डी. हौकशॉ.	116
बैसिलस अल्काइलिलेसस हरजोध सिंह एवं अन्य	143
बैसिलस लैकस हरजोध सिंह एवं अन्य	144
बैसिलस शिवाजियाई शेखर कुमार एवं अन्य	144
बेगोनिया डम्पाई ओड्यूओ एवं अन्य	5

Index

<i>Abrothallus microspermus</i> Tul.	111
<i>Abrothallus welwitschii</i> Mont.	111
<i>Abutilon persicum</i> var. <i>narasimhanii</i> Devanath.	35
<i>Acasia nilotica</i> subsp. <i>kraussiana</i> (Benth.) Brenan	47
<i>Acidovorax kalamii</i> Deepika Pal & al.	143
<i>Acrolejeunea securifolia</i> (Endl.) Watts. ex Steph.	64
<i>Actinodontium adscendens</i> Schwägr.	60
<i>Agaricus andrewii</i> Freeman A.E.H.	112
<i>Agaricus blazei</i> Murrill W.A.	112
<i>Agaricus bolorizhus</i> Berk. & Broome	112
<i>Agaricus californicus</i> Peck	112
<i>Agaricus duplocingulatoideus</i> Tarafder & al.	90
<i>Agaricus fuscovelatus</i> Kerrigan R.W.	113
<i>Agaricus meleagris</i> var. <i>obscuratus</i> (Maire) Heinem	140
<i>Agaricus parvitigrinus</i> Guinb. & Callac	113
<i>Agaricus porphyrocephalus</i> F.H.Møller	113
<i>Agaricus rubribrunnescens</i> Murrill, W.A.	114
<i>Agaricus silvaticus</i> var. <i>pallidus</i> (F.H. Møller) F.H. Møller	140
<i>Agaricus subrutilescens</i> (Kauffman) Hotson & Stuntz	114
<i>Aglaonema nebulosum</i> N.E. Br	38
<i>Aglaonema tassai</i> H.Tag & A.Nangkar	3
<i>Amanita argenteoalba</i> Mehmood & al.	90
<i>Amanita dhakuriana</i> Mehmood & al.	90
<i>Amanita griseoverrucosa</i> Zhu L. Yang.	114
<i>Amanita spissacea</i> S. Imai	115
<i>Amanita tullossiana</i> Mehmood & al.	91
<i>Amanita virgineoides</i> Bas	115
<i>Amomum nimkeyense</i> M.Sabu & al.	3
<i>Amomum riwatchii</i> M.Sabu & Hareesh	4
<i>Anastrophyllum lignicola</i> Schill & D.G.Long	60
<i>Anisochilus kanyakumariensis</i> Shinoj & Sunojk	4
<i>Arisaema anatinum</i> Brugg	5
<i>Aristolochia maxima</i> Jacq.	39
<i>Arthonia aciniformis</i> Stirt.	69
<i>Arthonia nigratula</i> (Müll. Arg.) R. Sant.	69
<i>Arthrinium rasikravindrae</i> S.M. Singh & al.	115
<i>Ascobolus gomayapriya</i> M. Niranjana & V.V. Sarma	91
<i>Astrothelium interjectum</i> R.C. Harris	69
<i>Aureobasidium khasianum</i> Pratibha & Prabhug.,	91
<i>Bacidia killiasii</i> (Hepp) D.Hawksw.	116
<i>Bacillus alkailacus</i> Harjodh Singh & al.	143
<i>Bacillus lacus</i> Harjodh Singh	144
<i>Bacillus shivajii</i> Shekhar Kumar & al.	144
<i>Begonia dampae</i> Odyuo & al.	5

बेगोनिया डाईफोरमिस (इरमिश्च.) डब्ल्यू. सी. लियोग, सी. आई. पेंग एवं के. एफ. चुंग	39	Begonia difformis (Irmsch.) W.C.Leong, C.I Peng & K. F. Chung	39
बेगोनिया हेनडेलाई इरमिश्च.	39	Begonia handelii Irmsch.	39
बेगोनिया कोल्जाई आर. कैमफिल्ड	5	Begonia koelzii R. Camfield	5
बेगोनिया लैब्रोडेई एच. लेव.	39	Begonia labordei H.Lév.	39
बेगोनिया नागा निखिल एवं प्रदीप	6	Begonia naga Nikhil & Pradeep	6
ब्लास्टोबोट्रिस बॉम्बिसिस डेलिसिया एविला बैरेटो	144	Blastobotrys bombycis Delicia Avilla Barretto	144
बोइका क्लार्की हरीश एवं अन्य	6	Boeica clarkei Hareesh & al.	6
बोलिटेलस शोराई ए. परिहार एवं अन्य	92	Boletellus shoreae A. Parihar & al.	92
बोट्रियोबैम्बूसा एपिक्यूलिफॉर्मिस्पोरा एम. निरंजन व वी. वी. शर्मा	92	Botryobambusa apiculiformispora M. Niranjana & V.V. Sarma	92
ब्राचिस्टीलमा अनंतपुरामेन्से के. प्रसाद एवं अन्य	6	Brachystelma ananthapuramense K. Prasad & al.	6
ब्राचिस्टीलमा वेमानाई ए. मधुसूदन रेड्डी एवं अन्य	7	Brachystelma vemanae A. Madhusudhana Reddy & al.	7
ब्रूनेइएपियोस्पारा एपेंडिकुलाटा एम. निरंजन व वी. वी. शर्मा	92	Brunneiapiospora appendiculata M. Niranjana & V.V. Sarma,	92
ब्यूल्लीऐल्ला इनांस (ट्राइवेल व रैमबोल्ड) हैफेलनर	116	Buelliella inops (Triebe & Rambold) Hafellner	116
ब्यूल्लीऐल्ला फाइसीकोला पोएल्ट हैफेलनर	116	Buelliella physciicola Poelt & Hafellner	116
बुल्बोकिटा थांगुचेंसिस एम. मंडल एवं डी. मैती	83	Bulbochaete thanguensis M. Mandal & D. Maity	83
कैंडिडेटस मिथाइलोकुकुमिस ओरेजाई प्रनिथा एस. पंडित एवं अन्य	144	Candidatus Methylococum oryzae Pranitha S. Pandit & al.	144
कैंडिडेटस मिथाइलोकुकुमिस प्रनिथा एस. पंडित एवं अन्य	143	Candidatus Methylococum Pranitha S. Pandit & al.	143
कैन्सकोरा श्रीरंगीयाना काम्बले एवं अन्य	7	Canscora shrirangiana Kambale & al.	7
कैंथरेलस वैजिनेटस एस. सी. शाव, एक्स. एफ. टियान व पी. जी. लियू	117	Cantharellus vaginatus S.C. Shao, X.F. Tian & P.G. Liu	117
कार्बोनिया सुपरस्पार्सा (नाइल.) हर्टल	117	Carbonea supersparsa (Nyl.) Hertel	117
सर्कीडोस्पोरा इपिकाफिनिया (नाइल.) गुबे व हैफेलनर	117	Cercidospora epicarphinea (Nyl.) Grube & Hafellner	117
सिरोपिजिया मिजोरामेंसिस राम. कुमार एवं एस. शर्मा	7	Ceropegia mizoramensis Ram. Kumar & S. Sharma	7
सिरोपिजिया मुट्लेंसिस राम. कुमार एवं एस. शर्मा	8	Ceropegia murlensis Ram. Kumar & S. Sharma	8
कारा मस्कोसा जे. यूक्स एवं बोल्ड.	84	Chara muscosa J.Groves & Boll	84
किरोस्टाईलिस ताबियाहेनेंसिस (हायाता) एन. पारसी एवं पी. जे. क्रिब	40	Cheirostylis tabiyahanensis (Hayata) N. Pearce & P. J. Cribb	40
क्राइसियोबैक्टेरियम ग्लेसिएई मोहिंदर पाल एवं अन्य	145	Chryseobacterium glaciei Mohinder Pal & al.	145
क्राइसियोबैक्टेरियम सैलिपैलुडिस बी. दिव्यश्री	145	Chryseobacterium salipaludis B. Divyasree & al.	145
क्राइसियोमाइक्रोबाइयम एक्सक्रेमेंटी तिलक साहा	145	Chryseomicrobium excrementi Tilak Saha	145
सिलियोफ्लिया मैक्रोस्पोरा एम. निरंजन व वी. वी. शर्मा	92	Cilioplea macrospora M. Niranjana & V.V. Sarma	92
सिन्नामोम ओवालफोलियम वाइट	40	Cinnamomum ovalifolium Wight	40
क्लैवुलिसियम वेनोसम (बर्क. व रैवेनेल) गिंस	118	Clavulicium venosum (Berk.& Ravenel) Ginns	118
क्लीटोसायबुला एल्बिडा ए. के. दत्ता एवं अन्य	93	Clitocybula albida A. K. Dutta & al.	93
क्लीटोपाइलस एल्बिडस के. एन. ए. राज एवं मणिम.	93	Clitopilus albidus K. N. A. Raj & Manim.	93
क्लोनोस्टैकिस इंडिकस इंदू भूषण प्रशार एवं राधा चौहान	93	Clonostachys indicus Indu Bhushan Prasher & Radha Chauhan,	93
क्लाइपियोकोकम ग्रोशम (कोर्ब.) डी. हॉकशॉ	118	Clypeococcum grossum (Körb.) D. Hawksw.	118
कोइनोगोनियम डिस्सीफॉर्मी पापोंग, बून्ब्रागोब एवं लुकिंग	69	Coenogonium disciforme Papong, Boonbragob & Lücking	69
कोलोलोज्यूनिया खवानग्लुंगेंसिस सुशील के. सिंह	57	Cololejeunea khawanglungensis Sushil K. Singh	57
कोलोलोज्यूनिया मणिमालिया मंजू, चांदनी एवं राजेश	57	Cololejeunea manilalia Manju, Chandini & Rajesh,	57
कोलोलोज्यूनिया मूर्लेनसिस सुशील के. सिंह	58	Cololejeunea murlensis Sushil K. Singh	58
कोल्ट्रिसिया फोसिकोला (बर्क. व एम. ए. कर्टिस) मुरील	118	Coltricia focicola (Berk.&M.A. Curtis) Murrill	118
कोल्ट्रिसिएला डिपेंडेंस (बर्क. व एम. ए. कर्टिस) मुरील	119	Coltriciella dependens (Berk. & M.A. Curtis) Murrill	119
कॉलूरा कैलिप्ट्रीफोलिया (हुक.) डुमोर्ट.	61	Colura calyptrifolia (Hook.) Dumort.	61
कोम्मिलिना इंबरबिस हर्नब. एक्स हास्सक	40	Commelina imberbis Ehrenb. ex Hassk	40
कोम्मिलिना रूपेस्ट्रीस नंदीकर एवं गुरव	8	Commelina rupestris Nandikar & Gurav	8
कोरिनेबैक्टेरियम गोदावरियानम कुणाल जानी एवं अन्य	145	Corynebacterium godavarianum Kunal Jani & al.	145
कोरिनेस्पोरा क्रिप्टोस्टेगी ठाकुर आरएस एवं अन्य	94	Corynespora cryptostegiae Thakur RS & al.	94

क्रैटेरेलस एल्बोस्ट्रिगोसस सी. के. प्रदीप व के. बी वृंदा	94	Craterellus albostrigosus C. K. Pradeep & K.B. Vrinda,	94
क्रैटेरेलस इनुसिटेटस सी. के. प्रदीप व के. बी वृंदा,	94	Craterellus inusitatus C.K. Pradeep & K.B. Vrinda,	94
क्रोपिडोटस इंडिकस ए. एम. कुमार व सी. के. प्रदीप,	95	Crepidotus indicus A.M. Kumar & C.K. Pradeep,	95
क्रोपिडोटस पैलोडेंसिस सी. के. प्रदीप एवं ए. एम. कुमार	95	Crepidotus palodensis C.K. Pradeep & A.M. Kumar	95
क्रोपिडोटस वॉल्यूबिलिस सी. के. प्रदीप एवं ए. एम. कुमार	95	Crepidotus volubilis C.K. Pradeep & A.M. Kumar	95
क्रोटालेरिया लेंसियोलाटा ई मे.	41	Crotalaria lanceolata E. Mey	41
क्रोटेलारिया मल्टिब्रैक्टेटा एस. ए. राथर एवं ए. के. पांडे	8	Crotalaria multibracteata S.A. Rather & A.K. Pandey	8
क्रोटेलारिया नल्लामलयाना रासिंगम एवं जे. स्वामी	9	Crotalaria nallamalayana Rasingam & J. Swamy	9
क्रोटेलेरिया सफ्रूटिकोसा एस. सुब्रह्मनियमएवं ए. के. पांडे	9	Crotalaria suffruticosa S. Subramaniam & A.K. Pandey	9
क्राउसोब्रोनिआ लॉन्गिस्पोरा शैम. कुमार एवं अन्य	96	Crousobrauniella longispora Sham. Kumar & al.	96
क्राउसोब्रोनिआल्ला शैम. कुमार एवं अन्य	89	Crousobrauniella Sham. Kumar & al.	89
क्रिप्टैस्कोमा शोडसबीजी एम. निरंजन व वी. वी. शर्मा	96	Cryptascoma shodasabeejae M. Niranjana and V.V. Sarma	96
क्रिप्टोमेरसमियस एक्सस्टोइडस (देसजर्दीन व ई. होराका) टी. एस. जेकिंसन व देसजर्दीन	119	Cryptomarasmius exustoides (Desjardin & E. Horak) T.S. Jenkinson & Desjardin	119
क्रिप्टोथेसिया एट्रोपुंकटाटा जी.थोर	70	Cryptothecia atropunctata G. Thor	70
क्रिप्टोथेसिया एक्सिलिस जी.थोर	70	Cryptothecia exilis G. Thor	70
क्रिप्टोथेसिया ओडिशेंसिस आर. बाजपेई एवं अन्य	96	Cryptothecia odishensis R. Bajpai & al.	96
क्रिप्टोथेसिया ओडिशेंसिस आर.बाजपेयी एवं अन्य	67	Cryptothecia odishensis R. Bajpai & al.	67
क्रूसिलिगो जर्नाथनामाई आर. डी. गौर एवं अन्य	9	Curculigo janarthanamii R.D.Gore & al.	9
कर्वुलेरिया मार्टिनियाईकोला शैम. कुमार व राघव सिंह	96	Curvularia martyniicola Sham. Kumar & Raghv. Singh	96
साइकस सेसाचलामेंसिस पी. वी. चलापति राव एवं अन्य	10	Cycas seshachalamensis P.V. Chalapathi Rao & al.	10
डैक्टिलोस्पोरा प्रोटोथैलिना (अंजी) हैफेलनर	119	Dactylospora protohallina (Anzi) Hafellner	119
डैक्टिलोस्पोरा राइमुलिकोला (मुल. आर्ग.) हैफेलनर	120	Dactylospora rimulicola (Müll.Arg.) Hafellner	120
डलबर्जिया मेथ्यूवी एस. सूसाईराज एवं अन्य	10	Dalbergia matthewii S. Soosairaj & al.	10
डेफने थगपूँसिस जयंतो घोष एवं अन्य	10	Daphne thanguensis Jayanta Ghosh & al.	10
डेन्ड्रोबियम कल्लारेंसिस जोस एवं अन्य	11	Dendrobium kallarensis Jose & al.	11
डेनिक्यूलेटा विट्टलियाई देवदत्त एवं अन्य	97	Deniquelata vittalii Devadatha & al.	97
डायट्रिपेला मैक्रोएस्का एम. निरंजन व वी. वी. शर्मा	97	Diatrypella macroasca M. Niranjana and V.V. Sarma	97
डाईकोकार्पम एडिपेंटिफोलियम (हुक. एफ. एवं थॉमसन) वांग उवं हसियो प्रभेद मेघालयेन्से मुरुगेशन एवं अन्य	35	Dichocarpum adiantifolium (Hook. f. & Thompson) Wang & Hsiao var. meghalayense Murugesan & al.	35
डिडाइमोसिटिस कॉन्सिमिलिस वेन.	120	Didymocyrtis consimilis Vain.	120
डिडाइमोसिटिस एपिफिसिसिया एर्ट्ज व डियेडेरिक	120	Didymocyrtis epiphyscia Ertz and Diederich	120
डिडाइमोसिटिस रामालिनाई (रोबर्ग व डेस्म.) एर्ट्ज, डियेडेरिक व हैफेलनर	121	Didymocyrtis ramalinae (Roberge ex Desm.) Ertz, Diederich & Hafellner	121
डिडाइमोसिटिस राइजोप्लाका वार्ड. जोशी व के. बिष्ट	97	Didymocyrtis rhizoplacae Y. Joshi & K.Bisht	97
डायमेरिया फैसिकुलाटा पी. कुमारी एवं आर. लकड़ा	11	Dimeria fasciculata P. Kumari & R. Lakra	11
डायमेरिया कालेराई पी. बीजू एवं अन्य	11	Dimeria kalerii P. Biju & al.	11
डिप्लेजियम क्रैनौरिटम फ्रेजर-जैक	51	Diplazium crenauritum Fraser-Jenk	51
डिप्लेजियम मनिकामाई फ्रेजर-जैक एवं खोलिया	51	Diplazium manickamii Fraser-Jenk & Kholia	51
डिप्लोलेवियोप्सिस रैनुला गिराल्ट व डी. हॉकशॉ	121	Diplolaeviopsis ranula Giralt and D. Hawksw.	121
डिप्लोमिटोपोरस एलांटोस्पोरस रिवार्डन व इट्टर	121	Diplomitoporus allantosporus Ryvarden & Iturr.	121
डिप्लोमिटोपोरस फ्लेवसेंस (ब्रेस.) डोमांस्की	121	Diplomitoporus flavescens (Bres.) Domański	121
डिप्लोमिटोपोरस ओवरहोल्त्सियाई (पिलैट) गिल्ब. व रिवार्डन	122	Diplomitoporus overholtsii (Pilát) Gilb. & Ryvarden	122
डिस्पोरम मिशमैसिस हरीश एवं एम. साबू	12	Disporum mishmiensis Hareesh & M.Sabu	12
द्रिपानोलेज्यूनिया मिजोरामेंसिस सुशील के. सिंह	58	Drepanolejeunea mizoramensis Sushil K. Singh	58
ड्रायोपीस अरुणाचलेंसिस फ्रेजर-जैक एवं बेन्नियामिन	51	Dryopsis arunachalensis Fraser-Jenk & Benniamin	51
इकाइनोप्लाका डिफफ्लूएंस (मूल. अर्ग.) आर. संत.	70	Echinoplaca diffluens (Müll. Arg.) R. Sant.	70
एक्ट्रोपोथेसियम सोडेल (सुल्ल.) मिट्ट	61	Ectropothecium sodale (Sull.) Mitt.	61

हिर्टीया लोगिफ्लोरा चैंप. एक्स. बेंथ.	41	<i>Ehretia longiflora</i> Champ. ex Benth.	41
इलियोकैरिस वायचुराई बोयकेलर	41	<i>Eleocharis wichurae</i> Boeckeler	41
एंडोकोकस एपिसाईकोला (जे. स्टेनर) आर. सेंट.	122	<i>Endococcus apiciicola</i> (J. Steiner) R. Sant.	122
एंडोकोकस ओरेइनी हैफेलनर	122	<i>Endococcus oreinae</i> Hafellner	122
एपिक्लेडोनिया हेटरोडर्मा वाई. जोशी एवं अन्य	97	<i>Epicladonia heterodermiae</i> Y. Joshi & al.	97
इराग्रोस्टिस ब्राउनियाइ (कुंथ) नीस	42	<i>Eragrostis brownii</i> (Kunth) Nees	42
इरिया फेरुजिनिया प्रभेद असामिका गोगोई एवं अन्य	36	<i>Eria ferruginea</i> var. <i>assamica</i> Gogoi & al.	36
यूजिनिया कलामाई शरीफ एवं अन्य	12	<i>Eugenia kalamii</i> Shareef & al.	12
यूफोर्बिया बेलाघवानोंसिस, सरोजीन एवं अन्य	12	<i>Euphorbia belagaviensis</i> Sarojin. & al.	12
फरासैनीस्पोरा एविसेन्नी अब्दल-वहाब, बहकली व ई. बी. जी. जोस	122	<i>Farasanispora avicenniae</i> Abdel-Wahab, Bahkali & E.B.G. Jones	122
फेलहानेरा पिलोमार्जिनटा लुकिंग	70	<i>Fellhanera pilomarginata</i> Lüking	70
फिस्टिबैसिलस एक्वैटिक्स दीपिका पाल एवं अन्य	146	<i>Fictibacillus aquaticus</i> Deepika Pal & al.	146
फिमब्रिस्टाइलिस अगास्थयामालार्योसिस विजी एवं प्रिथा	13	<i>Fimbristylis agasthyamalaensis</i> Viji & Preetha	13
फिमब्रिस्टाइलिस मुरथाई यारैया एवं रत्न कुमार	13	<i>Fimbristylis murthi</i> Yarrayya & Ratna Kumar	13
फिम्ब्रीस्टाईलिस वैनोवर्बेर्घाई कुक.	42	<i>Fimbristylis vanoverberghii</i> Kük.	42
फिसिडेन्स फोरमोसानस नोगुची	61	<i>Fissidens formosanus</i> Noguchi	61
फिसिडेन्स जिम्नोगायनस बेस्च.	62	<i>Fissidens gymnogynus</i> Besch	62
फिसिडेन्स ऑब्लिंगीफोलियस हुक. एफ. एवं विलसन	62	<i>Fissidens oblongifolius</i> Hook. f. & Wilson	62
फिश्यूरोमा कवचबीजाई एम. निरंजन व वी. वी. शर्मा	98	<i>Fissuroma kavachabeejae</i> M. Niranjana & V.V. Sarma	98
फिश्यूरोमा माइक्रोस्पोरम एम. निरंजन व वी. वी. शर्मा	98	<i>Fissuroma microsporum</i> M. Niranjana & V.V. Sarma	98
गैलोवायिला अवस्थीयाना एस. वाई. कोड्र. एवं डी.के. उप्रेती	67	<i>Gallowayella awasthiana</i> S. Y. Kondr. & D. K. Upreti	67
गैनोडर्मा कैपेंसे (लॉयड) टेंग	123	<i>Ganoderma capense</i> (Lloyd) Teng	123
गिल्डीनेमा सैंडबर्गाई मुरील डबल्यू. ए.	84	<i>Geitlerinema sandbergii</i> (Skuja)	84
जेन्शियाना अपर्टा मैक्सिम	42	<i>Gentiana aperta</i> Maxim.	42
जेन्शियाना अरुणाई डी. मैती एवं अन्य	13	<i>Gentiana arunii</i> D. Maity & al.	13
जेन्शियाना प्रियंगलेई एम. शबीर एवं अन्य	14	<i>Gentiana pringlei</i> M. Shabir & al.	14
जेन्शियाना वेरेनाई सी. मर्क्युयान्ड उपजाति फेवरी एस. के. दे एवं अन्य	36	<i>Gentiana vernayi</i> C. Marquand subsp. <i>favrei</i> S. K. Dey & al.	36
जेन्शियाना तुमालाईका एम. शबीर एवं अन्य	14	<i>Gentianella tumailica</i> M. Shabir & al.	14
जियोबैसिलस युमथांगोसिस इशफाक नबी नजर एवं अन्य	146	<i>Geobacillus yumthagensis</i> IshfaqNabi Najar & al.	146
गेरोनेमा केरलेंसे के. पी. डी. एवं मणिम.	98	<i>Gerronema keralense</i> K. P. D. Latha & Manim.,	98
गेरोनेमा कुरुवेंसे के. पी. डी. लता एवं मणिम.	99	<i>Gerronema kuruvense</i> K. P. D. Latha & Manim.	99
ग्लाइफोरस ग्लूटिनोसस के. दास, डी. चक्र. व विजिनी,	98	<i>Gliophorus glutinosus</i> K. Das, D. Chakr. & Vizzini,	98
गोम्फोनीमा दिरांगेन्से सुदिप्ता कु. दास, सी. राधाकृष्णन,	83	<i>Gomphonema dirangense</i> Sudipta K. Das, C. Radhakrishnan,	83
गोम्फोनीमा मायामाई सुदिप्ता कु. दास, सी. राधाकृष्णन	83	<i>Gomphonema mayamae</i> Sudipta K. Das, C. Radhakrishnan,	83
गोम्फोनीमा सापारेन्से सुदिप्ता कु. दास, सी. राधाकृष्णन,	83	<i>Gomphonema saparensense</i> Sudipta K. Das, C. Radhakrishnan,	83
ग्राफिस मीकुरायेंसिस वाय. ओहमुरा एवं एम.नाकन	71	<i>Graphis mikuraensis</i> Y. Ohmura & M. Nakan.	71
हैलोमोनस मालपीसिस पीटर कैम्फर एवं अन्य	146	<i>Halomonas malpeensis</i> Peter Kämpfer & al.	146
हेलिकोग्लोइया ग्लोबोसा ची जे. चेन व ओबर्व.	123	<i>Helicogloea globosa</i> Chee J. Chen & Oberw.	123
हैन्कैलिया पाठकाई जी. कृष्णा एवं लक्ष्मीन	14	<i>Henckelia pathakii</i> G. Krishna & Lakshmin	14
हेटेरोसेफालेक्रिया फिससियासिएर्म (डियेडेरिक) मिलानेस व वेडिन	123	<i>Heterocephalacria physciacearum</i> (Diederich) Millanes & Wedin	123
हेट्रोफायलम एफिनी (हुक.) एम. फ्लेश्च.	62	<i>Heterophyllum affine</i> (Hook.) M. Fleisch.	62
हिबिस्कस हिरटस लि. प्रभेद इनआर्टिकुलेटस एस. दत्ता एवं अन्य	35	<i>Hibiscus hirtus</i> L. var. <i>inarticulatus</i> , S. Dutta & al.	35
होरमोस्सीला फेल्डमन्नाई एनागनोस्टीडीस	84	<i>Hormoscilla feldmannii</i> Anagnostidis	84
होया पांडुराटा सिंयाग	43	<i>Hoya pandurata</i> Tsiang	43
हाइग्रोसाइबे इंडिका के. पी. डी. लता व मणिम	99	<i>Hygrocybe indica</i> K. P. D. Latha & Manim	99
हाइग्रोसाइबे राजेंद्राई यू. सिंह एवं अन्य	99	<i>Hygrocybe rajendrae</i> U. Singh & al.	99

हायस्टेरियम राइजोफोराई दयारथनेव के. डी. हाइडे	124	<i>Hysterium rhizophorae</i> Dayarathne & K. D. Hyde	124
इंपेशियंस अंजवाऐन्सिस बोराह एवं अन्य	15	<i>Impatiens anjawensis</i> Borah & al.	15
इंपेशियंस इडुमिशमैन्सिस गोगोई एवं अन्य	15	<i>Impatiens idumishmiensis</i> Gogoi & al.	15
इंपेशियंस जोसेफिया एस. थॉमस एवं अन्य	15	<i>Impatiens josephia</i> S. Thomas & al.	15
इंपेशियंस सौउलिरिया बी. मनी एवं अन्य	16	<i>Impatiens sauliereae</i> B. Mani & al.	16
इंडोपोरस ए. परिहार एवं अन्य	89	<i>Indoporus</i> A. Parihar & al.	89
इंडोपोरस शोरियाई ए. परिहार एवं अन्य	100	<i>Indoporus shoreae</i> A. Parihar & al.	100
जैसमिनियम फुसिफोलियम गैन्नेप.	43	<i>Jasminum fuchsiifolium</i> Gagnep.	43
कमालोमाइसिस पोलिसेटेटस एम. निरंजन व वी. वी. शर्मा	100	<i>Kamalomyces polyseptatus</i> M. Niranjana & V.V. Sarma	100
कार्शिया टैल्कोफिला (एक.) कोर्ब.	124	<i>Karschia talcophila</i> (Ach.) Körb.	124
नौक्सिया हुकेरी लक्ष्मीन.	16	<i>Knoxia hookeri</i> Lakshmin	16
लैक्टेरियस इंडोजोनेरिअस उनियाल एवं अन्य	101	<i>Lactarius indozonearius</i> Uniyal & al.	101
लैक्टेरियस थिंडियाई उनियाल, के. दास एवं न्यूटिंक	101	<i>Lactarius thindii</i> Uniyal, K. Das & Nuytinck	101
लेगिनेन्डा चेरुपुझिका पी. बिजू एवं अन्य	16	<i>Lagenandra cherupuzhica</i> P. Biju & al.	16
लेसिएन्थस अस्थयामलायनस आर. जगड एवं अन्य	16	<i>Lasianthus agathyamalanus</i> R. Jagad & al.	16
लेसियोत्फैरिऑप्सिस सैलिसब्यूरियाई डी. हॉकशॉ. व सिवन.	124	<i>Lasiosphaeriopsis salisburyi</i> D. Hawksw. and Sivan	124
लॉवलरिया लिकानोराई डियेडेरिक	125	<i>Lawalreea lecanorae</i> Diederich	125
लेज्यूनिया बुकपुएन्सिस सुशील के. सिंह	58	<i>Lejeunea bukpuensis</i> Sushil K. Singh,	58
लेज्यूनिया एफ्रिगाई प्रभेद इंडिका सुशील के.सिंह	59	<i>Lejeunea eifrigii</i> var. <i>indica</i> Sushil K. Singh	59
लेज्यूनिया कोलासीबेनसिस सुशील के. सिंह	58	<i>Lejeunea kolasibensis</i> Sushil K. Singh,	58
लेप्रारिया अचारिआना फ्लैक्स एवं कुक्वा	71	<i>Lepraria achariana</i> Flakus & Kukwa	71
लेप्रारिया औरसेंस ऑरेंज एवं वोल्सले	71	<i>Lepraria aurescens</i> Orange & Wolseley	71
लेप्रारिया कैसिएला आर. सी. हैरिस	71	<i>Lepraria caesiella</i> R. C. Harris	71
लेप्रारिया कैसिओएल्बा (डि लेस्ड) जे. आर. लौडॉन	72	<i>Lepraria caesioalba</i> (de Lesd) J. R. Laundon	72
लेप्रारिया क्यूप्रेसिकोला (ह्यू) जे. आर. लौडॉन	72	<i>Lepraria cupressicola</i> (Hue) J. R. Laundon	72
लेप्रारिया इबरनिया जे. आर. लौडॉन	72	<i>Lepraria eburnea</i> J. R. Laundon	72
लेप्रारिया इकोर्टीकाटा (जे. आर. लौडॉन) कुक्वा	72	<i>Lepraria ecorticata</i> (J.R. Laundon) Kukwa	72
लेप्रारिया एलोबेटा टॉसबग	73	<i>Lepraria elobata</i> Tønsberg	73
लेप्रारिया फ्रीआबिलिस लेन्डमर, के.कुंडसेन एवं एलिक्स	73	<i>Lepraria friabilis</i> Lendemer, K. Knudsen & Elix	73
लेप्रारिया ग्रैनुलाटा स्लेव.-बे	73	<i>Lepraria granulata</i> Slav.-Bay	73
लेप्रारिया इंकाना (एल.) ऐच	73	<i>Lepraria incana</i> (L.) Ach	73
लेप्रारिया इंडिका आर.बाजपेयी एवं उप्रेती	67	<i>Lepraria indica</i> R. Bajpai & Upreti,	67
लेप्रारिया इसिडियाटा (लिमोना) लिमोना एवं ए. क्रेस्प	74	<i>Lepraria isidiata</i> (Llimona) Llimona & A. Crespo	74
लेप्रारिया ल्यूकर्टियाना (जेड्डा) एल. साग	74	<i>Lepraria leuckertiana</i> (Zedda) L. Saag	74
लेप्रारिया लोबाटा एलिक्स एवं कल्ब	74	<i>Lepraria lobata</i> Elix & Kalb	74
लेप्रोकाँलोन एडहाएरेंस (के.कुंडसेन,एलिक्स एवं लेंडमर) लेंडमर एवं हाडकिंसन	74	<i>Leprocaulon adhaerens</i> (K. Knudsen, Elix & Lendemer) Lendemer & Hodkinson	74
लेप्रोकाँलोन टेक्सटम (के.कुंडसेन,एलिक्स एवं लेंडमर) लेंडमर एवं हाडकिंसन	75	<i>Leprocaulon textum</i> (K. Knudsen, Elix & Lendemer) Lendemer & Hodkinson	75
लेटोलेज्यूनिआ मिजोरमैन्सिस सुशील के. सिंह	58	<i>Leptolejeunea mizoramensis</i> Sushil K. Singh,	58
लेटोस्फेरिया सदविभाजनाबीजाई एम. निरंजन व वी. वी. शर्मा	100	<i>Leptosphaeria sadvibhajanabeejae</i> M. Niranjana & V.V. Sarma	100
लेटोस्फेरिया वेरुकुलोसा एम. निरंजन व वी. वी. शर्मा	100	<i>Leptosphaeria verruculosa</i> M. Niranjana & V. V. Sarma	100
ल्यूकास धोनिमलायेंसिस सुनोजकु. एवं के. पी. विमल	17	<i>Leucas dhonimalayensis</i> Sunojk. & K.P. Vimal	17
ल्यूकास पचमदीऐंसिस ए. पी. तिवारी एवं अन्य	17	<i>Leucas pachmarhiensis</i> A. P. Tiwari & al.	17
ल्यूकोडेक्टॉन मिनीस्पोरम लुकिंग	75	<i>Leucodecton minisporum</i> Lücking	75
ल्यूकोग्रायोफाना स्ट्यूडोमोलूस्का (परमास्टो) परमास्टो	125	<i>Leucogyrophana pseudomollusca</i> (Parmasto) Parmasto	125
लाइकेनोकोनियम एरोडेंस एम. एस. क्राइस्ट व डी. हॉकशॉ.	125	<i>Lichenocodium erodens</i> M.S. Christ. & D. Hawksw.	125

लाइकेनोपेलेला रैमेलिनी एटेयो व डियेडेरिक	125	<i>Lichenopeltella ramalinae</i> Etayo & Diederich	125
लाइकेनोस्टिग्मा इलोनोटम नॉव रॉस. व हैफेलनर	126	<i>Lichenostigma elongatum</i> Nov. Ros. & Hafellner	126
लाइकेनोथेलिया रूगोसा (जी. थॉर) एर्टज व डियेडेरिक	126	<i>Lichenothelia rugosa</i> (G. Thor) Ertz & Diederich	126
लिन्डर्निया नेल्लियमपाठीचेन्सिस सुनील एवं अन्य	17	<i>Lindernia nellyampathiensis</i> Sunil & al.	17
लिंड्टनेरिया कोर्डुलाटा (डी. पी. रोगर्स) हजोर्टस्टम	126	<i>Lindtneria chordulata</i> (D.P. Rogers) Hjortstam	126
लिपैरिस शनाई श्लटर.	43	<i>Liparis tschanii</i> Schltr.	43
लिस्टेरिया गोवाएंसिस स्वपनिल पी. दोइजद एवं अन्य	146	<i>Listeria goaensis</i> Swapnil P. Doijad & al.	146
लोफॉलेज्यूनिया बोरनिनेंसिस (स्टेफ.) वर्ड.	62	<i>Lopholejeunea borneensis</i> (Steph.) Verd.	62
ल्यूसिया ट्राइकोराइजा प्रभेद पलेवा गोगोई	36	<i>Luisia trichorrhiza</i> var. <i>flava</i> Gogoi	36
लेसियोनोटस बैजन्ताई डी. बोराह एवं ए. जोए	18	<i>Lysionotus bijantiae</i> D. Borah & A. Joe	18
मालमिडिया अटलाटिका (एम. कैसरेस एवं लुकिंग) एम. कैसरेस एवं काल्ब	75	<i>Malmidea atlantica</i> (M. Cáceres & Lücking) M. Cáceres & Kalb	75
मालमिडिया डूलोमार्जिनाटा (पापोंग एवं 75काल्ब) काल्ब एवं पापोंग	75	<i>Malmidea duplomarginata</i> (Papong & Kalb) Kalb & Papong	75
मालमिडिया हाइपोमेलियाना (नील.) काल्ब एवं लुकिंग	76	<i>Malmidea hypomelaena</i> (Nyl.) Kalb & Lücking	76
मालमिडिया पैपिल्लोसा वीरक एवं अपटरूट	76	<i>Malmidea papillosa</i> Weerak. & Aptroot	76
मालमिडिया सबऑरिगेरा (वाइन.) काल्ब एवं अन्य	76	<i>Malmidea subaurigera</i> (Vain.) Kalb et al.	76
मालमिडिया वेरियाबिलिस काल्ब	76	<i>Malmidea variabilis</i> Kalb	76
मरास्मियस सिस्टिडिएटस एस. ए. शरफुद्दीन एवं मणिम.	101	<i>Marasmius cystidiatus</i> S.A. Sharafudheen & Manim.	101
मेमिसायलोन त्रावेनकोरेन्से सिवू एवं अन्य	18	<i>Memecylon travancorense</i> Sivu & al.	18
मेट्जेरिया मिजोरमेंसिस सुशील के. सिंह एवं डी. सिंह	59	<i>Metzgeria mizoramensis</i> Sushil K. Singh & D. Singh	59
माइक्रोबैक्टेरियम टेलिफोनिकम प्रवीण राही एवं अन्य	147	<i>Microbacterium telephonicum</i> Praveen Rahi & al.	147
माइक्रोलेपिया शुभांगीआई एस. शर्मा एवं खोलिया	51	<i>Microlepia shubhangiae</i> S. Sharma & Kholia	51
मोलिनेरिया जशपुरिका ए. पी. तिवारी एवं अन्य	18	<i>Molineria jashpurica</i> A. P. Tiwari & al.	18
मोनोडिस्टिस सेलुलोसा एस. ह्यूज्स	127	<i>Monodictys cellulose</i> S. Hughes	127
मोंटेग्नूला वक्रबीजाई एम. निरंजन व वी. वी. शर्मा	102	<i>Montagnula vakrabeejiae</i> M. Niranjana and V.V. Sarma	102
मोरोस्फियरिया मुथुपेटेंसिस देवदत्त एवं अन्य	102	<i>Morosphaeria muthupetensis</i> B. Devadatha & al.	102
मूकुना यादवियाना गायकवाड एवं अन्य	19	<i>Mucuna yadaviana</i> Gaikwad & al.	19
कोम्मिलिना क्रोसेरा उपजाति क्रोसेरा (ग्रिफिथ) फाडेन	48	<i>Murdannia crocea</i> subsp. <i>crocea</i> (Griff.) Faden	48
मायरोस्टिग्मा फिलिसिनम (एलिस एवं एवेरच) फ्रिश्च एवं जी. थोर	77	<i>Myriostigma filicinum</i> (Ellis & Everch.) Frisch & G. Thor	77
नैन्जिया ग्रेसेरी राहुल शर्मा व साउचे	102	<i>Nannizzia graeserae</i> Rahul Sharma & Shouche	102
नियोएस्ट्रोस्फेरिया अलकृताबीजी एम. निरंजन व वी. वी. शर्मा	103	<i>Neoastrorphaeriella alankrithabeejiae</i> M. Niranjana & V.V. Sarma	103
नियोस्पोरिडेस्मियम गारोएन्से प्रतिभा व प्रभुग.	103	<i>Neosporidesmium garoense</i> J. Pratibha & Prabhug.	103
नियोस्पोरिडेस्मियम खासियानम प्रतिभा व प्रभुग.	103	<i>Neosporidesmium khasianum</i> Prabhug. & J. Pratibha	103
निट्सकिया मैक्रोस्पोरा टेंग	127	<i>Nitschkia macrospora</i> Teng	127
निट्सचीया सायनुआटा प्रभेद टेबेल्लेरिया (ग्रूनोंउ)	86	<i>Nitzschia sinuata</i> var. <i>tabellaria</i> (Grunow)	86
ओबेरोनिया मुथिकुलामेंसिस के. प्रसाद एवं अन्य	19	<i>Oberonia muthikulamensis</i> K. Prasad & al.	19
ओडिशा किलसटेन्था एस. मिश्रा उपजाति फ्लाबेल्लाटा एस. मिश्रा	37	<i>Odisha cleistantha</i> S. Misra subsp. <i>flabellata</i> S. Misra	37
ओडोगोनियम प्राटेन्से ट्रासाउ	86	<i>Oedogonium pratense</i> Transeau	86
ओडोगोनियम उन्डुलाटम ए. ब्राउन एक्स हिर्न	86	<i>Oedogonium undulatum</i> A. Braun ex Hirn	86
ओफियोग्लोसम गुजरातेन्से एस. एम. पाटिल एवं अन्य	52	<i>Ophioglossum gujaratense</i> S. M. Patil, & al.	52
ओफियोग्लोसम मालवियाई मितेश पटेल एवं मंडादी नरसिम्हा रेड्डी	52	<i>Ophioglossum malviae</i> Mitesh Patel & Mandadi Narsimha Reddy	52
ओफियोग्लोसम रैफिलिएनम एंटो एवं अन्य	53	<i>Ophioglossum raphalianum</i> Anto & al.	53
ओफियोराइजा जैकोबाई हरीश एवं अन्य	19	<i>Ophiorrhiza jacobii</i> Hareesh & al.	19
ओफियोराइजा जोजूई हरीश एवं एम. साबू	20	<i>Ophiorrhiza jojui</i> Hareesh & M.Saboo	20
ऑर्निथोचिलस थिंग्लियागेन्सिस जेड. एच. त्सी	44	<i>Ornithochilus yingjiangensis</i> Z.H. Tsi	44
आस्बेकिया सेड्डलेपिकेंसिस प्रशोब एवं अन्य	20	<i>Osbeckia saddlepeakensis</i> Prashob & al.	20

ओसिल्लाटोरिया लियोनार्डाई कोम्पेरे	85	Oscillatoria leonardii Compère	85
ओसिल्लाटोरिया निटिडा स्कोरबटोव	85	Oscillatoria nitida Schorbatov	85
ओसिल्लाटोरिया स्यूडोएन्ग्वीना केशरी एवं दास,	84	Oscillatoria pseudoanguina Keshri et Das	84
ओस्ट्रेडकनियोन बीजकोशाई एम. निरंजन व वी. वी. शर्मा	103	Ostreichnion beejakoshae M. Niranjana & V.V. Sarma	103
पैनाक्स अरुणाचलेन्सिस एम. तारम एवं अन्य	20	Panax arunachalensis M. Taram & al.	20
पैनक्रोटियम ब्रह्मराम्बाई सादास	21	Pancremium bhraramambae Sadas	21
पैनक्रोटियम तेलंगानेसे सादास	21	Pancremium telanganense Sadas	21
पारासोला लिलैटिक्टा (बेंडर व उल्जे) रेडहेड, विलोलिस व होप्पले	127	Parasola lilatincta (Bender & Uljé) Redhead, Vilgalys & Hoppale	127
पारसोला पार्वुला के. जी.जी. गंगा व मणिम.	104	Parasola parvula K. G. G. Ganga & Manim.	104
पार्थिनोकिस्स रेणुकाई एंटो एवं प्रदीप	21	Parthenocissus renukae Anto & Pradeep	21
पैक्सिलस ओरियेंटेल्स गेलाडी, विज्जीनी, ई. होराक व जी. वु	128	Paxillus orientalis Gelardi, Vizzini, E. Horak & G. Wu	128
पेडिकुलेरिस हुसैनियाना पी. अग्निहोत्री एवं अन्य	22	Pedicularis husainiana P. Agnihotri & al.	22
प्लियोसेन्थस अरुणाचलेन्सिस डी. के. रॉय एवं अन्य	22	Peliosanthes arunachalensis D. K. Roy & al.	22
प्लियोसेन्थस खासियाना एन. टनाका	22	Peliosanthes khasiana N. Tanaka	22
प्लियोसेन्थस सबस्पीकाटा एन. टनाका	22	Peliosanthes subspicata N. Tanaka	22
पेनियोफोरा स्यूडोवर्सिकोलर बोइडिन	128	Peniophora pseudoversicolor Boidin	128
पेपरोमिया इकाकेसारा स्याम एवं एस. नाम्पी	23	Peperomia ekakesara Syam & S. Nampy	23
पेपरोमिया इमार्जिनेटिफोलिया जे. मैथ्यू	23	Peperomia emarginatifolia J. Mathew	23
पेपरोमिया वेल्लारिमालिका जे. मैथ्यू एवं पी. एम. सालिम	23	Peperomia vellarimalica J. Mathew & P.M. Salim	23
पर्टुसरिया डेहिसेन्स प्रभेद सेकिकाइका ए.डब्लू. आर्चर एवं एलिकस	80	Pertusaria dehiscens var. sekikaica A.W. Archer & Elix	80
पर्टुसरिया मेसोट्रोपा मूल. अर्ग.	77	Pertusaria mesotropa Müll. Arg.	77
पर्टुसरिया पिलोसुला प्रभेद इंडिका आर. बाजपेयी एवं उप्रेती	68	Pertusaria pilosula var. indica R. Bajpai & Upreti,	68
पेट्रोसाविया हच.	38	Petrosavia Becc.	38
पेट्रोसाविया साकुराई (माकिनो) जे. जे. स्म. एक्स वॉन स्टीनिस	44	Petrosavia sakuraii (Makino) J.J. Smith ex van Steenis	44
पेट्रोसाविएसी हच.	37	Petrosaviaceae Hutch.	37
पेजिजेला एपिथैलिना (डबल्यू. फिलिप्स व प्लावर) सैक.	128	Pezizella epithallina (W. Philips & Plower) Sacc	128
फियोग्रफिस नीलेन्ड्री (वेन.) जाहलब्र	77	Phaeographis nylanderii (Vain.) Zahlbr.	77
फैड्योपिक्सिस पंक्टम (ए. मैसल.) रैमोबोल्ड	129	Phaeopyxis punctum (A. Massal.) Ramobold	129
फाइलागाथिस ब्लूम हच.	38	Phyllagathis Blume	38
फायल्लागाथिस इंडिका जे. मैथ्यू एवं अन्य	24	Phyllagathis indica J. Mathew & al.	24
फाइलोपोरस मैकुलेटस एन. के. जेंग, झु एल. यांग व एल. पी. टैंग	129	Phylloporus maculatus N.K. Zeng, Zhu L. Yang & L.P. Tang	129
फाइलोपोरस यून्नानेन्सिस एन. के. जेंग, झु एल. यांग व एल. पी. टैंग	129	Phylloporus yunnanensis N.K. Zeng, Zhu L. Yang & L.P. Tang	129
फैसिया फ्रेजाईलसेन्स जाहलब	77	Physcia fragilesceus Zahlbr.	77
पाइलोडर्मा लैनेटम (जुलीच) जे. एरिक्स. व एच. जोर्टस्टम	130	Piloderma lanatum (Julich) J. Erikss. & H. Jortstam	130
प्लैक्टोपाइरस हाइड्रिली सुभाष यादव एवं अन्य	147	Planctopirus hydrillae Subhash Yadav & al.	147
प्लोबेलिया खासियाना अस्थाना एवं श्रीवास्तव	59	Plaubelia khasiana Asthana and Srivastava	59
प्लेक्टोकार्पन डियेडर्टजियानम वाई. जोशी, उपाध्याय व चंद्रा	104	Plectocarpon diederzianum Y. Joshi, Upadhyay & Chandra	104
प्लेक्टोकार्पन लाइकेनम (सोमेर्फ.) डी. हॉकशॉ	130	Plectocarpon lichenum (Sommerf.) D. Hawksw.	130
प्लेक्टोकार्पन पार्मेलियेरम वाई. जोशी	104	Plectocarpon parmeliarum Y. Joshi	104
प्लेक्टरेथस गैम्बलाई स्मिता एवं सुनोजकु.	24	Plectranthus gamblei Smitha & Sunojk.	24
प्लेक्टरेथस सहयाद्रिकस स्मिता एवं सुनोजकु.	24	Plectranthus sahyadricus Smitha & Sunojk.	24
पोलिकोकम टिनेटियाई डियेडरिच	130	Polycoccum tinantii Diederich	130
पॉलिगोनेटम उन्दुलाटिफोलियम फ्लोडेन.	25	Polygonatum undulatifolium Floden.	25
पॉलिपोडियोडिस मिहियोरम फ्रेजर-जैक	53	Polypodiodes mieheorum Fraser-Jenk	53
पॉलिस्टीकम ऑस्ट्रोपेलिएसियम फ्रेजर-जैक	53	Polystichum austropaleaceum Fraser-Jenk	53
पोन्टोपोरिया मैन्गूवाई देवदत्त, वी. वी. शर्मा	104	Pontoporeia mangrovei Devadatha, V.V. Sarma	104
पोरिना हॉवियाना पी. एम. मैककार्थी	78	Porina howeana P. M. McCarthy	78

पोरिना सबनिटीडूला कालिन एवं बी. पेना	78	Porina subnitidula Colin & B. Peña	78
पोर्टूलाका बादामिका एस. आर. यादव एवं दावली	25	Portulaca badamica S. R. Yadav & Dalavi	25
पोर्टूलाका लक्ष्मीनरसिम्हानियाना एस. आर. यादव एवं दालवी	25	Portulaca lakshminarasimhaniana S. R. Yadav & Dalavi	25
पोथोस तिरुनेलवेलियेंसिस शशिकला एवं रीमा कुमारी	26	Pothos tirunelveliensis Sasikala & Reema Kumari	26
स्यूडोमोनस फ्लूवियालिस सरबजीत कौर एवं अन्य	147	Pseudomonas fluvialis Sarabjeet Kour & al.	147
स्यूडोपायरेनुला सबनुडाटा मुल. अर्ग.	78	Pseudopyrenula subnudata Müll. Arg.	78
साइक्रोमाइक्रोबियम लैकुसलुनी शशि किरण एवं अन्य	147	Psychromicrobium lacuslunae Shashi Kiran & al.	147
टेरनोपेटेलम लैटिपिन्नुलाटम (आर. एच. शान) जे. बी. टान. एवं एक्स जे. ही	45	Pternopetalum latipinnulatum (R.H. Shan) J.B. Tan & X.J. He	45
पायरेनेरिया डायोस्पायरिकापा कुर्ज प्रभेद कैमिल्लिप्लोटा (कुर्ज) एस. एक्स. यांग	48	Pyrenaria diospyricarpa Kurz var. camelliiflora (Kurz) S.X. Yang	48
पाइरेनिडियम हाइपोट्रेकिनी वार्ड. जोशी	105	Pyrenidium hypotrachynae Y. Joshi	105
राडूला कैविफोलिया हैम्पी एक्स गोस्चे, लिन्डेन्ब एवं नीस	63	Radula cavifolia Hampe ex Gottsche, Lindenb. & Nees	63
राइजोकार्पोन ओक्रोलेची (पोयेल्ट व निमिस) हैफेलनर	131	Rhizocarpon ochrolechia (Poelt & Nimis) Hafellner	131
रोडोकोकस इलेक्ट्रोडिफाइलस ई. वी. वी. रमाप्रसाद एवं अन्य	148	Rhodococcus electrophilus E. V. V. Ramaprasad & al.	148
रोडोकोलिबिया ब्रेविपस के. एन. ए. राज व मणिम	105	Rhodocollybia brevipes K.N.A. Raj & Manim	105
रोडोकोलिबिया सिलिएटोमार्जिनाटा के. पी. डी. लता व मणिम	105	Rhodocollybia ciliatomarginata K.P.D. Latha & Manim	105
रोडोडेन्ड्रॉन सिंगबाई सी. एस. पुरोहित एवं राम. कुमार	26	Rhododendron shingbae C. S. Purohit & Ram. Kumar	26
रिंकोस्टाइलिस सायमिफेरा योहानान एवं अन्य	26	Rhynchostylis cymifera Yohannan & al.	26
राइजालिया फाल्केटा एम. निरंजन व वी. वी. शर्मा	106	Rizalia falcata M. Niranjana & V.V. Sarma	106
रोसेलिनिया अट्टेनुयाटा एम. निरंजन व वी. वी. शर्मा	106	Rosellinia attenuata M. Niranjana & V.V. Sarma,	106
रोसेलिनिया टेट्रास्पोरा एम. निरंजन व वी. वी. शर्मा	106	Rosellinia tetraspora M. Niranjana & V.V. Sarma	106
रोसेलिनिएला क्लैडोनी (अंजी) मतजर व हैफेलनर	131	Roselliniella cladoniae (Anzi) Matzer and Hafellner	131
रूब्रोबैक्टर इंडिकोसियानी राउ-वेन चैन एवं अन्य	148	Rubrobacter indicocaeani Rou-Wen Chen & al.	148
रूबस रामाचंद्राई एस. एस. दाश एवं चांद. गुप्ता	27	Rubus ramachandrae S. S. Dash & Chand. Gupta	27
रूसवाकिया इंडिका एस. वाय.कोंड्रा एवं अन्य	68	Rusavskia upretii S. Y. Kondr. & al.	68
रूसवाकिया उप्रेती एस. वाय.कोंड्राट्युक एवं अन्य	68	Rusavskia upretii S. Y. Kondr. & al.	68
रूसुला ब्यूटिरोइडिका के. दास एवं बी. ब्यूक	106	Russula butyroindica K. Das & B. Buyck	106
रूसुला दार्जीलिंगेंसिस एस. पैलोई एवं अन्य	106	Russula darjeelingensis S. Paloi & al.	106
रूसुला नाथनगेंसिस के. दास एवं अन्य	107	Russula gnathangensis K. Das & al.	107
रूसुला इंडोहिमालयाना के. दास एवं अन्य	107	Russula indohimalayana K. Das & al.	107
रूसुला स्यूडॉक्रोमोल्जियाई के. दास एवं अन्य	107	Russula pseudokromholzii K. Das & al.	107
रूसुला सबअल्पाइनोग्रिसिया के. दास एवं अन्य	107	Russula subalpinogrisea K. Das & al.	107
सैकेरोथ्रिक्स थारेंसिस ए. इबेयैमा एवं अन्य	148	Saccharothrix tharensis A. Ibeyama & al.	148
सक्सेनामाइकस कमालियाई सूर्यवंशी एवं अन्य	108	Saksenamyces kamalii Surywanshi & al.	108
सक्सेनामाइसेस सूर्यवंशी एवं अन्य	89	Saksenamyces Surywanshi & al.	89
सैलिबैक्टेरियम नाइट्रेटाइरेडुकेंस हरजोध सिंह एवं अन्य	148	Salibacterium nitratireducens Harjodh Sing & al.	148
सार्कोग्राफा डिफोर्मिस (वेन.) जाहलब्र	78	Sarcographa difformis (Vain.) Zahlbr.	78
सिमोसाइबे अमारा (मुर.) सिंग.	131	Simocybe amara (Murr.) Sing.	131
सिस्टोट्रेमा डायडेमिफेरम (बोरडॉट व गलजीन) डॉक	132	Sistotrema diademiferum (Bourdot & Galzin) Donk	132
सिस्टोट्रेमा किर्घिजिसम (परमास्टो) डोमैनस्की	132	Sistotrema kirghizicum (Parmasto) Domański	132
सिस्टोट्रेमा मैक्रोस्पोरम मन. कौर एवं अन्य	108	Sistotrema macrosporum Man. Kaur & al.	108
स्माइलैक्स सैलेनाई शर्मा, बरूआ, बोरठाकुर	27	Smilax sailenii Sarma, Baruah & Borthakur	27
सोनेरेल्ला लेटिटाईटिका रेश्मी, मनुदेव एवं नामपी	27	Sonerila lateritica Resmi, Manudev & Nampy	27
सोनेरेल्ला राघवियाना रथीश एवं अन्य	28	Sonerila raghaviana Ratheesh & al.	28
सोनेरेल्ला श्रीनारायनियाना सुनील एवं अन्य	28	Sonerila sreenarayaniana Sunil & al.	28
स्फैरिल्लोसिस्टीस इल्लिपसोइडिया इंटल	85	Sphaerello cystis ellipsoidea Ettl	85
स्फैरेलोथेसियम क्लैडोनी (अल्सट्रूप व झुर्ब.) हैफेलनर	132	Sphaerellothecium cladoniae (Alstrup & Zhurb.) Hafellner	132

स्फैरेलोथेसियम पार्मलाई डियेडेरिक व एटयो	132	Sphaerellothecium parmeliae Diederich & Etayo	132
स्फैरेलोथेसियम प्यूमिलम (लेट्टाउ) नैव.-रोस., क्ल. राउक्स व हैफेलनर	133	Sphaerellothecium pumilum (Lettau) Nav.-Ros., Cl. Roux & Hafellner	133
स्फैरेलोथेसियम थैमनोली झुर्व.	133	Sphaerellothecium thamnoliae Zhurb.	133
स्फैरोपेजिया पर्दुसेराई (एटयो, डियेडेरिक व कॉपिंस) बैलोच व वेडिन	133	Sphaeropezia pertusariae (Etayo, Diederich & Coppins) Baloch and Wedin	133
स्फिक्ट्रिना ल्यूकोपोडा नाइल.	134	Sphinctrina leucopoda Nyl.	134
स्फिंगोबैक्टेरियम बोविसग्रुन्निंटिस मनप्रीत कौर एवं अन्य	149	Sphingobacterium bovisgrunnientis Manpreet Kaur & al.	149
स्पिलेंथस टेट्रालोबाटा रश्मी एवं राजालक्ष्मी	28	Spilanthes tetralobata Reshmi & Rajalakshmi	28
सोपोरोपोडियम सबफलावेसकेन्स लुकिंग एवं लुम्बश्च	79	Sporopodium subflavescens Lücking & Lumbsch	79
स्पूसीएन्थस सेमीरेपेन्डस प्रभेद इंडिकस सुशील के. सिंह	60	Spruceanthus semirepandus var. indicus Sushil K. Singh	60
स्टेपलटोनिया रिगोएन्से एल. बी. सिंह एवं अन्य	29	Stapletonia rigoense L. B. Singha & al.	29
स्टोरोनिस स्मीथियाई (ग्रूनॉउ)	85	Stauroneis smithii (Grunow)	85
स्टेकोरिनम क्रेमिकॉलर एच. एस. युआन व शेंग एच. वु	134	Steccherinum cremicolor H.S. Yuan & Sheng H. Wu	134
स्टिगमिडियम फस्केटी (अरनोल्ड) आर. सैंट	134	Stigmatidium fuscatae (Arnold)R. Sant.	134
स्टिगमिडियम हेटेरोडर्मी एटयो	134	Stigmatidium heterodermiae Etayo	134
स्टिगमिडियम माइकोबाइलिम्बी क्ल. राउक्स, ट्राइबेल व एटयो	135	Stigmatidium mycobilimbiae Cl. Roux, Triebel & Etayo	135
स्टिगमिडियम स्क्वावैमेरी (बी. डे लेसड.) क्ल. राउक्स व ट्राइबेल	135	Stigmatidium squamariae (B. de Lesd.) Cl. Roux & Triebel	135
स्टिरटोनिया घाटेंसिस सुमेश एन. डुडनी एवं अन्य	68	Stirtonia ghattensis Sumesh N. Dudani & al.	68
स्ट्रिगा मुस्सेलमानाई ओमालश्री एवं वी. के. श्रीनिवास	29	Striga musselmanii Omalsree & V. K. Sreenivas	29
स्ट्रोबिलेंथस कन्नाई जोसकुट्टी एवं अन्य	29	Strobilanthes kannanii Josekutty & al.	29
स्ट्रोबिलेंथस ओर्बिकुलाटा एस. थॉमस एवं अन्य	30	Strobilanthes orbiculata S. Thomas & al.	30
स्टाईलोसैन्थस हमाटा (लि) टॉब.	45	Stylosanthes hamata (L.) Taub.	45
स्यूलस फ्लेविडस (फ्र.) सिंगर	135	Suillus flavidus (Fr.) Singer	135
स्यूलस प्लेसिडस (बोर्नॉर्ड) सिंगर	135	Suillus placidus (Bonord.) Singer	135
सिम्फायसोडोंटेला सिलिन्ड्रेसिया (मोंट.) एम.फ्लैश्च	63	Symphysodontella cylindracea (Mont.) M. Fleisch.	63
सिसेसिया अलबिसेड़ा (नील.) टेलर	79	Syncesia albiseda (Nyl.) Tehler	79
सिजाईजियम भरथाई रामास	30	Syzygium bharathii Ramas	30
सिजाईजियम धनाशियाना रथीस एवं अन्य	30	Syzygium dhaneshiana Ratheesh & al.	30
टेमेरिरियोमाइकस इंडिकम दुबे	108	Temerariomyces indicum Dubey	108
टेमेरिरियोमाइसिस सूडॉन	111	Temerariomyces Sutton	111
टर्मिनेलिया कांची धाबे	31	Terminalia kanchii Dhabe	31
टर्मिनेलिया माओई धाबे	31	Terminalia maoi Dhabe	31
टर्मिनेलिया शंकरानाओई धाबे	31	Terminalia shankarraoi Dhabe	31
टर्मिडोमाइकस बुल्बोरिजस टी. जेड. वेइ	136	Termitomyces bulborhizus T.Z. Wei	136
टेट्रामेलस पुल्वरुलेंटस (अंजी) ए. नॉर्डिन व टिबेल	136	Tetramelas pulverulentas (Anzi) A. Nordin & Tibell	136
थालेशोर्हैडस अल्कालिटोलेरेंस विष्णुवर्धन रेड्डी एवं अन्य	149	Thalassorhabdus alkalitolerans Vishnuvardhan Reddy & al.	149
थालेशोर्हैडस विष्णुवर्धन रेड्डी एवं अन्य	143	Thalassorhabdus Vishnuvardhan Reddy & al.	143
थैलेक्ट्रम नैनितालेन्से हर्ष सिंह एवं अन्य	32	Thalictrum nainitalense Harsh Singh & al.	32
थायूएरा प्रोपियोनिका दीपिका पाल एवं अन्य	149	Thauera propionica Deepika Pal & al.	149
थेलेफोरा सिक्किमेंसिस के. दास एवं अन्य	109	Thelephora sikkimensis K. Das & al.	109
थिमिडा हलफेरी हैक.	45	Themeda helferi Hack.	45
थिरुमलाचारिया थाणेंसिस दुबे	109	Thirumalacharia thanensis Dubey	109
थिस्मीया ऑरेंटिएका हरीश एवं एम. साबू	32	Thismia aurantiaca Hareesh & M.Sabu,	32
थिक्ससर्पमम फोरमोसम (हायाता) श्चलर	46	Thrixspermum formosanum (Hayata) Schltr.	46
थाइरिडेरिएल्ला बी. देवदत्त एवं अन्य	90	Thyridariella B. Devadatha & al.	90
थाइरिडेरिएला महाकोशी देवदत्त एवं अन्य	109	Thyridariella mahakoshae Devadatha & al.	109
थाइरिडेरिएला मैंग्रोवेई बी. देवदत्त एवं अन्य	110	Thyridariella mangrovei B. Devadatha & al.	110

द्राचीफायलम बोरगिनाई (रेनॉल्ड एवं कार्डोट) ब्रॉथ.	63	<i>Trachyphyllum borgenii</i> (Renauld & Cardot) Broth.	63
ट्रेमेल्ला एवरनी डियेडेरिक	136	<i>Tremella everniae</i> Diederich	136
ट्रेमेल्ला पारमेलियारम डियेडेरिक	137	<i>Tremella parmeliarum</i> Diederich	137
ट्रेमेल्ला स्टिक्टाई डियेडेरिक	137	<i>Tremella stictae</i> Diederich	137
ट्रायचेरिया सेंटोसोनियाना काल्ब एवं जेदा	79	<i>Tricharia santessoniana</i> Kalb & Vězda	79
ट्राइकोथेलियम सिपमन्नाई लुकिंग	79	<i>Trichothelium sipmanii</i> Lücking	79
ट्राईपोगोन बाईमुक्रोनाटस थोइबा एवं सुनील	32	<i>Tripogon bimucronatus</i> Thoiba & Sunil	32
ट्राईपोगोन नल्लामलायएनस रासिंगम एवं जे. स्वामी	33	<i>Tripogon nallamalayanus</i> Rasingam & J. Swamy	33
ट्राईपोगोन उमा-गणेशाई बी. आर. पी. रॉव एवं एम. अनिल कुमार	33	<i>Tripogon uma-ganeshii</i> B.R.P.Rao & M.Anil Kumar	33
ट्रायपेथेलियम जानथोप्लेटिसटोमम फलेक्स एवं एपट्रूट	80	<i>Trypethelium xanthoplatystomum</i> Flakus & Aptroot	80
टूपिसट्रा लियोनिडाई डी. के. रॉय एवं ए. ए. माओ	33	<i>Tupistra leonidii</i> D.K. Roy & A.A. Mao	33
टूपिसट्रा नागारम एन. ओडियो एवं अन्य	34	<i>Tupistra nagarum</i> N. Odyuo & al.	34
टाइलोपाइलस हिमालयानस डी. चक्र एवं अन्य	110	<i>Tylophilus himalayanus</i> D. Chakr. & al.	110
टाइलोपाइलस नियोफेलस होंगो	137	<i>Tylophilus neofelleus</i> Hongo	137
टाइलोपाइलस स्यूडोबैलोई के. दास एवं अन्य	110	<i>Tylophilus pseudoballoui</i> K. Das & al.	110
टाइलोस्पोरा फिब्रिलोसा (बर्ट) डॉक	138	<i>Tylospora fibrillosa</i> (Burt) Donk	138
उदारिया डी. के. सिंह एवं अन्य	57	<i>Udaria</i> D. K. Singh & al.	57
उडेरिया लेमेलीकाँउलिस डी. के. सिंह एवं अन्य	59	<i>Udaria lamellicaulis</i> D.K. Singh & al.	59
वरबास्कम सोनगारिकम श्रेनक	46	<i>Verbascum songaricum</i> Schrenk	46
वेरोनिका पेरेग्रिना लि.	47	<i>Veronica peregrina</i> L.	47
वेरुकरिया लैटेरिकोला एरिक्सन	138	<i>Verrucaria latericola</i> Erichsen	138
विरिडोथेलियम सोलोमोनेसे एपट्रूट	138	<i>Viridothelium solomonense</i> Aptroot	138
वौऑक्सियोमाइक्स रामालिनाई (नॉर्डिन) डी. हॉकशॉ	139	<i>Vouauxiomyces ramalinae</i> (Nordin) D. Hawksw.	139
व्रेडाजिनिया नूडा ब्लुमे	47	<i>Vrydagzynea nuda</i> Blume	47
जिंजिबर कॉडेटम बिसेस्वरी एवं बिपिन	34	<i>Zingiber caudatum</i> Biseshwori & Bipin	34
जिंजिबर कांग्लीपाकेन्से किशोर एवं स्कोरनिक	34	<i>Zingiber kangleipakense</i> Kishor & Škorničk	34
ज्वाखियोमासेस सोशिऐलिस (कोर्ब.) क्ल. राउक्स	139	<i>Zwackhiomyces socialis</i> (Körb.) Cl. Roux	139
ज्वाखियोमाइक्स स्फिक्ट्रिनोइडस (ज्वाक) ग्रुबे व हैफेलनर	139	<i>Zwackhiomyces sphinctrinoides</i> (Zwackh) Grube & Hafellner	139

Paryavaran Bhawan,
CGO Complex, Lodhi Road,
New Delhi – 110 003.

Dated the 12th September, 2012

ORDER

Subject :- Designation of repositories under the Biological Diversity Act, 2002

In exercise of the powers conferred by sub-section(1) of Section 39 of the Biological Diversity Act, 2002, read with sections 6 and 12 of Notification S.O. 1911(E), dated 8th November, 2006, and in continuation of this Ministry's Order dated 28th August, 2008, the Ministry of Environment & Forests, Government of India, hereby designates the National Bureau of Agriculturally Important Insects as the repository under the Act for agriculturally important insects, mites and spiders.

2. In accordance with sub-section (2) of Section 39 of the Act, the designated repository shall also keep in safe custody the representative samples, as voucher specimens of the biological material accessed in accordance with the provisions of Section 19 of the Act, alongwith relevant information related to the material, such as DNA fingerprints, if so required by the National Biodiversity Authority (NBA).
3. The designated repository shall also keep in safe custody the type specimen deposited by any person who discovers a new taxon, in accordance with sub-section (3) of Section 39 of the Act.
4. This order issues with the approval of the competent authority.



(Hem Pande)

Joint Secretary to the Government of India

To

1. The Director, National Bureau of Agriculturally Important Insects (NBAII), P.O. No. 2491, H.A. Farm Post, Bellary Road, Bangalore-560 024
2. Directors of institutions designated as repositories vide order dated 28.8.12:
 - i. The Director, Botanical Survey of India, CGO Complex, 3rd MSO Building, Block F, DL Block, Sector 1, Salt Lake City, Kolkata – 700 064.
 - ii. The Director, Zoological Survey of India (ZSI), Prani Vigyan Bhawan, M- Block, New Alipore, Kolkata - 700 053.
 - iii. The Director, National Bureau of Plant Genetic Resources, Pusa Campus, New Delhi-110 012.
 - iv. The Director, National Botanical Research Institute, Rana Pratap Marg, P. B. No. 436, Lucknow – 226 001, U.P.

- v. The Director General, Indian Council of Forestry Research & Education, P. O. New Forests, Dehradun – 248 006, Uttarakhand.
- vi. The Director, National Bureau of Animal Genetic Resources, Makrampur Campus, G.T. Road Bye Pass, Near Basant Vihar, P.O. Box 129, Karnal (Haryana)-132001.
- vii. The Director, National Bureau of Fish Genetic Resources, Canal Ring Road, P.O. Dilkusha, Telibagh, Lucknow- 226 002, Uttar Pradesh.
- viii. The Director, National Institute of Oceanography, Dona Paula – 403 004, Goa.
- ix. The Director, Wildlife Institute of India, P.B. No. 18, Chandrabani, Dehradun –248 001, Uttarakhand.
- x. The Director, National Bureau of Agriculturally Important Micro-organisms, Kusmaur (Post Bag Kaithauli), Post Box. No. 6, Mau Nath Bhanjan, Uttar Pradesh- 275 101.
- xi. The Director, Institute of Microbial Technology, Sector 39-A, Chandigarh – 160 036.
- xii. The Director, National Institute of Virology, 20-A, Dr. Ambedkar Road, P.B.No.11, Pune- 411 001.
- xiii. The Director, Indian Agricultural Research Institute, Pusa Road, New Delhi- 110012.

Copy to:

- i. The Chairman, National Biodiversity Authority, Chennai
- ii. The Secretary, National Biodiversity Authority, Chennai

**No. 26-15/2007-CSC
Government of India
Ministry of Environment and Forests**

**Paryavaran Bhawan
CGO Complex, Lodhi Road,
New Delhi-110 003
Dated the 28th August, 2008**

ORDER

Subject : Designation of repositories under the Biological Diversity Act, 2002

In exercise of the powers conferred by sub-section(1) of section 39 of the Biological Diversity Act, 2002, read with sections 6 and 12 of Notification S.O. 1911(E), dated 8th November, 2006. The Ministry of Environment and Forests, Govt. of India, hereby designates the following institutions to act as repositories under the Act for different categories of biological resources :

S.No.	Name of Institution	Category of Biological Resource
1.	Botanical Survey of India, Kolkata	Flora (Angiosperms, Gymnosperms, Pteridophytes, Bryophytes, Lichens, Macro fungi, Macroalgae)
2.	National Bureau of Plant Genetic Resources, New Delhi	Plant genetic resources
3.	National Botanical Research Institute, Lucknow	Flora (Angiosperms, Gymnosperms, Pteridophytes, Bryophytes, Lichens, Macrofungi, Macroalgae)
4.	Indian Council of Forestry Research and Education, Dehradun (Forest Research Institute, Dehradun; Institute of Forest Genetics and Tree Breeding, Coimbatore; and Tropical Forest Research Institute, Jabalpur)	Flora (Angiosperms, Gymnosperms, Pteridophytes, Bryophytes, Lichens, Macrofungi, Macroalgae). For TFR I only Fauna (termites, butterflies, moths)
5.	Zoological Survey of India, Kolkata	Fauna
6.	National Bureau of Animal Genetic Resources, Karnal, Haryana.	Genetic resources of domestic animals
7.	National Bureau of Fish Genetic Resources, Lucknow, U.P.	Fish genetic resources
8.	National Institute of Oceanography, Goa	Marine flora and fauna
9.	Wildlife Institute of India, Dehradun	Faunal resources in Protected Areas
10.	National Bureau of Agriculturally Important Microorganisms, Mau Nath Bhanjan, U.P.	Agriculturally important microorganisms
11.	Institute of Microbial Technology, Chandigarh	Microorganisms
12.	National Institute of Virology, Pune	Viruses
13.	Indian Agricultural Research Institute, New Delhi	Microbes/Fungi

2. In accordance with sub-section (2) of Section 39 of the Act, the designated repositories shall also keep in safe custody the representative samples, as voucher specimens of the biological material accessed in accordance with the provisions of Section 19 of the Act, alongwith relevant information related to the material, such as DNA fingerprints, if so required by the National Biodiversity Authority (NBA).
3. The designated repositories at serial No. 1, 3, 4, 5, 10, 11, 12 and 13 shall also keep in safe custody the type specimen deposited by any person who discovers a new taxon, in accordance with sub-section (3) of Section 39 of the Act.
4. The order issues with the approval of this competent authority.

Sd/-
(A.K. Goyal)
Joint Secretary to the Government of India

To

1. Director, Botanical Survey of India, CGO Complex, 3rd MSO Building, Block F, DF Block, Sector I, Salt Lake City, Kolkata-700 064.
2. Director, Zoological Survey of India (ZSI), Prani Vigyan Bhawan, M-Block, New Alipore, Kolkata-700 053
3. Director, National Bureau of Plant Genetic Resources, Pusa Campus, New Delhi-110 012.
4. Director National Botanical Research Institute, Rana Pratap Marg, P.B. No. 436, Lucknow-226 001. U.P.
5. Director General, Indian Council of Forestry Research & Education, P.O. New Forests, Dehradun-248 006, Uttarakhand.
6. Director, National Bureau of Animal Genetic Resources, Makrampur Campus, G.T. Road Bye Pass, Near Basant Vihar, P.O. Box 129, Karnal (Haryana)-132001.
7. Director, National Bureau of Fish Genetic Resources, Canal Ring Road, P.O. Dilkusha, Telibagh, Lucknow-226 002, Uttar Pradesh
8. Director, National Institute of Oceanography, Dona Paula-403 004. Goa
9. Director, Wildlife Institute of India, P.B. No. 18, Chandrabani, Dehradun-248 001, Uttarakhand.
10. Director, National Bureau of Agriculturally Important Microorganisms, Kusmaur (Post Bag Kaithauli), Post Box No. 6, Mau Nath Bhanjan, Uttar Pradesh-275 101.
11. Director, Institute of Microbial Technology, Sector 39-A, Chandigarh-160 036.
12. Director, National Institute of Virology, 20-A, Dr. Ambedkar Road, P.B. No. 11, Pune-411 001.
13. Director, Indian Agricultural Research Institute, Pusa Road, New Delhi.

Copy to the Chairman, National Biodiversity Authority, 475, 9th South Cross Street, Kapaleeswarar Nagar, Nelankarai, Chennai-600 004.



	NORTHERN REGIONAL CENTRE DEHRADUN, UTTARAKHAND		EASTERN REGIONAL CENTRE SHILLONG, MEGHALAYA
	ARID ZONE REGIONAL CENTRE JODHPUR, RAJASTHAN		ARUNACHAL PRADESH REGIONAL CENTRE ITANAGAR, ARUNACHAL PRADESH
	WESTERN REGIONAL CENTRE PUNE, MAHARASHTRA		SIKKIM HIMALAYAN REGIONAL CENTRE GANGTOK, SIKKIM
	SOUTHERN REGIONAL CENTRE COIMBATORE, TAMIL NADU		ANDAMAN & NICOBAR REGIONAL CENTRE PORT BLAIR, ANDAMAN & NICOBAR ISLANDS
	DECCAN REGIONAL CENTRE HYDERABAD, ANDHRA PRADESH		REGIONAL CENTRE OFFICE
	CENTRAL NATIONAL HERBARIUM HOWRAH, WEST BENGAL		REGIONAL CENTRE OFFICE WITH A SALE COUNTER OF BSI PUBLICATIONS
	CENTRAL REGIONAL CENTRE ALLAHABAD, UTTAR PRADESH		